FDDI

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार

एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक
राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

2022-23

एफडीडीआई
अधिनियम 2017 के अन्तर्गत
एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

वार्षिक प्रतिवेदन

91-120-4500100
contact@fddiindia.com
www.fddiindia.com
A-10/A, Sector-24,
NOIDA-201301 (U.P) INDIA

भारत में एफडीडीआई के परिसर

DAkkS
Deutsche Akkreditierungsstelle
D-PL-11339-01-00

A MEMBER OF SATRA TECHNOLOGY CENTRE

OUR VISION

"हमारे प्रयास उस दिशा में होंगे, जो हमारे उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता, प्रतिक्रिया और लागत प्रभावशीलता के कारण इस संस्थान को फैशन, डिजाइन, प्रौद्योगिकी और खुदरा प्रबंधन के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बनाता है।"

"भारत को दुनिया में फुटवियर डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के लिए अग्रणी केंद्र बनाने के हमारे प्रयास में, हम भारतीय उद्योग के लिए डिजाइन, विकास, उत्पादन और सहायता सेवा के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।"

एफ. डी. डी. आई. के द्वारा डिजाइन और प्रशिक्षण में

वैश्विक हस्तक्षेप

विषय-सूची

पृष्ठ सं.

01. अध्यक्ष का संदेश 06

02. सचिव का संदेश 07

03. धन्यवाद ज्ञापन 08

04. सूचना 09

05. शासी परिषद के सदस्यों की सूची 11

06. एफडीडीआई का परिचय और परिसरों के बारे में 12

07. प्रदर्शन झलकियां 32

08. मील के पत्थर 45

09. भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट 145

10. वित्तीय रिपोर्ट 149

अध्यक्ष का संदेश

आशीष दीक्षित

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) विस्तार एवं विकास के एक उत्तेजक पथ पर अग्रेषित है तथा इसने अपनी उत्कृष्टता के 38 साल पूरे कर लिए हैं।

हमारे बारह परिसरों में, छात्र अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को पूर्ण कर रहे हैं तथा फुटवियर, लेदर, फैशन, रिटेल एवं प्रबंधन के व्यापक विषयों में अपनी उपाधि हासिल कर रहे हैं।

संस्थान शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है, नई क्षमताओं को प्राप्त करने, कौशल विकसित करने, एक शिक्षित मानव संसाधन का निर्माण करने तथा सॉफ्ट पावर का एक मजबूत उद्योग इंटरफेस बनाने का अवसर प्रदान करता है।

एफडीडीआई पिछले कुछ वर्षों से कॉर्पोरेट जगत, विशेष रूप से फुटवियर एवं फैशन उद्योग के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रबंधकों तथा पेशेवरों को प्रशिक्षित करने की अपनी प्रतिष्ठा पर खरा उतर रहा है।

एफडीडीआई ने पिछले कुछ वर्षों में जो सफलता एवं ब्रांड बनाया है, वह प्रबंधन, संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों के दिल से समर्थन तथा सहयोग के बिना संभव नहीं था।

यह वार्षिक रिपोर्ट संगठनात्मक संरचना, कार्यों का एक संक्षिप्त दृष्टिकोण प्रदर्शित करती है तथा वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान एफडीडीआई द्वारा विशेष पहलों का भी उल्लेख प्रस्तुत करती है।

मैं बिना किसी संकोच के कह सकता हूं कि हमारे परिणाम पूरी तरह से हमारे मिशन के अनुरूप हैं, और हम चुनौतियों से निपटने तथा मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए तत्पर रहेगें।

मैं, एफडीडीआई, प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य कर रहे कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, के कुशल मार्गदर्शन में एफडीडीआई के श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सभी कर्मचारियों द्वारा दिए गए योगदान, अथक एवं समर्पित प्रयासों की सराहना करता हूं।

आप सभी को भविष्य के प्रयासों हेतु शुभकामनाएं।

आशीष दीक्षित
अध्यक्ष,
एफडीडीआई, शासी परिषद (जी.सी)

सचिव का संदेश

कर्नल पंकज कुमार सिन्हा,

मुझे फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) की वार्षिक रिपोर्ट के साथ वित्त वर्ष 2022–23 के लिए लेखा परीक्षण विवरण एवं लेखा परीक्षक की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

एफडीडीआई के 'सचिव' के रूप में 06 अप्रैल 2023 को शामिल होने के बाद से, तथा उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 21 सितंबर 2023 को प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई के अतिरिक्त प्रभार सौंपे जाने के बाद से, मैं बारह परिसरों में एफडीडीआई की सभी गतिविधियों की देखभाल कर रहा हूं।

एफडीडीआई विशेष रूप से उभरती प्रौद्योगिकियों में सीखने एवं शिक्षण की नई विधियों को अपनाते हुए भारत में अपने प्रगतिशील विस्तार के लिए अथक प्रयासरत है।

एफडीडीआई ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन एवं डेटा विश्लेषण में एआई एप्लीकेशन, नवीनतम सॉफ्टवेयर, ऑगमेंटेड रियलिटी एप्लीकेशन तथा डिजिटल एंटरप्राइज जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, एफडीडीआई के मौजूदा परिसरों में से सात को 'उत्कृष्टता केन्द्र' (सीओई) में उन्नयन करके इंडस्ट्री 4.0 एप्लीकेशन की प्रक्रिया शुरू की है।

इन उत्कृष्टता केन्द्रों के पास न केवल अनुसंधान तथा विकास में सहायता करने के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध बुनियादी ढांचे एवं कौशल हैं, बल्कि उत्पाद विकास, तकनीकी सहायता तथा ऊष्मायन एवं उद्यमिता विकास केंद्रों जैसी उद्योग की समस्याओं का समाधान करना है।

वित्तीय प्रदर्शन के संबंध में वित्त वर्ष 2022 – 23 में, वर्ष के लिए कुल आय 60.98 करोड़ रुपये है, जबकि वर्ष के लिए कुल व्यय 72.05 करोड़ रुपये (2.24 करोड़ रुपये के मूल्यह्रास के बिना) है। वित्त वर्ष के लिए शुद्ध घाटा 13.36 करोड़ रुपये है। व्यय में वृद्धि एफडीडीआई के परिसर कोलकाता, चेन्नई, रोहतक एवं नोएडा में किया गया पहला उच्चस्तरीय मरम्मत कार्य के कारण हुई है।

एफडीडीआई के पास अब अपनी वित्त एवं लेखा नियमावली है जिसे शासी परिषद (जीसी) द्वारा विधिवत अनुमोदित एवं एनआईएफएम के माध्यम से श्रेणीबद्ध किया गया है क्योंकि एफडीडीआई के पास कोई वित्त एवं लेखा नियमावली नहीं थी। यह नियमावली लेखांकन पद्धति के संचयी रूपों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है ताकि लेखांकन के लिए सभी आवश्यकताओं एवं प्रक्रियाओं को शामिल किया जा सके और प्रक्रियाओं के मानकीकरण को भी शामिल किया जा सके।

संस्थान छात्रों को समग्र शिक्षा प्रदान करने के लिए उद्योगों के साथ पारस्परिक संबंधों को लगातार प्रोत्साहित करता है। वर्ष के दौरान, हमारे नियमित शैक्षणिक पाठ्यक्रम के अलावा, हमारे छात्रों की क्षमता का निर्माण करने के लिए कई वेबिनार, कार्यशालाएं एवं संगोष्ठी आयोजित किए गए। हमारे छात्रों ने न केवल शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, बल्कि डिजाइन एवं उत्पाद विकास में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में पुरस्कार भी जीते हैं। मैं सभी प्रतिभाशाली छात्रों के अथक प्रयासों के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

संस्थान अपने विस्तारित पूर्व छात्र डेटाबेस एवं पूर्व छात्रों के संपर्क को बेहतर बनाने के लिए व्यापक तथा श्रमसाध्य प्रयास कर रहा है।

मैं इस अवसर पर वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों के अथक प्रयासों के लिए अपनी हार्दिक सराहना एवं आभार व्यक्त करता हूं।

मैं, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, सचिव (डीपीआईआईटी), अपर सचिव (डीपीआईआईटी), सचिव (वाणिज्य), संयुक्त सचिव (वाणिज्य), चमड़ा अनुभाग तथा मंत्रालय के अन्य अधिकारियों तथा एफडीडीआई की शासी परिषद को उनके मार्गदर्शन, सक्रिय समर्थन तथा हमारे विकास के अगले चरण के लिए हमारी क्षमताओं में अटूट विश्वास के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

कर्नल पंकज कुमार सिन्हा,
सचिव, एफडीडीआई

धन्यवाद ज्ञापन

शासी परिषद (जी.सी) उद्योग के अनुकूल नीतियों को तैयार करने में उनकी विभिन्न पहलों और लेदर और फुटवियर उद्योग को उनके निरंतर समर्थन के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री भारत सरकार, माननीय श्री पीयूष गोयल जी के प्रति आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद, भारतीय चमड़ा और फुटवियर उद्योग को निरंतर समर्थन प्रदान करने के लिए माननीय राज्य मंत्री, श्री सौम प्रकाश जी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार तथा माननीय राज्य मंत्री, सुश्री अनुप्रिया पटेल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के प्रति भी आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद, भारतीय चमड़ा और फुटवियर उद्योग को समर्थन देने के लिए माननीय वित्त मंत्री, सुश्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के श्री राजेश कुमार सिंह, भा.प्र.से, सचिव, डीपीआईआईटी, को विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन एवं लेदर और फुटवियर उद्योग को बढ़ावा देने तथा एफडीडीआई को दिए गए सहयोग एवं सहायता के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद, एफडीडीआई को दिए गए नियमित मार्गदर्शन, सहयोग और सहायता एवं फुटवियर क्षेत्र को बढ़ावा देने में विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए श्री राजीव सिंह ठाकुर, भा.प्र.से., अपर सचिव, डीपीआईआईटी के प्रति आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद, एफडीडीआई को दिए गए सहयोग और सहायता एवं लेदर एवं फुटवियर उत्पाद उद्योग की समस्याओं को हल करने में अपना समर्थन और मार्गदर्शन के लिए वाणिज्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त करती है और विशेष रूप से श्री सुनील बर्थवाल, भा.प्र.से., वाणिज्य सचिव, को धन्यवाद देती है।

शासी परिषद, पूर्व सचिव, डीपीआईआईटी–श्री अनुराग जैन, भा.प्र.से., पूर्व सचिव, वाणिज्य – श्री बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम, भा.प्र.से., एफडीडीआई के लिए उनके समर्थन और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद, लेदर और फुटवियर उद्योग और रिटेल क्षेत्र के प्रति अपने बहुमूल्य सुझाव देने एवं एफडीडीआई द्वारा संचालित पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के उन्नयन, छात्रों के स्थानन एवं एफडीडीआई की विभिन्न सेवाओं में सुधार के लिए आभार व्यक्त करती है। हम भविष्य में भी ऐसे सहयोग और सहायता की उम्मीद करते हैं।

शासी परिषद, भारतीय चमड़ा और फुटवियर उत्पाद उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किए गए बहुमूल्य सहयोग और सहायता के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और अन्य राज्य सरकारों के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी धन्यवाद करती है।

NOTICE

Footwear Design & Development Institute,
Ministry of Commerce & Industry, Government of India,
A-10/A, Sector 24, Noida – 201301

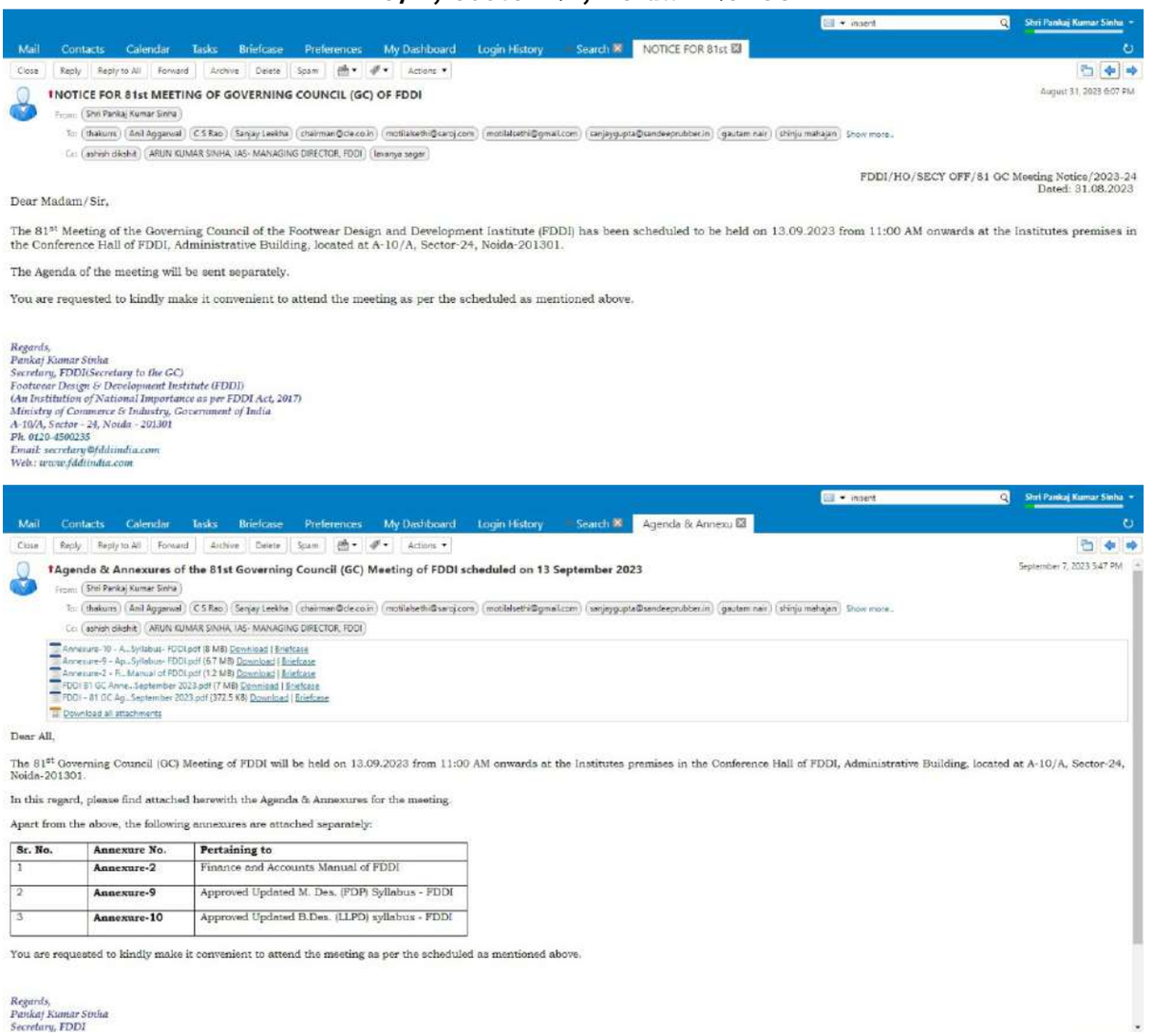

Mail Contacts Calendar Tasks Briefcase Preferences My Dashboard Login History Search NOTICE FOR 81st

Close Reply Reply to All Forward Archive Delete Spam Actions

NOTICE FOR 81st MEETING OF GOVERNING COUNCIL (GC) OF FDDI

August 31, 2023 6:07 PM

From: Shri Pankaj Kumar Sinha

To: thakurrs Anil Aggarwal C S Rao Sanjay Leekha chairman@cle.co.in motilalsethi@sarcj.com motilalsethi@gmail.com sanjaygupta@sandeeprubber.in gautam nair shinju mahajan Show more..

Cc: ashish dikshit ARUN KUMAR SINHA, IAS- MANAGING DIRECTOR, FDDI levanya segar

FDDI/HO/SECY OFF/81 GC Meeting Notice/2023-24
Dated: 31.08.2023

Dear Madam/Sir,

The 81st Meeting of the Governing Council of the Footwear Design and Development Institute (FDDI) has been scheduled to be held on 13.09.2023 from 11:00 AM onwards at the Institutes premises in the Conference Hall of FDDI, Administrative Building, located at A-10/A, Sector-24, Noida-201301.

The Agenda of the meeting will be sent separately.

You are requested to kindly make it convenient to attend the meeting as per the scheduled as mentioned above.

Regards,
Pankaj Kumar Sinha
Secretary, FDDI(Secretary to the GC)
Footwear Design & Development Institute (FDDI)
(An Institution of National Importance as per FDDI Act, 2017)
Ministry of Commerce & Industry, Government of India
A-10/A, Sector - 24, Noida - 201301
Ph. 0120-4500235
Email: secretary@fddiindia.com
Web.: www.fddiindia.com

Mail Contacts Calendar Tasks Briefcase Preferences My Dashboard Login History Search Agenda & Annexu

Close Reply Reply to All Forward Archive Delete Spam Actions

Agenda & Annexures of the 81st Governing Council (GC) Meeting of FDDI scheduled on 13 September 2023

September 7, 2023 5:47 PM

From: Shri Pankaj Kumar Sinha

To: thakurrs Anil Aggarwal C S Rao Sanjay Leekha chairman@cle.co.in motilalsethi@sarcj.com motilalsethi@gmail.com sanjaygupta@sandeeprubber.in gautam nair shinju mahajan Show more..

Cc: ashish dikshit ARUN KUMAR SINHA, IAS- MANAGING DIRECTOR, FDDI

Annexure-10 - A...Syllabus- FDDI.pdf (8 MB) Download | Briefcase
Annexure-9 - Ap...Syllabus- FDDI.pdf (6.7 MB) Download | Briefcase
Annexure-2 - Fi...Manual of FDDI.pdf (1.2 MB) Download | Briefcase
FDDI 81 GC Anne...September 2023.pdf (7 MB) Download | Briefcase
FDDI - 81 GC Ag...September 2023.pdf (372.5 KB) Download | Briefcase
Download all attachments

Dear All,

The 81st Governing Council (GC) Meeting of FDDI will be held on 13.09.2023 from 11:00 AM onwards at the Institutes premises in the Conference Hall of FDDI, Administrative Building, located at A-10/A, Sector-24, Noida-201301.

In this regard, please find attached herewith the Agenda & Annexures for the meeting.

Apart from the above, the following annexures are attached separately:

Sr. No.	Annexure No.	Pertaining to
1	**Annexure-2**	Finance and Accounts Manual of FDDI
2	**Annexure-9**	Approved Updated M. Des. (FDP) Syllabus - FDDI
3	**Annexure-10**	Approved Updated B.Des. (LLPD) syllabus - FDDI

You are requested to kindly make it convenient to attend the meeting as per the scheduled as mentioned above.

Regards,
Pankaj Kumar Sinha
Secretary, FDDI

Agenda Items for the 81st Governing Council Meeting of FDDI - 13.09.2023

<table>
<tr><th>Sr.No.</th><th>Item & Description</th><th>Pages</th></tr>
<tr><td>1</td><td>Agenda

(A total of 09 Agenda Items)</td><td>
<table>
<tr><th>Item No.</th><th>Description</th><th>Page No.</th></tr>
<tr><td colspan="3">ACCOUNTS & FINANCE</td></tr>
<tr><td>81.1</td><td>Confirmation of the Minutes of the 80th GC Meeting held on 12th July 2023</td><td>03</td></tr>
<tr><td>81.2</td><td>Annual Audited Statement of FDDI for the year 2022-23</td><td>04</td></tr>
<tr><td>81.3</td><td>Finance and Accounts Manual of FDDI</td><td>05</td></tr>
<tr><td colspan="3">CENTRE OF EXCELLENCE (CoEs)</td></tr>
<tr><td>81.4</td><td>Sanctioning of Manpower & Recruitment Rules of Four COEs</td><td>06</td></tr>
<tr><td></td><td>HUMAN RESOURCE DEPARTMENT</td><td></td></tr>
<tr><td>81.5</td><td>1. Creation of Chief Administrative Officer Posts and Recruitment Rules thereof
&
2. Amendment in the FDDI Recruitment Rules for counting PhD Experience as part of Work Experience</td><td>07</td></tr>
<tr><td>81.6</td><td>Reducing License Fee Rates for Using Official Accommodation</td><td>08</td></tr>
<tr><td></td><td>ADMISSION & PROMOTION</td><td></td></tr>
<tr><td rowspan="4">81.7</td><td>1. Approval of Proposed Programme offered for the Session 2024-25</td><td rowspan="4">09-10</td></tr>
<tr><td>2. Approval of Proposed Regular Seats for session 2024-25 & NRI/Industry Sponsored Seats for session 2024-25</td></tr>
<tr><td>3. Approval of Proposed Fee Structure for B. Design (Undergraduate) M. Design & MBA (Post Graduate) Programmes offered at FDDI for the Session 2024-25 & NRI / Industry Sponsored fee for session 2024-25</td></tr>
<tr><td>4. Approval of Proposed Fee Structure for the BBA Programmes offered at FDDI for the Session 2024-25</td></tr>
<tr><td></td><td>GENERAL ADMINISTRATION</td><td></td></tr>
<tr><td>81.8</td><td>Record Retention Schedule of FDDI</td><td>11</td></tr>
<tr><td></td><td>STUDENT AFFAIRS & EXAMINATION DEPARTMENT</td><td></td></tr>
<tr><td>81.9</td><td>Two Agenda Points of 9th Senate Meeting of FDDI</td><td>12</td></tr>
</table>
</td><td>01-12</td></tr>
<tr><td>2</td><td>Annexures</td><td>For agenda no. 81.2, 81.4, 81.5, 81.6, 81.7 & 81.8</td><td>01-92</td></tr>
<tr><td>3</td><td>Annexure-2</td><td>Separate for agenda no. 81.3 - Finance and Accounts Manual of FDDI</td><td>01-71</td></tr>
<tr><td>4</td><td>Annexure-9</td><td>Separate for agenda no. 81.9 - Approved Updated M. Des. (FDP) Syllabus - FDDI</td><td>01-110</td></tr>
<tr><td>5</td><td>Annexure-10</td><td>Separate for agenda no. 81.9 - Approved Updated B.Des. (LLPD) syllabus - FDDI</td><td>01-145</td></tr>
</table>

एफडीडीआई के शासी परिषद के सदस्य

क्र.सं.	सदस्य का नाम	पद
1.	श्री आशीष दीक्षित, अध्यक्ष, एफडीडीआई एवं प्रबंध निदेशक, आदित्य बिरला फैशन एण्ड रिटेल, लिमिटेड	अध्यक्ष
2.	श्री राजीव सिहं ठाकुर, भा.प्र.से. अपर सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग	सदस्य (पदेन)
3.	श्री अनिल अग्रवाल, भा.प्र.से. संयुक्त सचिव, वाणिज्य विभाग	सदस्य (पदेन)
4.	श्री सी.एस. राव, उप सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग	सदस्य (पदेन)
5.	श्री संजय लीखा, अध्यक्ष, चर्म निर्यात परिषद (सीएलई)	सदस्य
6.	श्री मोती लाल सेठी, अध्यक्ष, इंडियन लेदर गारमेंट्स एसोसिएशन (आईएलजीए)	सदस्य
7.	श्री संजय गुप्ता, अध्यक्ष, इफ्कोमा	सदस्य
8.	श्री गौतम नायर, अध्यक्ष, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) नेशनल कमैटी ऑन फुटवियर एण्ड लेदर प्रोडक्टस एण्ड सीईओ, टेंजेरीन डिजाइन्स प्राइवेट लिमिटेड	सदस्य
9.	प्रो. डॉ शिंजू महाजन, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी), नई दिल्ली	सदस्य
10.	श्री परवीन नाहर, निदेशक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी)	सदस्य
11.	डॉ के. जे. श्रीराम, निदेशक, केन्द्रीय चमडा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई)	सदस्य
12.	प्रो. सुमेर सिंह, डिजाइन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली	सदस्य
13.	डॉ एम कन्नड़ासन, प्रो. भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रायपुर	सदस्य
14.	कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, सचिव, एफडीडीआई	सचिव, शासी परिषद

एफडीडीआई प्रोफाइल

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) की स्थापना वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 1986 में फुटवियर और संबद्ध उत्पाद उद्योगों के विकास और संवर्धन के लिए की गई थी।

वर्षों से, एफडीडीआई ने फैशन, चमड़े के उत्पादों, रिटेल एवं फैशन उत्पादों में शिक्षा में विस्तार किया और फुटवियर, चमड़ा, फैशन, रिटेल एवं प्रबंधन के क्षेत्रों में कौशल अंतराल को पाटकर भारतीय उद्योग को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एफडीडीआई अपने विशिष्ट पाठ्यक्रम, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और अनुभवी संकाय के साथ कुशल जनशक्ति की मांग को पूरा करके अप्रयुक्त प्रतिभा और उद्योग एवं इनके वैश्विक समकक्षों के बीच एक माध्यम के रूप में कार्य कर रहा है।

संस्थान, उद्योगों के लिए पेशेवरों तैयार करके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए एफडीडीआई अधिनियम, 2017 के अंतर्गत 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' का दर्जा दिया गया और यह फुटवियर, लेदर तथा संबद्ध उद्योगों के लिए 'वन स्टॉप सॉल्यूशंस प्रदाता' के रूप में कार्य कर रहा है।

एफडीडीआई, अपने नोएडा, फुर्सतगंज, चेन्नई, कोलकाता, रोहतक, छिंदवाड़ा, गुना, जोधपुर अंकलेश्वर, बनूर, पटना और हैदराबाद में स्थित अपने 12 उच्च तकनीकी से डिजाइन किए गए परिसरों के माध्यम से निम्नलिखित दीर्घकालिक कार्यक्रमों का संचालन करके उद्योग को प्रशिक्षित मानव संसाधन प्रदान कर रहा है।

संस्थान अपने चार स्कूलों जैसे स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी), और स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) के माध्यम से निम्नलिखित दीर्घकालिक कार्यक्रम आयोजित करता है:

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (पीजी कार्यक्रम)		
क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	मास्टर ऑफ डिजाइन–फुटवियर डिजाइन एण्ड प्रोडक्सन– (एम . डेस–एफडीपी)	2 वर्ष (4 सेमेस्टर)
2.	मास्टर ऑफ डिजाइन–फैशन डिजाइन– (एम . डेस–एफडी)	2 वर्ष (4 सेमेस्टर)
3.	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन–रिटेल एण्ड फैशन मर्चेंडाइज (एमबीए–आरएफएम)	2 वर्ष (4 सेमेस्टर)
स्नातक उपाधि कार्यक्रम (यूजी कार्यक्रम)		
1.	बैचलर ऑफ डिजाइन– फुटवियर डिजाइन एण्ड प्रोडक्सन– (बी . डेस–एफडीपी)	4 वर्ष (8 सेमेस्टर)
2.	बैचलर ऑफ डिजाइन–लेदर लाइफस्टाइल एण्ड प्रोडक्ट डिजाइन– (बी. डेस–एलएलपीडी)	4 वर्ष (8 सेमेस्टर)
3.	बैचलर ऑफ डिजाइन– फैशन डिजाइन (बी .डेस–एफडी)	4 वर्ष (8 सेमेस्टर)
4.	बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन–रिटेल एण्ड फैशन मर्चेंडाइज (बीबीए–आरएफएम)	4 वर्ष (8 सेमेस्टर)

दीर्घकालिक कार्यक्रमों के अलावा, इस क्षेत्र के तकनीकी उन्नयन और क्षमता निर्माण के लिए, संस्थान अल्पकालिक उद्योग विशिष्ट प्रमाण पत्र कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

एफडीडीआई उच्च शोध और अद्यतन उद्योग उन्मुख पाठ्यक्रम का संचालन करता है। यह पद्धति छात्रों को उन्नत शिक्षण सामग्री, इंटर्नशिप के माध्यम से व्योहारिक अनुभव, नौकरी परामर्श, प्लेसमेंट गतिविधियों और भविष्य के अधिकारियों के रूप में समग्र रूप से तैयार करने एवं पेशेवर तरीके से उनके कौशल और महत्वाकांक्षाओं को शिक्षित करने में मदद करता है।

असंगठित क्षेत्र के लिए जमीनी स्तर पर कौशल उन्नयन के उद्देश्य से एफडीडीआई ने लेदर फुटवियर के क्षेत्र में लगे दूरस्थ गांवों एसएमई समूहों में कारीगरों को लेदर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी संस्कृति का प्रसार एवं स्थिरता बनाए रखते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया है।

एफडीडीआई ने सहारनपुर, जयपुर, अलवर, पटियाला, अबोहर, फाजियालका, मुक्तसर और मलोट के चमड़ा क्षेत्र में लगे 20,000 से अधिक कारीगरों एसएमई को प्रशिक्षण प्रदान किया।

एफडीडीआई फुटवियर, हस्तशिल्प, हथकरघा और चमड़ा उद्योगों से संबंधित कारीगरों को उनके उत्पादों के लिए प्रचार, डिजाइन और प्रौद्योगिकी और अन्य वांछित आवश्यक प्रशिक्षण के संदर्भ में हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एफडीडीआई ने डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए कौशल उन्नयन के माध्यम से क्षमता निर्माण के माध्यम से क्षमता निर्माण और उत्पाद विकास, गुणवत्ता आश्वासन, प्रौद्योगिकी वृद्धि और अन्य प्रबंधकीय, पर्यावरण और व्यावसायिक समाधानों के लिए चमड़ा उद्योग को तकनीकी सहायता और समर्थन प्रदान करने में अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से फुटवियर, चमड़ा और संबद्ध उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 37 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं।

एफडीडीआई अपने कार्यक्रमों के माध्यम से उच्चतम प्रशिक्षित विशेष पेशेवरों को शिक्षित करने के लिए जाना जाता है। संस्थान के पास एक मजबूत पूर्व छात्र आधार और मजबूत उद्योग संबंध है। देश के लगभग सभी प्रमुख उद्योग संस्थान से जुड़े हुए हैं, कार्यक्रम डिजाइन, पाठ्यक्रम उन्नयन, विशेषज्ञता व्याख्यान आदि जैसे शैक्षणिक मामलों में महत्वपूर्ण भागीदारी रखते हैं।

एफडीडीआई को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का गौरवशाली स्थान मिलने के उपरांत उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट और स्नातकोत्तर डिग्री के लिए अपने पाठ्यक्रमों को डिजाइन करने की स्वायत्तता है। इस नए विकास के साथ, छात्र उच्च अध्ययन के लिए आवेदन करने में सक्षम होंगे और केंद्र /राज्य सरकार की नौकरियों के लिए भी आवेदन कर सकेंगे।

आईएनआई निरंतर प्रगति के बाद, एफडीडीआई के पाठ्यक्रमों को उद्योगो के सुझाव के आधार पर संकाय सदस्यों द्वारा उन्नत किया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए आगे अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को शामिल किया गया है कि विभिन्न पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो।

एफडीडीआई में शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करने के लिए, संस्थान ने नॉर्थम्प्टन विश्वविद्यालय – यूनाइटेड किंगडम, एआरसुटोरिया स्कूल – मिलान (इटली) जैसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थानों के साथ अकादमिक समझौता किया है।

एफडीडीआई ने राष्ट्र मे ही नही अपितु बांग्लादेश, श्रीलंका जैसे एशियाई देशों और इथियोपिया, बोत्सवाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका आदि जैसे कई अफ्रीकी देशों में प्रशिक्षण और परामर्श के क्षेत्र में अपनी जगह बनाई है।

नई क्षमताओं को प्राप्त करने, कौशल विकसित करने और उच्च मानव संसाधन तैयार करने के लिए, राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआई) के रूप में एफडीडीआई छात्रों, संकाय और कर्मचारियों को सम्मेलनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

क्र. सं.	विषयगत क्षेत्र में स्थापित सीईओ	एफडीडीआई परिसर
1.	डिजाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफेस के केन्द्र	चेन्नई
2.	लेदर उत्पादों और सहायक उपकरण के लिए डिजाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफेस– विस्तारित	हैदराबाद
3.	लेदर फिनिशिंग नवाचार और उत्पाद रिटेलिग केंद्र	पटना
4.	लेदर के सामान, वस्त्र और सहायक उपकरण के लिए केंद्र	कोलकाता
5.	उच्च प्रदर्शन /विशेष फुटवियर और उत्पाद एवं स्टार्ट अप	जोधपुर
6.	अनुसंधान एवं विकास, पाठ्यक्रम विकास और लेदर, फैशन फुटवियर एवं उत्पाद नवाचार के लिए केंद्र	नोएडा
7.	नॉन–लेदर फुटवियर, उत्पाद और सहायक उपकरण के लिए केंद्र	रोहतक

भारत सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की भारतीय फुटवियर, चमड़ा और सहायक उपकरण विकास कार्यक्रम (आईएफएलएडीपी) की उप–योजना संस्थागत सुविधाओं की स्थापना के तहत एफडीडीआई ने एफडीडीआई के मौजूदा परिसरों में से सात को उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में स्तरोन्नत करके विश्व स्तरीय अवसंरचना और कौशल का विकास किया है।

एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन और डेटा विश्लेषण में एआई एप्लिकेशन, नवीनतम सॉफ्टवेयर और संवर्धित वास्तविकता अनुप्रयोग, डिजिटल उद्यम जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, एफडीडीआई ने इन सीओई के परिचालन के माध्यम से उद्योग 4.0 आवेदन की प्रक्रियाओं को शुरू किया है, जो सर्वोत्तम हैं, उपलब्ध बुनियादी ढाँचा और कौशल न केवल अनुसंधान और विकास में सहायता करता हैं, बल्कि उत्पाद विकास, तकनीकी सहायता और ऊष्मायन और उद्यमिता विकास केंद्रों जैसी उद्योग की चिंताओं को भी दूर करते हैं।

उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) जो परिचालित किए गए हैं, छात्रों, उद्योग, शिक्षाविदों, डिजाइनरों, शोधकर्ताओं और शैक्षिक संस्थानों के लिए एक अद्वितीय जीवंत केंद्र के रूप में कार्य करेंगे, जो विशेष रूप से फुटवियर, फैशन, लेदर के उत्पादों, रिटेल एवं फैशन उत्पादों से संबंधित विशेषज्ञता के विशेष विषयगत क्षेत्र को संबोधित करने के लिए सुसज्जित सुविधा प्रदान करेंगे।

एफडीडीआई परिसरों के बारे में

एफडीडीआई के सभी परिसर अच्छी तरह से डिजाइन किए गए उद्योग उन्मुख पाठ्यक्रम वाले पेशेवर कार्यक्रमों का संचालन करते हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी और तुलनात्मक बने रहने के लिए विश्व स्तरीय मशीनरी, उपकरणों एवं प्रशिक्षण सहायता के साथ समर्थित सिद्धांत और अभ्यास का एक अच्छा संयोजन है।

समग्र विकास के अधिदेश के अनुरूप ठोस संरचना और प्राकृतिक वातावरण के बीच संतुलन बनाए रखते हुए एफडीडीआई परिसरों का विकास किया गया है।

जिस उत्साह के साथ हर त्योहार और सामाजिक कार्यक्रम मनाया जाता है, वह एफडीडीआई समुदाय में घनिष्ठ संबंध का प्रतिबिंब है। एफडीडीआई द्वारा आयोजित फैशन शो बहुत लोकप्रिय हैं।

सभी परिसरों में खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां छात्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करती हैं।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर

फुटवियर के क्षेत्र में देश की जरूरतों, आकांक्षाओं और फैशन उद्योग के उभरते रूझानों को पूरा करने हेतु प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने हेतु इस परिसर की स्थापना की गई है। फुटवियर, लेदर का समान एवं उभरते बाजारों की नई दुनियां से जोडकर प्रशिक्षित जन शक्ति तैयार करने के उद्देश्य से इस परिसर की 1996 में स्थापना की गई थी।

9 एकड की परिधि में फैला यह सफेद गुंबदनुमा परिसर हरियाली से युक्त है।प्रकाश की शक्तिशाली किरणें और छाया एक नाटकीय और शांत वातावरण बनाती हैं जो छात्रों में नई ऊर्जा का संचार कर उन्हे नवोन्मेषी बनाता है।

प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के लिए एफडीडीआई में अत्याधुनिक मशीनरी एवं उपकरणों से सुसज्जित कटिंग, क्लोजिंग, कम्पोनेंट, लास्टिंग, फिनिशिंग संचालन के लिए एक पूर्ण कार्यशाला है।

इसमें उत्पाद विकास केंद्र (पीडीसी), पुस्तकालय, कक्षाएं, सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र (आईटीएससी), अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) आदि भी हैं।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर

यह परिसर चेन्नई से 40 मिनट की ड्राइव पर एसआईपीसीओटी फुटवियर और कंपोनेंट पार्क के पास इरुंगट्टुकोट्टई में स्थित है। सबसे आकर्षक परिसर क्षेत्र 15 एकड की परिधि में फैला हुआ है, जो शांत झील के दृश्य में स्थित है जो कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और श्रीपेरंबदूर जैसे प्राचीन अत्याधुनिक शहरों से घिरा हुआ है।

परिसर में 4 लाख वर्ग फीट से अधिक का निर्मित क्षेत्र है। प्रशासनिक ब्लॉक, कार्यशाला भवन, रिटेल ब्लॉक, संसाधन केंद्र, छात्रावास और स्टाफ क्वार्टर शामिल है। परिसर का एक उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा एवं आधुनिक सुविधाएं, विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के संचालन में सहायता करती हैं। एक हाई–टेक कंप्यूटर लैब और डिजाइन स्टूडियो, क्लास रूम, व्याख्यान हॉल के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित और केंद्रीय वातानुकूलित भवन, नवीनतम मल्टीमीडिया ऑडियो–वीडियो, शिक्षण के लिए शैक्षिक सहायता और एक पूरी तरह से सुसज्जित सभागार है।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर

एफडीडीआई का यह पूर्ण परिसर कृषि विश्वविद्यालय और अंबेडकर स्कूल से दो तरफ से घिरा हुआ है और सामने

जोधपुर को नागौर/बीकानेर से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग 65 है। यह कैंपस 15 एकड़ भूमि में फैला हुआ है।

एफडीडीआई जोधपुर में अत्याधुनिक मशीनरी और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, स्मार्ट क्लास रूम, नवीनतम मशीनों और उपकरणों के साथ कार्यशालाएं, हाई–टेक आईटी लैब, पुस्तकालय, लड़कों और लड़कियों के लिए छात्रावास आदि शामिल हैं।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ परिसर

यह एफडीडीआई परिसर राष्ट्रीय राजमार्ग 07, चंडीगढ़–पटियाला राजमार्ग, बनूर, जिला के पास स्थित है। 7.2 एकड़ भूमि में फैला हुआ यह परिसर अत्याधुनिक आवास और इमारतों के साथ चंडीगढ़/मोहाली शहर के संस्थागत क्षेत्र के केंद्र में स्थित है।

पर्याप्त वातानुकूलित कक्षाओं, आधुनिक अत्याधुनिक मशीनरी से लैस तकनीकी कार्यशालाओं के अलावा, इसमें सम्मेलन हॉल, सेमिनार हॉल, सभागार, आईटीएससी, डिजाइन स्टूडियो, सीएडी–सीएएम प्रयोगशाला और डिजिटल ई–लाइब्रेरी है।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर

एफडीडीआई रोहतक परिसर 17 एकड़ भूमि में फैला हुआ है और उद्योग की डिजाइन और फैशन संबंधी आवश्यकता पर गहन रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है।

हरियाणा में लेदर और फुटवियर क्लस्टर में काफी संभावनाएं हैं। हरियाणा के वर्तमान क्लस्टर जैसे बहादुरगढ़, फरीदाबाद, करनाल और अंबाला आदि तेजी से विस्तार कर रहे हैं और भविष्य का वादा कर रहे हैं और यह संस्थान उनकी विकास प्रक्रिया में उत्प्रेरक के रूप में काम कर रहा है।

एफडीडीआई रोहतक केंद्र डिजाइन, फैशन और रुझान पूर्वानुमान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में उद्योग को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है ताकि भारतीय उद्योग वैश्विक बाजार में डिजाइन, लागत, गुणवत्ता और वितरण आदि के मामले में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर

भारत में चमड़ा उद्योग के समग्र विकास के लिए प्रशिक्षित पेशेवर और अन्य तकनीकी सेवाओं की सख्त आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स, कोलकाता में एफडीडीआई का एक केंद्र स्थापित किया गया है।

कोलकाता अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। एक ओर चमड़े की डिजाइनिंग और दूसरी ओर निर्यात में कांथा सिलाई के साथ, कोलकाता ने हमेशा फैशन और जीवन शैली की दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज की है।

कोलकाता चमड़े के सामान और सहायक उपकरण का केंद्र होने के नाते, यह परिसर संस्थान द्वारा प्रशिक्षित जनशक्ति के माध्यम से एक प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए जूते के डिजाइन, खुदरा और व्यापारिक कार्यक्रमों के साथ चमड़े के सामान और सहायक उपकरण के डिजाइन पर गहन रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह कैंपस 15 एकड़ भूमि में फैला हुआ है।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर

एफडीडीआई–फुर्सतगंज परिसर, 9.4 एकड़ भूमि के क्षेत्र मे इंदिरा गांधी उड्डयन अकादमी, फुर्सतगंज, सी.एस.एम. नगर में स्थित है। यह उत्तर प्रदेश, लखनऊ से 80 मिनट की ड्राइव दूरी पर है।

अत्यंत सुविधापूर्वक सुसज्जित परिसर मे फूटवेयर और चमड़े के सामान उत्पाद डिजाइन, खुदरा प्रबंधन और फैशन मर्चेडाइजिंग के क्षेत्र मे ऊधोग के लिए प्रशिक्षण और उच्च स्तरीय सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करता है।

चमड़े के उत्पादों और जूतों के लिए कानपुर और उन्नाव समूह काफी विकसित हैं। खुदरा क्षेत्र में लखनऊ और कानपुर के क्षेत्र बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं जो एफडीडीआई को गुणात्मक वैश्विक कैरियर की तलाश करने वाले इच्छुक युवाओं के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाता है।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर

छिंदवाड़ा का एफडीडीआई परिसर इमलिखेड़ा, छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश मे छिंदवाड़ा नागपुर रोड पर 20 एकड़ भूमि मे फैला हुआ है ।

यह संस्थान उन लोगों की सहायता करने में सक्षम है जो अपना खुद का उद्योग स्थापित करना चाहते हैं और संगठन का व्यवसाय बढ़ाने में मदद करना चाहते हैं।

एफडीडीआई, गुना परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर ग्राम महाराजपुरा पंचायत, हरिपुर, ग्राम पुरापोसर रोड, जिला गुना, मध्य प्रदेश में 20 एकड़ भूमि क्षेत्र में स्थित है।

गुना में एफडीडीआई परिसर की परिकल्पना उद्योग में प्रशिक्षित जनशक्ति की भारी कमी को पूरा करने के लिए प्रबंधकों, डिजाइनरों, पर्यवेक्षकों और खुदरा पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से की गई है।

एफडीडीआई, पटना परिसर

एफडीडीआई का यह पटना परिसर, प्लॉट नं बी–6(पी) मेगा इंडस्ट्रियल पार्क, बिहटा, पटना में स्थित है, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना, बिहार से 30 मिनट की दूरी पर स्थित है।

इस परिसर में फुटवियर तकनीक और प्रबंधन, चमड़ा का सामान और अन्य सामग्रियों की डिजाइन, निर्माण और खुदरा प्रबंधन से जुड़े विषयों पर शिक्षा देने हेतु उन्नत संसाधन मौजूद है।

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर गुजरात राज्य के भरूच जिले में सूरत के बगल में एनएच –8 मुंबई–अहमदाबाद राजमार्ग से सटे प्लॉट नंबर एच –3301, ईएसआईसी अस्पताल, जीआईडीसी, अंकलेश्वर औद्योगिक एस्टेट के पास स्थित है।

10 एकड़ भूमि क्षेत्र में फैले परिसर में फुटवियर प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, चमड़े के सामान और सहायक उपकरण डिजाइन निर्माण और खुदरा प्रबंधन के क्षेत्र में अत्याधुनिक केंद्र है।

एफडीडीआई अंकलेश्वर परिसर में इंटरैक्टिव और व्यावहारिक उन्मुख प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए विनिर्माण प्रौद्योगिकी के प्रत्येक क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में विशेष कार्यशालाओं के साथ स्मार्ट क्लास रूम बनाए गए हैं।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर तेलंगाना राज्य चमड़ा उद्योग प्रचार निगम (टीएसएलआईपीसी) निलेक्स परिसर, एचएस दरगाह में 14 एकड़ भूमि क्षेत्र में स्थित है। इसका पता है– गच्चीबौली, बीदर–हैदराबाद रोड, हैदराबाद, तेलंगाना।

यह आईटी उद्योग इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी (एचसीयू), गचीबोवली स्टेडियम जैसे शैक्षणिक संस्थानों से घिरे शहर मे अवस्थित है। और फिल्म नगर, बंजारा हिल्स और जुबली हिल्स आदि जैसे टाउनशिप की भी मांग है।

परिसर में फुटवियर और संबद्ध उत्पाद उद्योगों के विकास और प्रचार के लिए प्रशिक्षण और सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करने के लिए समर्थन सुविधाओं के साथ–साथ अत्याधुनिक प्रशिक्षण के लिए बुनियादी ढांचा यहाँ है।

संकाय

एफडीडीआई के संकाय, फुटवियर, फैशन डिजाइन, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और रिटेल के क्षेत्र में उच्च ज्ञान रखने वाले विषय–वस्तु विशेषज्ञ शामिल हैं, जिन्होंने भारत तथा विदेशों के कुछ प्रमुख संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

इन संकायों के पास उत्पादकता, उत्पाद विकास को बढ़ावा देने और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए फुटवियर उद्योग की सहायता करने के लिए भारत और भारतीय उप–महाद्वीप और दक्षिण–पूर्व एशिया के देशों में उद्योगों के लिए परामर्श कार्यो का व्यावहारिक अनुभव है।

अतिथि संकाय में फैशन डिजाइन, फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन मैनेजमेंट, विजुअल मर्चेंडाइजिंग और रिटेल के क्षेत्र से उद्योगों के शीर्ष पेशेवर शामिल हैं।

इन परिसरों में शिक्षण का माध्यम आकर्षक शिक्षण प्रणाली पर आधारित है।

क्लास रूम

एफडीडीआई परिसरों में कक्षाएं न केवल सीखने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए बनाई गई हैं, बल्कि छात्रों के पास मौजूद ज्ञान की खोज को पोषित करने के लिए भी बनाई गई हैं।

अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी)

एफडीडीआई के पास दो अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) हैं, एक उत्तर भारत (नोएडा) और दूसरा दक्षिण भारत (चेन्नई) में स्थित है। आईटीसी नोएडा एसएटीआरए, यूनाइटेड किंगडम (यूके), और भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा मान्यता प्राप्त है। आईटीसी चेन्नई को एसएटीआरए यूके से भी मान्यता प्राप्त है।

आईटीसी केंद्र लेदर, लेदर के उत्पादों, फुटवियर (सेफ्टी, फैशन और स्पोर्टस), फुटवियर कम्पोनेंट, कपड़ा उत्पादों और प्लास्टिक के परीक्षण में विशेषज्ञता है।

इसे आईएसओ 9001 और आईएसओ 14001 से सम्मानित किया गया है और इसके द्वारा अनुमोदित है:

- भारतीय मानक ब्यूरो
- जनरल मोटर्स
- डीजीएक्यूए राइट्स
- डीजीएस एंड डी, भारत

आईटीसी के पास पूर्ण रासायनिक और भौतिक प्रयोगशालाएं हैं, जहां सभी प्रकार के रसायन और भौतिक परीक्षण जैसे एजेडओ, पीसीपीय फॉर्मलाडेहाइड, स्लिप रेजिस्टेंस हाइड्रोलिसिस आदि तय समय–सीमा (टीएटी) के भीतर निष्पादित किए जाते हैं। भौतिक प्रयोगशाला यूएनडीपी सहायता के तहत बीएएलएलवाई स्विट्जरलैंड के सहयोग से स्थापित की गई थी।

रासायनिक प्रयोगशाला पीएफआई, जर्मनी के तकनीकी सहयोग से स्थापित की गई है और यह एशिया की एक प्रमुख परीक्षण प्रयोगशाला है। दोनों प्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक परीक्षण उपकरणों का विधिवत जांच और सबसे अधिक मांग वाले उद्योग मानकों के अनुरूप है।

रासायनिक प्रयोगशाला उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी), यूवी–विजिबल स्पेक्ट्रोमीटर, मास स्पेक्ट्रोमीटर (जीसी–एमएस) के साथ

युग्मित गैस क्रोमैटोग्राफी, मास स्पेक्ट्रोमीटर (आईसीपी–एमएस) के साथ प्रेरक युग्मित प्लाज्मा, ईसीडी के साथ गैस क्रोमैटोग्राफी और विश्लेषण के लिए प्रसंस्करण उपकरण जैसे परिष्कृत उपकरणों से सुसज्जित है।

प्रयोगशाला में परीक्षण ग्राहक की आवश्यकता के आधार पर विभिन्न मानकों के अनुसार आयोजित किए जाते हैं। विश्वसनीयता और प्रामाणिकता इन केन्द्रों का मूलमंत्र है।

इन प्रयोगशालाओं के माध्यम से, यह रीबॉक, नाइकी, एडिडास, प्यूमा, फिला, बाटा, लिबर्टी, रेड चीफ, खादिम, पैरागॉन, सुपर हाउस, स्केचर्स और कई अन्य जैसे प्रमुख ब्रांडों को परीक्षण सेवाएं प्रदान करता है।

टैक्टिकल बूट्स, जंगल बूट्स, स्नो बूट, एंकल बूट, स्पोर्ट्स /पीटी और रनिंग शूज की सही और सुरक्षित खरीद सुनिश्चित करने के लिए, यह इन्हें परीक्षण सेवाएँ भी प्रदान कर रहा है:

1. भारतीय सेना
2. अर्धसैनिक बल (सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और सीआईएसएफ)।
3. भारतीय वायु सेना
4. भारतीय नौसेना
5. भारतीय तटरक्षक
6. पीएसयू जैसे एनटीपीसी, ओएनजीसी, आईओसी और अन्य।

इनकी परीक्षण सेवाओं का लाभ सऊदी अरब, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात जैसे विभिन्न अन्य देशों द्वारा भी उठाया जाता है।

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र (आईटीएससी)

आईटीएससी एफडीडीआई के विभिन्न विभागों को आईटी से संबंधित सेवाएं प्रदान करने के लिए कर्मियों और सुविधाओं के मामले में अच्छी तरह से सुसज्जित है। आईटीएससी एफडीडीआई की विभिन्न शाखाओं के सभी संकायों और कर्मचारियों को केंद्रीकृत ईमेल सेवाएं प्रदान कर रहा है। आईटीएससी को भारत के सबसे बड़े इंटरनेट सेवा प्रदाता में से एक से उच्च उपलब्धता मोड में काम करने वाली दो समर्पित लीज्ड लाइन कनेक्टिविटी (50 एमबीपीएस, 20 एमबीपीएस) द्वारा सेवा प्रदान की जाती है।

आईटीएससी के पास 100 से अधिक नोड क्षमता वाले प्रत्येक परिसर में एक समर्पित आईटी प्रयोगशाला है, जो नवीनतम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। आईटीएससी परिसर के अंदर वायरलेस इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान कर रहा है, जो छात्रों और कर्मचारियों को चौबीसों घंटे ऑल–राउंड वाई–फाई इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

कार्यशालाएं

छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए, एफडीडीआई परिसरों में पर्याप्त संख्या में नवीनतम मशीनों और उपकरणों के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित कार्यशाला है।

कटिंग, क्लोजिंग, कम्पोनेंट, लास्टिंग और फिनिशिंग वर्कशॉप में अत्याधुनिक मशीनें उपलब्ध हैं।

एफडीडीआई में अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन स्टूडियो एक उत्पाद विकसित करने और अवधारणा, रचनात्मकता को एक आभासी उत्पाद में अनुवाद करने और उद्योग के लिए विश्व स्तरीय डिजाइनरों को पोषित करने के लिए प्रोटोटाइप और अंतिम उत्पाद के लिए सबसे आधुनिक और परिष्कृत मशीनरी और सीएडी /सीएएम से सुसज्जित है।

पुस्तकालय

एफडीडीआई के सभी परिसरों में पूरी तरह से सुसज्जित वातानुकूलित पुस्तकालय है जिसमें शांत वातावरण है ताकि छात्र अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर सकें। एफडीडीआई का पुस्तकालय फैशन, डिजाइन, प्रौद्योगिकी, रिटेल और प्रबंधन से संबंधित उद्योग के लिए विशिष्ट एक संपूर्ण और अद्वितीय संसाधन और सूचना आधार प्रदान करता है।

पुस्तकालय में विश्वकोश, नवीनतम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों और अन्य मानक पठन सामग्री का उत्कृष्ट संग्रह है। इसमें परियोजना रिपोर्ट और केस स्टडी का एक विस्तृत संग्रह भी है। छुट्टी के दिनों में भी पुस्तकालय उपलब्ध है। संकाय और छात्रों के उपयोग के लिए सभी संसाधन उपलब्ध हैं।

कैंपस लाइफ

एफडीडीआई छात्रों को एक अवसर प्रदान करता है जहां उन्हें सफलता के लिए अपना रास्ता तैयार करने और आत्मविश्वास से भरपूर जीवन जीने की पूरी आजादी मिलती है।

एफडीडीआई के परिसर जीवन ने अपने अनूठे तरीके से न केवल अपने छात्रों के भविष्य को आकार देता है, बल्कि उन्हें एक परिष्कृत और कुशल व्यक्तित्व भी प्रदान करता है।

नृत्य, संगीत, नाटक, कला, आयोजन, प्रबंधन, आविष्कार, शोध जैसी प्रतिभाएं एफडीडीआई में व्यक्तित्व संवारने का एक अभिन्न और महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

खेल आयोजन, आंतरिक कार्यक्रम, मनोरंजक गतिविधियां, फ्रेशर पार्टी, फैशन शो, स्मरणीय कार्यक्रम छात्रों को बहुत सारे नए अनुभव प्रदान करते हैं।

सभागार

एफडीडीआई के परिसरों में पूरी तरह से वातानुकूलित विश्व स्तरीय सभागार है। एयर कंडीशनिंग के अलावा, यह व्याख्यान, प्रवचन, सम्मेलनों, कंपनी की बैठकों, शैक्षिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियों के लिए एक अति–आधुनिक, पेशेवर स्तर के प्रकाश और ध्वनि प्रणाली, ओवरहेड एलसीडी, रिकॉर्डिंग सिस्टम, विशाल मंच और सौर रोशनी आदि से भी सुसज्जित है।

छात्रावास

एफडीडीआई लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए अलग–अलग विशाल, स्वच्छ और सुरक्षित छात्रावास सुविधा प्रदान करता है। कमरे उचित रूप से हवादार और पंखे, ट्यूब लाइट और आवश्यक फर्नीचर से सुसज्जित हैं।

प्रत्येक छात्र को एक बैड, एक कुर्सी, एक मेज और अलमारी (लॉकर) प्रदान की जाती है। इसमें मनोरंजन कक्ष, रंगीन टीवी सेट, संगीत प्रणाली, स्वच्छ पेयजल, जनरेटर पावर बैक अप, डाइनिंग हॉल और छात्रों की शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए इनडोर गेम जैसी सुविधाएं हैं।

परिसर में मेस और कैफेटेरिया

छात्रों की पसंद के अनुरूप, एफडीडीआई परिसर में इन–कैंपस मेस सुविधा उपलब्ध है जो उचित दरों पर छात्रों के लिए स्वस्थ और स्वच्छ भोजन प्रदान करती है। छात्रों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं।

मेस के अलावा, एफडीडीआई में एक कैफेटेरिया है जहां डे स्कॉलर और अन्य लोग जो कक्षाओं के बीच जलपान करना चाहते हैं, वे कई प्रकार के पेय और स्नैक्स का आनंद ले सकते हैं।

एम्फिथिएटर

खुली हवा में बैठने की सुविधा वाला एक अभिनव सेट–अप, एम्फीथिएटर छात्रों को अन्य चीजों के बीच अपनी कलात्मक और रचनात्मक प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस स्थल का उपयोग मनोरंजन, प्रदर्शन और विभिन्न प्रकार के इंटरैक्टिव कार्यक्रमों के लिए किया जाता है।

इस प्रक्रिया में, उन्हें अपनी सार्वजनिक बोलने की क्षमताओं में सुधार करने, संचार कौशल बढ़ाने और अपने समग्र व्यक्तित्व को विकसित करने का अवसर मिलता है।

खेल परिसर

परिसर में छात्रों के हित के लिए टेनिस, बास्केटबॉल और बैडमिंटन कोर्ट के साथ खेल परिसर है।

चिकित्सा सहायता सुविधाएं

एफडीडीआई अपने छात्रों के हित के मुद्दे को बहुत गंभीरता से लेता है और सभी की अत्यधिक देखभाल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर छात्रों को स्वास्थ्य के देखभाल की सुविधा प्रदान करता है।

उद्योग सहयोगी

एडिडास, आदित्य बिड़ला, अप्रैल सोर्सिंग प्राइवेट लिमिटेड, अब्राहम एंड ठाकोर, एक्शन, अपैरल ग्रुप- दुबई, एवीटी, बाटा इंडिया लिमिटेड, कार्लटन लंदन, क्लार्क्स, दा-मिलानो, फरीदा ग्रुप, फ्यूचर ग्रुप, गौरव गुप्ता, जेनेसिस, लग्जरी, ग्लोबस, एच एंड एम, हाई-डिजाइन, इंडिटेक्स, आइकॅनिक, इम्पल्स, इम्पैक्टिवा, खादिम्स, लैंडमार्क, लिबर्टी, लाइफस्टाइल, ली एंड फंग, एम एंड बी, मदुरा गारमेंट्स, मार्क्स एंड स्पेंसर्स, मैक्स लाइफस्टाइल, मिर्जा इंटरनेशनल, प्यूमा, पीडिलाइट, राजेश प्रताप रायसंस, रीबॉक, रिलैक्सो, रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड, रिलायंस रिटेल लिमिटेड, सब्यसाची, समर्थ लाइफस्टाइल, सरोज इंटील, स्केचर्स, एसएसआईपीएल, स्नैपडील, स्ट्रट्स, सुपरहाउस, टेंजेरीन डिजाइन, टाटा इंटरनेशनल, वुडलैंड, विल्हेम, जारा

प्रदर्शन की मुख्य विशेषताएं

आय और व्यय

एफडीडीआई की वित्त वर्ष 2022–23 के लिए कुल आय 60.98 करोड़ रुपये है, जिसमें इस वर्ष के लिए कुल व्यय 72.05 करोड़ रुपये (2.24 करोड़ रुपये के मूल्यह्रास के बिना) है, जिसमें वर्ष के लिए शुद्ध घाटा 13.36 करोड़ रुपये है।

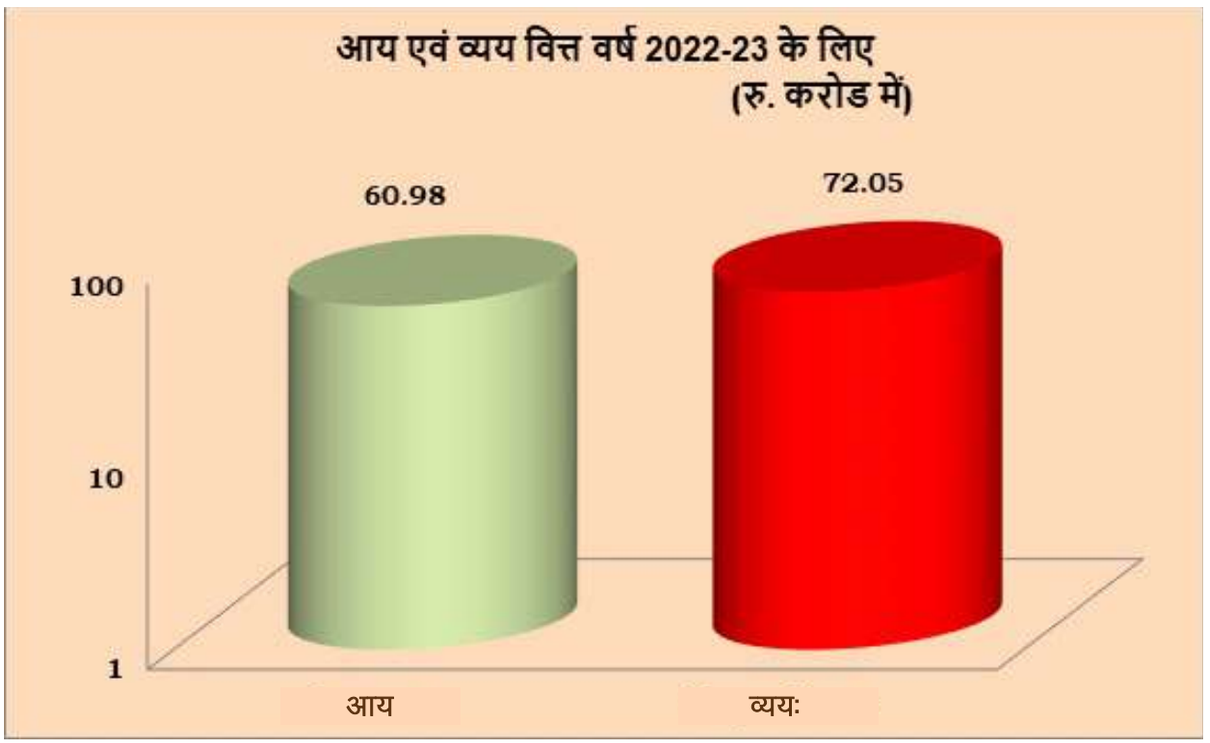

खर्च में वृद्धि का श्रेय कोलकाता, चेन्नई, रोहतक और नोएडा परिसरों में प्रमुख मरम्मत कार्य को दिया गया था जो लगभग दस वर्षों के अंतराल के बाद किया गया था।

संस्थान के समक्ष एक प्रमुख चुनौती यह है कि एफडीडीआई एक स्व–वित्तपोषित संस्थान होने के नाते केवल पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान प्राप्त करता है। कोई राजस्व अनुदान प्रदान नहीं किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप परिचालन संबंधी समस्याएं होती हैं। एफडीडीआई और सतत शिक्षा कार्यक्रमों द्वारा सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन शुल्क हमारे वार्षिक व्यय को पूरा करने के लिए एक छोटे से हिस्से का योगदान करते हैं।

प्रवेश 2022–23

प्रवेश प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए, एफडीडीआई ने प्रत्येक परिसर में व्यक्तिगत प्रवेश टीमों के अलावा, सभी परिसरों में प्रवेश की देखरेख के लिए नोएडा में एक विशेष केंद्रीय प्रवेश टीम की स्थापना की। इस नए प्रयास का उद्देश्य कुशल और प्रभावी प्रवेश प्रक्रियाओं को आगे बढ़ना है।

केंद्रीय और परिसर दोनों स्तरों पर छात्रों के बीच एफडीडीआई पाठ्यक्रमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों को तेज कर दिया गया है। यह स्कूल सेमिनार, कोचिंग संस्थानों, शिक्षा और कैरियर मेलों, मुफ्त परामर्श कार्यशालाओं और डिजाइन कोचिंग सहयोग जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से हासिल किया गया है।

अपने ब्रांड को बढ़ावा देने और अग्रणी बनने हेतु, हमने फेसबुक, इंस्टाग्राम, गूगल विज्ञापन और यूट्यूब सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर एक बहु–आयामी विपणन अभियान चलाया है। इसके अलावा, हमने आगंतुकों को व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने के लिए हमारी आधिकारिक वेबसाइट पर एक चौटबॉट एकीकृत किया है। हमने विशिष्ट परिसरों और पैन इंडिया पेजों के लिए समर्पित पेज बनाने के लिए कॉलेज देखो, कॉलेज दुनिया और करियर 360 जैसे लोकप्रिय शैक्षिक पोर्टलों के साथ भी साझेदारी की है, और उनकी वेबसाइटों पर बैनर विज्ञापन लगाए हैं। मास्टर उम्मीदवारों को लक्षित करने के लिए, हमने एआईएमए–ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन और सीयूईटी (पीजी) जैसे सम्मानित संगठनों के साथ पंजीकरण किया है। इसी तरह, हमने स्नातक उम्मीदवारों के बीच जागरूकता पैदा करने और ब्रांड का निर्माण करने के लिए यूसीईईडी और सीयूईटी (यूजी) के साथ एक स्कोर–साझाकरण संस्थान के रूप में पंजीकरण किया है।

एफडीडीआई ने गुजरात सरकार द्वारा प्रदान किए गए 'फ्री शिप कार्ड' कार्यक्रम के तहत पंजीकरण करने की भी पहल की है। यह छात्रवृत्ति लाभ प्राप्त करने में उम्मीदवारों की सहायता करेगा। एफडीडीआई ने तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रस्तावित 'नान मुधलवन' योजना में भी भागीदारी शुरू की है।

पाठ्यक्रम पुनरीक्षण

बी.डेस (एफडीपी), बी.डेस (एफडी), एमबीए (आरएफएम) और बीबीए (आरएफएम) कार्यक्रमों के मौजूदा पाठ्यक्रमों को उद्योग की आवश्यकता के अनुसार समीक्षा एवं अद्यतन किया गया।

लघु–अवधि कार्यक्रम की शुरुआत

अल्पकालिक कार्यक्रम– स्कूल ऑफ फुटवियर ने फुटवियर डिजाइन और उत्पादन में 19 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और नॉन–लेदर के फुटवियर कार्यक्रम भी शुरू किए, जिससे उद्योग की दीर्घकालिक मांग को पूरा किया जा सके। प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एफडीडीआई ने अंशकालिक मोड में अल्पकालिक कार्यक्रम भी शुरू किया था। अल्पावधि कार्यक्रमों में तंजानिया और बांग्लादेश के छात्र भी शामिल हैं। 6 महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 47 छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया और रु. 21.45 लाख अर्जित किए।

प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से, स्कूल ने प्रौद्योगिकी विशेष रूप से बायोमैकेनिक्स, स्मार्ट फुटवियर प्रौद्योगिकी, एर्गोनॉमिक्स और इसी तरह के विषयों में संकाय उन्नयन कार्यक्रम आयोजित किया। एफडीपी से सेमेस्टर ब्रेक अवधि के दौरान कुल 25 कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया। एफडीडीआई संकाय नए पाठ्यक्रम कार्यान्वयन के लिए प्रोफेसरों और शिक्षाविदों के समकक्ष के रूप में भी काम कर रहे हैं।

अनुसंधान एवं विकास– स्कूल ऑफ फुटवियर ने वर्ष 2022–2023 में 02 पेटेंट दायर किए और 13 पेपर प्रकाशित किए गए हैं।

सत्र 2022 में उत्तीर्ण बैचों का दीक्षांत समारोह

एफडीडीआई के विभिन्न परिसरों से सत्र 2022 में उत्तीर्ण हुए 729 छात्रों के लिए उपाधि प्रदान करने हेतु दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया था।

क्र. सं.	एफडीडीआई परिसर	कुल छात्र	दीक्षांत समारोह की तिथि
1	कोलकत्ता	88	18.10.2022
2	फुर्सतगंज	65	20.10.2022
3	हैदराबाद	159	29.10.2022
4	बनूर	109	16.11.2022
5	अंकलेश्वर	36	18.11.2022
6	छिंदवाडा	51	25.11.2022
7	पटना	36	26.11.2022
8	रोहतक	72	26.11.2022
9	चेन्नई	113	03.01.2023
कुल		729	

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर के फैशन डिजाइन स्नातक

एफडीडीआई के स्नातक बैच, रोहतक परिसर

उपर्युक्त 729 छात्रों का डेटा सफलतापूर्वक राष्ट्रीय शैक्षणिक निक्षेपागार (एनएडी) पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड किया गया है।

छात्रों का स्थानन

एफडीडीआई ने 86.43: पात्र छात्रों के प्लेसमेंट के साथ वर्ष 2022 के लिए अपनी प्लेसमेंट प्रक्रिया पूरी की। एफडीडीआई में वर्ष 2022 के प्लेसमेंट सीजन में ऑफलाइन और ऑनलाइन 250 से अधिक नियोक्ताओं की भागीदारी देखी गई, जिसमें छात्रों को दी जाने वाली कंपनियों और प्रोफाइल की विविधता में सुधार हुआ।

प्रमुख नियोक्ताओं में लैंडमार्क यूएई, लैंडमार्क इंडिया, यूनिक्लो, जारा, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल), हेमंत एंड नंदिता, बाटा, प्यूमा, मिस्टर डीआईवाई, अपोलो इंटरनेशनल, रेयर रैबिट, यूसीबी, डीएलएफ सनग्लास हट, रिंपल एंड हरपेट और कई अन्य शामिल थे।

बीडेस लेदर गुडस एण्ड एसेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) से बदलकर बीडेस लेदर एण्ड लाइफस्टाइल प्रोडक्ट डिजाइन (एलएलपीडी)

उद्योग की आकांक्षा और आवश्यकता को देखते हुए, स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के तहत पेश किए जाने वाले बी.डेस लेदर गुड्स एंड एसेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) का नाम बदलकर बी.डेस लेदर एंड लाइफस्टाइल प्रोडक्ट डिजाइन {एलएलपीडी} कर दिया गया है।

यह उत्पाद डिजाइन, जीवनशैली और सहायक डिजाइन और विजुअल डिजाइन के क्षेत्र की गहरी समझ के साथ डिजाइन पेशेवरों को समाहित और पोषित करता है। कार्यक्रम डिजाइन और तकनीकी विशेषज्ञता और अंतःविषय पाठ्यक्रमों को गहरा करने के लिए मुख्य डिजाइन विषयों का समावेश है जो छात्रों के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाते हैं।

वेबिनार का आयोजन

छात्रों को आवश्यक उद्योग कौशल और ज्ञान प्रदान करने के लिए लेदर, फैशन, फुटवियर और रिटेल उद्योगों के पेशेवरों के सहयोग से एफडीडीआई द्वारा वेबिनार आयोजित किए गए । एमएसएमई– उद्यमिता विकास ऋण और योजनाएं, डिजिटल मार्केटिंग में उपभोक्ता व्यवहार, फुटवियर उद्योग में कैड–कैम का महत्व, डिजाइनर की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड में कार्य संस्कृति, सरलीकृत 5 एस – उत्कृष्टता का जापानी तरीका, संगठनों में लागत का महत्व जैसे विषयों को शामिल किया गया।

'डिजिटल क्लासरूम' सुविधा का उपयोग करते हुए ज्ञान का निर्बाध प्रवाह प्रदान करने के लिए, एफडीडीआई के सभी परिसरों के छात्रों और संकायों को उनके संबंधित परिसरों में डिजिटल कक्षा सुविधाओं से वर्चुअल रूप से जोड़ा गया था।

कार्यशालाएं, सेमिनार एवं औद्योगिक दौरे

उद्योग की अपेक्षाओं को पूरा करने और छात्रों को वर्तमान घटनाओं पर अद्यतन करने और अवधारणाओं को समझने के लिए, पूरे वर्ष कार्यशालाओं /सेमिनारों का आयोजन किया गया।

इसके अलावा, अपने डोमेन के लिए प्रासंगिक सैद्धांतिक अवधारणा के व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य के साथ–साथ वास्तविक कामकाजी वातावरण के लिए एक प्रमुख प्रदर्शन प्रदान करने के लिए, छात्रों के लिए औद्योगिक दौरे आयोजित किए गए, जिसने उन्हें उद्योग विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने का अवसर भी प्रदान किया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' का उद्घाटन

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 14 फरवरी, 2023 को इनडोर खेलों के लिए एक मनोरंजक सुविधा 'इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' का उद्घाटन किया गया।

छात्रों, शिक्षकों, सहायक कर्मचारियों के लिए मनोरंजन और अवकाश के समय की गतिविधियों के लिए, 'इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' टीटी टेबल, कैरम बोर्ड, बैडमिंटन कोर्ट और शतरंज टेबल से सुसज्जित है।

एफडीडीआई शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली' के ऑनलाइन वेब पोर्टल का उद्घाटन

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 13 मार्च 2023 को 'एफडीडीआई शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (एफजीआरएएमएस)' के ऑनलाइन वेब पोर्टल का उद्घाटन किया गया।

एफजीआरएएमएस दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ाने और सुशासन प्राप्त करने का एक उपकरण है जो शिकायतों के निवारण, पारदर्शिता बनाए रखने में मदद करता है, जिससे बेहतर परिचालन परिणाम मिलेंगें।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर के संकाय द्वारा संयुक्त रूप से लिखी गई एक पुस्तक, 'एबीसी ऑफ फुटवियर टेक्नोलॉजी' का विमोचन

36 वें भारत अंतर्राष्ट्रीय चमड़ा मेले (आईआईएलएफ –2023) के दौरान, जो 31 जनवरी से 3 फरवरी 2023 के बीच चेन्नई ट्रेड सेंटर, नंदमबक्कम, चेन्नई में आयोजित किया गया था, सीएलई ने 'डिजाइनर मेले' के 6 वें संस्करण का आयोजन किया।

'डिजाइनर्स मेले' के दौरान, 'एबीसी ऑफ फुटवियर टेक्नोलॉजी' नामक एक पुस्तक संयुक्त रूप से श्री वरुण गुप्ता, कनिष्ठ सलाहकार–फुटवियर टेक्नोलॉजी (एफटी) एवं केन्द्र प्रभारी, एफडीडीआई फुर्सतगंज और श्री ए वी सुरेश, वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार रोमन्स सीएडी (स्ट्रैटेजीज, फ्रांस) – पुणे में कार्यरत द्वारा लिखी गई। जिसका विमोचन श्रीमती सुप्रिया साहू, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा किया गया था।

श'एबीसी ऑफ फुटवियर टेक्नोलॉजी', जैसा कि नाम से पता चलता है, एक ही गुलदस्ते में पूरी 'फुटवियर टेक्नोलॉजी' की ज्ञान सुगंध है। यह व्यापक दृष्टिकोण के साथ सैद्धांतिक पहलुओं के साथ व्यावहारिक ज्ञान लाता है। इस पुस्तक की खासियत यह है कि, यह चित्रों के माध्यम से फुटवियर उद्योग की सूक्ष्म से सूक्ष्म जानकारी प्रदान करती है।

चमड़ा क्षेत्र के एकीकृत विकास (आईडीएलएस) योजना का कार्यान्वयनः

एफडीडीआई और सीएलआरआई उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की दो शाखाएं हैं जो चमड़ा क्षेत्र के एकीकृत विकास (आईडीएलएस) योजना के लिए उत्पाद क्षेत्र के लिए परियोजना कार्यान्वयन इकाई (पीआईयू) के रूप में कार्य करती हैं।

पीआईयू के रूप में, एफडीडीआई को 1004.83 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के लिए 338 आवेदन और 260.11 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। वर्ष के दौरान, 84 आवेदनों पर कार्रवाई की गई है और 55.59 करोड़ रुपये के कुल अनुदान के साथ 77 आवेदनों को मंजूरी दी गई है।

अंतर्राष्ट्रीय परामर्श

भारत सरकार की स्टडी इन इंडिया योजना के तहत, एफडीडीआई और एजुकेशन कंसल्टेंट ऑफ इंडिया लिमिटेड (एडसिल) ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों तक एफडीडीआई की पहुंच बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन को 2 साल के लिए 31 मार्च 2024 तक बढ़ा दिया है। इस योजना के तहत, एफडीडीआई ने विभिन्न कार्यक्रमों में अंतरराष्ट्रीय छात्रों को 125 सीटों की पेशकश की है।

एफडीडीआई ने स्टडी इन इंडिया स्कीम के तहत अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को लक्षित करने हेतु वेबसाइट विकसित की है। (https://www.studyinindia.gov.in/institute_details?instituet_ID=SII-I- 0269&active_tab_index=0)

एफडीडीआई को भारत सरकार की स्टडी इन इंडिया योजना के तहत दीर्घकालिक कार्यक्रमों के लिए एशिया और अफ्रीका के 16 देशों से 66 आवेदन प्राप्त हुए थे। इस कार्यक्रम में शामिल होने और इसके जारी रहने का दूसरा वर्ष है। फुटवियर प्रोग्राम के बी.डेस. में 01 छात्र शामिल हुआ।

एफडीडीआई विदेशी छात्रों से संबंधित गतिविधियों के समन्वय और दायरे के विस्तार के लिए विदेश मंत्रालय के शिक्षा इंडिया मंच में भी शामिल हो गया है।

अल्पकालिक कार्यक्रम– एफडीडीआई ने छह महीने के फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत फुटवियर डिजाइन और प्रोडक्शन पर प्रशिक्षण के लिए दार–ए–सलाम यूनिवर्सिटी से छात्र प्राप्त किए। इसके अलावा, बांग्लादेश के 02 छात्र इसी कार्यक्रम में शामिल हुए।

एफडीडीआई को पहले ही नाइजीरिया, तंजानिया, बांग्लादेश, केन्या आदि से अल्पावधि कार्यक्रम के लिए प्रवेश पूछताछ प्राप्त हो चुकी है।

एफडीडीआई बांग्लादेश में लेदर गुड्स एंड फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश (एलजीएफएमएबी) के डिजाइन पेशेवरों के लिए फुटवियर डिजाइन और पैटर्न इंजीनियरिंग में एक अल्पकालिक कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस संबंध में, एलजीएफएमएबी ने मार्च 2023 में पहले ही कार्यक्रम की पुष्टि कर दी है।

कोविड के कारण परियोजना से संबंधित गतिविधियां प्रभावित हुई हैं और धीरे–धीरे वापस लौटना शुरू हो गई हैं। तथापि, एफडीडीआई ने उजबेकिस्तान में फुटवियर उद्योग के लिए मानव संसाधन के विकास के लिए उजबेकिस्तान में फुटवियर और चमड़ा उत्पाद क्षेत्र के लिए उच्च शिक्षा स्तर के कार्यक्रम के डिजाइन, विकास और वितरण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है ताकि उजबेकिस्तान फुटवियर और चमड़ा उत्पाद उद्योगों के साथ दीर्घकालिक सहयोग किया जा सके। उज्बेकिस्तान सरकार के द्वारा प्रस्ताव का मूल्यांकन किया जा रहा है।

एफडीडीआई ने सूडान में फुटवियर पेशेवरों के लिए डिजाइन और तकनीकी प्रशिक्षण के लिए भारत सरकार की आईटीईसी योजना के तहत विदेश मंत्रालय को प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया है। यह प्रस्ताव विदेश मंत्रालय के विचाराधीन है।

जर्मनी स्थित कंपनी जीएचईआरजेडआई स्विट्जरलैंड द्वारा एफडीडीआई को 38 लाख रुपये की दो अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाएं प्रदान की गई है। स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज को ''दक्षिणी अफ्रीकी विकास सहयोग (एसएडीसी) क्षेत्र में निर्मित चमड़े के उत्पादों के विपणन'' के अध्ययन से सम्मानित किया गया था। कार्य का दायरा 5 देशों बोत्सवाना, एस्वातिनी, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे वाले एसएडीसी क्षेत्र के भीतर नए व्यापार संबंधों को मजबूत करने और स्थापित करने के लिए विपणन और बिक्री रणनीति विकसित करने में क्षेत्रीय चमड़ा मूल्य श्रृंखला के हितधारकों का समर्थन करने के लिए तकनीकी सहायता है।

गतिविधियों में एसएडीसी क्षेत्र में चमड़े के उत्पाद निर्माताओं का एक आभासी बाजार और विपणन मूल्यांकन आयोजित करना, चयनित देशों में चमड़े के उत्पाद निर्माताओं की सहायता के लिए विपणन और बिक्री मॉडल (एमएसएम) के डिजाइन और कार्यान्वयन में सहायता शामिल है, जिसमें चयनित देशों के न्यूनतम 50 चमड़े के

उत्पाद निर्माताओं के साथ एक ऑनलाइन ट्रैकिंग टूल शामिल है। एसएडीसी में निर्मित चमड़े के उत्पादों के लिए ब्रांड निर्माण और प्रचार रणनीति पर ध्यान केंद्रित करने सहित सीखे गए सबक लेते हुए एक रोल आउट योजना विकसित करें।

उपर्युक्त के अलावा, तंजानिया में ''चमड़े के सामान के मौजूदा निर्माताओं की बढ़ती बाजार हिस्सेदारी और कारोबार'' के अध्ययन के लिए परामर्श सेवाओं के लिए विशेषज्ञता भी मांगी गई है।

तंजानिया में चमड़े के सामान के मौजूदा निर्माताओं को बाजार मूल्यांकन अध्ययन करने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को जांच और विकसित करने के लिए अध्ययन का उपयोग करके अपनी बाजार हिस्सेदारी और कारोबार बढ़ाने के लिए सलाहकार की तकनीकी सहायता मांगी गई है। इसमें तंजानिया में बने चमड़े के उत्पादों के लिए घरेलू, क्षेत्रीय और निर्यात बाजारों के लिए उत्पादन स्तर पर क्षमताओं का विस्तृत बाजार का मूल्यांकन करना शामिल है।

एफडीडीआई द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन

क्र.सं.	संगठन	तिथि	विवरण
1	एमओयू – वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल)	10 जून, 2022	एफडीडीआई, छिन्दवाड़ा के माध्यम से डब्ल्यूसीएल के कम क्षेत्रों के 60 युवाओं के लिए कोयला खदान क्षेत्र के विस्थापित और बेरोजगार युवाओं के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रद करना
2	एमओए – सीएमपीडीआईएल, आरआई–4, नागपुर	06 मार्च, 2023	एमओए के अनुसार, एफडीडीआई, छिंदवाड़ा द्वारा महाराष्ट्र राज्य के 100 वंचित/बेरोजगार /अल्प–नियोजित युवाओं के लिए दो बैचों में फुटवियर डिजाइन और प्रोडक्शन में 4 महीं का अल्पकालिक सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित किया जाए जिसका उद्देश्य प्रशिक्षुओं के जीवन स्तर को ऊपर उठाने लिए प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करना है।
3	एमओयू – केनरा बैंक	16 मार्च 2023	सभी के लिए शिक्षा को सुलभ और किफायती बनाने के लिए एफडीडीआई और केनरा बैंक के बीच चार एफडीडीआई परिसरों यानी नोएडा, फुरसतगंज, रोहतक और चेन्नई के लिए 'विद्या तुरंत' शिक्षा ऋण योजना के तहत एक समझौता ज्ञा पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य एफडीडीआई के छात्रों को प्रतिस्पर्धी ब्याज दर के साथ संपार्श्विक–मुक्त शिक्षा ऋण प्रदान कर है। ऋण केनरा बैंक द्वारा प्रदान किया जाएगा और छात्रों लिए 30 लाख रुपये तक का वित्त पोषण प्रदान करेगा।

नोएडा में एफडीडीआई के अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) का उन्नयन

नोएडा और चेन्नई प्रयोगशालाओं को हाल ही में पुनर्गठित किया गया है और पारदर्शी तरीके से परीक्षण एवं निरीक्षण में सुधार के लिए नई उन्नत मशीनों से सुसज्जित किया गया है ताकि उद्योग को आईटीसी की सेवाओं के माध्यम से लाभ ले सकें।

उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) के रूप में कुछ एफडीडीआई परिसरों का उन्नयन

अनुसंधान और नवाचार संबंधी पहलों को शुरू करने के लिए, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), भारत सरकार के भारतीय फुटवियर, चमड़ा और सहायक उपकरण विकास कार्यक्रम की संस्थागत सुविधाओं की स्थापना उप–योजना के तहत 7 परिसरों को ''उत्कृष्टता केंद्र'' (सीओई) के रूप में स्थापित किया गया है।

एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन और डेटा विश्लेषण में एआई एप्लिकेशन, नवीनतम सॉफ्टवेयर और ऑगमेंटेड रियलिटी एप्लिकेशन, डिजिटल एंटरप्राइज, एफडीडीआई जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, एफडीडीआई ने पहले ही अपने कुछ परिसरों में विभिन्न उद्योग वर्टिकल में इन सीओई की स्थापना के माध्यम से फुटवियर सेक्टर के लिए उद्योग 4.0 एप्लिकेशन की प्रक्रियाओं को शुरू कर दिया है।

इन सीओई को विभिन्न विषयगत क्षेत्रों जैसे एफडीडीआई नोएडा – अनुसंधान एवं विकास केंद्र, पाठ्यक्रम विकास और चमड़े के फैशन फुटवियर और उत्पाद नवाचार, एफडीडीआई रोहतक नॉन–लेदर फुटवियर के लिए केंद्र, उत्पाद और सहायक उपकरण, एफडीडीआई जोधपुर – उच्च प्रदर्शन /विशेष फुटवियर और उत्पादों के लिए केंद्र और स्टार्ट अप, एफडीडीआई कोलकाता – लेदर का सामान, वस्त्रों और सहायक उपकरण के लिए केंद्र, एफडीडीआई चेन्नई – डिजाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफेस के लिए केंद्र, एफडीडीआई हैदराबाद – लेदर के उत्पादों और सहायक उपकरणों के लिए डिजाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफेस केंद्र– विस्तारित और एफडीडीआई पटना – लेदर की फिनिशिंग नवाचार और उत्पाद रिटेल बिक्री केंद्र के उद्देश्य से बनाया गया है।

ये उत्कृष्टता केन्द्र बहुत महत्वपूर्ण अनुसंधान एवं विकास प्रदान करेंगे और उद्योग की उत्पाद विकास, तकनीकी सहायता और ऊष्मायन और उद्यमिता विकास केंद्रों, जैसी चिंताओं का समाधान करेंगे। इन सीओई से उभरती प्रौद्योगिकियों में ज्ञान आधार की महत्वपूर्ण कमी को दूर करने के लिए विशेषज्ञता के विशिष्ट क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास क्षमता बनाने की भी उम्मीद है।

भविष्य की तकनीकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, एफडीडीआई दुनिया भर में संबंधित विषयगत क्षेत्रों में सहयोग के लिए विभिन्न प्रमुख संस्थानों के साथ चर्चा कर रहा है।

पुरस्कार एवं प्रशस्तियां

क्र. सं.	विषय	तारीख	संक्षिप्त जानकारी
1	एफडीडीआई, अंकलेश्वर को दिव्य भास्कर का 'एमिनेंस अवार्ड्स 2022' मिला	12 अप्रैल 2022	अंकलेश्वर, भरूच जिले में शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन और समाज के हित में महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
2	एफडीडीआई, कोलकाता के छात्र को 'मोइत्री दिबोश' पर आयोजित राष्ट्रीय लोगो और पृष्ठभूमि प्रतियोगिता (ऑनलाइन) में सांत्वना पुरस्कार मिला।	25 अप्रैल 2022	श्री आशीष राज द्वारा ऑनलाइन किए गए लोगो और पृष्ठभूमि ने बांग्लादेश मुक्ति युद्ध की भावना, बांग्लादेश संघर्ष की विचारधारा और दृष्टि, और भारत के लोगों द्वारा इस संघर्ष के लिए भाईचारे और एकजुटता की भावना का प्रतिनिधित्व किया।
3	एफडीडीआई को सीएसआर 'शिक्षा में उत्कृष्टता' पुरस्कार मिला।	15 मई 2022	फुटवियर और चमड़े के उत्पादों के डिजाइन और विकास से संबंधित सभी विषयों में शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण में गुणवत्ता और उत्कृष्टता के संवर्धन और विकास के लिए और उससे जुड़े मामलों के लिए मिला।

4	सीआईआई यंग इंडियंस द्वारा आयोजित 'लोगो डिजाइन' प्रतियोगिता में एफडीडीआई, फुर्सतगंज के छात्र ने बाजी मारी।		लोगो ऊर्जा और उत्साह से भरे युवाओं का प्रतिनिधित्व करता है। डिजाइन में 75 नंबर का एक आधार स्तंभ है, जो इस तरह से जुड़ा हुआ है कि परिणाम अपनी 75 वीं वर्षगांठ पर युवा भारत की भावना और दृष्टि का प्रतिनिधित्व करता है। विभिन्न रंग एक भूमि में विभिन्न कौशल, परंपराओं, संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं जो आपस में विलय हो जाते हैं और अतुल्य भारत बनाते हैं।
5	एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्र को 'सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता पुरस्कार प्रमाणपत्र' मिला।	28 जून 2022	एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्र को वोलो विश्वविद्यालय (केआईओटी) छात्र प्रौद्योगिकी और नवाचार क्लब, इथियोपिया द्वारा आयाजित एक प्रतियोगिता के दौरान 'सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता पुरस्कार प्रमाण पत्र' मिला।
6	एफडीडीआई, नोएडा संकाय को कला प्रदर्शनी के दौरान सम्मानित किया गया।	14 जुलाई से 18 जुलाई, 2022	स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के श्री सौरभ श्रीवास्तव को आर्ट स्पेस आदि, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली में कला और फोटोग्राफी के क्षेत्र में एफडीडीआई से एक प्रदर्शनकारी कलाकार होने के लिए सम्मानित किया गया।
7	एफडीडीआई, अंकलेश्वर संकाय ने 'सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार' जीता।	25 जून 2022	इनोवेशन ऑनलाइन ट्रेनिंग एकेडमी (आईओटीए), कोयम्बटूर, तमिलनाडु द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय स्तर के अकादमिक और अनुसंधान पुरस्कार 2022' के दौरान श्री सधीशकुमार, सीनियर फैकल्टी, एफडीडीआई ऑफ एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर ने 'सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार' जीता। यह पुरस्कार वस्त्र और परिधान डिजाइन, हर्बल वस्त्र अनुसंधान पर उनके शोध, कई हर्बल निष्कर्षण प्रक्रिया और चिकित्सा वस्त्रों और पर्यावरण के अनुकूल वस्त्रों पर विविध कपड़े उद्देश्य के अनुप्रयोग पर आधारित है।
8	एफडीडीआई, भारत के छात्रों ने युवा डिजाइनरों की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार जीता।	25 से 27 अक्टूबर 2022	युवा डिजाइनरों की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता – डिजिटल फैशन कीव नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजीज एंड डिजाइन (केएनयूटीडी), यूक्रेन द्वारा आयोजित किया गया था। स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी), डिजाइन स्पेशलाइजेशन, नोएडा बैच 2019–23, नोएडा के श्री अब्दुल रज्जाक और श्री कृष्ण देव ने अपने डिजाइन, 'स्नीक–आरएबी' और 'अल्बेसेंट' प्रस्तुत किए।
9	'द नेक्स्ट टॉप डिजाइनर' पैंटालून के शीर्ष 20 विजेताओं में एफडीडीआई का छात्र शामिल।	14 नवंबर 2022	एफडीडीआई, कोलकाता परिसर, एफडी, बैच – 2019, सेमेस्टर 7 की सुश्री श्रीया सिंह ने व्यक्तिगत श्रेणी में पेंटालून द्वारा आयोजित 'द नेक्स्ट टॉप डिजाइनर' प्रतियोगिता के लिए शीर्ष 20 विजेताओं में अपनी पहचान बनाई, जो आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबोएफआरएल) से भारत का अग्रणी फास्ट–फैशन ब्रांड है।
10	एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों को 'राष्ट्रीय विरासत सप्ताह' के अंतर्गत अन्तर कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला।	24 और 25 नवंबर 2022	जेडी बिड़ला संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय विरासत सप्ताह' के अंतर्गत अंतर कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में एफडीडीआई, कोलकाता परिसर ने प्रथम पुरस्कार जीता।
11	'हिंदी निबंध लेखन' प्रतियोगिता में प्रोत्साहन पुरस्कार मिला।	16 दिसंबर 2022	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी), नोएडा के तत्वावधान म वी. वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान में आयोजित 'आजादी का अमृत काल' विषय पर 'हिंदी निबंध लेखन' प्रतियोगिता में सुश्री रेणु शर्मा, सलाहकार, स्कूल ऑफ रिटेल, एफडीडीआई, नोएडा परिसर ने प्रोत्साहन पुरस्कार जीता।

12	एफडीडीआई छिंदवाड़ा छात्र ने 'व्हील पर समारोह' में 'सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर इंडिया' पुरस्कार जीता।	18 दिसंबर 2022	एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर से बी.डेस फैशन डिजाइन, सेमेस्टर–5 की छात्रा सुश्री टीना खंडैत ने एक राष्ट्रीय स्तर के डिजाइनर शोकेस इवेंट में भाग लिया, जिसे टीवीएएम टीम द्वारा आयोजित किया गया था और 'सेलिब्रेशन ऑन व्हील' परियोजना के तहत महा मेट्रो, नागपुर द्वारा समर्थित किया गया था।
13	राष्ट्रीय डिजाइनर पुरस्कार 2022 (सीजन –5) में एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर के छात्रा ने 'बेस्ट थीम ऑफ द ईयर' का पुरस्कार जीता।	29 दिसंबर, 2022	स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के बी.डेस की छात्रा सुश्री तूलिका वत्स ने खादी डिजाइनिंग काउंसिल ऑफ इंडिया (केडीसीआई) प्रतियोगिता में 'उभरते डिजाइनर' के रूप में भाग लिया और 'बेस्ट इंडो वेस्टर्न कलेक्शन ऑफ द ईयर' का पुरस्कार जीता।
14	'मिसेज छिंदवाड़ा बहुप्रतिभाशाली और लोकप्रिय पुरस्कार एफडीडीआई कर्मचारियों द्वारा जीता गया।	15 जनवरी 2023	एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर की एक कर्मचारी श्रीमती पूजा राजपूत ने 'मिसेज छिंदवाड़ा ब्यूटी पेजेंट 2023' प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसका आयोजन दिवा के मॉडलिंग स्टूडियो, छिंदवाड़ा द्वारा किया गया था और स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा डिजाइन किए गए तीन कपड़े प्रदर्शित किए गए थे। इस राउंड के लिए एफडीडीआई के छात्रों द्वारा डिजाइन किए गए तीन कपड़े प्रस्तुत करते हुए, श्रीमती पूजा राजपूत को 'मिसेज छिंदवाड़ा मल्टीटैलेंटेड एंड पॉपुलर' श्रेणी में विजेता घोषित किया गया।
15	नराकास द्वारा एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के लिए 'प्रोत्साहन' प्रमाण पत्र।	17 फरवरी 2023	सकारात्मक प्रयासों और इसके निरंतर कार्यान्वयन हेतु, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी), हैदराबाद द्वारा 'प्रोत्साहन' प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया ।
16	एफडीडीआई, पटना परिसर के छात्रों ने आईआईटी, पटना द्वारा आयोजित फैशन शो में प्रथम पुरस्कार जीता।	13 मार्च 2023	एफडीडीआई, पटना परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के छात्रों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), पटना द्वारा आयोजित वार्षिक उत्सव 'अंवेश' में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता। प्रतियोगिता के दौरान, एफडीडीआई के छात्र डिजाइनर निर्माण में रैंप पर शालीनता से चले और 'गोथिक' विषय पर अपना संग्रह प्रस्तुत किया।

उपरोक्त के अलावा, हमारी दो संकायों श्रीमती कृषि सरीन और श्री प्रदीप मंडल को वर्ष के दौरान पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया।

नवाचार और स्टार्ट–अप

नवाचार विशेष महिला फुटवियर जो दिन और रात में ही अपना रंग बदलता है और एफडीडीआई द्वारा विकसित हजारों महिलाओं के लिए बहुकार्यात्मक और कम लागत वाले फुटवियर' : महिला फुटवियर जो दिन और रात में अपना रंग बदलता है, उसे एफडीडीआई, बानूर परिसर की एफडीपी–2019 की छात्रा सुश्री एकजोत कौर द्वारा विकसित किया गया है।

एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर के सुश्री आशी जैन, सुश्री यशवी गुप्ता और श्री विराट दुबे, बीडेस के छात्रो द्वारा हजारों महिलाओं के लिए बहुकार्यात्मक और कम लागत वाले फुटवियर' पर अनुसंधान पोस्टर प्रस्तुत किया, साथ ही 'बहुरूपी फुटवियर' नामक अनुसंधान उत्पाद भी आकर्षण का केंद्र था और एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'विजन 2047: आत्मनिर्भर भारत के प्रति सतत विकास' (वीएसएएनबी–2022) के दौरान सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान पोस्टर के रूप में घोषित किया गया था।

सुश्री एकजोत कौर एफडीपी –2019

विशेष महिला फुटवियर जो दिन और रात में अपना रंग बदलते हैं

इस फुटवियर में अलग–अलग अपर्स हैं जिन्हें पहनने वाले के तरीके और रूची के अनुसार बदला जा सकता है। पहनने वाला अपनी पसंद के अनुसार फुटवियर की एड़ी की ऊंचाई को समायोजित कर सकता है। जैसा कि नाम से पता चलता है कि फुटवियर को अवसरों और पहनने वाले की इच्छा के अनुसार बदला जा सकता है।

स्टार्ट–अप का समर्थन करने के लिए, एफडीडीआई पहले से ही फुटवियर क्षेत्र के लिए 4 स्टार्ट–अप का समर्थन कर रहा है। सुश्री प्रियंशी गुप्ता, एफडीडीआई की छात्र, 2019–2023 बैच के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के रोहतक परिसर ने एक फ्रीलांसर फैशन डिजाइनर और स्टाइलिस्ट के रूप में एक 'स्टार्ट–अप' में कदम रखा है।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज द्वारा विकसित 'मिलेनियल महिलाओं के लिए बहुक्रियाशील और कम लागत वाले जूते'

हिंदी विभाग

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा 21 फरवरी 2022 को एफडीडीआई के राजभाषायी निरीक्षण को सफलतापूर्वक निष्पादित किया।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन कार्यालय, गाजियाबाद, द्वारा 10 मई 2022 को संस्थान के राजभाषायी निरीक्षण को सफलतापूर्वक निष्पादित किया।

हिंदी पखवाड़ा 14 सितंबर 2022 से 28 सितंबर 2022 तक संस्थान में आयोजित किया गया और हिंदी पखवाड़े के दौरान कर्मचारियों और छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

एफडीडीआई ने माह जून और दिसंबर 2022 में दो हिंदी कार्याशालाओं का आयोजन किया।

केंद्रीय राजभाषा प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित हिंदी शिक्षण योजना के तहत, पिछले वर्ष के सत्र में दीर्घकालिक पाठ्यक्रम पूरा करके, परीक्षा में 11 अधिकारी /कर्मचारी उत्तीर्ण हुए।

मील के पत्थर

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'मोनोप्रिंट' तथा 'कोलोग्राफी एवं सायनोटाइप' पर कार्यशाला आयोजित की गई

प्रिंटिंग तकनीकों पर उन्नत ज्ञान प्रदान करने के लिए, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर ने 'फैब्रिक कलात्मकता एवं संवर्धन तकनीक' के तहत बी. डेस एफडी – 2021 के अपने छात्रों के लिए 'मोनोप्रिंट' तथा 'कोलोग्राफी एवं साइनोटाइप' पर कार्यशाला का आयोजन किया।

दोनों कार्यशालाओं का आयोजन स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी) के संकायों श्री के. हरीश कुमार और डॉ. अनुप्रिया सिंह द्वारा किया गया, जिसके दौरान 'पिकासो – द आर्ट स्कूल', हैदराबाद के संस्थापक श्री बी. रमेश, एमएफए वक्ता थे।

क्र.सं.	विषय	वक्ता	तिथि
1	कोलोग्राफी और सायनोटाइप	श्री बी. रमेश, एम.एफ.ए., 'पिकासो – द आर्ट स्कूल', हैदराबाद के संस्थापक	23 मार्च 2023
2	मोनोप्रिंट		17 मार्च 2023

श्री बी रमेश को चित्रकला एवं मुद्रण तकनीकों में 15 वर्षों का अनुभव है। उन्हें विभिन्न प्रिंटिंग तथा पेंटिंग तकनीक श्रेणी के तहत 'प्राइड ऑफ इंडिया नेशनल अवार्ड', 'नेशनल लेवल नंदी अवार्ड', 'बेस्ट आर्ट टीचर अवार्ड' तथा कई अन्य पुरस्कार मिल चुके हैं।

'मोनोप्रिंट' पर कार्यशाला का आयोजन छात्रों को प्रयोगात्मक अनुभव प्रदान करने तथा उन्हें 'मोनोप्रिंट' में शामिल प्रक्रिया एवं तकनीकों की समझ हासिल करने में मदद करने के उद्देश्य से किया गया था।

प्रतिभागी अपनी रचनात्मकता को दिखाने एवं अपने स्वयं के अनूठे प्रिंट बनाने के लिए विभिन्न तकनीकों एवं सामग्रियों, जैसे स्टेंसिल, बनावट और लेयरिंग के साथ प्रयोग करने में सक्षम थे।

वक्ता – श्री बी रमेश

परिणाम – रचनात्मक अभिव्यक्ति

कोलोग्राफी तथा सायनोटाइप' पर कार्यशाला दो सत्रों में आयोजित की गई । पहले सत्र में, प्रतिभागियों को अपनी कोलोग्राफी प्लेटें बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे कार्डबोर्ड, गोंद तथा बनावट कागज प्रदान की गई । प्लेट को स्याही कैसे लगाई जाए और इसे प्रेस का उपयोग करके कागज और कपड़े पर मुद्रित कैसे किया जाए, इसके बारे में उन्हें श्री बी रमेश द्वारा बताया गया। दूसरे सत्र में, प्रतिभागियों को पूर्व–लेपित कागज या कपड़े प्रदान किए गए एवं फिर गहरे प्रकाश के तहत नमूने सुखाए गए इसके बाद फिर पत्तियों, फूलों एवं फोटो प्रिंट ओएचपी शीट जैसी वस्तुओं का उपयोग करके डिजाइन या चित्र बनाने का निर्देश दिया गया।

कार्यशाला का एक दृश्य

एफडीडीआई के पूर्व छात्र, सहायक उपाध्यक्ष /प्लांट हेड बाटा ने एफडीडीआई, पटना परिसर का दौरा किया

श्री कुहरन मुखर्जी, सहायक उपाध्यक्ष /प्लांट हेड, बाटा पटना ने 21 मार्च, 2023 को एफडीडीआई पटना परिसर का दौरा किया तथा उनके साथ मानव संसाधन के एजीएम श्री राम बाबू प्रसाद भी थे।

श्री कुहरन मुखर्जी एफडीडीआई, 1996 से 1997 बैच के पूर्व छात्र हैं, जिन्होंने नोएडा परिसर से उत्पादन प्रौद्योगिकी में शिक्षा ली है।

इस अवसर पर एफडीडीआई पटना परिसर के स्टाफ सदस्यों ने उनका स्वागत किया। अपने तीन घंटे के प्रवास के दौरान श्री मुखर्जी ने स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन तथा स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन की विभिन्न प्रयोगशालाओं एवं कार्यशालाओं सहित संस्थान के परिसर का दौरा किया।

उन्हें एफडीडीआई द्वारा संचालित कार्यक्रमों, इसकी पाठ्यक्रम विकास प्रक्रिया, एफडीडीआई द्वारा दी जाने वाली सेवाओं एवं संस्थान की प्लेसमेंट गतिविधियों आदि के बारे में बताया गया।

श्री कुहरन मुखर्जी का पायलट प्लांट का दृश्य

श्री कुहरन मुखर्जी एफडीडीआई पटना परिसर के कर्मचारियों के साथ

एफडीडीआई, जो बंधन एवं संबंधो को पोषित करने तथा बढ़ावा देने में विश्वास करता है, अपने उल्लेखनीय स्नातकों एवं उनके साथियों और अन्य छात्रों के बीच बैठकों की व्यवस्था करता है ताकि उन्हें, उनकी सफलता की कहानियों के बारे में अवगत किया जा सके जिससे छात्रों को बढावा मिलता है। ये पूर्व छात्र संकाय और प्लेसमेंट विभाग के माध्यम से संस्थान से जुड़े हुए हैं।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में 'बॉन्डिंग सॉल्यूशन एंड एडहेसिव' पर तकनीकी संगोष्ठी आयोजित

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में 21 मार्च 2023 को, 'बॉन्डिंग सॉल्यूशंस एंड एडहेसिव्स' पर एक तकनीकी संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसके दौरान 30 वर्षों के अनुभव के साथ बोस्तिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक बिक्री श्री सैकत मित्रा विशेषज्ञ व्यक्ति थे।

प्रस्तुति के माध्यम से, श्री सैकत मित्रा ने चिपकने वाले पदार्थों के बाजार मूल्य, जूते बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले चमड़े के प्रकार, उचित चिपकने वाला पदार्थ का विकल्प, चिपकने वाली सामग्री का विश्लेषण कैसे करें, उपयुक्त सतह उपचार का चयन आदि के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने सॉल्वैंट्स, जल आधारित रसायनों, जल आधारित एवं विलायक आधारित के फायदे और नुकसान, चमड़े एवं सिंथेटिक्स को तैयार करने के बारे में भी बताया।

श्री सैकत मित्रा, प्रबंधक बिक्री, बोस्तिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड प्रस्तुति देते

तकनीकी संगोष्ठी का एक दृश्य

संगोष्ठी में फुटवियर में उपयोग की जाने वाली चिपकने वाली सामग्री के प्रकार एवं बॉन्डिंग समाधान पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें फुटवियर डिजाइन एण्ड प्रोडक्शन तथा फैशन डिजाइन के सभी छात्र और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

सचिव, डीपीआईआईटी, भारत सरकार ने एफडीडीआई, नोएडा परिसर का दौरा किया

भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव श्री अनुराग जैन, आईएएस ने 25 मार्च 2023 को एफडीडीआई, नोएडा परिसर का दौरा किया।

सचिव, डीपीआईआईटी भौतिक प्रयोगशाला, आईटीसी में एक नमूना देखते हुए

डीपीआईआईटी के सचिव ने 'डिजिटल क्लासरूम' सुविधा का उपयोग करते हुए एफडीडीआई, बनूर परिसर के कार्यकारी निदेशक के साथ बातचीत की।

उन्होंने भौतिक एवं रासायनिक प्रयोगशाला वाले एफडीडीआई के अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) का दौरा किया और इसके द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न परीक्षण–सह–गुणवत्ता नियंत्रण सेवाओं को देखा।

उन्होंने नई स्थापित 'डिजिटल क्लासरूम' सुविधा को देखा जो देश भर के विभिन्न परिसरों के छात्रों को ज्ञान एवं कौशल बढ़ाने में सक्षम बनाता है तथा एफडीडीआई के अन्य सभी ग्यारह परिसरों में शैक्षणिक संरचना को सुव्यवस्थित करने का अवसर प्रदान करता है।

अपने एक घंटे के प्रवास के दौरान, सचिव, डीपीआईआईटी ने उत्पाद विकास केंद्र (पीडीसी) का अवलोकन किया, जिसमें उन्हें ताड़ के पत्तों के साथ विकसित किए जा रहे बच्चों के जूते तथा जूते में किए जा रहे शोध कार्यों के बारे में बताया गया।

डीपीआईआईटी के सचिव को बच्चों के जूतों में किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यों के बारे में जानकारी देते संकाय

नई स्थापित भौतिक प्रयोगशाला में डीपीआईआईटी के सचिव

सचिव, डीपीआईआईटी ने नव स्थापित प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया जो पारदर्शी तरीके से परीक्षण एवं निरीक्षण में सुधार के लिए नई उन्नत मशीनों से सुसज्जित हैं ताकि उद्योग अपने आईटीसी की सेवाओं के माध्यम से लाभान्वित हो सके।

डीपीआईआईटी के सचिव को प्रदर्शन अवधारणा के बारे में एक छात्र जानकारी देते हुए

एफडीडीआई के प्रबंधन, संकाय एवं कर्मचारियों के साथ बातचीत करते

स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन और स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन के छात्रों ने प्रस्तुतियों के रूप में अपने कार्यों को प्रदर्शित किया। उन्होंने स्टॉल लगाए थे, जहां परिधान डिजाइन, उत्पाद डिजाइन एवं स्केच आदि का प्रदर्शन किया गया।

सचिव, डीपीआईआईटी ने संकाय एवं कर्मचारियों के सदस्यों के साथ बातचीत की।

उन्होंने संस्थान के सभी परिसरों में किए गए अनुसंधान कार्यों का पेटेंट कराने, शिक्षण, अनुसंधान एवं सहयोग कार्यक्रमों के मानकों में सुधार के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 'रिटेलः ग्राहकों के लिए मूल्य संवर्धन की दिशा में बहुआयामी दृष्टिकोण' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा ने 17 मार्च 2023 को, 'रिटेलः ग्राहकों के लिए मूल्य संवर्धन की दिशा में बहुआयामी दृष्टिकोण' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन दो रिटेल उद्योग विशेषज्ञों द्वारा किया गया था।

क्र.सं.	नाम	विवरण
1	श्री आमिर खान	एरिया मैनेजर, बिग बास्केट, टाटा एंटरप्राइज, नागपुर
2	श्री चेतन वेड	बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर, बिग बास्केट, टाटा एंटरप्राइज नागपुर

श्री चेतन वेड एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर के 2014–16 के एमबीए रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज के पूर्व छात्र भी हैं।

कार्यशाला का दृश्य

कार्यशाला में स्कूल ऑफ आरएफएम, स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) और स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के लगभग 70 छात्रों ने भाग लिया।

कार्यशाला ने छात्रों को संचालन, विपणन के क्षेत्रों में जानकारी प्रदान की। वित्त, इन्वेंटरी प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ई–कॉमर्स क्यू–कॉमर्स आदि ने भी हमारे संस्थान की ब्रांडिंग एवं नेटवर्किंग का मार्ग प्रशस्त किया जिससे उद्योग–संस्थान संबंधों में वृद्धि हुई।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 'रिटेल केपीआई एवं एनपीएस पैरामीटर' पर ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर द्वारा 16 मार्च 2023 को 'रिटेल केपीआई एवं एनपीएस पैरामीटर' पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके दौरान श्री अबूथाहिर ए, कॉन्सेप्ट मैनेजर, होम सेंटर, लैंडमार्क ग्रुप, चेन्नई कार्यशाला के विशेषज्ञ व्यक्ति थे, जिन्हें लगभग 20 वर्षों का अनुभव था।

श्री अबुताहिर ने लैंडमार्क ग्रुप में अपने कार्य अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने संगठनात्मक लक्ष्यों को मापने के लिए केपीआई एवं एनपीएस जैसे एबीएस (औसत टोकरी आकार), एटीएस (औसत टिकट आकार), रूपांतरण दर, फुटफॉल, सिकुड़न और कई अन्य परिभाषिक शब्दों के बारे में बताया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे वांछित परिणाम प्राप्त कर सकें।

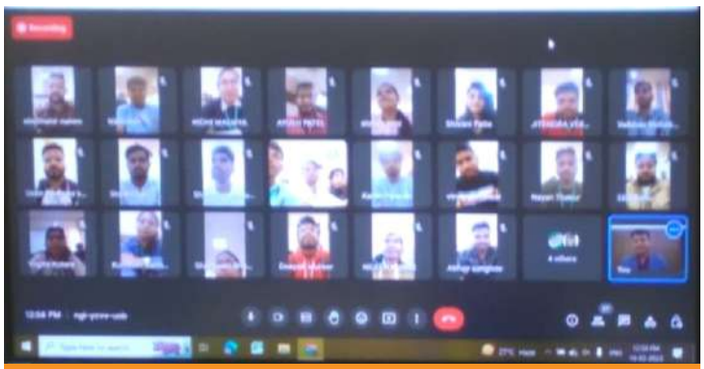

ऑनलाइन कार्यशाला का स्क्रीनशॉट

ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला में भाग लेते छात्र

उन्होंने विस्तार से बताया कि रिटेल व्यापार एवं उसके दिन–प्रतिदिन के संचालन के दौरान सतर्क रहना बेहद जरूरी है क्योंकि रणनीतिक लक्ष्यों तथा उनकी प्रगति को नजरअंदाज करना आसान है।

स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में 60 छात्रों और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया इसके साथ ही एक एक प्रश्नकाल सत्र भी था जिसके दौरान छात्रों की शंकाओं को दूर किया गया।

एफडीडीआई, पटना परिसर के छात्रों ने आईआईटी, पटना द्वारा आयोजित फैशन शो में प्रथम पुरस्कार जीता

एफडीडीआई, पटना परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) विभाग के छात्रों ने वार्षिक उत्सव 'अन्वेशा' में भाग लिया एवं प्रथम पुरस्कार जीता। यह कार्यक्रम 13 मार्च 2023 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), पटना द्वारा आयोजित किया गया था।

फैशन डिजाइन विभाग के प्रतिभागी

प्रतियोगिता के दौरान एफडीडीआई के छात्रों ने डिजाइनर क्रिएशंस में रैंप पर खुबसूरती से कदम रखा तथा 'गोथिक' थीम पर अपना संग्रह पेश किया। विजेता टीम के प्रतिभागियों में सुश्री कनिका झा, सुश्री रीति कृष्णा, सुश्री आकांक्षा, सुश्री अपूर्वा, सुश्री लीजा और सुश्री प्रीति शामिल थीं। सुश्री कनिका झा ने 'गोथिक' थीम पर आधारित सभी परिधानों का फैशन किया।

इस संग्रह को निर्णायक मंडल द्वारा बहुत सराहा गया तथा छात्रों ने फैशन शो प्रतियोगिता के लिए प्रथम पुरस्कार एवं 25000 रुपये का नकद पुरस्कार प्राप्त किया।

निफ्ट पटना, आईआईटी पटना, पटना वीमेंस कॉलेज और अन्य संस्थानों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

'एफडीडीआई शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली' के ऑनलाइन वेब पोर्टल का उद्घाटन

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 13 मार्च 2023 को 'एफडीडीआई शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (एफजीआरएएमएस)' के ऑनलाइन वेब पोर्टल का उद्घाटन किया गया।

एफजीआरएएमएस दक्षता, प्रभावशीलता बढ़ाने एवं सुशासन प्राप्त करने का एक उपकरण है जो शिकायतों के निवारण में मदद, पारदर्शिता बनाए रखने में बेहतर परिचालन परिणाम देगा।

एफजीआरएएमएस एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है जो सभी एफडीडीआई छात्रों एवं कर्मचारियों को एफडीडीआई सेवा प्रदाता से संबंधित किसी भी विषय पर एफडीडीआई को अपनी शिकायतें दर्ज करने के लिए 24 X 7 उपलब्ध है।

यह एफडीडीआई के सभी परिसरों से जुड़ा एक संपूर्ण ऑनलाइन एकल पोर्टल है जिसमें प्रत्येक परिसर को इस प्रणाली तक भूमिका–आधारित पहुंच प्राप्त है।

एफजीआरएएमएस में दर्ज की गई शिकायत की स्थिति को शिकायतकर्ता के पंजीकरण के समय प्रदान की गई विशिष्ट शिकायत आईडी से ट्रैक किया जा सकता है। एफजीआरएएमएस का ऑनलाइन वेब पोर्टल वेब लिंक पर सक्रिय है

https://grievance.fddiindia.com or
https://fddiindia.com/grievance-cell.php

एफडीडीआई परिसरों में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी) 08 मार्च 2023 को एफडीडीआई के सभी परिसरों में बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया।

उत्सव के एक भाग के रूप में, एफडीडीआई, नोएडा परिसर में ज्ञानार्जन सत्र आयोजित किए गए, जिसके दौरान एफडीडीआई के बाकी 11 परिसरों की सभी महिला कर्मचारियों को उनके संबंधित परिसरों में ऑनलाइन माध्यम से जोड़ा गया।

क्र.सं.	सत्र का विषय	वक्ता	दिनांक
1	लिंग समानता एवं कार्य जीवन संतुलन	विंग कमा. श्रीमती आशा वशिष्ठ (सेवानिवृत्त)	03.03.2023
2	महिलाओं के लिए वित्तीय योजना का महत्व	सुश्री रजनी रावल, कोटक से	06.03.2023

विंग कमांडर आशा वशिष्ठ को 20 जून 1998 को भारतीय वायु सेना की प्रशासनिक शाखा में नियुक्त किया गया था। 24 साल के अपने करियर में, उनकी विशिष्ट सेवा के लिए उन्हें एक बार वायु सेना प्रमुख द्वारा और दो बार एयर ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ द्वारा सराहा गया है। उन्हें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2018 पर गुजरात राज्य में महिलाओं के योगदान के लिए पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया था। उन्हें मार्च 2021 में महिला दिवस पर तेलंगाना की राज्यपाल, माननीय तमिलिसाई सुंदरराजन द्वारा सम्मानित भी किया गया है।

विंग कमांडर श्रीमती आशा वशिष्ठ (सेवानिवृत्त)

सत्र का एक दृश्य

आईडब्ल्यूडी की इस वर्ष की थीम 'एम्ब्रेस इक्विटी' के साथ संरेखित करते हुए, विंग कमांडर आशा वशिष्ठ ने 'लैंगिक समानता एवं कार्य जीवन संतुलन' सत्र के दौरान देश में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों के बारे में बताया।

कोटक से सुश्री रजनी रावल का सत्र

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'निबंध लेखन प्रतियोगिता' का एक दृश्य

कोटक की सुश्री रजनी रावल ने सत्र के दौरान 'महिलाओं के लिए वित्तीय योजना का महत्व', उचित वित्तीय नियोजन करने की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी, जिसमें महिलाएं अपने बुढ़ापे के लिए अपनी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु अपनी कमाई को खर्चों एवं बचत में विभाजित कर सकती हैं।

आत्मनिर्भर भारत का जो सपना भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने देखा है, उसे पूरा करने में महिला शक्ति का सबसे बड़ा योगदान है।

01 मार्च 2023 को 'निबंध लेखन तथा 06 मार्च 2023 को महिला कर्मचारियों के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके दौरान महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कर्मचारियों को कार्यस्थल पर महिलाओं को सशक्त बनाने के बारे में भी बताया गया, जिसका अर्थ है कि महिलाएं अपने जीवन पर अधिक नियंत्रण रख सकती हैं। इसका मतलब है कि उन्हें अपने स्वयं के कार्यक्रम बनाने, नए कौशल हासिल करने एवं स्वायत्तता हासिल करने की आजादी देना।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के साथ सीएमपीडीआईएल ने शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत सीएमपीडीआईएल, आरआई– 4, नागपुर ने 06 मार्च 2023 को, शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित करने के लिए एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के साथ समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस परियोजना को सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल), आरआई–4, नागपुर द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2022–24 के लिए अपने सीएसआर के तहत सीएमपीडीआई द्वारा 82.60 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

एफडीडीआई की ओर से डॉ. प्रदीप मंडल, एचओडी–फैशन डिजाइन (एफडी) एवं केंद्र प्रभारी, एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर ने एमओए पर हस्ताक्षर किए, जबकि सीएमपीडीआईएल की ओर से श्री मनोज कुमार, क्षेत्रीय निदेशक आरआई–4, नागपुर ने एमओए पर हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद सीएमपीडीआईएल और एफडीडीआई के अधिकारी

पदोन्नति पत्रक

इस अवसर पर आरआई–4– सीएमपीडीआईएल, नागपुर की सीएसआर टीम अर्थात् सुश्री जसप्रीत कौर कहलोंन – प्रबंधक (मानव संसाधन /का.),विभागाध्यक्ष(पर्स एंड एडमिन), सुश्री प्रियंका तिवारी – डीएम (एचआर–पी) उपस्थित थीं, जबकि डॉ. विनीत कुमार वर्मा, संकाय एवं विभागाध्यक्ष– आरएफएम, श्री सुशांत यादव, वरिष्ठ संकाय एवं एचओडी–एफडीपी उपस्थित थे।

समझौता ज्ञापन के अनुसार, एफडीडीआई द्वारा महाराष्ट्र राज्य के 100 वंचित,बेरोजगार,अल्प–रोजगार प्राप्त युवाओं के लिए दो बैचों में फुटवियर डिजाइन एण्ड उत्पादन में 4 महीने का शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षुओं के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करना है।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'फैब्रिक कलात्मकता और संवर्धन तकनीक' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 20 फरवरी से 24 फरवरी, 2023 तक 'फैब्रिक कलात्मकता और संवर्धन तकनीक' पर पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला का आयोजन स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) द्वारा किया गया था, जिसमें एफडी 2021 बैच, सेमेस्टर 4, सत्र 2021 – 2025 के छात्रों ने भाग लिया था।

कार्यशाला के दौरान, तकनीकी सत्रों के बाद विशेषज्ञ व्यक्तियों श्री भरत दास और श्री अबीर द्वारा चरण–वार प्रदर्शन आयोजित किए गए। श्री भरत दास ललित कला स्नातक हैं, जो पश्चिम बंगाल के सेरामपुर हुगली में स्थित बर्ड्स–आई व्यू के मालिक हैं और श्री अबीर, सहायक है।

कार्यशाला का संचालन कर रहे वक्ता श्री भरत दास और श्री अबीर

सत्रों के दौरान उन्होंने छात्रों को मोनोप्रिंट, कोलाग्राफ, बाटिक, लिनोलियम ब्लॉक प्रिंट, सायनोटाइप, मिट्टी में छवि हस्तांतरण, लिथोग्राफी तथा सिल्कस्क्रीन प्रिंट के बारे में समझाया।

संकाय द्वारा संपादित पुस्तक 'फैशन एक्सेसरीज डिजाइन पर अध्ययनः सस्टेनेबिलिटी आर्ट, क्राफ्ट एण्ड डिजाइन' एससीआईईजी प्रकाशन, भारत द्वारा प्रकाशित की गई

'फैशन एक्सेसरीज डिजाइन पर अध्ययनः स्थिरता कला, शिल्प एवं डिजाइन' नामक एक पुस्तक, जिसे एफडीडीआई के संकाय सदस्यों द्वारा संपादित किया गया है, एक राष्ट्रीय पत्रिका – एससीआईईजी प्रकाशन, भारत, आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित कंपनी में 28 फरवरी, 2023 को प्रकाशित हुई है।

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), और स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के संकाय एवं छात्रों ने आईएसबीएनः 978–93–94766–28–0 वाले इस पुस्तक के विभिन्न अध्यायों में योगदान दिया है, इसका संपादन एफडीडीआई के संकाय श्री रामबाबू मुप्पीदी और श्री अनूप सिंह राणा द्वारा किया गया।

यह पुस्तक कला, शिल्प, रिटेल, बाजार एवं लेदर के डिजाइन में निरंतरता सहित फैशन एक्सेसरी डिजाइन का एक परिदृश्य प्रस्तुत करती है। यह महत्वाकांक्षी डिजाइनर को फैशन सामान के इतिहास का अवलोकन कराती है, जिसमें क्लासिक और समकालीन दोनों डिजाइनों के उप–उत्पादों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदानों पर एक परिदृश्य प्रस्तुत करती है।

श्री रामबाबू मुप्पीदी, संकाय, एसएलजीएडी, हैदराबाद

श्री अनूप सिंह राणा, वरिष्ठ संकाय और विभागाध्यक्ष, एसएलजीएडी, नोएडा

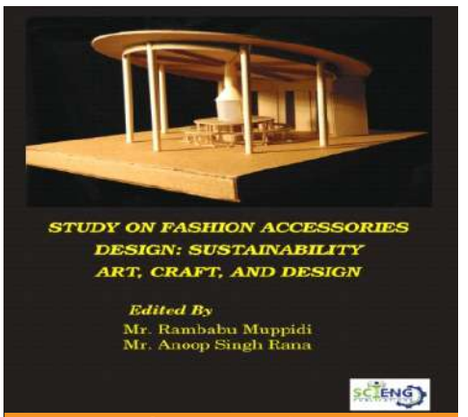

किताब का कवर पेज

उनके योगदान के लिए, एफडीडीआई के संकाय सदस्यों एवं छात्रों को एससीआईईएनजी प्रकाशन, भारत से 'प्रशंसा का ई– प्रमाण–पत्र' भी मिला।

'प्रशंसा का ई–प्रमाण पत्र' दिया गया			
क्र.सं.	नाम	संकाय/छात्र	दिए गए विषय
1	श्री रामबाबू मुप्पीदी	संकाय	चारमीनार से प्रसिद्ध फैशन लैक चूड़ी डिजाइनः एक अध्ययन
2	श्री अनूप सिंह राणा	संकाय	अध्ययन दृ चंबा चप्पल शिल्प और सुधार के लिए अंतराल की पहचान करें
3	श्री दीपक चौधरी	संकाय	ऑनलाइन मार्केटिंग फुटवियर उपभोक्ताओं के खरीद इरादों को कैसे प्रभावित कर सकती है, इस पर एक अध्ययन
4	श्री लोगनाथन। टन		
5	श्री नरेश कुमार		
6	श्री बाला कृष्णा डी	संकाय	एम–बैंकिंग विद्रोहः हैदराबाद शहर के विशेष संदर्भ में चयनित बैंकों पर एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
7	श्री लोगनाथन टन	संकाय	एडिडास समूह में ब्रांड जागरूकता और ग्राहकों की संतुष्टि के बारे में बाजार अध्ययन
8	श्री विश्व कुमार		
9	श्री अब्दुल रहुमन एम	संकाय	फुटवियर समावेशी डिजाइन के लिए निर्माण के प्रभाव
10	सुश्री महक अग्रवाल	छात्र	मिथिला पेंटिंगः बिहार के मिथिला क्षेत्र पर अध्ययन (कारीगरों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं पर विशेष ध्यान)
11	सुश्री जानवी राखे	छात्र	गोंड कला मध्य भारत के गोंड समुदाय की एक पारंपरिक कलाकृति है
12	श्री अभिनव कुमार वर्मा	छात्र	चेरियाल हैदराबाद के प्रसिद्ध चित्रों को चित्रित करते हैं
13	सुश्री संचिता राय	छात्र	सुंदर कालातीत कलाः पट्टा वर्ण पर अध्ययन (सामग्री, धर्म कला पर विशेष ध्यान)
14	सुश्री गेनुपुला काव्या	छात्र	वुड टू लाइफः कोंडापल्ली खिलौनों पर अध्ययन (सामग्री, धर्म कला पर विशेष ध्यान)

15	श्री प्रणय पटेल	छात्र	करघा की कला पर अध्ययन – पोचमपल्ली, इकत कला
16	सुश्री रीना सिंधुरा वांगुरी	छात्र	स्वदेश पट्टू पर एक शोध अध्ययन – क्षीरापुरी
17	सुश्री निहारिका मिश्रा	छात्र	चिकनकारी हस्तशिल्प पर शोध अध्ययनः लखनऊ
18	सुश्री रोक्कम रावली	छात्र	गडवाल हथकरघा और वस्त्रों पर एक शोध अध्ययन

पुस्तक में निरमा विश्वविद्यालय, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, वोक्ससेन विश्वविद्यालय एवं बड़ौदा जेजे स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स, वीएसवीएन, कॉलेज तमिलनाडु जैसे अन्य विश्वविद्यालयों का भी योगदान है।

ईडीएस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'उत्पाद डिजाइन के लिए रैपिड प्रोटोटाइप एण्ड एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग' पर कार्यशाला आयोजित की गई

गहन उद्योग–केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर ने ईडीएस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 17 फरवरी, 2023 को, 'उत्पाद डिजाइन के लिए रैपिड प्रोटोटाइप एण्ड एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

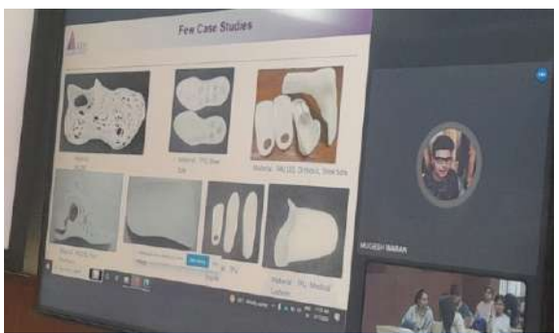

श्री मुगेश्वरन ए, पदनाम अनुप्रयोग विशेषज्ञ – 3 डी प्रिंटिंग, ईडीएस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ऑनलाइन डेमो

कार्यशाला में भाग लेते एफडीडीआई के छात्र

ईडीएस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड 3 डी प्रिंटिंग एडिटिव विनिर्माण प्रक्रियाओं के साथ–साथ नए उत्पाद विकास के लिए डिजाइन, विश्लेषण, विनिर्माण प्रक्रिया के लिए पूरे भारत में फुटवियर और फैशन उद्योगों में समाधान प्रदान कर रहा है।

कार्यशाला फाउंडेशन बैच के छात्रों के लिए आयोजित की गई थी।

वक्ता, श्री मुगेश्वरन ए, पदनाम अनुप्रयोग विशेषज्ञ – 3 डी प्रिंटिंग, ईडीएस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ऑनलाइन डेमो, छात्रों को विभिन्न उपकरणों एवं सॉफ्टवेयर का उपयोग करके रचनात्मकता के साथ 3 डी प्रिंटिंग और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग तकनीकों के अभिनव विचारों को प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने बताया कि रैपिड प्रोटोटाइप लगातार बढ़ रहा है और विनिर्माण व्यवसायों के लिए मानक बन रहा है जो परिचालन लागत को कम करते हुए तेजी से उत्पादन को बढ़ावा देता है।

छात्रों ने रैपिड प्रोटोटाइप के लिए 3 डी प्रिंटिंग के प्रयोगात्मक उपयोग एवं उनके डिजाइन मॉडल पर इसके अनुप्रयोग को सीखा। कार्यशाला के माध्यम से उन्हें यह समझने में भी मदद की कि किस तकनीक का उपयोग, किस संदर्भ में और किस काम के क्षेत्रों में उपयोग करना है।

नराकास द्वारा एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के लिए 'प्रोत्साहन' प्रमाण पत्र

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर राजभाषा 'हिंदी' को बढ़ावा देने के लिए अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा है और सरकार की राजभाषा नीति के प्रावधानों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

सकारात्मक प्रयासों एवं इसके निरंतर कार्यान्वयन के कारण, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर को 17 फरवरी 2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी), हैदराबाद द्वारा 'प्रोत्साहन' प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

गणमान्य व्यक्तियों का एक दृश्य

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर को 'प्रोत्साहन' प्रमाण

नराकास की 12वीं छमाही बैठक में 'प्रोत्साहन' प्रमाण पत्र दिया गया, जिसमें एफडीडीआई के परिसर प्रभारी श्री दीपक चौधरी और हिंदी विभाग से श्री फैजी उपस्थित थे।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज के छात्रों ने 'ओडीओपी' प्रदर्शनी का दौरा किया

शैक्षिक यात्रा के तहत महत्वपूर्ण सोच में उत्कृष्टता प्राप्त करने, आत्मसात करने, बातचीत करने और सिद्धांत को प्रयोगात्मक रूप से समझने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर के छात्रों ने 'एक जिला–एक उत्पाद' (ओडीओपी) प्रदर्शनी का दौरा किया, जो अवध शिल्प ग्राम एम्पोरियम, लखनऊ में आयोजित किया गया था।

16 फरवरी 2023 को, अपने संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में, बी डिजाइन एफडी 2019, 2020 तथा 2021 और बी डिजाइन 2022 (फाउंडेशन बैच) ने 100 से अधिक कला एवं शिल्प स्टालों वाली 'ओडीओपी' प्रदर्शनी का दौरा किया।

डिजाइन इलेक्टिव छात्रों को उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों की मूर्तियों, नक्काशी, वस्त्र, चमड़े, चीनी मिट्टी की चीजें, धातु की कलाकृतियों, जूते, कालीन, घड़ियों और फर्नीचर के मास्टर पीस से प्रेरित किया गया था और स्टालों में सबसे दुर्लभ, सबसे छोटी वस्तुओं और उत्कृष्ट कृतियों से भी अवगत कराया गया था।

'ओडीओपी' प्रदर्शनी के दौरान एफडीडीआई के छात्र

'ओडीओपी' प्रदर्शनी के दौरान स्टाल का एक दृश्य

इस यात्रा ने छात्रों के लिए अवसरों एवं सीखने के लिए उत्कृष्ट अवसर दिया क्योंकि उन्हें उत्तर प्रदेश के 75 जिलों से अद्वितीय पारंपरिक उत्पाद की डिजाइन अवधारणाओं के बारे में पहला अनुभव मिला, जो ज्ञान को दीर्घकालिक प्रतिधारण तथा उनके अगले रचनात्मक उत्पादों और संग्रह के लिए प्रेरणा में मदद करेगा।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' का उद्घाटन

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' इनडोर खेलों के लिए एक मनोरंजक सुविधा का उद्घाटन 14 फरवरी, 2023 को श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक (एमडी) द्वारा किया गया था।

यह काम्पलेक्स छात्रों, शिक्षकों, सहायक कर्मचारियों के लिए मनोरंजन तथा अवकाश के समय की गतिविधियों के लिए, 'इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' टीटी टेबल, कैरम बोर्ड, बैडमिंटन कोर्ट और शतरंज टेबल से सुसज्जित है।

रिबन काटकर 'इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' का उद्घाटन

बैडमिंटन मैच का एक दृश्य

परिसर में इस खेल के बुनियादी ढांचे को विकसित करने से न केवल शरीर को शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं सक्रिय बनाने में मदद मिलेगी, बल्कि मानसिक विकास और विकास में भी योगदान होगा। इस सुविधा से अब विद्यार्थी एवं कर्मचारी अपने मन को खेल भावना से समृद्ध कर सकेंगे।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों के लिए एलबीआई एक्सपोर्ट्स, कोलकाता का औद्योगिक दौरा

एफडीडीआई, कोलकाता ने बैच एलजीएडी 2020, सेमेस्टर 6 के छात्रों के एक समूह के लिए 13 फरवरी 2023 को, एलबीआई एक्सपोर्ट्स के एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया, जो कोलकाता में चमड़े के सामान का एक प्रमुख निर्माता है।

एलबीआई एक्सपोर्ट्स, कोलकाता में एफडीडीआई के छात्र

एलबीआई निर्यात, कोलकाता के विशेषज्ञ द्वारा तकनीकी जानकारी देते हुए

संगठन के कामकाजी माहौल की जानकारी प्रदान करने एवं एज कलरिंग प्रक्रिया के बारे में छात्रों के तकनीकी ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से, स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) ने इस दौरे का आयोजन किया।

एलबीआई एक्सपोर्ट्स के तकनीकी विशेषज्ञ ने छात्रों को कलर फिलर की अवधारणा के बारे में बताया तथा प्रत्येक प्रक्रिया के लिए चेकलिस्ट के बारे में भी बताया, जिसमें अंतिम उत्पाद में स्थिरता एवं एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण उपाय शामिल थे।

छात्रों ने उच्च गुणवत्ता वाले चमड़े के सामान बनाने की प्रक्रिया की गहरी समझ के साथ वापस हुए, जिसे वे अपने भविष्य के प्रयासों में अपने साथ ले जा सकते हैं।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'स्नीकर डिजाइन कार्यशाला 2023' का आयोजन

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 13 फरवरी 2023 को 'स्नीकर डिजाइन कार्यशाला 2023' का आयोजन किया गया।

एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) ने छात्रों को स्नीकर संस्कृति एवं विकास की दुनिया से परिचित कराने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें बताया गया कि कैसे स्नीकर डिजाइनर सामग्री, फैशन रुझान एवं शैलियों के अपने उन्नत ज्ञान का उपयोग विकास, निर्माण और डिजाइन के लिए करते हैं। विभिन्न उत्पाद शृंखलाओं के लिए स्नीकर्स, और वैश्विक परिप्रेक्ष्य से डिजाइन करने में उनका आत्मविश्वास बढ़ाते हैं।

कार्यशाला का संचालन एसएफडीपी की वरिष्ठ संकाय सुश्री रश्मि तोमर और एफडीडीआई के पूर्व छात्रों श्री विदित सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यशाला का संचालन करते श्री विदित सिंह

'स्नीकर डिजाइन कार्यशाला 2023' में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का एक दृश्य

श्री विदित सिंह ने एफडीडीआई से अपना कोर्स पूरा करने के बाद, पोर्टलैंड, ओरेगन, यूएसए में स्थित पेनसोल फुटवियर डिजाइन अकादमी में फुटवियर एण्ड परिधान नवाचार डिजाइन का कोर्स किया। वह वर्तमान में एफसीटीआरआई एलए एण्ड ईक्यूएलजेड, यूएसए के लिए एक फुटवियर डिजाइन सलाहकार हैं।

कार्यशाला के प्रतिभागियों को विशेष 'अतिथि वक्ता' श्री अर्पित हुडा, प्यूमा स्पोर्टस्टाइल फुटवियर डिजाइनर, जर्मनी द्वारा डिजाइन प्रक्रियाओं, फुटवियर बाजार, फुटवियर की शैली, ग्राहकों–ब्रांडों के साथ काम करने के वर्कफ्लो, एआई एण्ड नए 2डी–3डी डिजाइन कौशल से परिचय का अवसर और अनुभव मिला।

इसके अलावा, श्री बेरिन बी, एडिडास इनोवेशन डिजाइनर, यूएस और श्री एयास दरकचीव, एडिडास 3 डी फुटवियर डिजाइनर, जर्मनी, ऑनलाइन मोड के माध्यम से कार्यशाला में शामिल हुए और प्रतिभागियों को अपने ब्रांड, ग्राहकों के लिए स्वंय से जूते बनाने के लिए मूल्यवान जानकारी तथा ज्ञान प्रदान किया।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के छात्रों के लिए रेमंड लिमिटेड का औद्योगिक दौरा

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर ने 11 फरवरी 2023 को, रेमंड लिमिटेड, टेक्सटाइल डिवीजन, सौसर, छिंदवाड़ा में बी. डिजाइन एफडीपी–एफडी फाउंडेशन बैच द्वितीय सेमेस्टर के 55 छात्रों के बैच के लिए एक औद्योगिक दौरा का आयोजन किया।

इस दौरे का आयोजन छात्रों को उनके फैब्रिक संरचना एवं डिजाइन मॉड्यूल के लिए विनिर्माण की मानक प्रक्रियाओं और विधियों के साथ–साथ विनिर्माण इकाई में व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली विभिन्न अनुपालन और प्रसंस्करण तकनीकों के बारे में जानने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था।

संयंत्र के अंदर संकाय और रेमंड टीम के साथ एफडीडीआई के छात्र

रेमंड कारखाने के आउटलेट में छात्र और संकाय

श्री मनीष थोराट, डीजीएम–एच. आर. आशीष शर्मा, एचआर–मैनेजर और श्री मनीष कुकरेजा, डिजाइनर ने छात्रों को फाइबर से यार्न तक कपड़ा निर्माण की विस्तृत प्रक्रिया के बारे में बताया, जिसके बाद कताई से कपड़ा निर्माण तक, छात्रों ने रेमंड की इकाई में आंतरिक रूप से प्राप्त ऑर्डर की आवश्यकता के अनुसार या अंतर्राष्ट्रीय खरीदार से प्राप्त विनिर्देशों से सामग्री को मिश्रित करने की प्रक्रिया का भी अवलोकन किया।

विनिर्माण इकाई के दौरे के अलावा, फाउंडेशन समन्वयकों के साथ समूह ने रिटेल प्रारूपों की मानक प्रथाओं एवं अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए तैयार करने के लिए रेमंड द्वारा उपयोग किए जाने वाले कपड़ों के प्रकारों को समझने के लिए रेमंड फैक्ट्री आउटलेट का दौरा किया।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 'उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम' आयोजित

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विकास एवं सुविधा कार्यालय, इंदौर के सहयोग से एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 10 फरवरी 2023 को एक दिवसीय 'उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम' (ईएपी) आयोजित किया गया।

श्रीमती शीतला पटले, आईएएस, जिला कलेक्टर, छिंदवाड़ा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

गणमान्य व्यक्तियों के साथ उभरते उद्यमी

उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं के बारे में संकाय एवं छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए, स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) ने ईएपी का आयोजन किया, जिसमें आरएफएम, फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) और फैशन डिजाइन (एफडी) के लगभग 100 छात्रों तथा राजकीय एयू पीजी कॉलेज, छिंदवाड़ा के लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया।

श्रीमती शीतला पटले, आईएएस, जिला कलेक्टर, छिंदवाड़ा ईएपी की 'मुख्य अतिथि' थीं।

क्र. सं.	मुख्य वक्ता	संगठन	विषय
1	श्री गौरव गोयल, सहायक निदेशक	एमएसएमई– विकास एवं सुविधा कार्यालय, इंदौर	तकनीकी सत्र–विचार सृजन, स्टार्ट–अप और एमएसएमई की विभिन्न योजनाएं
2	डॉ. अनिल जैन, प्रोफेसर , वाणिज्य विभाग के प्रमुख।	राजकीय एयू पी.जी. कॉलेज, छिंदवाड़ा	सफल उद्यमी की विशेषताएं
3	श्री जी.के. हरने, प्रभारी महाप्रबंधक	जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, छिंदवाड़ा	परियोजना सहायता
4	श्री प्रकाश भंडारे, अग्रणी जिला प्रबंधक	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, छिंदवाड़ा	वित्तपोषण योजनाएं
5	डॉ संदीप पेटकर, डीन एंटरप्रेन्योरशिप, इनोवेशन और इनक्यूबेशन	जी.एच. रायसोनी विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा	इनक्यूबेशन योजनाएं
6	डॉ. अमर सिंह, प्रोफेसर और अंग्रेजी विभाग के प्रमुख	राजकीय महाविद्यालय चांद, छिन्दवाड़ा	प्रेरक वक्ता

ईएपी के दौरान, विषय विशेषज्ञ द्वारा विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए तथा प्रतिभागियों को विभिन्न उद्यमशीलता पहलुओं, कौशल संवर्ग और भारत सरकार तथा मध्य प्रदेश सरकार की एमएसएमई की नीतियों और योजनाओं के बारे में प्रेरित करने के लिए वन–टू–वन चर्चा भी की गई।

ईएपी ने प्रतिभागियों को स्व–रोजगार या उद्यमिता को एक कैरियर विकल्प के रूप में विचार करने और नौकरी निर्माता बनने और माननीय प्रधान मंत्री के 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्य को प्राप्त करने और हमारी मातृभूमि को सही अर्थों में 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने में मदद की।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा 'चमड़ा सतह अलंकरण' पर कार्यशाला आयोजित की गई

पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 03 फरवरी 2023 को, 'चमड़े की सतह अलंकरण' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला प्रगति पर

छात्रों द्वारा कलात्मक और रचनात्मकता परिणाम

सुश्री संगीता अल्लूरी, फेविक्रिल सर्टिफाइड प्रोफेशनल, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड की विशेषज्ञ शिक्षक ने 'फाउंडेशन बैच' के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया और शीशे, मोती, सिक्विन, धागे, तार, बटन आदि जैसी सबसे आम सामग्रियों का उपयोग करके सतह अलंकरण के मूल्यवान सुझाव एवं तकनीक प्रदान किए।

उन्होंने चमड़े की सतह की बनावट की खोज के लिए तकनीकों के बारे में जानकारी दी जिसमें रंगाई, पेंटिंग, टूलिंग स्टैंपिंग, झुलसा हुआ /जलना शामिल था और इन तकनीकों का उपयोग करके चमड़े की सतह के सौंदर्यवादी आकर्षण बढ़ाने के तरीकों को समझाया।

एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों ने आईआईटी–दिल्ली की स्मिता रिसर्च लैब का दौरा किया

कक्षा में सीखने को व्यावहारिक अनुभव के साथ पूरक करने एवं छात्रों को कपडा तथा फाइबर इंजीनियरिंग के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए, एफडीडीआई, नोएडा ने अपने छात्रों के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली द्वारा स्थापित एसएमआईटीए (स्मार्ट सामग्री और अभिनव वस्त्र अनुप्रयोग) अनुसंधान प्रयोगशाला के रूप में एक संस्थागत दौरा का आयोजन किया।

बी.डेस (एलजीएडी) 2019–2023 के 22 छात्रों के एक बैच ने 01 फरवरी, 2023 को आईआईटी–दिल्ली में स्मिता रिसर्च लैब का दौरा किया।

आईआईटी दिल्ली ने उभरती हुई सामग्रियों, प्रक्रिया प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके स्मार्ट तथा कार्यात्मक और कपडा के क्षेत्र में काम करने के लिए अपनी अत्याधुनिक स्मिता रिसर्च लैब को स्मार्ट टेक्सटाइल में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में बदल दिया है, जो देश के कपड़ा उद्योग को सीधे लाभान्वित कर सकता है।

स्मिता रिसर्च लैब में एफडीडीआई के छात्र

अश्विनी के. अग्रवाल छात्रों के साथ बातचीत करते हुए

टेक्सटाइल एंड फाइबर इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर अश्विनी के. अग्रवाल और आईआईटी–दिल्ली के सहायक प्रोफेसर डॉ. बिपिन कुमार ने छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने छात्रों को फाइबर मैन्युफैक्चरिंग, टेक्सटाइल के लिए नैनोमटेरियल्स, हीट स्टोरेज के लिए फेज चेंज मैटेरियल्स, प्लाज्मा प्रोसेसिंग और स्मार्ट टेक्सटाइल के बारे में जानकारी दी।

डॉ. बिपिन कुमार ने स्मार्ट रेशेदार/बहुलक सामग्री और संबंधित कपड़े संरचनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने फैब्रिक इंजीनियरिंग, फंक्शनल टेक्सटाइल्स, मेडिकल टेक्सटाइल, टेक्सटाइल /पॉलिमर फिजिक्स और मैकेनिक्स सहित स्मार्ट टेक्सटाइल के भविष्य के बारे में विस्तार से बताया।

कुल मिलाकर, यात्रा छात्रों के लिए एक सीखने का अनुभव था जिसने उन्हें स्मार्ट कपडा सामग्री में अपनी रुचि का पता लगाने का अवसर प्रदान किया।

एफडीडीआई, नोएडा के कर्मचारी को हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रोत्साहन पुरस्कार मिला

राजभाषा भाषा 'हिंदी' को बढ़ावा देने की परंपरा एवं उद्देश्य के अनुसरण में, एफडीडीआई अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ काम कर रहा है और कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। संस्थान अपने सभी कर्मचारियों एवं छात्रों को हिंदी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए भी प्रेरित कर रहा है।

इस संबंध में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए श्रीमती रेणु शर्मा, सलाहकार, स्कूल ऑफ रिटेल, एफडीडीआई, नोएडा परिसर ने 'हिंदी निबंध लेखन' प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रोत्साहन पुरस्कार जीता।

नराकास–नोएडा की 44वीं बैठक के दौरान पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्रीमती रेणु शर्मा, सलाहकार, स्कूल ऑफ रिटेल, एफडीडीआई, नोएडा परिसर

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी), नोएडा के तत्वावधान में 16 दिसंबर 2022 को वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान में 'आजादी का अमृत काल' विषय पर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

विजेताओं को नराकास, नोएडा की 44 वीं बैठक के दौरान पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो 01 फरवरी, 2023 को नवोदय विद्यालय समिति, नोएडा के द्वारा आयोजित की गई थी।

श्रीमती रेणु शर्मा को नराकास–नोएडा के अध्यक्ष श्री संजय बंधोपाध्याय द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया, इस दौरान डॉ. प्रज्ञा कांडपाल, सचिव, नराकास– नोएडा तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मंच पर उपस्थित थे।

एफडीडीआई ने 36वें आईआईएलएफ में भाग लिया

एफडीडीआई ने 36 वें भारत अंतर्राष्ट्रीय चमड़ा मेले (आईआईएलएफ –2023) में भाग लिया, जो 31 जनवरी से 3 फरवरी 2023 के बीच चेन्नई ट्रेड सेंटर, नंदमबक्कम, चेन्नई में आयोजित किया गया था।

36 वें आईआईएलएफ के उद्घाटन सत्र का एक दृश्य

एफडीडीआई के स्टॉल का दृश्य

36वें आईआईएलएफ का उद्घाटन तमिलनाडु सरकार के माननीय हथकरघा एवं कपडा मंत्री श्री आर गांधी, तमिलनाडु सरकार के माननीय पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री शिव वी. मेयानाथन ने भारत व्यापार संवर्धन संगठन के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री प्रदीप सिंह खरोला, आईएएस श्री एस कृष्णन, सरकार के अपर मुख्य सचिव की गरिमामय उपस्थिति में किया। तमिलनाडु सरकार के उद्योग, निवेश संवर्धन और वाणिज्य विभाग, श्रीमती सुप्रिया साहू, आईएएस, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन विभाग, तमिलनाडु सरकार, श्री संजय लीखा, अध्यक्ष, चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई), श्री राजेंद्र कुमार जालान, उपाध्यक्ष, सीएलई, श्री इसरार अहमद, क्षेत्रीय अध्यक्ष (दक्षिण), सीएलई श्री आर सेल्वम, आईएएस, कार्यकारी निदेशक, सीएलई भारतीय चमड़ा उद्योग के कप्तानों के साथ उपस्थित थे।

भारत एवं विदेशों की 400 से अधिक कंपनियों, जिनमें विदेशों से लगभग 100 प्रदर्शक शामिल थे, जिन्होने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया, जो लेदर एवं फुटवियर उद्योग की प्रौद्योगिकी एवं रुझानों के क्षेत्रों में नवीनतम नवाचारों में जानकारी प्रदान करते हैं। मेले में चमड़ा उद्योग से संबंधित कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों और सहायक उत्पादों की पूरी श्रृंखला प्रदर्शित की गई थी।

एफडीडीआई के सभी परिसरों के छात्रों ने कन्वेंशन सेंटर ओ 9–ए में स्थित अपने स्टाल पर कृतियों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की, जिसमें महिलाओं एवं पुरुषों के जूते, कैजूअल और फॉरमल जूते, स्पोर्ट्स शूज, फैशन एक्सेसरीज, चमड़े के सामान, ट्रैवलवेयर, बेल्ट, पोर्टफोलियो, हैंडबैग और वॉलेट शामिल थे।

मेले के दौरान, सीएलई ने 1–3 फरवरी, 2023 तक होटल आईटीसी ग्रैंड चोला, चेन्नई में 'डिजाइनर मेला' के छठे संस्करण का आयोजन किया, जिसमें इटली, अमेरिका, ब्रिटेन, ब्राजील, रूस, स्पेन, फिलीपींस, ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड, पुर्तगाल और भारत जैसे विभिन्न देशों के डिजाइनरों एवं संस्थानों ने भाग लिया।

डिजाइनर मेले में एफडीडीआई के स्टॉल का दृश्य

पुस्तक विमोचन का एक दृश्य

डिजाइनर मेले के दौरान, एफडीडीआई ने अपने स्टैंड नंबर 40 पर रचनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की। इस स्टॉल पर लोकप्रिय विदेशी एवं भारतीय डिजाइनरों ने अवलोकन किया। इस अवसर पर श्री वरुण गुप्ता, जूनियर कंसल्टेंट–फुटवियर टेक्नोलॉजी (एफटी), एफडीडीआई फुर्सतगंज के केन्द्र प्रभारी और पुणे में कार्यरत रोमन सीएडी (स्ट्रैटेजीज, फ्रांस) के वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार श्री एवी सुरेश द्वारा संयुक्त रूप से लिखी गई 'एबीसी ऑफ फुटवियर टेक्नोलॉजी' नामक पुस्तक का विमोचन पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं वन विभाग, तमिलनाडु सरकार की अपर मुख्य सचिव श्रीमती सुप्रिया साहू, आईएएस द्वारा किया गया।

'एबीसी ऑफ फुटवियर टेक्नोलॉजी', जैसा कि नाम से पता चलता है, एक ही गुलदस्ते में संपूर्ण 'फुटवियर टेक्नोलॉजी' की ज्ञान सुगंध है। यह व्यापक दृष्टिकोण के साथ सैद्धांतिक पहलुओं के साथ प्रयोगात्मक ज्ञान भी देती है। इस पुस्तक की खासियत यह है कि, यह चित्रों के माध्यम से फुटवियर उद्योग की सूक्ष्म से सूक्ष्म जानकारी प्रदान करती है।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'एलजीएडी एलुमनाई मीट 2023' आयोजित की गई

संबंधों को बनाए रखने एवं सजोने तथा पिछले स्नातकों (पूर्व छात्रों) के साथ एक मजबूत पेशेवर नेटवर्क बनाने के उद्देश्य से, एफडीडीआई कोलकाता ने 25 जनवरी 2023 को 'एलजीएडी एलुमनी मीट 2023' का आयोजन किया। डी 2 इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता द्वारा प्रायोजित इस बैठक में 2010 के पहले बैच से लेकर 2018 के अंतिम पासआउट बैच तक के पास–आउट छात्रों की एक शानदार सभा देखी गई।

श्री राजीव भाटिया, प्रबंध निदेशक, डी 2 इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता, जो नवाचार एवं शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं, ने 'मुख्य अतिथि' के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उनके साथ चमड़ा सामान उद्योग के जानकार श्री उदय शर्मा एवं श्री सुमित भाटिया भी थे।

श्री राजीव भाटिया 'भाषण' देते हुए

बैठक का एक दृश्य

पूर्व छात्रों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया था, जिसके दौरान उन्होंने एलजीएडी के वर्तमान छात्रों के साथ एफडीडीआई के छात्र रहते हुए नौकरी बाजार के लिए कैसे तैयारी की, इस पर अपने अनुभव साझा किए। यह एक शंका–समाधान वाला सत्र था जिसमें तकनीकी एवं व्यावसायिक विचारों का आदान–प्रदान हुआ।

इस आयोजन के परिणामस्वरूप एक 'एलजीएडी कोलकाता एलुमिनी' समूह बनाया गया है, जिसमें विचारों का आदान–प्रदान, कैरियर के अवसरों पर समाचार, नवीनतम प्रौद्योगिकियां और पूर्व छात्रों और अल्मा के बीच बंधन को मजबूत किया जाएगा।

एफडीडीआई छिंदवाड़ा के छात्रों द्वारा डिजाइन किए गए परिधान, ने एफडीडीआई कर्मचारियों द्वारा 'मिसेज छिंदवाड़ा मल्टीटैलेंटेड एंड पॉपुलर' पुरस्कार जीता

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर की कर्मचारी श्रीमती पूजा राजपूत ने 15 जनवरी 2023 को दिवा के मॉडलिंग स्टूडियो, छिंदवाड़ा द्वारा आयोजित 'मिसेज छिंदवाड़ा ब्यूटी पेजेंट 2023' प्रतियोगिता में भाग लिया और स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा डिजाइन किए गए तीन परिधान प्रदर्शित किए।

मानव संसाधन विभाग में कार्यरत श्रीमती पूजा राजपूत, जिनमें गहरी रुचि एवं नए कौशल सीखने और तलाशने की उत्सुकता है, उन्होंने एफडीडीआई का प्रतिनिधित्व करते हुए बी.डेस एफडी 2019–23 बैच के एफडीडीआई छात्रों सुश्री शिवानी पाल और सुश्री सानिया शेख द्वारा डिजाइन की गई तीन परिधान प्रस्तुत किए गए।

फाइनल शो में तीन प्रमुख राउंड शामिल थे, जैसे फंकी राउंड, ट्रेडिशनल राउंड और ग्रैंड फिनाले, मेन राउंड जिसमें प्रतिभागियों को एक अलग पोशाक पहनने की आवश्यकता थी।

सुश्री शिवानी पाल, एफडीडीआई छात्र बी.डेस एफडी 2019–23 बैच

सुश्री सानिया शेख, एफडीडीआई छात्र बी. डेस एफडी 2019–23 बैच

छात्रों द्वारा डिजाइन किए गए परिधानों को दर्शकों द्वारा सराहा गया।

श्रीमती पूजा राजपूत एफडीडीआई छात्रों सुश्री शिवानी पाल और सुश्री सानिया शेख द्वारा डिजाइन किए गए परिधानों का प्रदर्शन करती।

श्रीमती पूजा राजपूत को 'मिसेज छिंदवाड़ा, मल्टीटैलेंटेड और पॉपुलर' पुरस्कार मिला

इस कार्यक्रम को मिस इंडिया डीसी स्टाइल आइकन 2023 सुश्री दिव्या धुर्वे ने जज किया, उन्होने एफडीडीआई छात्रों को फैशन वर्ल्ड का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने का अवसर प्रदान किया।

एफडीडीआई कर्मचारियों ने 'कैड पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र' में भाग लिया

पेशेवर कौशल वृद्धि के लिए, एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर के कर्मचारियों एवं एफडीडीआई के ऑपरेटर प्रशिक्षण केंद्र (ओटीसी), बंथर के कर्मचारियों ने 5 एवं 6 जनवरी 2023 को दो दिवसीय 'कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग (सीएडी)' पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया।

सत्र का संचालन माइंड शू डिजाइन सॉल्यूशंस, पुर्तगाल द्वारा किया गया था, जिसके दौरान पुर्तगाल के विशेषज्ञों अर्थात् श्री पाउलो कोएल्हो और श्री गेब्रियल ने माइंड शू डिजाइन क्लाउड संस्करण नामक सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी प्रदान की।

प्रशिक्षण सत्र में बताया गया कि फर्मा पर रेखाएं कैसे खींची जाएं, जूते के विभिन्न हिस्सों को कैसे विकसित किया जाए, जूते की सामग्री, रंगों की बनावट, आइलेट्स की स्थिति, फीता आदि तथा विशेषज्ञों ने जूते के डिजाइन, रंगों के अनुसार सोल को बनाने, सोल, आईलेट्स, भौतिक बनावट आदि का चयन करने और एडोब इलस्ट्रेटर (एआई) की मदद से विभिन्न प्रकार के सोलों को बनाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया।

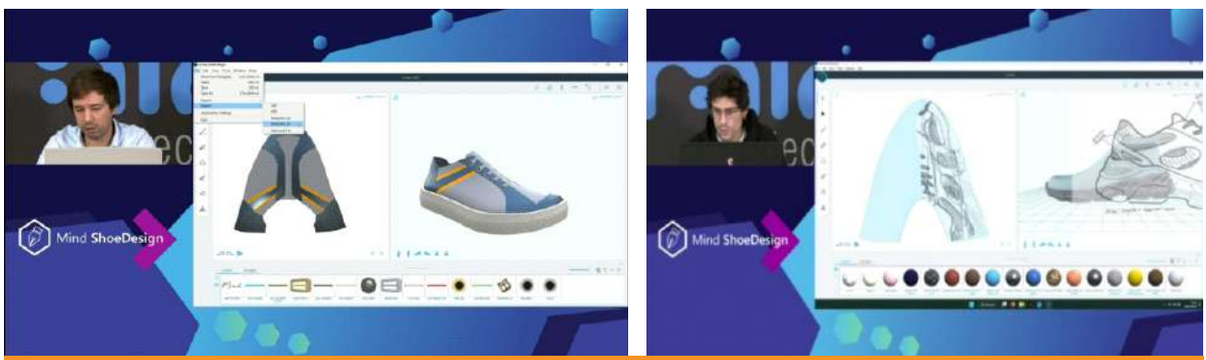

'कैड पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र' का स्क्रीनशॉट

इस सॉफ्टवेयर की अनूठी विशेषता यह है कि एक ही स्क्रीन पर किसी भी डिजाइन का 2 डी एवं 3 डी दृश्य बना सकते हैं। 2 डी डिजाइन पर तैयार कुछ भी, 3 डी दृश्य पर परिलक्षित होगा जो डिजाइनर की रचनात्मकता तथा दृश्यता को बढ़ाता है और डिजाइनर के समय को भी बचाता है।

माइंड शू डिजाइन ने आकर्षक डिजाइन खोजने के लिए अपनी रचनात्मकता का उपयोग करने में रुचि रखने वाले डिजाइनरों को खोजने के उद्देश्य से प्रतियोगिता '22 नामक एक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। यह एक डिजाइन प्रतियोगिता है जिसका लक्ष्य जूता डिजाइनरों के लिए है, भले ही उनके अनुभव का स्तर कुछ भी हो।

कैड विशेषज्ञों द्वारा बनाए गए चरणबद्ध ट्यूटोरियल ने प्रतिभागियों को नवीनतम कैड के कौशल को बढ़ाने में मदद की।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'फुटवियर उद्योग में कम्पोनेंटस का महत्व' विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया

फुटवियर उद्योग में कम्पोनेंटस के महत्व के बारे में एफडीडीआई के छात्रों को जागरूक रखने के उद्देश्य से, 5 जनवरी 2023 को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में इस संबंध में एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।

मेसर्स वर्सटाइल एंटरप्राइजेज के उद्योग विशेषज्ञ श्री विपन कुमार सेठ प्रख्यात वक्ता थे, जिन्होंने छात्रों को कंपोनेंट्स के प्रयोगात्मक अनुप्रयोग एवं कंपोनेंट्स के विभिन्न मापदंडों तथा उपयोगिता को समझने की प्रासंगिकता के बारे में आवश्यक ज्ञान और कौशल इनपुट प्रदान किए। इंडियन फुटवियर कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएफसीओएमए) के श्री एस. के. वर्मा भी सत्र में शामिल हुए।

मेसर्स वर्सटाइल एंटरप्राइजेज के उद्योग विशेषज्ञ श्री विपन कुमार सेठ छात्रों को जानकारी देते हुए

एफडीपी के छात्र

श्री विपन ने बताया कि फुटवियर में उपयोग किए जाने वाले कंपोनेंट्स के विवरण को जानना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें उत्पाद की लागत एवं गुणवत्ता का सही अनुमान लगाने में सक्षम बनाता है। उपलब्ध स्रोतों सहित उद्योग में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल और कंपोनेंट्स का ज्ञान विशेष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जब यह विनिर्माण, खरीद या सोर्सिंग व्यवसाय या उत्पाद विकास, मर्चेंडाइजिंग या यहां तक कि खुदरा बिक्री से संबंधित किसी भी प्रकार की नौकरियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एफडीडीआई ने एआईआरआईए, पूर्वी क्षेत्र द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय रबर सम्मेलन 2022' में भाग लिया

एफडीडीआई ने राष्ट्रीय रबर सम्मेलन (एनआरसी) 2022 में भाग लिया, जिसका आयोजन अखिल भारतीय रबर उद्योग संघ (एआईआरआईए), पूर्वी क्षेत्र द्वारा 4 एवं 5 जनवरी 2023 को रंगमांच, राजकुटीर, स्वभूमि, कोलकाता में आयोजित किया गया था।

एआईआरआईए रबड़ उद्योग और व्यापार की सेवा करने वाला एक गैर–लाभकारी निकाय है जिसका उद्देश्य उद्योग के हितों की रक्षा और संवर्धन करना है।

इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल सरकार के उद्योग, वाणिज्य एवं उद्यम तथा महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग की माननीय मंत्री डॉ. शशि पांजा 'मुख्य अतिथि' के रूप में उपस्थित थे, जबकि श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक (एमडी) – एफडीडीआई, प्रोफेसर डॉ. सावर धनानिया, अध्यक्ष – रबर बोर्ड और श्री अनिरुद्ध के. भारती, ईडी – आरडीएसओ जैसे गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम के 'सम्मानित अतिथि' थे।

दो दिवसीय सम्मेलन का विषय 'भारतीय रबर उद्योग 2.0: शिफ्टिंग गियर्स' था, जिसके दौरान टायर /रबड़ /मशीनरी एवं संबद्ध उद्योग, प्रमुख तकनीकी, प्रबंधन संस्थानों के देश और दुनिया भर के कई तकनीकी विशेषज्ञों और समान विचारधारा वाले व्यक्तियों ने रबर क्षेत्र में विकास के लिए नए विचारों, प्रौद्योगिकियों तथा अवसरों को समाहित करते हुए छह सत्रों में प्रस्तुति दी।

मंच साझा करते गणमान्य व्यक्ति

एफडीडीआई के स्टॉल का दृश्य

एफडीडीआई ने सम्मेलन के दूसरे दिन यानी 5 जनवरी 2023 को 'डिजाइन एवं प्रक्रिया प्रौद्योगिकी' पर एक प्रस्तुति भी दी। प्रस्तुतीकरण श्री रमेश चंद्र साहू, विभागाध्यक्ष–एफडीपी द्वारा दिया गया। प्रस्तुति के दौरान, उन्होंने फुटवियर उद्योग के विकास के लिए एफडीडीआई की विभिन्न गतिविधियों और फुटवियर उद्योग द्वारा अपनाई जा रही डिजाइन तथा प्रक्रिया प्रौद्योगिकी प्रगति पर जोर दिया।

एनआरसी 2022 के दौरान, एफडीडीआई कोलकाता परिसर के छात्रों ने अपने स्टाल पर कई प्रकार की कृतियों का प्रदर्शन किया, जिसमें महिलाओं एवं पुरुषों के जूते, कैजूअल एवं फॉर्मल जूते और स्पोर्ट्स जूते शामिल थे।

एफडीडीआई कोलकाता परिसर के छात्रों ने 5 जनवरी 2023 को 'फैशन शो' में भी भाग लिया और अपने फुटवियर संग्रह प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में पद्मश्री, सुश्री झूलन गोस्वामी, प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेटर की उपस्थिति ने शोभा बढ़ाई। उन्होंने एफडीडीआई एवं भारतीय रबर और फुटवियर उद्योग के प्रयासों की सराहना की। उन्हें उम्मीद जताई कि एक दिन ऐसा आएगा जब भारतीय ब्रांड खेल जगत के लिए फुटवियर लाएंगे।

शो के दौरान उपस्थित सभी लोगों द्वारा आकर्षक संग्रह की सराहना की गई तथा पूरे मीडिया के माध्यम से भी प्रशंसा मिली।

एफडीडीआई, अंकलेश्वर के छात्र ने राष्ट्रीय डिजाइनर पुरस्कार 2022 में 'बेस्ट थीम ऑफ द ईयर' पुरस्कार जीता

खादी डिजाइनिंग काउंसिल ऑफ इंडिया (केडीसीआई) द्वारा आगरा में 29 दिसंबर 2022 को आयोजित राष्ट्रीय डिजाइनर पुरस्कार 2022 (सीजन –5) में एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर की छात्रा सुश्री तूलिका वत्स ने 'बेस्ट थीम ऑफ द ईयर' का पुरस्कार जीता।

स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी) के बी.डेस की अंतिम वर्ष की छात्रा सुश्री तूलिका वत्स ने केडीसीआई प्रतियोगिता में 'उभरते डिजाइनर' के रूप में भाग लिया और 'बेस्ट इंडो वेस्टर्न कलेक्शन ऑफ द ईयर' का पुरस्कार जीता।

मंच ने डिजाइनरों को डिजाइनों के साथ अपने विचारों एवं प्रतिभाओं को व्यक्त करने की अनुमति दी, जो न केवल डिजाइन उद्योग को प्रभावित करना चाहते थे, बल्कि अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए भी थे।

सुश्री तूलिका वत्स, अपना संग्रह प्रस्तुत करती

सुश्री तूलिका वत्स को 'उपलब्धि प्रमाण पत्र' दिया गया

प्रतियोगिता के दौरान, सुश्री तूलिका वत्स ने 03 डिजाइनों के माध्यम से अपने कलात्मक छापों का प्रदर्शन करके रचनात्मक तत्वों को प्रदर्शित किया।

प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने उनके आकर्षक संग्रह की सराहना की और पूरे मीडिया के माध्यम से भी प्रशंसा प्राप्त की।

एफडीडीआई में 'राजभाषा प्रबंधन, समस्याएं और समाधान' विषय पर हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई

अधिकारियों /कर्मचारियों को हिंदी में अपना आधिकारिक कार्य करने हेतु, प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 28 दिसंबर, 2022 को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'राजभाषा नीति' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

डॉ. वेद प्रकाश गौड़ कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे, जिन्होंने 'राजभाषा प्रबंधन, समस्याएं और समाधान' पर कर्मचारियों को अवगत कराया।

डॉ. वेद प्रकाश गौड़, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय में निदेशक के पद पर रहते हुए 31 जुलाई, 2020 को सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने रक्षा विभाग, ईएसआईसी, श्रम मंत्रालय, युवा मामले और खेल विभाग, सीपीडब्ल्यूडी, वित्त मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में कार्य किया तथा राजभाषा से संबंधित सेवाएं प्रदान कीं।

उन्होंने बताया कि भारत गणराज्य की भाषा से संबंधित संवैधानिक एवं कानूनी प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा संघ के प्रयोजनों के लिए हमारी राजभाषा–हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, गृह मंत्रालय के तहत एक स्वतंत्र विभाग के रूप में जून, 1975 में राजभाषा विभाग की स्थापना की गई थी।

डॉ. वेद प्रकाश गौड़ ने 'राजभाषा प्रबंधन, समस्याएं और समाधान' विषय पर प्रकाश डालते हुए

प्रतिभागियों का एक दृश्य

एफडीडीआई के शेष 11 परिसरों के सभी कर्मचारी अपने–अपने परिसरों में वर्चुअल कक्षा सुविधाओं से वर्चुअल रूप से जुड़े हुए थे।

एफडीडीआई के छात्र 'ग्लोकल टेक्सटाइल कन्वेक्शन' के दौरान स्वयंसेवक बने

एफडीडीआई के छात्रों ने हाल ही में संपन्न 'ग्लोकल टेक्सटाइल कन्वेक्शन' के दौरान स्वेच्छा से भाग लिया, जो 17 एवं 18 दिसंबर, 2022 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में बायर्स एंड सोर्सिंग लीडर्स (बीएसएल) एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया था।

'ब्रांड्स एंड सोर्सिंग लीडर्स एसोसिएशन ग्लोकल कन्वेक्शन' का एक दृश्य

एक स्टॉल पर एफडीडीआई के छात्र

इस कार्यक्रम में ब्रांड प्रमुखों एवं सोर्सिंग अग्रणियों ने भाग लिया, जिसके दौरान प्रतिष्ठित वक्ताओं ने नेटवर्किंग सत्र के माध्यम से परिधान तथा कपड़ा उद्योग के सभी क्षेत्रों से डिजिटलीकरण और स्वचालन पर अपने विचार साझा किए, जिससे छात्रों को उद्योग की उन्नत जरूरतों के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ।

कॉन्सेप्ट एन स्ट्रैटेजीज के संस्थापक श्री किशन डागा के मार्गदर्शन में, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन के 16 छात्रों ने भारत में इस सबसे बड़े सामान एवं मानव निर्मित फाइबर शो के दौरान स्वेच्छा से भाग लिया, जिसने उन्हें नेतृत्व कौशल विकसित करने और पेशेवर नेटवर्क को बढ़ाने का अवसर प्रदान किया।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बनूर) परिसर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'विजन 2047: आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सतत विकास' (वीएसएएनबी–2022) आयोजित किया गया

नवाचार विशेष महिला फुटवियर जो दिन और रात में ही अपना रंग बदलता है और एफडीडीआई द्वारा विकसित हजारों महिलाओं के लिए बहुकार्यात्मक और कम लागत वाले फुटवियर' का आकर्षक केन्द्र रहा।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बनूर) ने 23 एवं 24 दिसंबर, 2022 को अपने परिसर में 'विजन 2047: आत्मनिर्भर भारत की ओर सतत विकास' (वीएसएएनबी–2022) विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की।

मंच साझा करने वाले गणमान्य व्यक्ति

सम्मेलन का एक दृश्य

सोसाइटी फॉर साइंस एंड नेचर, लखनऊ द्वारा आयोजित इस शैक्षणिक कार्यक्रम में देश एवं विदेश के विभिन्न राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों, कॉलेजों के 150 से अधिक शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन के माध्यम से भाग लिया।

झारखंड राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राम लखन सिंह इस कार्यक्रम के 'मुख्य अतिथि' थे, जबकि कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. एके पांडे ने 'विशेष अतिथि' के रूप में भाग लिया। एफडीडीआई के स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एसेसरीज डिजाइन के प्रमुख अनूप सिंह राणा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उपस्थित प्रख्यात शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों तथा शोध विद्वानों में ओकलाहोमा विश्वविद्यालय के मेवबोर्न इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के अनुसंधान वैज्ञानिक डॉ. धर्मेंद्र कुमार शामिल थे, जिन्होंने 'ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी संक्रमणः समाज पर प्रभाव' पर विचार साझा किए, बर्कले राष्ट्रीय प्रयोगशाला के वैज्ञानिक डॉ. दीपांकर द्विवेदी ने 'बदलते पर्यावरण में जल सुरक्षाः चुनौतियां एवं समाधान' विषय पर अपने विचार साझा किए तथा डॉ. महेश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, केबरी डैहर विश्वविद्यालय, इथियोपिया ने 'विपणन यात्रा 1.0 से 5.0' पर विचार साझा किए और डॉ. भावना अरोड़ा, अनुसंधान वैज्ञानिक, बर्कले राष्ट्रीय प्रयोगशाला ने 'नाइट्रोजन लोडिंग पर सतत भूजल प्रबंधन रणनीतियों का प्रभाव' पर विचार साझा किए।

एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई जिसके दौरान विशेषज्ञों ने आने वाले 25 वर्षों में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के रास्ते पर मुद्दों, चुनौतियों एवं अवसरों पर चर्चा की। इसके बाद प्रश्नकाल सत्र का आयोजन किया गया, जिसके दौरान विशेषज्ञों द्वारा, प्रश्नों का उत्तर दिया गया।

सुश्री एकजोत कौर एफडीपी –2019

सुश्री एकजोत कौर एफडीपी –2019

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के एचओडी श्री रविशंकर के मार्गदर्शन में, एफडीडीआई चंडीगढ़ की एफडीपी –2019 की छात्रा सुश्री एकजोत कौर द्वारा विकसित एक अभिनव विशेष महिला फुटवियर जो दिन और रात में अपना रंग बदलता है, आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र था।

इस विशेष महिला फुटवियर की स्ट्रिप्स मूल रूप से सफेद हैं, लेकिन सूरज की रोशनी में यह गुलाबी रंग में बदल जाती है। क्लासिक ऑल–व्हाइट अपर को सूरज की रोशनी के संपर्क में आने पर फोटोक्रोमिक स्याही के साथ उपचारित किया गया है जो जीवंत रंगों के पैचवर्क में बदल जाता है, जिससे हर कदम चमकदार हो जाता है। फुटवियर पर इस्तेमाल की जाने वाली डाई में एक खास पिगमेंट होता है जो यूवी लाइट पर रिएक्ट करता है। इससे फुटवियर का रंग बदल जाता है और इसे फोटोक्रोमिज्म कहा जाता है। फुटवियर केवल सूर्य के संपर्क में आने पर रंगीन रहते हैं।

एफडीडीआई फुर्सतगंज परिसर के कनिष्ठ सलाहकार–फुटवियर, वरुण गुप्ता की देखरेख में बी. डिजाइन के छात्रों सुश्री आशी जैन, सुश्री यशस्वी गुप्ता और श्री विराट दुबे ने 'हजारों महिलाओं के लिए बहुकार्यात्मक एवं कम कीमत वाले फुटवियर' पर शोध पोस्टर प्रस्तुत किया, साथ ही 'रंग बदलने वाला फुटवियर' नामक शोध उत्पाद भी आकर्षण का केंद्र रहा और इसे सर्वश्रेष्ठ शोध पोस्टर घोषित किया गया।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज द्वारा विकसित 'हजारों महिलाओं के लिए बहुक्रियाशील और कम लागत वाले फुटवियर'

इस फुटवियर में अलग करने वाला अपर्स होते हैं जिन्हें पहनने वाले के तरीके एवं विवेक के अनुसार बदला जा सकता है। पहनने वाला अपनी पसंद के अनुसार जूते की एड़ी की ऊंचाई को समायोजित कर सकता है, जैसा कि नाम से पता चलता है कि फुटवियर को अवसरों एवं पहनने वाले की इच्छा के अनुसार बदला जा सकता हैं।

यह एक कम लागत वाला फुटवियर है जिसमें कुल 6 ऊपरी अपर हिस्से तथा 3 स्तर की एड़ी की ऊंचाई समायोजन कर सकते है, जो 6 X 3=18 प्रकार के जूतों का उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है, इसलिए पहनने वाला 18 नए जोड़े जूते रखने के स्थान पर एक जूते का उपयोग कर सकता है। (अर्थात् 1 जूते के 18 प्रकार)।

तकनीकी सत्रों के दौरान, प्रख्यात शिक्षाविदों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें से प्रोफेसर मुश्ताक मीर, डॉ खुर्शीद अहमद डार, डॉ गुरप्रीत कौर, श्री अनूप सिंह राणा, श्री हर्षवर्धन, डॉ पूजा सिंह, सुश्री दिव्या भाटिया तथा श्री गौरव सिंह को सर्वश्रेष्ठ पेपर एवं पोस्टर प्रस्तुतकर्ता के रूप में सम्मानित किया गया।

सुश्री आशी जैन

सुश्री यशस्वी गुप्ता

श्री विराट दुबे

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, निफ्ट, तेलंगाना, महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान के संस्थानों के प्रतिनिधियों और शोधार्थियों ने इस सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

एफडीडीआई छिंदवाड़ा के छात्र ने 'सेलिब्रेशन ऑन व्हील' में 'बेस्ट फैशन डिजाइनर इंडिया' का पुरस्कार जीता

एफडीडीआई छिंदवाड़ा के छात्र ने 18 दिसंबर 2022 को 'सेलिब्रेशन ऑन व्हील' परियोजना के तहत टीवीएएम टीम द्वारा आयोजित और महा मेट्रो, नागपुर द्वारा समर्थित राष्ट्रीय स्तर के डिजाइनर शोकेस इवेंट में 'बेस्ट फैशन डिजाइनर इंडिया' पुरस्कार जीता।

यह चलती मेट्रो ट्रेन के अंदर आयोजित किया गया था, जिसके दौरान (5–12 वर्ष) के बच्चों सहित 101 लोग चलती ट्रेन के अंदर एक साथ चले थे। प्रतियोगिता के लिए, उभरते फैशन डिजाइनरों एवं छात्रों को परिधान बनाने तथा उनका प्रदर्शन करने के लिए 'विरासत और संस्कृति का मिश्रण' विषय दिया गया था।

एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर की छात्रा सुश्री टीना खंडैत, जिन्हें 'प्रोफेशनल डिजाइनर' श्रेणी में पुरस्कार मिला

एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर से बी.डेस फैशन डिजाइन, सेमेस्टर–5 की छात्रा सुश्री टीना खंडैत ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका रचनात्मक प्रदर्शन एफडीडीआई छिंदवाड़ा से सेमेस्टर–3 की छात्रा पूनम बोबडे ने प्रस्तुत की। सुश्री टीना खंडियात द्वारा दी गई थीम के आधार पर डिजाइन की गई पोशाक को 'प्रोफेशनल डिजाइनर' श्रेणी में 'सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर इंडिया 2022' पुरस्कार मिला।किया।

इस कार्यक्रम में कई राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर जैसे मोहम्मद दानिश अख्तर, कोलकाता और आरती नेहरा ने अपनी सांस्कृतिक वेशभूषा प्रस्तुत की। खादी अमरावती का एक ब्रांड 'कुटीर', भावना लोहिया (शहरी धागा), श्रद्धा मेश्राम और प्रियंका बॉन्डनेज (एक ला मोड) के अपने विशेष अनुक्रम पस्तुत किए, साथ ही मनस्विनी फाउंडेशन, एनजीओ ने भी अपनी सांस्कृतिक वॉक किया।

श्री नित्यानंद तिवारी– एमडी ट्वम इवेंट्स के अध्यक्ष थे, सुश्री मेघा कपूर स्टाइलिंग समन्वयक और श्री अभिषेक जयसवाल ने इस कार्यक्रम की कोरियोग्राफी की थी। सुश्री विनीता भाटिया, सुश्री निधि गांधी, सुश्री हेतल गगलानी और सुश्री शीतल कंडवाल इस आयोजन की निर्णायक सदस्य थीं।

एफडीडीआई में 'संगठनों में लागत का महत्व' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

एफडीडीआई, नोएडा परिसर द्वारा 14 दिसंबर 2022 को 'संगठनों में लागत का महत्व' विषय पर एक व्यावहारिक वेबिनार आयोजित किया गया था, जिसके दौरान रियल इकोनॉमी फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. एमिडियो वैलेंटिनी 'प्रमुख वक्ता' थे।

डॉ. एमिडियो वैलेंटिनी, जिन्हें 2022 में नोबल पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया, वित्त के एक वैश्विक विशेषज्ञ हैं

डॉ एमिडियो वैलेंटिनी, अध्यक्ष, रियल इकोनॉमी फाउंडेशन

वेबिनार का एक दृश्य

जिन्होंने इस विषय पर कई किताबें लिखी हैं। डॉ. वैलेंटिनी ने इटली के वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान मंत्री के मंत्रिमंडल के उप प्रमुख तथा न्यूमैन के अध्यक्ष सहित प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया है।

डॉ. वैलेंटिनी ने छात्रों को अपने व्यवसाय की सुरक्षा के बारे में सुझाव एवं बेहतर जानकारी दी और अवधारणाओं के बारे में अधिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए छात्रों को अपने सॉफ्टवेयर एवं प्रयोगशाला तक प्रयोग करने की भी पेशकश की।

इस वेबिनार के दौरान फ्रांस, इटली और बांग्लादेश के प्रतिनिधियों का एक अंतरराष्ट्रीय पैनल मौजूद था। रियल इकोनॉमी फाउंडेशन के दक्षिण एशिया के प्रमुख एवं एएमईटी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. संदीप कुमार गुप्ता ने सत्र का संचालन किया।

छात्रों के साथ बातचीत करते हुए, डॉ गुप्ता ने बताया कि किसी भी लागत बचत उपायों को शुरू करने एवं कार्यान्वित करने में मानव की भूमिका महत्वपूर्ण हैं।

स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज द्वारा आयोजित वेबिनार में एफडीडीआई के सभी परिसरों के छात्रों, पूर्व छात्रों और संकाय ने भाग लिया, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि सार्वजनिक तथा निजी दोनों उद्यमों में लाभप्रदता में सुधार के लिए अपव्यय को कैसे कम किया जा सकता है।

एफडीडीआई में 'लिंग संवेदीकरण पीओएसएच' पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया

मानव संसाधन मुख्यालय, नोएडा द्वारा 07 दिसंबर 2022 को, 'लिंग संवेदीकरण /यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पीओएसएच)' पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया था, जिसके दौरान एफडीडीआई के बाकी 11 परिसरों के सभी कर्मचारियों को उनके संबंधित परिसरों में वर्चुअल कक्षा सुविधाओं के माध्यम से ऑन–लाइन जोड़ा गया था।

लिंकिंग ट्री – फैसिलिटेटर, जेंडर एंड डाइवर्सिटी कंसल्टेंट एवं मूवमेंट थेरेपी प्रैक्टिशनर, सुश्री मालविका गोयल प्रशिक्षण सत्र की वक्ता थीं। प्रशिक्षण सत्र प्रस्तुति और केस स्टडी के माध्यम से आयोजित किया गया था, जिसमें कार्यस्थल के हर बुनियादी विवरण 'लिंग और नैतिक नैतिकता' को समझाया गया।

सुश्री मालविका गोयल प्रतिभागियों के साथ बातचीत करती हुई।

प्रतिभागियों का एक दृश्य

उन्होने 2013 में भारत सरकार द्वारा पारित पॉश अधिनियम के तहत 'कार्यस्थल पर व्यवहार आचार संहिता' तथा कार्यस्थल पर पीओएसएच के बारे में कर्मचारियों को स्पष्ट रूप से जानकारी प्रदान की।

उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों के बारे में विस्तार से बताया तथा समकालीन समय में इस कानून की आवश्यकता, नियोक्ता, कर्मचारियों की जिम्मेदारी पर जोर दिया कि वे लैंगिक संवेदनशीलता प्राप्त करने के लिए कार्यस्थल पर एक स्वस्थ वातावरण बनाएं।

फोटॉनेयर स्टूडियो एंड एकेडमी, हैदराबाद के सहयोग से एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'फोटोग्राफी एवं फोटो संपादन' पर कार्यशाला आयोजित की गई

किसी कैमरे की क्षमता का सर्वश्रेष्ठ उपयोग करने की बारीकियों को सीखने का अवसर प्रदान करने, फोटो को रचनात्मक रूप से तैयार करने, सुंदर रचनाएं बनाने की कला की खोज करने के लिए, और यह समझने के लिए कि उपलब्ध प्रकाश का सर्वोत्तम उपयोग कैसे किया जाए के उद्देश्य से, एफडीडीआई के हैदराबाद परिसर में 05 दिसंबर, 2022 को 'फोटोग्राफी एवं फोटो संपादन' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

कार्यशाला का संचालन फोटॉनेनियर स्टूडियो एंड एकेडमी, हैदराबाद के संस्थापक डॉ श्रवण सेतुराम द्वारा किया गया था, जो फोटोग्राफी में डॉक्टरेट हैं और उन्हें तेलंगाना सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफर पुरस्कार सहित कई पुरस्कार प्राप्त हैं।

कार्यशाला के दौरान 'फाउंडेशन बैच' के विद्यार्थियों को फोटोग्राफी के बहुमूल्य सुझाव मिले। उन्होंने एक छवि सौंदर्य लुक संवर्द्धन तकनीकों के साथ फोटो संपादन के व्यावहारिक महत्व को भी समझाया।

कार्यशाला का एक दृश्य

डॉ. श्रवण सेतुराम द्वारा प्रदान किए जा रहे बहुमूल्य सुझाव

डॉ. श्रवण सेतुराम ने अपनी डिजाइन परियोजनाओं पर ड्राइंग एवं इसके अनुप्रयोगों में यथार्थवादी सौंदर्य आकर्षण प्रदान करने के लिए उपकरण, लेंस, छवि कोण, वस्तु दिशाओं और फोटो लुक सुधार विधियों को संभालने की तकनीकों की जानकारी दी।

एफडीडीआई छिंदवाड़ा के छात्रों ने 'कच्छ कढ़ाई की महिमा के साथ अपशिष्ट से सर्वश्रेष्ठ' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया

एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर के बारह छात्रों के एक समूह ने 02 और 03 दिसंबर 2022 को, 'कच्छ कढ़ाई की महिमा के साथ अपशिष्ट से सर्वश्रेष्ठ' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

एक छात्रा जिसने फैशन आभूषण का कौशल हासिल किया

प्रतिभागियों का उनके 'भागीदारी प्रमाण पत्र' के साथ एक दृश्य

एम.एच. कॉलेज ऑफ होम साइंस एंड साइंस फॉर वीमेन, जबलपुर, मध्य प्रदेश के कपडा एवं वस्त्र विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला को विश्व बैंक परियोजना ऑफ एमपी उच्च शिक्षा, गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम द्वारा प्रायोजित किया गया था।

कार्यशाला ने स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन सेमेस्टर प्प् के छात्रों को कचरे के उपयोग के विषय के आधार पर विभिन्न फैशन आभूषण और सहायक उपकरण विकसित करने के लिए कौशल हासिल करने का अवसर प्रदान किया।

पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट द्वारा 'पैनटोन कलर ऑफ द ईयर 2023' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के सहयोग से आयोजित किया गया

पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट द्वारा 'पैनटोन कलर ऑफ द ईयर 2023' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 02 दिसंबर 2022 को एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के सहयोग से आयोजित किया गया था।

23 वर्षों से, पैनटोन कलर ऑफ द ईयर ने फैशन, होम फर्निशिंग और औद्योगिक डिजाइन, साथ ही उत्पाद, पैकेजिंग एवं ग्राफिक डिजाइन सहित कई उद्योगों में उत्पाद विकास तथा खरीद निर्णयों को लाभांवित किया है।

सुश्री लीट्रिस आइसेमैन वर्ष 2023 के पैनटोन कलर की प्रमुख वक्ता थीं, जो वर्तमान में पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट यूएसए के कार्यकारी निदेशक के रूप में काम कर रही हैं एवं फॉर्च्यून पत्रिका और वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा रंग की दुनिया के सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त हैं। वह रंग पर 10 पुस्तकों की लेखिका हैं और उन्हें व्यापक रूप से उद्धृत किया जाता है और ''अंतर्राष्ट्रीय रंग गुरु'' के रूप में जाना जाता है।

वक्ता– सुश्री लेट्राइस आइसेमैन, कार्यकारी निदेशक, पैनटोन कलर इंस्टीट्यूट

पैनटोन 18–1750 विवा मैजेंटा 'एक अपरंपरागत समय के लिए एक अपरंपरागत छायाः एक नई दृष्टि'।

वेबिनार के दौरान, सुश्री लीट्रिस ने ''विस्तारित रंग और डिजाइन रुझानः अतीत और वर्तमान के रुझान भविष्य को कैसे आकार दे रहे हैं'' तथा पिछले कुछ वर्षों के चुनौतीपूर्ण समय एवं घटनाओं के कारण पूर्वानुमान में थोड़ा अलग दृष्टिकोण के बारे में बताया।

उन्होंने पैनटोन में वर्ष 2023 के नए ब्रांड रंग पर एक विस्तृत विवरण दिया, जो नया वर्णात्मक, बहादुर, निडर, सूक्ष्म लाल रंग के साथ एक स्पंदित रंग है जिसे पैनटोनो 18–1750 विवा मैजेंटा नाम दिया गया है जो गर्म और शांत रंग के बीच संतुलन प्रस्तुत करता है।

एक संवाद प्रश्नोत्तर सत्र था जिसके दौरान सुश्री लीट्रिस ने उनके द्वारा अनुसरण किए गए रंग पूर्वानुमान के तरीकों, पैनटोन रंग पूर्वानुमान में शामिल रणनीति, पैनटोनो 18–1750 विवा मैजेंटा में टिकाऊ पहलुओं, विवा मैजेंटा के रंग संयोजन, रंग के प्रतीकवाद आदि के बारे में जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में एफडीडीआई के 12 परिसरों तथा अन्य संस्थानों और डिजाइन समुदाय के छात्रों, संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों सहित 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पीपल्सफ्रेंड आर्ट, हैदराबाद के सहयोग से एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'ऑब्जर्वेशनल ड्राइंग' पर कार्यशाला आयोजित की गई

छात्रों के ज्ञान को अद्यतन करने, उन्हें अभिनव विचारों, तकनीकों को प्राप्त करने का अवसर प्रदान करने तथा अपनी जीविका में प्रगति करने के उद्देश्य से, 29 नवंबर, 2022 को पीपसफ्रेंड आर्ट द्वारा एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'ऑब्जर्वेशनल ड्राइंग' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

श्री वी प्रजामिश्रा चारी – प्रसिद्ध कलाकार एवं पीपुल्सफ्रेंड आर्ट, हैदराबाद के संस्थापक ने 'फाउंडेशन बैच' के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया और ऑब्जर्वेशनल ड्राइंग के लिए मूल्यवान सुझाव प्रदान किए जो अपार सुंदरता और एक कलात्मक कार्य परियोजना के रूप को बढ़ाते हैं।

प्रसिद्ध कलाकार और पीपुल्सफ्रेंड आर्ट के संस्थापक श्री वी प्रजामिश्रा चारी द्वारा आयोजित की जा रही कार्यशाला का एक दृश्य

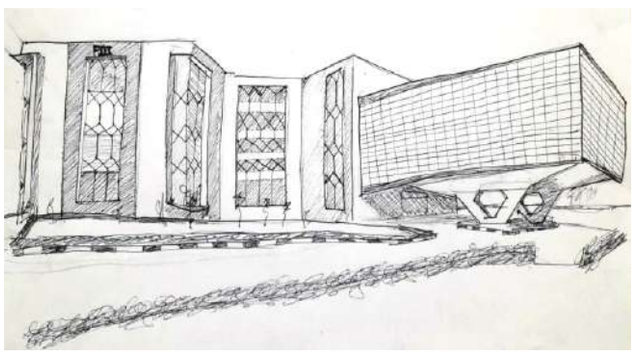

कलात्मक परिणाम और छात्र की रचनात्मकता

श्री वी प्रजामिश्रा चारी ने औजारों, वस्तुओं के स्केलिंग और स्केचिंग की तकनीकों के बारे में जानकारी दी, ताकि ड्राइंग में यथार्थवादी सौंदर्य आकर्षण प्रदान की जा सके तथा उनकी डिजाइन परियोजनाओं पर इसके अनुप्रयोगों को आगे बढ़ाया जा सके।

कार्यशाला ने छात्रों को रूप, परिप्रेक्ष्य, मूल्य एवं रंग से संबंधित अपने ऑब्जर्वेशनल ड्राइंग को परिष्कृत करने में मदद की।

एफडीडीआई कोलकाता के छात्रों ने 'राष्ट्रीय विरासत सप्ताह' मनाते हुए अंतर कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में, प्रथम पुरस्कार जीता

जेडी बिड़ला संस्थान, कोलकाता द्वारा 24 और 25 नवंबर 2022 को 'राष्ट्रीय विरासत सप्ताह' में आयोजित अंतर कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में एफडीडीआई, कोलकाता परिसर ने प्रथम पुरस्कार जीता।

अंतर कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का एक दृश्य

एफडीडीआई के छात्र अपना काम प्रस्तुत करते हुए।

स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), बैच – 2021, सेमेस्टर 3 की सुश्री वैष्णवी किशन और सुश्री रिया सिंह ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा एफडीडीआई में फैशन डिजाइनिंग कोर्स के दौरान पढ़ाए गए पारंपरिक परिधनों एवं कढ़ाई में अपने सैद्धांतिक कौशल का उपयोग करके प्रथम पुरस्कार जीता।

प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल के विभिन्न प्रतिष्ठित फैशन संस्थानों के प्रतिनिधियों ने अपने अंतिम दौर में गौरव के लिए प्रतिस्पर्धा की, जिसमें क्विजमास्टर ने भारतीय हस्तशिल्प एवं वस्त्रों पर आधारित मिश्रित प्रश्नों के माध्यम से प्रतियोगियों को प्रसन्न किया।

सुश्री वैष्णवी किशन और सुश्री रिया सिंह को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया

एफडीडीआई छात्रों की एक टीम ने भारतीय वस्त्र एवं हथकरघा की विरासत के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से विरासत प्रदर्शन प्रतियोगिता में भी भाग लिया।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों के लिए 'ऑर्थो केयर एंड फुट केयर मैनेजमेंट सेंटर' में पेशेवर प्रदर्शन हेतु तथा 'अजंता शूज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड' का औद्योगिक दौरा

छात्रों के समग्र विकास के लिए आवश्यक व्यावहारिक उपकरणों एवं कौशलों के लिए सीखने के अनुभव तथा एक्सपोजर प्रदान करने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, कोलकाता परिसर ने 'ऑर्थो केयर एंड फुट केयर मैनेजमेंट सेंटर' में पेशेवर प्रदर्शन हेतु तथा 'अजंता शू (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड', कोलकाता का औद्योगिक दौरे का आयोजन किया।

एफडीडीआई, कोलकाता के अत्यधिक अनुभवी संकाय के मार्गदर्शन में स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) द्वारा इस दौरे को समन्वित किया गया था।

क्र.सं.	एक्सपोजर	छात्रों की संख्या	दिनांक
1	ऑर्थो केयर एंड फुट केयर मैनेजमेंट सेंटर	14	18 नवंबर 2022
2	अजंता शूज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	23	21 नवंबर 2022

ऑर्थो केयर एंड फुट केयर मैनेजमेंट सेंटर में पेशेवर प्रदर्शन के दौरान, श्री अशोक रथ, प्रोथेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट विशेषज्ञ ने छात्रों को पैर तथा टखने की कंडीशनिंग के बारे में समझाया जो विशेष रूप से उम्रदराज के लिए प्रमुख स्वास्थ्य चिंता का विषय बन रहा है, इस संदर्भ में, उचित फिटिंग जूते आवश्यक हैं जिन्हें चिकित्सक परीक्षण के बाद बनाया जा सकता है। उन्होंने पैर के प्रकार, पैर की विकृति और विकृत पैर के लिए ऑर्थोसिस के साथ जूते की प्रभावशीलता के बीच संबंधों के बारे में जानकारी दी।

छात्रों को उचित फिटिंग जूते की आवश्यकता के बारे में जानकारी देते

श्री अशोक रथ, प्रोथेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट विशेषज्ञ अनुकूलित जूते बनाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करते

छात्रों को वर्तमान एवं नई तकनीकों, पैर पर दबाव वितरण, पैर की शारीरिक संरचनाओं की लोडिंग, पैर के बायोमैकेनिकल संरेखण को फिर से हासिल करने के लिए आवश्यकताओं के अनुसार वैक्यूम मोल्ड इनसोल, फ्लैट पैरों के लिए फुटवियर प्रबंधन, उच्च आर्क पैर, पैर दर्द, एड़ी दर्द, प्लांटर फास्किटिस, घुटने के दर्द, कूल्हे तथा निचले हिस्से के दर्द, कृत्रिम अंग बनाने की प्रक्रिया और आर्थोपेडिक फुटवियर के बारे में जानकारी इक्ठ्ठी की।

उन्होंने मूल्यांकन से लेकर विनिर्माण तक अनुकूलित जूते बनाने की प्रक्रिया का भी प्रदर्शन किया।

अजंता शूज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में इंडस्ट्रियल एक्सपोजर के दौरान, श्री कमल दीप बग्गा, क्वालिटी मैनेजर ने छात्रों को पीवीसी तथा ईवा कंपाउंडिंग की निर्माण प्रक्रिया, पीवीसी इंजेक्शन, पीयू पोरिंग, प्रिंटिंग और विभिन्न प्रकार के परीक्षण सहित संगठन के पूरे कामकाज के बारे में जानकारी दी।

अजंता शूज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में संकाय के साथ एफडीडीआई के छात्र।

औद्योगिक प्रदर्शन ने छात्रों को समकालीन बाजार की आवश्यकता को पूरा करने के लिए सिंथेटिक सामग्री, उत्पादों, रासायनिक रचनाओं, कंपाउंडिंग, मिश्रण, डिजाइनिंग, उत्पादन और विपणन के चयन तथा उपयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बनूर) परिसर के छात्रों के लिए वाइकिंग गारमेंट्स, अंबाला का औद्योगिक दौरा

छात्रों को वास्तविक दुनिया के वातावरण से परिचित कराने एवं औद्योगिक विनिर्माण प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बनूर) परिसर के छात्रों को 17 नवंबर, 2022 को अंबाला में स्थित वाइकिंग गारमेंट्स में ले जाया गया।

स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) के तीसरे सेमेस्टर के एमबीए के छात्रों ने अपने संकाय के साथ, वाइकिंग गारमेंट्स का दौरा किया जो उत्तरी भारत में एक प्रतिष्ठित निर्माता और निर्यात हाउस है। इसका अपना लेदर एवं फैशन उत्पादों का उत्पादन कारखाना है। इसे निर्यात व्यवसाय में उत्कृष्टता के लिए चार बार सम्मानित किया गया है।

औद्योगिक यात्रा वाइकिंग के उत्पादन विंग से शुरू हुई, जहां उन्होंने एक अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति के लिए चमड़े के जैकेट का उत्पादन किया जा रहा था।

वाइकिंग गारमेंट्स, अंबाला में छात्र

वाइकिंग गारमेंट्स, अंबाला का टेनरी सेक्शन

उत्पादन प्रबंधक ने छात्रों को चमड़े के वस्त्र एवं बैग बनाने, कच्चे माल को कारखाने में ले जाने, माल बनाने, गोदाम में तैयार उत्पादों का भंडारण करने और उत्पादों को ग्राहकों को शिपिंग करने में काम करने के तरीकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने चमड़े की खाल की जांच से लेकर उन्हें अंतिम उत्पादों में परिवर्तित करने तक की प्रक्रिया का भी प्रदर्शन किया। छात्रों ने टेनरी अनुभाग में भी जाकर कच्चा चमडा से अंतिम चमड़ा प्राप्त करने की प्रक्रिया का अवलोकन किया।

कंपनी के अध्यक्ष श्री धर्मिंदर कुमार ने संकाय एवं छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें चमड़ा क्षेत्र में समवर्ती चुनौतियों तथा अवसरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अपने व्यवसाय को प्रभावित करने वाले घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से बताया और चमड़ा आधारित फैशन उत्पाद निर्माण इकाई का नेतृत्व करने के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के छात्रों के लिए गुड लेदर शूज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई फैक्ट्री का दौरा किया

एक फुटवियर निर्माण इकाई की कुशल कार्य स्थिति के बारे में पूरी जानकारी प्रदान करने के लिए, एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के छात्रों ने गुड लेदर शूज प्राइवेट लिमिटेड के कारखाने का दौरा किया जो चेन्नई के श्रीपेरंबदूर में स्थित है।

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के बी. डेस, 7वें सेमेस्टर के 40 छात्रों और 5वें सेमेस्टर के 35 छात्रों ने अपने एफडीडीआई के अत्यधिक अनुभवी संकायों के साथ, 15 नवंबर 2022 को कारखाने का दौरा किया जो क्लार्क्स, कोलेहान जैसे अन्य अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के लिए फुटवियर का उत्पादन कर रहा था।

गुड लेदर शूज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई में छात्रों को उद्योग विशेषज्ञ जानकारी देते हुए

उद्योग के विशेषज्ञों ने छात्रों को उत्पादन योजना, कन्वेयर सिस्टम एवं गुणवत्ता मापदंडों के बारे में जानकारी दी। छात्रों ने कंपनी के विभिन्न अनुभागों अर्थात् क्लोजिंग, पीवीसी इंजेक्शन, कटिंग, फिटिंग, प्रिंटिंग तथा पैकेजिंग का दौरा करके पॉलिमर प्रसंस्करण में प्रयोगात्मक प्रदर्शन भी देखा।

एफडीडीआई के छात्रों का आदि फैशन, और सावी लेदर बैगस एंड गारमेंट्स, नोएडा मे औद्योगिक दौरा

औद्योगिक विनिर्माण प्रक्रिया एवं काम करने के तरीकों की मूल तरीके सीखने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, नोएडा के साथ–साथ एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बनूर) परिसर के छात्रों को आदि फैशन और सावी लेदर बैगस् एंड गारमेंट्स यूनिट में ले जाया गया।

स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एसेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के छात्रों, जो अत्यंत जानकारीपूर्ण औद्योगिक यात्राओं के दौरान अपने संकाय के साथ, उन्हे विनिर्माण की तकनीक तथा औद्योगिक प्रथाओं के प्रायोगात्मक ज्ञान के बारे में जानकारी दी गई।

क्र.सं.	औद्योगिक इकाई का नाम	दौरे का दिनांक
1	आदि फैशन, नोएडा	07 नवंबर 2022
2	सावी लेदर बैगस एण्ड गारमेंट्स, नोएडा	14 नवंबर 2022

आदि फैशन में, छात्रों को बकल्स, एथनिक बकल्स, कारण बकल्स, डायमंड बकल्स, बैग फिटिंग, जूता फिटिंग, लोगो और नेम प्लेट, चमकीली फिनिश और एंटीक फिनिश के वास्तविक निर्माण को देखने का अवसर मिला। यूनिट के मालिक निकेश जैन ने भी छात्रों के साथ बातचीत की तथा छात्रों को मूल्यवान सुझाव प्रदान किए।

उन्होंने चमड़े के सामान में उपयोग किए जाने वाले बकल्स एवं अन्य हार्डवेयर फिटिंग को विकसित करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया, मशीनरी, उपकरण और सॉफ्टवेयर का अवलोकन किया और सीखा। उन्होंने जिंक मिश्र धातु को अंतिम उत्पाद में परिवर्तित करने की विभिन्न फिनिश एवं प्रक्रिया को भी समझा।

छात्रों को आदि फैशन उद्योग में निर्मित उत्पादों के बारे में जानकारी देते हुए

छात्रों को सावी चमड़े के बैग और परिधान के बारे में जानकारी देते हुए

कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री विजय झा ने संकाय एवं छात्रों के साथ बातचीत की और फैशन स्थिरता की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। उन्हें उत्पादन प्रबंधक द्वारा भंडारण, मिलान, कटाई, क्यूसी, असेंबली लाइन, परिष्करण, गुणवत्ता और पैकिंग विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

'द नेक्स्ट टॉप डिजाइनर' पैंटालून के शीर्ष 20 विजेताओं में एफडीडीआई की छात्रा शामिल

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर की छात्रा सुश्री श्रिया सिंह व्यक्तिगत श्रेणी में पैंटालून द्वारा आयोजित 'द नेक्स्ट टॉप डिजाइनर' प्रतियोगिता के लिए शीर्ष 20 विजेताओं में से एक थीं, जो आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) से भारत का अग्रणी फास्ट–फैशन ब्रांड है।

यह घोषणा 14 नवंबर 2022 को ईमेल के माध्यम से की गई, जिसमें स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), बैच – 2019, सेमेस्टर 7 की छात्रा सुश्री श्रिया सिंह ने भी शीर्ष 20 विजेताओं में अपनी पहचान बनाई।

उसने 4 नवंबर 2022 को ऑनलाइन सबमिशन के माध्यम से अपना मूड बोर्ड, कलर बोर्ड, प्रेरणा बोर्ड तथा चित्र प्रस्तुत किए थे। उन्होंने सीजन स्प्रिंग समर '23 के लिए रेडी–टू–वियर कलेक्शन की भी एक श्रृंखला तैयार की थी।

सुश्री श्रिया सिंह, एफडीडीआई, कोलकाता की छात्रा

प्रेरणा बोर्ड

भागीदारी का प्रमाण पत्र

संकलन में नवीनतम वैश्विक डिजाइन रुझानों के अनुरूप 6 पूर्ण रूप दिखाए। भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्षों का जश्न मनाते हुए, उन्होंने भारत के गौरवशाली संग्रह की एक विशेष श्रृंखला बनाई जिसमें भारतीय प्रवासियों के अनूठे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

माननीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण एवं कपड़ा मंत्री, श्री पीयूष गोयल जी ने शैक्षणिक संस्थानों अर्थात् एफडीडीआई, आईआईएफटी, आईआईपी, एनआईडी और एनआईएफटी के प्रमुखों एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ संवाद किया।

भारत सरकार के माननीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण एवं कपड़ा (एचसीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी एंड टी) मंत्री, श्री पीयूष गोयल ने शैक्षिक संस्थानों जैसे फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड (आईआईएफटी), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पैकेजिंग (आईआईपी), नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी)के प्रमुखों तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ संवाद किया।

एचसीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी एंड टी, भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल ने शैक्षणिक संस्थानों जैसे एफडीडीआई, आईआईएफटी, आईआईपी, एनआईडी और एनआईएफटी के प्रमुखों और वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ संवाद करते।

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, एमडी, एफडीडीआई एफडीडीआई ने एफडीडीआई की संरचना एवं कार्यप्रणाली के मुख्य पहलुओं पर प्रस्तुति दी।

यह संवाद 12 नवंबर, 2022 को सम्मेलन कक्ष, वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया, संवाद के दौरान इस अवसर पर उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव श्री अनुराग जैन, वाणिज्य विभाग (डीओसी), सचिव सुनील बर्थवाल, कपड़ा सचिव रचना शाह, डीपीआईआईटी की विशेष सचिव सुमिता डावरा, डीपीआईआईटी के विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, श्री शशांक प्रिया, डीपीआईआईटी के अवर सचिव श्री राजीव सिंह ठाकुर विभिन्न विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में काम करने वाले पांच प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एचसीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी एंड टी की यह पहला ऐसा संवाद था।

इसने संस्थानों के बीच तालमेल बनाने, संसाधनों और सर्वोत्तम अभ्यास अनुभवों को साझा करने के लिए संमिलन को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिससे खुले नवाचार होंगे। नवीनतम प्रौद्योगिकी प्रस्तुत करके, अनुसंधान एवं विकास में संलग्न होकर और उद्योग की बाजार विशिष्ट नवाचार आवश्यकताओं को पूरा करके उद्योग–शिक्षा सहयोग तथा उद्योग के साथ संस्थानों के इंटरफेस को बढ़ावा देने पर विचार–विमर्श किया गया। इस दौरान संस्थानों के पूर्व छात्रों के साथ सहजीवी संबंध बनाए रखने तथा उनके साथ उनके योगदान को बढ़ाने के लिए एक वैश्विक पेशेवर नेटवर्क बनाने पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर, श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक (एमडी), एफडीडीआई, श्री आशीष दीक्षित, अध्यक्ष – एफडीडीआई, गवर्निंग काउंसिल (जीसी) और प्रबंध निदेशक, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड, श्री संजय लीखा, सदस्य – एफडीडीआई (जीसी) और अध्यक्ष, चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई), श्री मोतीलाल सेठी, सदस्य – एफडीडीआई (जीसी) और अध्यक्ष, इंडियन लेदर गारमेंट्स एसोसिएशन (आईएलजीए), और प्रोफेसर सुमेर सिंह, सदस्य – एफडीडीआई (जीसी) और डिजाइन विभाग, आईआईटी दिल्ली, श्रीमती टी. उमा, आईएफएस – कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई चेन्नई परिसर और एफडीडीआई के वरिष्ठ संकाय सदस्य उपस्थित थे।

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, एमडी, एफडीडीआई ने एफडीडीआई की संरचना और कार्यप्रणाली के मुख्य पहलुओं पर प्रस्तुति दी और आगे के विकास और विस्तार के लिए संस्थान की आवश्यकताओं और सुझावों को साझा किया।

एफडीडीआई द्वारा प्रस्तुतीकरण

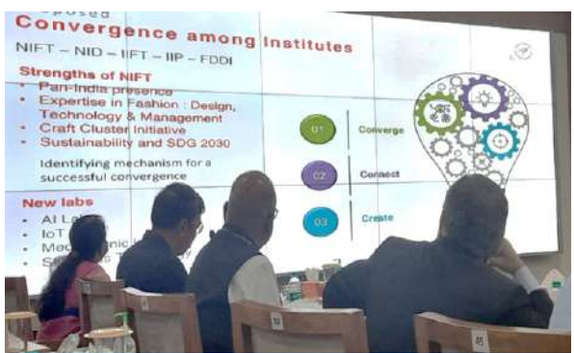

निफ्ट द्वारा प्रस्तुति का एक दृश्य

आईआईएफटी, आईआईपी, एनआईडी और निफ्ट जैसे अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रमुखों द्वारा भी प्रस्तुतियां दी गईं।

एफडीडीआई के वरिष्ठ संकाय सदस्य

एनआईडी द्वारा प्रस्तुति का एक दृश्य

इस अवसर पर संवाद करते हुए, एचसीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी एंड टी, भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल ने सभी 5 संस्थानों के बीच गहन सहयोग का आह्वान किया ताकि वे एक साथ काम कर सकें तथा सुधार और विकास के लिए तालमेल विकसित कर सकें। उन्होंने संस्थानों से संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग के लिए साझा परिसर पर विचार करने एवं उन्हें मजबूती प्रदान करने के लिए निकायों के विलय के बारे में सोचने के लिए कहा। उन्होंने सभी प्रतिष्ठित संस्थानों से कहा कि वे अपने छात्रों की संख्या में न्यूनतम 10 गुणा की वृद्धि करें।

एचसीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी एंड टी ने संस्थानों को एक मजबूत पूर्व छात्र कार्यक्रम बनाने तथा एक व्यापक पूर्व छात्र नेटवर्क बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। उन्होंने कॉरपोरेट जगत से प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों का उदारतापूर्वक समर्थन करने का भी आग्रह किया।

माननीय मंत्री ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिपादित 'पांच प्रण' का उल्लेख किया और संस्थानों से इन पांच दूरदर्शी प्रतिज्ञाओं के साथ खुद को जोड़ने के लिए कहा। एचसीआईएम, सीए, एफएंडपीडीएंडटी ने कहा कि शैक्षिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों को केवल शहरों में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में मानव संसाधन विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिससे कोई भी बच्चा पीछे नही रहे, उन्होंने दोहराया और संस्थानों से छात्रवृत्ति कार्यक्रम भी शुरू करने को कहा।

एचसीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी एंड टी ने दुनिया के लिए खुद को बेहतर विपणन करके कैंपस प्लेसमेंट में सुधार करने का आह्वान किया और कहा कि प्रत्येक परिसर को स्टार्टअप के लिए इनक्यूबेटर बनना चाहिए और नवाचार और उद्यमिता को बढावा तथा विकसित करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें भारत की फैशन प्रौद्योगिकी को दुनिया के विकसित बाजारों तक ले जाने की आकांक्षा रखनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि संकाय आधार का विस्तार करने एवं संकाय विकास में बहुत निवेश करने की आवश्यकता है।

उन्होंने परिसरों, उपकरणों, परीक्षण प्रयोगशालाओं तथा प्रौद्योगिकियों के आधुनिकीकरण का आह्वान किया ताकि इसे विश्वस्तरीय बनाया जा सके। मंत्री ने परिसरों से संभावित जीआई उत्पादों का पता लगाने और जब भी संभव हो उनका पोषण एवं विकास करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत में 2000 जीआई उत्पाद होने की क्षमता है।

सचिव, डीओसी, श्री सुनील बर्थवाल ने संस्थानों से कहा कि वे जिला औद्योगिक केंद्रों (डीआईसी) के साथ संबंध विकसित करें ताकि उन्हें केंद्र की पहल जैसे एक जिला एक उत्पाद, जिलों को निर्यात केंद्र के रूप में बढ़ावा देने आदि के लिए सशक्त बनाया जा सके।

कपड़ा विभाग की सचिव सुश्री रचना शाह ने सुझाव दिया कि विचारों के अधिक गहन एवं निरंतर आदान–प्रदान और सहयोग के लिए संस्थान के प्रमुखों तथा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का एक कोर समूह गठित किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों एवं संकाय को अधिक अंतरराष्ट्रीय अनुभव देने का भी आह्वान किया।

डीपीआईआईटी के सचिव अनुराग जैन ने संस्थानों में अधिक केंद्रित, उद्योग–प्रासंगिक अनुसंधान का आह्वान किया और कहा कि इस तरह के अनुसंधान प्रयासों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

विचार–विमर्श ने संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग तथा एक साथ काम करने, सुधार और विकास के लिए तालमेल विकसित करने का मार्ग प्रशस्त किया।

एफडीडीआई, पटना के छात्रों ने 'किरण नादिर म्यूजियम ऑफ आर्ट' का दौरा किया

शिल्प कार्य एवं कला के विभिन्न माध्यमों से छात्रों को परिचित कराने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, पटना परिसर के छात्रों ने 12 नवंबर 2022 को नई दिल्ली में स्थित किरण नादिर म्यूजियम ऑफ आर्ट (केएनएमए) का दौरा किया।

सुश्री युक्ता – संग्रहालय समन्वयक, छात्रों को जानकारी देते हुए

केएनएमए में अपने संकाय के साथ एफडीडीआई छात्र

स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के 19 छात्रों के एक समूह ने एफडीडीआई के कनिष्ठ संकाय श्री सौरभ श्रीवास्तव के साथ संग्रहालय का दौरा किया।

सुश्री युक्ता – संग्रहालय समन्वयक, ने समूह को संग्रहालय में संग्रह, कलाकृति और प्रदर्शन वस्तुओं के बारे में जानकारी दी जो छात्र के सीखने के अनुभव को बढ़ाते हैं। दौरे के बाद, केएनएमए में छात्रों के लिए क्ले आर्ट पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'चेरियाल' पेंटिंग पर कार्यशाला आयोजित की गई

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 11 नवंबर 2022 को 'चेरियाल' पेंटिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरी डिजाइन और स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन ने छात्रों को हस्तशिल्प की समझ और डिजाइन में उनके उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया।

श्री धनलकोटा वैकुंठम ने प्रतिभागियों को 'चेरियाल' चित्रकला की विधि का प्रदर्शन किया

'चेरियाल' पेंटिंग कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कलाकार श्री धनलकोटा वैकुंठम ने कैनवास बैग पर डिजाइन बनाने के लिए छात्रों को प्राचीन लघु चित्रकला की विधि का प्रदर्शन किया।

'चेरियाल' स्क्रॉल, एक प्रकार की नक्काशी कला, भारतीय पौराणिक कथाओं की कहानियों को दर्शाती है और पुराणों और महाकाव्यों की छोटी कहानियों से निकटता से संबंधित है, और उन्हें एक कथा शैली में चित्रित किया गया है। अतीत में, ये पेंटिंग पूरे आंध्र तथा देश के अन्य क्षेत्रों में आम थीं, हालांकि उनमें से प्रत्येक की अपनी विशिष्ट शैली, क्षेत्रीय रीति–रिवाजों और परंपराओं द्वारा निर्धारित अन्य क्षेत्रीय विशिष्टताएं थीं। ये पेंटिंग्स लोकप्रिय रूप से कथन एवं कहानी कहने के उद्देश्य से बनाई गई थीं।

नकाशी कलाकारों के सबसे पुराने वंशजों में से एक, जिनकी वंशावली 13वीं शताब्दी तक फैली हुई है, श्री धनलाकोटा वैकुंटम हैं, जो 13 साल की उम्र से 'चेरियाल' पेंटिंग का अभ्यास कर रहे हैं और आज अभ्यास करने वाले बहुत कम कलाकारों में से एक हैं।

धनालकोटा ने विद्यार्थियों को 'चेरियाल' चित्रकला की विधि का प्रदर्शन किया और उन्हें 'चेरियाल' चित्रकला की प्रक्रिया तथा सामग्री से परिचित कराया। छात्रों ने समकालीन उपयोग का प्रयोग करते हुए 'चेरियाल' पेंटिंग के साथ विभिन्न लेख विकसित करने की प्रक्रिया को उत्सुकता से देखा एवं उसका पालन किया।

कार्यशाला सामाजिक शिल्प के उत्थान के लिए एफडीडीआई पहल के एक हिस्से के रूप में आयोजित की गई थी, जिसने छात्रों को आधुनिक उत्पादों, नवाचार और काम उत्पन्न करने में पारंपरिक शिल्प का उपयोग कैसे किया जा सकता है, इस पर नई जानकारी भी दी गई।

डीपीआईआईटी के अधिकारियों ने विशेष अभियान 2.0 के तहत एफडीडीआई परिसरों में स्वच्छता का निरीक्षण किया

विशेष अभियान 2.0 के तहत, डीपीआईआईटी, भारत सरकार के अधिकारियों ने 2 अक्टूबर 2022 से 31 अक्टूबर 2022 तक सरकारी कार्यालयों यानी एफडीडीआई परिसरों में स्वच्छता का निरीक्षण किया।

क्र.सं.	परिसर	डीपीआईआईटी के अधिकारियों का नाम	पद नाम	दौरे की तिथि
1	नोएडा	श्री सुमन कुमार	अवर सचिव	21.10.2022
2	गुना	श्री कमलेश कुमार	अवर सचिव	28.10.2022
3	चेन्नई	श्री एस बालाजी	अनुभाग अधिकारी	21.10.2022
4	अंकलेश्वर	श्री नवीन कुमार	अवर सचिव	18.10.2022
5	बनूर	सुश्री बिमला रावत	अवर सचिव	28.10.2022
6	छिंदवाडा	श्री कमलेश कुमार	अवर सचिव	26.10.2022 से 27 .10.2022
7	फुर्सतगंज	श्री अश्विनी कुमार	अवर सचिव	26.10.2022
8	जोधपुर	श्री नितीश रंजन	अवर सचिव	17.10.2022 से 19 .10.2022
9	कोलकता	श्री बिक्रम नाथ	उप निदेशक	20.10.2022
10	हैदराबाद	श्री ए के सभरवाल	अवर सचिव	20.10.2022 से 21 .10.2022
11	पटना	श्री शाहिद रसूल	अनुसंधान अधिकारी	19.10.2022

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर में निरीक्षण

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में निरीक्षण

अनुसूची के अनुसार निरीक्षण का उद्देश्य विशेष अभियान 2.0 के दौरान मौजूदा नियमों एवं प्रक्रियाओं की समीक्षा करना था, जिसका उद्देश्य अनुपालन के भार को कम करना तथा नागरिकों के लिए सरल जीवन को बढ़ावा देना था। अधिकारियों ने एफडीडीआई के संबंधित परिसरों में आलेख प्रबंधन, स्थल प्रबंधन योजना, स्क्रैप निपटान, छात्रावास और मेस का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान, कार्यस्थल के अनुभव को बढ़ाने के लिए स्थल प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के साथ परिसरों की समग्र स्वच्छता की गई।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में निरीक्षण का एक दृश्य

अधिकारियों ने अनावश्यक डंप से छुटकारा पाने के लिए डिजिटलीकरण प्रक्रिया एवं फाइलों को समय पर निपटाने पर जोर दिया। अधिकारियों ने यह भी निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित करना हम सब की जिम्मेदारी है कि परिसर में स्वच्छता बनी रहे तथा समाज, देश और पृथ्वी की भलाई के लिए सभी निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाए।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में एफडीडीआई, एनआईडी, निफ्ट, आईआईएफटी तथा आईआईपी द्वारा आयोजित 'डिजिटलीकरण, नवाचार और उद्यमशीलता: भारतीय आर्थिक विकास के स्तंभ' पर एक वार्ता आयोजित की गई

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपडा मंत्री श्री पीयूष गोयल इस अवसर पर उपस्थित थे।

'मुख्य अतिथियों' एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन

मंच साझा करते गणमान्य व्यक्ति

'डिजिटलीकरण, नवाचार और उद्यमिता पर एक वार्ता: भारतीय आर्थिक विकास के स्तंभ' 29 अक्टूबर 2022 को शिल्पकला वेदिका, शिल्परामम, हाई–टेक सिटी, हैदराबाद में आयोजित किया गया ।

माननीय यूएमएफ और सीए, भारत सरकार श्रीमती निर्मला सीतारमण का स्वागत सुश्री ज्योति यादव, आईएएस, उप सचिव, डीओसी, भारत सरकार द्वारा किया गया।

प्रदर्शन देखते हुए

इस अवसर पर भारत सरकार की माननीय केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री (यूएमएफ एंड सीए), श्रीमती निर्मला सीतारमण, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और कपडा मंत्री (सीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी एंड टी), भारत सरकार (जीओआई), श्री पीयूष गोयल 'मुख्य अतिथि' थे।

इस अवसर पर श्री राजीव सिंह ठाकुर, आईएएस, अपर सचिव (एएस), उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), भारत सरकार, सुश्री ज्योति यादव, आईएएस, उप सचिव, वाणिज्य विभाग (डीओसी), भारत सरकार, प्रोफेसर शेखर मुखर्जी, निदेशक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद, डॉ. श्रीमती सतिंदर भाटिया, डीन, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), नई दिल्ली, श्री विजय कुमार मंत्री, आईएएस, निदेशक – नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी), श्री वागीश दीक्षित अध्यक्ष – इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग (आईआईपी) तथा प्रख्यात उद्योगपति, मीडियाकर्मी और एफडीडीआई, एनआईडी, एनआईएफटी, आईआईएफटी और आईआईपी के पूर्व छात्र उपस्थित थे।

माननीय यूएमएफ और सीए, भारत सरकार श्रीमती निर्मला सीतारमण का स्वागत सुश्री ज्योति यादव, आईएएस, उप सचिव, डीओसी, भारत सरकार द्वारा किया गया।

प्रदर्शन देखते हुए

यह महत्वपूर्ण आयोजन भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा देश के अग्रणी संस्थानों एफडीडीआई, एनआईडी, एनआईएफटी, आईआईएफटी और आईआईपी को एक साथ लाने के लिए एक रणनीतिक पहल थी।

कार्यक्रम की शुरुआत 'मुख्य अतिथियों' एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

डॉ. सुजाता, आईआईएफटी, काकीनाडा और प्रोफेसर शेखर मुखर्जी, एनआईडी, हैदराबाद जैसे प्रख्यात वक्ताओं के द्वारा, अपने ज्ञान और बुद्धिमत्ता से इस विषय के महत्व पर जोर देकर दर्शकों को अलंकृत किया।

'मुख्य अतिथि' एवं अन्य सभी गणमान्य व्यक्तियों ने स्टालों का दौरा किया जहां एफडीडीआई, एनआईडी, एनआईएफटी, आईआईएफटी और आईआईपी के छात्रों द्वारा प्रदर्शन किया गया था।

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अपने संबोधन में छात्रों से 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'पंच प्रण' का पालन करने को कहा।

नीले चमड़े एवं आभूषण पैटर्न जैसे स्वदेशी टिकाऊ डिजाइनों के विभिन्न उदाहरणों का हवाला देते हुए, उन्होंने छात्रों से 'परिवर्तन के कारक' और 'निरंतरता के कारक' दोनों बनने का आग्रह किया।

उन्होंने आगे कहा कि ''अतीत को पुनर्जीवित करना, कारीगरों का समर्थन करना, टिकाऊ तरीकों को अपनाना और डिजिटलीकरण के माध्यम से आगे की सोच वाला दृष्टिकोण अपनाना सभी एक ही समय में भारत एवं विदेशों में बाजार पर कब्जा करने में भूमिका निभाएंगे''।

यह हमारे देश के इतिहास में पहली बार था, जहां माननीय प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में इस तरह का आयोजन हुआ।

माननीय यूएमएफ और सीए, भारत सरकार, श्रीमती निर्मला सीतारमण और माननीय सीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी एंड टी, भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल 'प्रश्न और उत्तर' सत्र के दौरान मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हुए

दर्शकों का एक दृश्य

वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व भर में एक आकर्षकस्थान के रूप में देखा जा रहा है।

उन्होंने कोविड–19 महामारी के दौरान देश द्वारा किए गए विशेष रूप से पीपीई किट और परीक्षण पट्टी के उत्पादन में सफल नवाचार पर प्रकाश डाला ।

उन्होंने छात्रों को अच्छे डिजाइन बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जिससे लागत में कमी आ सके।

उन्होंने पेटेंट प्राप्त करने के लिए पूरी तरह से ऑनलाइन प्रणाली स्थापित करने का आश्वासन दिया जो स्टार्ट–अप के लिए नवाचार वातावरण को अधिक मजबूत करेगा।

'प्रश्नकाल' सत्र के दौरान, विभिन्न प्रतिभागी संस्थानों के पूर्व छात्रों एवं छात्रों द्वारा पूछे जा रहे प्रश्नों का माननीय यूएमएफ और सीए तथा माननीय सीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी एंड टी द्वारा उत्तर एवं स्पष्टीकरण दिया गया, जिससे डिजिटल परिवर्तन के लाभों का लाभ उठाने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

आईआईपी के अध्यक्ष श्री वागीश दीक्षित ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

कीव नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजीज एंड डिजाइन, यूक्रेन द्वारा आयोजित युवा डिजाइनरों – डिजिटल फैशन की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में एफडीडीआई, भारत के छात्रों ने प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार जीता

एफडीडीआई, भारत के छात्रों ने युवा डिजाइनरों – डिजिटल फैशन की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता का प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार जीता, जो 25 से 27 अक्टूबर 2022 तक कीव नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजीज एंड डिजाइन (केएनयूटीडी), यूक्रेन द्वारा आयोजित किया गया था।

केएनयूटीडी प्रकाश एवं रासायनिक उद्योगों, फैशन उद्योग, व्यापार, कलात्मक, तकनीकी मॉडलिंग और डिजाइन में प्रशिक्षण विशेषज्ञों में एक अग्रणी है।

यह कार्यक्रम केएनयूटीडी द्वारा आयोजित पहली अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन प्रतियोगिता थी, जो क्यूएस शीर्ष विश्वविद्यालयों, ईईसीए (उभरते यूरोप एवं मध्य एशिया) रैंकिंग में दुनिया भर के शीर्ष 500 विश्वविद्यालयों में से एक है।

डिजिटल फैशन 2022 प्रतियोगिता का विषय ''आधुनिकता की मुक्त सांस'' – जो फैशन उद्योग के आधुनिक, प्रासंगिक उत्पादों की बढ़ती सुविधा के साथ पारिस्थितिक रुझानों के संयोजन के लिए समर्पित था।

पेशेवर प्रतियोगिता सभी प्रतिभागियों के वेबकैम के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस मोड में जूम का उपयोग करके ऑनलाइन कॉस्ट्यूम्स, जूते एवं सहायक उपकरण श्रेणी में आयोजित की गई थी।

एफडीडीआई के छात्रों, अब्दुल रज्जाक और कृष्ण देव, स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी), डिजाइन स्पेशलाइजेशन, बैच 2019–23, नोएडा द्वारा अपने डिजाइन, 'स्नीक–आरएबी' एवं 'अल्बेसेंट' प्रस्तुत किए।

'स्नीक–आरएबी' डिजाइन जापान के ओत्सुकिमी (चंद्रमा देखने वाले) त्योहार से प्रेरित है, जिसमें लोककथाओं में जापानी देवता द्वारा दयालु एवं सहायक होने के लिए भेजे गए चंद्रमा पर रहने वाले खरगोश के बारे में बताया गया है। कभी–कभी, कोई खरगोश को चंद्रमा पर नाचते हुए देखता है, जो किसान की भरपूर चांदनी फसल का जश्न मना रहा है, जिसे 'द हार्वेस्ट मून एंड द डांसिंग रैबिट' के रूप में जाना जाता है। यह डिजाइन इसके निर्माण के लिए दीर्घकालिक सामग्री का उपयोग करता है।

'एल्बेसेंट' पारंपरिक भारतीय 'जूती' शैली पर आधारित एक फ्यूजन फुटवियर अवधारणा हैय इसे समकालीन जापानी स्ट्रीटवियर जैसे 'टैबी' और वेजिटेबल टैन लेदर के साथ मिश्रित किया गया है। यह मैसन मार्जिएला एवं हेंडर स्कीम से प्रेरित है।

श्री अब्दुल रज्जाक, बी डेस, एसएफडीपी (डिजाइन विशेषज्ञता) के छात्र

श्री अब्दुल रज्जाक द्वारा बनाई गई कंप्यूटर प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके स्केच 'स्नीक–आरएबी' डिजाइन

विजेता का डिप्लोमा (प्रथम स्थान) श्री अब्दुल रज्जाक को प्रदान किया गया

श्री कृष्ण देव, बी. डेस, एसएफडीपी (डिजाइन विशेषज्ञता) के छात्र

श्री कृष्ण देव द्वारा बनाई गई कंप्यूटर प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके स्केच 'अल्बेसेंट' डिजाइन

विजेता का डिप्लोमा (दूसरा स्थान) श्री कृष्ण देव को प्रदान किया गया

जूरी में एडिडास यीजी उत्पादों की श्रृंखला से सीजर इब्रोडो जैसे उद्योग के दिग्गज शामिल थे तथा प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा और प्रतिभागियों एवं चयनितो को 27 अक्टूबर, 2022 को पुरस्कृत किया गया।

हाल की प्रशंसा इस तथ्य का प्रमाण है कि एफडीडीआई उभरते पेशेवरों को दुनिया भर में औद्योगिक एवं शैक्षिक परिदृश्य में बड़ा प्रदर्शन करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है।

एफडीडीआई, रोहतक के छात्र ने 'स्टार्ट–अप' में प्रवेश किया

एफडीडीआई, रोहतक परिसर की छात्रा सुश्री प्रियांशी गुप्ता ने फ्रीलांसर फैशन डिजाइनर एवं स्टाइलिस्ट के रूप में 'स्टार्ट–अप' में कदम रखा है।

अपने संस्थान की व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करना तथा इन असाधारण समय के दौरान अपना करियर शुरू करना सुश्री प्रियांशी द्वारा किए गए प्रयासों का परिणाम है, जो 2019–2023 बैच के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी) के अंतिम वर्ष की छात्रा हैं।

कोविड–19 महामारी के दौरान, सुश्री प्रियांशी ने शाही एक्सपोर्ट, गुड़गांव में उत्पाद विकास मर्चेंडाइजर के रूप में उद्योगों और अमेरिकन ईगल आउटफिटर्स, गुड़गांव शाखा जैसे डिजाइनरों के तहत विभिन्न इंटर्नशिप पूरी करके अपने समय का प्रभावी ढंग से उपयोग किया। उन्होंने अपनी इंटर्नशिप शाइ स्टाइल ब्रांड की डिजाइनर सुश्री सायशा राजपूत तथा मॉडल क्रिएटर्स के संस्थापक श्री तुषार राजपूत के तहत पूर्ण की।

उन्हें सुपरमॉडल, श्री सऊद खान के साथ मंच साझा करने का मौका भी मिला और उन्होंने लिथनिक ब्रांड के लिए एक फ्रीलांसर स्टाइलिस्ट के रूप में भी काम किया है।

देहरादून में आयोजित इंडियन फैशन डिजाइनर नाइट्स (आईएफडीएन) 2022 सीजन 3 और मुरादाबाद में आयोजित एनयूएफएक्स के दौरान उन्हें 'सहायक डिजाइनर' के रूप में ट्रॉफी मिली।

एफडीडीआई के संकाय द्वारा मार्गदर्शन, सलाह एवं संस्थान द्वारा डिजाइन किए गए पाठ्यक्रम के परिणामस्वरूप सुश्री प्रियांशी उभरती उद्यमी बन गई हैं, जो समय के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

प्राप्त ट्रॉफी

सुश्री प्रियांशी गुप्ता के 'स्टार्ट–अप' का लोगो

वह इंस्टाग्राम पेज पर उपलब्ध है Instagram @priyanshiguptaart,

https://www.linkedin.com/in/priyanshi-gupta-01a528220.

'बायोमैकेनिक्स प्रयोगशाला' में एफडीडीआई कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

3 डी मोशन कैप्चर सिस्टम की जानकारी विकसित करने के उद्देश्य से, 07 से 12 अक्टूबर 2022 तक एफडीडीआई, रोहतक परिसर में 'बायोमैकेनिक्स प्रयोगशाला' में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

श्री मार्टिन स्टील, एप्लीकेशन इंजीनियर, एसआरएमएस बायोमैकेनिक्स लैब के अनुप्रयोग के बारे में प्रदर्शन करते हुए

कार्यक्रम में भाग लेते प्रतिभागी

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सिमी रियलिटी मोशन सिस्टम्स (एसआरएमएस), जर्मनी द्वारा किया गया, जिसमें एफडीडीआई, चेन्नई परिसर से डॉ प्रिया दर्शिनी, एफडीडीआई, रोहतक परिसर से श्री अशोक सहाय और श्री दीपक साहनी, एफडीडीआई, नोएडा परिसर से श्रीमती सत्यम श्रीवास्तव, श्री शरद श्रीवास्तव, श्री धर्मेंद्र जायसवाल और श्री निखिल कटियार, एफडीडीआई हैदराबाद परिसर से श्री अब्दुल करीम और श्री लोंगनाथन, एफडीडीआई, कोलकाता परिसर से श्री प्रशांत नंदा और एफडीडीआई, जोधपुर परिसर से श्री गणपत लखारा ने भाग लिया।

श्री मार्टिन स्टील, एप्लीकेशन इंजीनियर, एसआरएमएस विशेषज्ञ, जिन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया तथा बायोमैकेनिक्स लैब के आवेदन के बारे में बताया, जिसने प्रतिभागियों को मजबूती एवं प्रबंधन, बल विकास की दर तथा न्यूरोमस्कुलर प्रदर्शन पर प्राथमिक ध्यान देने के साथ मानव गति के यांत्रिकी का विस्तार से अध्ययन करने के लिए तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने में मदद की।

एफडीडीआई ने गति की विभिन्न परिस्थितियों में मानव गति के अध्ययन में सहायता करने के उद्देश्य से एफडीडीआई, रोहतक परिसर में अपने उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में बायोमैकेनिक्स प्रयोगशाला की स्थापना की गई। बायोमैकेनिक्स लैब में 3 डी फुट स्कैनर भी है ताकि फुट एंथ्रोपोमेट्री के लिए डेटा कैप्चर किया जा सके तथा प्रभावी विश्लेषण डिजाइन किया जा सके एवं विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का अध्ययन किया जा सके।

एफडीडीआई परिसरों में 'स्वच्छता दिवस' का आयोजन किया गया

एफडीडीआई परिसरों में 2 अक्टूबर 2022 को 'स्वच्छता दिवस' आयोजित किया गया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में स्वच्छता अभियान

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में स्वच्छता अभियान का एक दृश्य

भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को महत्वाकांक्षी स्वच्छ भारत कार्यक्रम शुरू किया था, जिसे 'स्वच्छ भारत अभियान' के नाम से जाना जाता है। एक स्वच्छ भारत बनाने के उद्देश्य से, हमारे व्यवहार तथा मानसिकता में बदलाव लाना आवश्यक है क्योंकि यह गतिविधि एक बार नहीं बल्कि एक निरंतर अभ्यास है। इसके मार्गदर्शक दर्शन के रूप में इसका अनुसरण करते हुए, 'स्वच्छता दिवस' आयोजित किया गया, जिसके दौरान एफडीडीआई के कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सभी कर्मचारियों एवं छात्रों ने एक स्वच्छ समाज और देश के लिए महात्मा गांधी के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड में एक डिजाइनर एवं कार्य संस्कृति की भूमिका और जिम्मेदारियां' पर वेबिनार आयोजित किया गया

एफडीडीआई, नोएडा परिसर द्वारा 1 अक्टूबर 2022 को 'अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड में एक डिजाइनर एवं कार्य संस्कृति की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां' पर एक व्यावहारिक वेबिनार आयोजित किया गया।

वेबिनार का आयोजन स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) द्वारा किया गया था, जिसके दौरान श्री अनुराग यादव, डिजाइनर स्मॉल एक्सेसरीज, एच एंड एम, स्टॉकहोम, स्वीडन वक्ता थे। वह एलजीएडी (2006–09, बैच) के पूर्व छात्र भी हैं।

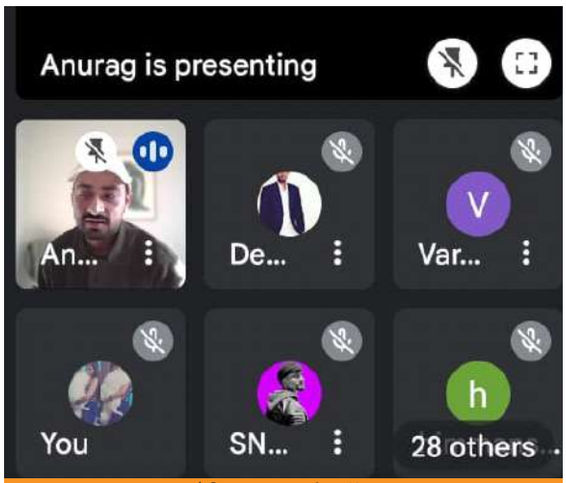

वेबिनार का स्क्रीनशॉट

श्री अनुराग यादव ने 'अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड में एक डिजाइनर की भूमिका और जिम्मेदारियां और कार्य संस्कृति' के बारे में बताया

वेबिनार के दौरान, श्री अनुराग यादव ने एक प्रस्तुति के माध्यम से विभिन्न परियोजनाओं, उत्पादों तथा ब्रांडों पर काम करने की जटिलताओ, शुरू से अंत तक डिजाइन प्रक्रिया एवं डिजाइन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कौशल, संसाधनों और प्रक्रियाओं के बारे में बताया।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्र द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया गया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्र श्री सूरज गुप्ता ने 30 सितंबर 2022 से 1 अक्टूबर 2022 तक आयोजित 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अंतर्राष्ट्रीय बहु–अनुशासनात्मक सम्मेलनः उभरते नवाचारों, अनुसंधान, अवसरों तथा वर्तमान परिदृश्य में चुनौतियों पर बहु–विषयक परिप्रेक्ष्य' के दौरान एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

श्री सूरज गुप्ता, एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्र

30 SEPTEMBER
01 OCTOBER 2022

INTERNATIONAL MULTIDISCIPLINARY CONFERENCE ON
ON ARTIFICIAL INTELLIGENCE: MULTIDISCIPLINARY PERSPECTIVES ON EMERGING INNOVATIONS, RESEARCH, OPPORTUNITIES AND CHALLENGES IN CURRENT SCENARIO

Certificate

This is to certify that

SURAJ GUPTA

LEATHER DESIGNER - STUDENT, FOOTWEAR DESIGN AND DEVELOPMENT INSTITUTE-HYDERABAD

has participated in the conference. He/She has also presented a paper entitled

"BEAUTIFUL TIMELESS ART PATTA VARNA KALAMKARI"

श्री सूरज गुप्ता को 'सहभागिता प्रमाणपत्र' से सम्मानित किया गया

स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एसेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के अंतिम वर्ष के 7वें सेमेस्टर बैच के छात्र सूरज गुप्ता ने 'ब्यूटीफुल टाइमलेस आर्ट पट्टा वर्ण कलमकारी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन इंस्पाइरा रिसर्च एसोसिएशन, राजस्थान, भारत द्वारा किया गया था।

उन्हें इसके लिए 'भागीदारी का प्रमाण पत्र' से सम्मानित किया गया है।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों ने कोहिनूर रबर उद्योग, कोलकाता का औद्योगिक दौरा किया

एफडीडीआई के छात्रों को वास्तविक मशीनों, प्रणालियों, संयंत्रों, असेंबली लाइनों आदि का अनुभव करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से, 28 सितंबर 2022 को कोहिनूर रबर उद्योग, भोजेरहाट, कोलकाता की एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया।

एफडीडीआई, कोलकाता के अत्यधिक अनुभवी संकायों के मार्गदर्शन में, स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के बैच 2021 एवं 2019 के छात्रों ने कंपनी के विभिन्न वर्गों अर्थात् कंपाउंडिंग फॉर्मूलेशन, मिक्सिंग, कैलेंडरिंग, वल्केनाइजिंग, स्ट्रैप प्रेस, क्लोजिंग, पीवीसी इंजेक्शन, कटिंग, फिटिंग, प्रिंटिंग तथा पैकेजिंग सेक्शन का दौरा करके पॉलिमर प्रोसेसिंग में प्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त किया।

मोहम्मद रहमान – मालिक एवं निदेशक छात्रों को जानकारी देते हुए

छात्रों को विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी ज्ञान देते हुए

मालिक एवं निदेशक– मोहम्मद रहमान ने छात्रों को सिंथेटिक सामग्री, उत्पादों, कंपाउंडिंग, मिक्सिंग, डिजाइनिंग, उत्पादन और विपणन के बारे में जानकारी दी।

'कोहिनूर रबर इंडस्ट्री' हवाई चप्पल, पीवीसी, पीयू फुटवियर और अन्य का निर्माण करने वाली 60 साल पुरानी फुटवियर कंपनी है, जिसकी कोलकाता के आसपास भोजेरहाट और टोपसिया में पांच अत्याधुनिक उत्पादन इकाइयां हैं।

'फुटवियर उद्योग में कैड–कैम का महत्व' विषय पर वेबिनार आयोजित

प्रभावी संचार के लिए इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए, एफडीडीआई, नोएडा परिसर द्वारा 27 सितंबर 2022 को शूमास्टर सॉफ्टवेयर के नवीनतम संस्करण पर एक व्यावहारिक वेबिनार आयोजित किया गया था।

वेबिनार का आयोजन एफडीडीआई, नोएडा परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) द्वारा 'फुटवियर उद्योग में कैड–कैम का महत्व' विषय पर किया गया था, जिसके दौरान शूमास्टर, यूनाइटेड किंगडम के श्री ग्राहम बर्न्स प्रमुख वक्ता थे।

वेबिनार का स्क्रीनशॉट

श्री ग्राहम बर्न्स, शूमास्टर, यूनाइटेड किंगडम प्रस्तुति देते

वेबिनार के दौरान, श्री ग्राहम ने प्रस्तुति के माध्यम से आधुनिक फुटवियर उद्योग में 3 डी विजुअलाइजेशन के महत्व के बारे में बताया और यह भी बताया कि सॉफ्टवेयर सभी प्रकार के फुटवियर के डिजाइन, विकास एवं इंजीनियरिंग में छात्र के साथ–साथ उद्योग के पेशेवरों की मदद कैसे करता है। सॉफ्टवेयर में नवीनतम विकास की विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो आभासी उत्पाद विकास को अधिक यथार्थवादी बनाते हैं।

वेबिनार के दौरान एफडीडीआई के परिसरों से एसएफडीपी के संकायों को उनके संबंधित परिसरों में वर्चुअल कक्षा सुविधाओं से ऑनलाइन माध्यम से जोड़ा गया।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्र की रचनात्मक प्रतिभा ने 'डिजाइन वुल्फ ट्रेंडथॉन प्रतियोगिता', एस /एस 23 पैनटोन में 'स्वर्ण पुरस्कार' जीता

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर के स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एसेसरीज डिजाइन (एलजीएडी), बैच – 2019, सेमेस्टर 7 के छात्र श्री अजीत राज ने पैनटोन द्वारा आयोजित 'डिजाइन वुल्फ ट्रेंडथॉन प्रतियोगिता' में भाग लिया और अपने मूड बोर्ड 'अवंत गार्डे' के लिए 'स्वर्ण पुरस्कार' जीता।

उन्हें पैनटोन से फैशन, होम एवं इंटीरियर कलर गाइडबुक (एफएचआई) का प्रायोजित पुरस्कार मिला, जो दो पोर्टेबल, कलर–ऑन–पेपर फैन डेक में प्रदर्शित 2,625 बाजार प्रासंगिक रंगों तक अधिगम है, तथा रंग परिवार द्वारा सर्वोत्तम व्यवस्थित है, जो रंग प्रेरणा और संचार के लिए बेहद प्रासंगिक है।

'ट्रेंडथॉन' एक ऐसी प्रतियोगिता है जहां ट्रेंड फोरकास्टर्स दूसरों के सहयोग से अगले सीजन की भविष्यवाणी करते हैं जब यह जीवन शैली, फैशन और इंटीरियर आर्किटेक्चर ट्रेंड की बात आती है तो वर्तमान रुझानों एवं रंग पूर्वानुमान के आधार पर बदलता है।

श्री अजीत राज, एलजीएडी, बैच 2019, एफडीडीआई, कोलकाता

मूड बोर्ड अवंतगार्डे

यह निश्चित रूप से श्री अजीत राज के लिए वास्तविक समय में अपने रुझान पूर्वानुमान कौशल पर काम करने के लिए सबसे अधिक उत्पादक हिस्सा एवं एक बहुत ही अभिनव तरीका जोड़ देगा क्योंकि पैनटोन उन्हें तुकाटेक एण्ड डिजाइन वुल्फ द्वारा मांग निर्माण की अपनी अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करने में सक्षम करेगा।

पैनटोन के सहयोग से, ट्रेंडथॉन के पास इस स्प्रिंग–समर '23 के लिए 5 कलर ट्रेंड थीम हैं, ताकि प्रतिभागी अपने ग्राहक के ब्रांडों, फैशन, लाइफस्टाइल ब्रांडों, रिटेल स्टोर, मार्केट सेगमेंट और लक्षित अंतिम उपभोक्ता के लिए अपनी माइक्रो ट्रेंड भविष्यवाणियां कर सकें।

डिजाइन काउंसिल ऑफ डिजाइन वुल्फ डिजाइन विशेषज्ञों का एक पैनल है जो भारत में फैशन आर्किटेक्चर और डिजाइन के व्यवसाय को आगे बढ़ाने तथा इसके सतत विकास को सुनिश्चित करने के लिए काम करता है। यह अपने सदस्यों को बढ़ावा देता है और उनका पोषण करता है, जो भारतीय डिजाइन समुदाय में सर्वश्रेष्ठ का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आईएफसीओएमए ने एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'तकनीकी कार्यशालाओं' का आयोजन किया

फुटवियर कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएफसीओएमए) ने 'तकनीकी कार्यशालाओं' की एक श्रृंखला आयोजित करने की शुरुआत की है।

यह विचार कंपोनेन्टों के प्रयोगात्मक अनुप्रयोग के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करना तथा उद्योग के साथ बातचीत उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करेगी। कार्यशालाएं छात्रों को कंपोनेन्टों के विभिन्न मापदंडों एवं उपयोगिता को समझने में भी सक्षम होंगी।

इस श्रृंखला के तहत, आईएफकोमा ने एफडीडीआई, नोएडा परिसर में दो कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसके दौरान श्री आलोक गोयल और श्री मनीष अधीर ने स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के छात्रों के लिए सत्र आयोजित किए।

क्र.सं.	विशेषज्ञ का नाम	विभाग	कार्यशाला की तिथि
1	श्री आलोक गोयल	उपभोक्ता उपकरण प्रभाग के लिए बिक्री एवं तकनीकी प्रमुख, बीएएसएफ, जर्मनी	29 सितंबर 2022
2	श्री मनीष अशधीर	मैसर्स आरके कम्पोनेंट्स, गुड़गांव	27 सितंबर 2022

एफडीडीआई के पूर्व छात्र श्री आलोक, जिन्होंने 2002–04 मे अपना पीजीडीएफटीएम डिप्लोमा किया था, आलोक ने पीयू प्रौद्योगिकी, पीयू के रसायन विज्ञान, फॉर्मूलेशन, सामग्री के बहुउद्देशीय उपयोग के अलावा प्रमुख प्रसंस्करण विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस बारे में चर्चा की कि पीयू क्षेत्र में अपना करियर की योजना कैसे बना सकता है, पीयू प्रौद्योगिकी रासायनिक बिक्री एवं विपणन उद्योग में करियर को आकार देने के लिए क्या रास्ते प्रदान कर सकती है। छात्रों को प्रेरित करते हुए, उन्होंने सुझाव दिया कि एफडीडीआई छात्र होने के नाते, किसी को रासायनिक क्षेत्र में अच्छा बिक्री प्रबंधक बनने का लाभ होता है, क्योंकि उनके पास आवश्यक तकनीकी ज्ञान होता है जो कैरियर की उन्नति के लिए आवश्यक है।

'तकनीकी कार्यशाला' का एक दृश्य

श्री मनीष अधीर ने 'हील्स' पर सत्र का संचालन किया, जो महिलाओं के फुटवियर उत्पाद बनाते समय एक अत्यधिक महत्वपूर्ण उत्पाद है। कार्यशाला के दौरान, उन्होंने कच्चे माल के अनुप्रयोग, विभिन्न प्रकार के फुटवियर पर इसके विश्वव्यापी उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने उत्पाद के तकनीकी पहलुओं तथा परीक्षण मापदंडों पर भी प्रकाश डाला। छात्रों के उत्पाद ज्ञान को बढ़ाने के लिए 'हील्स' के कम्पोनेन्टस के नमूने प्रदर्शित किए गए थे।

श्री मनीष ने छात्रों को अपने कारखाने की योजना बनाने एवं दौरा करने के लिए भी आमंत्रित किया, जो उन्हें उत्पादन तथा गुणवत्ता पहलुओं के बारे में उचित ज्ञान प्राप्त करने में मदद करेगा।

एफडीडीआई परिसरों में 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन

परिसरों में 14–28 सितंबर, 2022 तक 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजित किया गया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में हिंदी 'टाइपिंग' प्रतियोगिता का दृश्य

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में प्रतियोगिता का दृश्य

भारत सरकार की नीति के अनुरूप संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के बीच राजभाषा – हिंदी के उपयोग में ज्ञान एवं कौशल को बढ़ावा देने के लिए, 'हिंदी पखवाड़ा' के दौरान चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

एफडीडीआई, पटना परिसर में निबंध प्रतियोगिता

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में पुरस्कार वितरण का एक दृश्य

प्रतियोगिताओं में हिंदी में संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के वक्तृत्व कला, तार्किक कौशल और साहित्यिक कौशल को देखा गया।

क्र. सं.	प्रतियोगिता का नाम	आयोजन
1.	टिप्पण लेखन	अधिकारी एवं कर्मचारी
2.	टंकण	
3.	हिन्दी प्रश्नोत्तरी	
4.	निबंध लेखन	छात्रों

फुर्सतगंज परिसर के एफडीडीआई में आयोजित हो रहे 'हिंदी पखवाड़ा' का एक दृश्य

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर में प्रतियोगिता जारी

इसके अलावा, राजभाषा प्रोत्साहन योजना के तहत, पिछले वर्ष के दौरान विभाग द्वारा हिंदी में किए गए कार्य के अधिकतम प्रतिशत के लिए शिक्षण के साथ–साथ गैर–शिक्षण विभागों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया गया।

सभी प्रतियोगिताओं के दौरान, बड़ी संख्या में शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों के साथ–साथ छात्रों ने भी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों ने पैरागॉन पॉलिमर्स प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद का दौरा किया

संगठन के कामकाजी माहौल की जानकारी प्रदान करने और एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्रों के तकनीकी ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से, पैरागॉन पॉलिमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में 24 सितंबर 2022 को एक औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया गया था।

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकाय की देखरेख और मार्गदर्शन में, बी.डेस एफडीपी 2020 और 2021 बैच के छात्रों ने पाटनचेरु, हैदराबाद में स्थित पैरागॉन पॉलिमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की यूनिट बी और यूनिट ए का दौरा किया।

यूनिट बी के प्रबंधक उदय कृष्णा ने छात्रों को पीयू की एसओपी के बारे में जानकारी दी।

पैरागॉन फुटवियर, यूनिट ए में छात्र

छात्रों ने पैरागॉन–बी फुटवियर इकाई का दौरा किया, जो 16 एकड़ भूमि में फैली हुई है और इसमें एक बड़ा नॉन–लेदर विनिर्माण क्षेत्र (अपर एण्ड असेंबली) है। छात्रों को पहले कारखाने की यूनिट बी का एक प्रबल दौरा दिया गया था, जो प्रति दिन 33,000 जोड़े का उत्पादन करता है। यूनिट में ऑपरेशन के विभिन्न अनुक्रमों को देखने के बाद, छात्रों को गुणवत्ता अनुभाग में ले जाया गया, जहां सोलो (तडे) के लचीलेपन के लिए परीक्षण किया गया था और पूर्ण जूते के फर्मा का उपयोग करके फिटिंग की उपयुक्तता के लिए परीक्षण किया गया था। इसके अलावा, उन्हें विभिन्न एकल परीक्षण विधियों से अवगत कराया गया था।

दूसरी छमाही में, छात्रों को प्रति दिन 50,000 जोड़े की क्षमता वाली ईवीए हवाई चौपल उत्पादन इकाई वाले पैरागॉन यूनिट ए में ले जाया गया। सबसे पहले, छात्रों को कच्चे माल मिश्रण अनुभाग में ले जाया गया जहां उन्होंने प्रमुख सामग्रियों में से एक के रूप में पुनर्नवीनीकरण सामग्री (कचरे को काटने से प्राप्त) की भागीदारी के बारे में सीखा, जिससे मिश्रण में शामिल कुल आम लागत कम हो जाती है। इसके अलावा, उन्होंने पूरी एक्सट्रूजन और शीट निर्माण प्रक्रिया को देखा और उन्हें इसके बारे में हर विवरण प्रदान किया गया।

छात्रों ने मानव संसाधन, उत्पादन प्रबंधक, डिजाइनर और अन्य फ्रंट–ऑफिस अधिकारियों के साथ एक बातचीत सत्र भी आयोजित किया, जहां उनके प्रश्नों का स्पष्टिकरण किया गया। बातचीत सत्र के दौरान, श्री श्रीजीत नायर, महाप्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन और उनकी टीम ने सेफ्टी फुटवियर के गुणवत्ता मापदंडों, नॉन–लेदर क्षेत्र में कैरियर के अवसरों, कैजेन गुणवत्ता प्रबंधन और लीन विनिर्माण आदि के बारे में जानकारी दी।

अपर सचिव, डीपीआईआईटी, भारत सरकार ने एफडीडीआई, बनूर (चंडीगढ़) परिसर का दौरा किया

श्री राजीव सिंह ठाकुर, आईएएस, अपर सचिव (एएस), डीपीआईआईटी, भारत सरकार ने, 23 सितंबर 2022 को एफडीडीआई, बनूर (चंडीगढ़) परिसर का दौरा किया।

अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने अत्याधुनिक मशीनरी से सुसज्जित तकनीकी कार्यशालाओं, सम्मेलन कक्ष, सेमिनार हॉल, ऑडिटोरियम, सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र (आईटीएससी), डिजाइन स्टूडियो, सीएडी–सीएएम लैब, डिजिटल क्लासरूम, पुरूष छात्रावास आदि का निरीक्षण किया।

एएस, डीपीआईआईटी आईटीएससी देखा

एएस, डीपीआईआईटी लास्टिंग लैब का दौरा किया

एफडीडीआई के छात्रों ने प्रदर्शन के रूप में अपने कार्यों को प्रदर्शित किया। उन्होंने अपने स्टॉल में जूते–चप्पल, डिजाइन, स्केच आदि का प्रदर्शन किया गया।

एएस, डीपीआईआईटी को प्रदर्शन अवधारणा के बारे में छात्र द्वारा जानकारी देते हुए

एएस, डीपीआईआईटी डिस्प्ले देखते हुए।

उन्होंने संकाय सदस्यों और स्टाफ के सदस्यों के साथ बातचीत की, संस्थान के पांचध्दस साल के दृष्टिकोण और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक कार्य योजना पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। उन्होंने एफडीडीआई के पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को शामिल करने का भी सुझाव दिया, जो समकालीन और भविष्य के समाज की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गया है और यह प्लेसमेंट से जुड़े शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए एक गेम चेंजर साबित हो सकता है।

उन्होंने संयुक्त अनुसंधान के लिए अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ संबंध बनाने और फुटवियर लेदर फैशन के क्षेत्र में सर्वोत्तम विधियों को अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने औद्योगिक और शैक्षिक परामर्श बढ़ाने पर भी जोर दिया ताकि एफडीडीआई की ब्रांड बिल्डिंग की जा सके।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'पूर्व छात्र संवादात्मक सत्र' आयोजित किया गया

छात्रों को पूरी गंभीरता और सही भावना के साथ सही भविष्य चुनने के लिए मार्गदर्शन और प्रेरित करने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'पूर्व छात्र संवादात्मक सत्र' आयोजित किया गया।

एफडीडीआई के प्लेसमेंट विभाग द्वारा आयोजित सत्रों को एफडीडीआई के पूर्व छात्र श्री निरेन अन्नाद और श्री आशीष कुमार झा ने सफलतापूर्वक संबोधित किया।

क्र. स.	पूर्व छात्र का नाम	बैच का विवरण	वर्तमान पदनाम और संबद्धता	सत्र की तिथि
1	श्री निरेन अन्नाद	एमएफटी 1997–99	प्रबंध निदेशक – एवरट्रेड समूह, भारत और चीन	22 सितम्बर 2022
2	श्री आशीष कुमार झा	पीजीडीएफटीएम 2001–03	सेल्स प्रमुख – ग्रोज–बेकर, जर्मनी	20 सितम्बर 2022

दोनों ने, स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के छात्रों को जॉब मार्केट के लिए कैसे तैयार रहें, इसके लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपने अनुभव साझा किए कि जब वे एफडीडीआई के छात्र थे तो उन्होंने जॉब मार्केट के लिए कैसे तैयारी की।

उन्होंने छात्रों को मूल्यवान सुझाव प्रदान किए और कहा कि भविष्य बनाने के दो तरीके हैं, एक दूसरों के लिए काम करना है (मौजूदा कंपनियों में शामिल हों) और दूसरा अपने लिए काम करना है (अपने दम पर एक कंपनी शुरू करना)।

श्री निरेन अन्नाद, एफडीडीआई के पूर्व छात्र 'पूर्व छात्र संवादात्मक सत्र' के दौरान संबोधित करते हुए

'पूर्व छात्र संवादात्मक सत्र' के दौरान एफडीडीआई के छात्रों को संबोधित करते हुए श्री आशीष कुमार झा

उन्होंने पेशेवर दुनिया में सफल होने के लिए लक्ष्य निर्धारण और लक्ष्य मानचित्रण के महत्व पर प्रकाश डाला और औद्योगिक आवश्यकता एवं कार्य प्रौद्योगिकी के अनुसार अद्यतन होने पर भी जोर दिया।

उन्होंने पाठ्यक्रम के दौरान बेहतर ज्ञान प्राप्त करने का सुझाव दिया और छात्रों द्वारा उठाए गए कई अलग–अलग प्रश्नों के उत्तर दिए।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों ने जया श्री टेक्सटाइल मिल्स का दौरा किया

एफडीडीआई, कोलकाता ने 20 सितंबर 2022 को जया श्री टेक्सटाइल मिल्स, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, न्यूटाउन, कोलकाता में स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी), बैच 2019 के 31 छात्रों के लिए एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया।

जया श्री टेक्सटाइल मिल्स, प्रतिष्ठित आदित्य बिड़ला समूह का एक हिस्सा है, और 1949 में स्थापित अपने विविध उत्पाद पोर्टफोलियो के माध्यम से भारत के कपड़ा उद्योग को नवीनतम कपड़ा नवाचार प्रदान कर रहा है। आज, वे लिनन और ऊनी कपड़ा व्यवसाय में अग्रणी वैश्विक खिलाड़ी हैं।

जयाश्री टेक्सटाइल मिल्स में एफडीडीआई के छात्र

जयाश्री टेक्सटाइल मिल्स के विशेषज्ञ द्वारा तकनीकी जानकारी देते हुए

उच्च अनुभवी संकायों के साथ छात्रों ने अत्याधुनिक मशीनों, प्रक्रियाओं और पेशेवर वातावरण से युक्त कंपनी की लिनन विनिर्माण सुविधा का दौरा किया। यह नवीनतम कताई, बुनाई और परिष्करण प्रणालियों के साथ भारत का सबसे बड़ा एकीकृत लिनन कारखाना है।

व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने के अलावा, औद्योगिक दौरे ने छात्रों को उद्योग के विभिन्न सुरक्षा मानदंडों का पता लगाने का अवसर भी दिया।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में 'डिकूपेज विद विंटेज' और 'क्ले आर्ट' पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं

एफडीडीआई, रोहतक परिसर ने 19 सितंबर 2022 को 'डिकूपेज विद विंटेज' और 20 सितंबर 2022 को 'क्ले आर्ट' पर कार्यशालाओं का आयोजन किया।

कार्यशाला का संचालन सुश्री सोनिया भूटानी ने किया, छात्रों द्वारा अंतिम परिणाम

छात्रों द्वारा अंतिम परिणाम

हॉबी लॉबी – कला और रचनात्मक शिक्षा संस्थान, रोहतक, हरियाणा की सुश्री सोनिया भूटानी विशेषज्ञ, जिन्होंने फाउंडेशन बैच के छात्रों और स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया।

सुश्री सोनिया ने कई सौंदर्य तकनीकों को शामिल करते हुए इन शिल्पों में महारत हासिल करने के लिए विभिन्न सुझाव दिए। छात्रों ने विभिन्न रंगों, ढाली हुई मिट्टी, फूलों और अलंकरण सामग्री का उपयोग करके विभिन्न रचनात्मक कैनवास सीखा और बनाया।

एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों के लिए लाइनर शूज प्राइवेट लिमिटेड में औद्योगिक दौरा

औद्योगिक दौरे के तहत, एफडीडीआई, नोएडा परिसर के छात्रों को 19 सितंबर 2022 को लाइनर शूज प्राइवेट लिमिटेड ले जाया गया।

बी. डेस एफडीपी 2020–24 और एम. डेस एफडीपी 2021–23 बैच के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के छात्रों ने एफडीडीआई के अत्यधिक अनुभवी संकाय के साथ नोएडा के होजरी कॉम्प्लेक्स में स्थित कारखाने का दौरा किया।

लाइनर शूज प्राइवेट लिमिटेड में अपने संकाय के साथ एफडीडीआई के छात्र।

छात्रों ने कंपनी के विभिन्न विभागों का दौरा किया और विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों द्वारा नवीनतम प्रौद्योगिकी मशीनों, फुटवियर के उत्पादन और कंपनी के काम करने के माहौल के बारे में सीखा। उन्हें संयंत्र के चारों ओर ले जाया गया और विभिन्न निर्माणों और फुटवियर की शैलियों के निर्माण के बारे में समझाया गया।

छात्रों ने कंपनी की गुणवत्ता और अन्य कार्य दर्शन के अलावा कार्य संचालन का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया जो उनके पेशेवर कौशल को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर ने 'डिजाइन प्रोजेक्ट पर शिल्प कार्यशाला' के लिए पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ सहयोग किया

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर ने 'डिजाइन परियोजनाओं पर शिल्प कार्यशाला' की एक श्रृंखला आयोजित करने के लिए पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ सहयोग किया। इस श्रृंखला के तहत, पहली कार्यशाला 16 सितंबर, 2022 को 'कैनवास एंड लेदर पेंटिंग' पर आयोजित की गई थी।

सुश्री काजल तोतलानी, फेविक्रिल प्रमाणित पेशेवर, विशेषज्ञ शिक्षक कार्यशाला का संचालन करते हुए

अंतिम परिणाम

पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड की फेविक्रिल सर्टिफाइड प्रोफेशनल, एक्सपर्ट शिक्षिका सुश्री काजल तोतलानी ने फाउंडेशन, फुटवियर और फैशन डिजाइन बैच के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया और सतह बनावट अन्वेषण करने के लिए मूल्यवान सुझाव प्रदान किए जो अधिक सुंदर एवं उत्पाद के रूप को बढ़ाता है।

सुश्री काजल ने लेदर की सतह की बनावट की खोज के लिए तकनीकों के बारे में जानकारी दी जिसमें रंगाई, पेंटिंग, टूलिंग स्टैंपिंग, झुलसाना, जलना शामिल था और इन तकनीकों का उपयोग करके चमड़े की सतह के सौंदर्यता को बढ़ाने के तरीकों को समझाया।

तीन चरणों के दौरान, छात्रों को कैनवास, ऐक्रेलिक, बाटिक, ब्लॉक प्रिंटिंग, ग्लास पेंटिंग, मधुबनी, कढ़ाई आदि पर समकालीन, पारंपरिक कला और तकनीकों पर विभिन्न कार्यशालाओं से लाभान्वित किया जाएगा।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर ने आईएलएएफ 2022 में भाग लिया

एफडीडीआई, कोलकाता ने 25वें भारत चमड़ा और सहायक उपकरण मेला, 2022 (आईएलएएफ) में भाग लिया, जिसे 14 सितंबर से 16 सितंबर, 2022 तक भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ), भारत सरकार द्वारा बिस्वा बांग्ला मेला प्रांगण (मिलन मेला), कोलकाता में आयोजित किया गया।

एफडीडीआई ने अपने स्टॉल पर छात्रों द्वारा बनाए चमड़े के सामान और फुटवियर उत्पादों को प्रदर्शित किया। खरीदारों के अलावा, विभिन्न निर्यात घरानों और चमड़ा उद्योग के मालिकों और अधिकारियों ने स्टाल में प्रदर्शित एफडीडीआई के छात्रों के कार्यों की सराहना की।

एफडीडीआई के स्टॉल का दृश्य

यह मेला छात्रों और शिक्षकों के लिए चमड़े, रंग, पैटर्न, रूपरेखा, सामान और नवीनतम तकनीकों के संदर्भ में नवीनतम रुझानों का अध्ययन करने के लिए एक अच्छा मंच था ।

आईटीपीओ से प्राप्त अनुरोध पर, एफडीडीआई ने 15 सितंबर, 2022 को मेला परिसर में 'फैशन शो' का आयोजन किया, जिसके दौरान छात्रों ने रैंप वॉक पर चमड़े के उत्पादों और जूतों की अपनी रचनात्मक कृतियों का प्रदर्शन किया।

एफडीडीआई में डब्ल्यूजीएसएन द्वारा संगोष्ठी का आयोजन

उत्पाद स्ट्रीम फैशन पूर्वानुमान के रूप में डब्ल्यूजीएसएन की एफडीडीआई द्वारा देश भर में स्थित अपने सभी बारह केंद्रों के लिए ली गई सदस्यता हेतु, 16 सितंबर, 2022 को डब्ल्यूजीएसएन द्वारा एक संवादात्मक सेमिनार आयोजित किया गया था।

सेमिनार का विषय 'जूता, फैशन डिजाइन और सहायक उपकरण श्रेणियों के साथ स्प्रिंग–समर 2023 का विस्तृत विवरण था, जिसके दौरान सुश्री तृप्ति तिवारी, लेखा प्रबंधक, दक्षिण एशिया क्षेत्र, डब्ल्यूजीएसएन और सुश्री मेघा, क्लाइंट सर्विस एसोसिएट, डब्ल्यूजीएसएन ने फैशन की दुनिया के अनुसार पेशेवर कौशल बढ़ाने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि, सामग्री और विचार प्रदान किए।

स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) की इस पहल ने सभी एफडीडीआई परिसरों में ज्ञान का निर्बाध प्रवाह प्रदान किया, संगोष्ठी के दौरान, छात्रों और संकायों को उनके संबंधित परिसरों में ऑन–लाइन माध्यम से जोड़ा गया था।

सुश्री तृप्ति तिवारी, लेखा प्रबंधक, दक्षिण एशिया क्षेत्र प्रस्तुति देते हुए

प्रतिभागियों का एक दृश्य

एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर में 'फोटोग्राफी प्रदर्शनी–सह–प्रतियोगिता' का आयोजन

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 15 सितंबर 2022 को 'फोटोग्राफी प्रदर्शनी–सह–प्रतियोगिता' आयोजित की गई।

यह प्रतियोगिता 'फैशन और संपादकीय' विषय पर आधारित थी, जिसके दौरान फैशन, फुटवियर और रिटेल के छात्रों ने अपने विचारों के आधार पर फोटोग्राफी की और अपनी प्रविष्टियां प्रस्तुत कीं।

प्रदर्शनी–सह–प्रतियोगिता का आयोजन सबसे कुशल और प्रसिद्ध फोटोग्राफर श्री अमित सांखला द्वारा किया गया था, जिनके पास 25 वर्षों से अधिक का अनुभव है। वह विश्व स्तर पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं और बार्कलेज – यूके, वन किंग लेन – न्यूयॉर्क, नैरेटर्स: मुंबई जैसी दुनिया की अग्रणी एजेंसियों और कंपनियों के साथ काम कर रहे हैं। वह भारत के प्रतिष्ठित कॉलेजों में फोटोग्राफी पर व्याख्यान भी दे रहे हैं।

श्री अमित सांखला, प्रसिद्ध फोटोग्राफर

फोटोग्राफी प्रदर्शनी–सह–प्रतियोगिता' का एक दृश्य

प्रदर्शनी–सह–प्रतियोगिता का उद्देश्य फोटोग्राफी के बारे में छात्रों के तकनीकी इनपुट का आकलन करना था और वे अपने उत्पाद डिजाइन और रचनात्मक विचारों को अधिक पेशेवर तरीके से व्यक्त एवं व्याख्या करने में कितने कुशल हैं।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज के छात्रा द्वारा लिखा गया लेख 'शटल्स एंड नीडल्स' में प्रकाशित हुआ

एफडीडीआई, फुर्सतगंज की छात्रा सुश्री पूर्वी मित्तल द्वारा लिखा गया एक तकनीकी लेख शटल एंड नीडल्स स्टूडियो, चेन्नई की मासिक समाचार पत्र 'शटल्स एंड नीडल्स' में प्रकाशित किया गया है।

सुश्री पूर्वी मित्तल, 2019 बैच की स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी) की छात्रा है जिसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान 'व्हेन कासुटी मीट्स लेनो' शीर्षक से लेख लिखा।

सुश्री पूर्वी मित्तल – एसएफडी, 2019 बैच, एफडीडीआई, फुर्सतगंज

विकास में लेनो बुनाई का नमूना

इस तकनीकी लेख के बारे में जानकारी देते हुए, सुश्री मित्तल ने कहा, ''लेनो बुनाई दो ताने धागे को एक साथ घुमाकर, हेलिक्स जैसी संरचना बनाकर बनाई गई है। गीले धागे मुड़े हुए ताने–बाने में बनाए गए अंतराल के माध्यम से आपस में जुड़े होते हैं। मैंने कपड़ों में दिलचस्प बार्डर को बनाने के लिए लेनो बुनाई संरचनाओं का उपयोग करते देखा है, हालांकि, मैंने कपड़े के शरीर में कुछ आकार और रूपांकन बनाने की कोशिश की, जिसके कारण बीच में एक विशाल आकृति के साथ एक स्टोल बुनने की योजना बनाई गई। मैं स्पष्ट दृश्यता के लिए आकृति ज्यामितीय रखना चाहती थी और इससे मुझे कसुती रूपांकनों का उपयोग करने का विचार मिला।

लेख इस लिंक पर उपलब्ध है
https://mailchi.mp/shuttlesandneedles.com/august-2022-newsletter-6146785?e=313058f3dd.

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'फिजियोथेरेपी स्वास्थ्य जागरूकता' सत्र आयोजित किया गया

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 07 सितंबर 2022 को 'फिजियोथेरेपी स्वास्थ्य जागरूकता' सत्र आयोजित किया गया था।

'फिजियोथेरेपी स्वास्थ्य जागरूकता' सत्र का एक दृश्य

स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करते स्टाफ

कई बीमारियों को रोकने और ठीक करने में फिजियोथेरेपी उपचार के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तत्वावधान में 'विश्व फिजियोथेरेपी दिवस' के अवसर पर मदरलैंड अस्पताल, नोएडा द्वारा सत्र का आयोजन किया गया था।

डॉ. पी.एस. खटाना बीपीटी, एमपीटी (न्यूरो) सत्र का संचालनक, ने इस बात पर जोर दिया कि फिजियोथेरेपी सत्र के साथ नियमित व्यायाम विशेष रूप से मांसपेशियों और आसन संबंधी, चोटों से राहत पाने के लिए सबसे अच्छे एहतियाती उपायों में से एक है।

उन्होंने मांसपेशियों की फिटनेस के लिए कुछ स्ट्रेचिंग व्यायाम का प्रदर्शन किया जो विशेष रूप से कार्यस्थल पर लंबे समय तक गलत बैठने की मुद्रा के कारण हो सकता है।

पीडाध्दर्दध्कठोरता से संबंधित कई प्रश्न, जो कर्मचारियों के दिन–प्रतिदिन के कार्य और फिटनेस स्तर को बाधित करते हैं, उनका उत्तर विशेषज्ञ द्वारा दिया गया जो उन्हें दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से काम करने में मदद करेगा।

एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों का एनआईटीआरए, गाजियाबाद में 'शैक्षिक यात्रा'

अपने छात्रों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए, एफडीडीआई अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा है और कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

इस संबंध में, 3 सितंबर, 2022 को, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन, एफडीडीआई नोएडा परिसर ने उत्तरी भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (एनआईटीआरए) राज नगर, गाजियाबाद का एक 'शैक्षिक यात्रा' का आयोजन किया।

एनआईटीआरए 1974 में भारत सरकार और कपड़ा उद्योग द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित देश के प्रमुख वस्त्र अनुसंधान संस्थानों में से एक है। एनआईटीआरए में विभिन्न प्रकार के धागे और कपड़ों के विकास के लिए पायलट स्केल कताई, बुनाई, बुनाई और रासायनिक प्रसंस्करण कार्यशालाएं हैं। इसमें परिधान उत्पादन के लिए प्री–सिलाई, सिलाई, कढ़ाई और परिष्करण कार्यशालाएं भी हैं।

छात्र कार्य एवं प्रक्रिया देखते हुए

एनआईटीआरए में अपने संकाय सदस्यों के साथ छात्र

एनआईटीआरए की यात्रा का आयोजन कपड़ा उद्योग के कामकाज के बारे में छात्रों को प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था, जिसने उन्हें सिद्धांत को अभ्यास के साथ एकीकृत करने में सक्षम बनाया। इसने छात्रों को कपड़ा उद्योग में कच्चे फाइबर के प्रसंस्करण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकियों और मशीनरी से भी परिचित कराया।

एफडीडीआई के अत्यधिक अनुभवी संकाय के साथ, छात्रों को विभिन्न विभागोंः कताई, बुनाई, परीक्षण प्रयोगशालाएं, रासायनिक प्रयोगशाला आदि दिखाया गया। छात्रों ने घुमावदार, ताना–बाना, आकार और करघे से शुरू होने वाली मशीनरी की पूरी श्रृंखला देखी, छात्रों को गुणवत्ता की जांच के लिए मशीनरी की पूरी श्रृंखला और विभिन्न भौतिक और रासायनिक परीक्षणों के कामकाज को देखने का अवसर मिला।

यात्रा खुली चर्चा के साथ समाप्त हुई, जहां एनआईटीआरए के विशेषज्ञों ने छात्रों की विभिन्न शंकाओं को दूर किया।

एफडीडीआई 6ठें आईआईएफएफ में भाग लिया और 'फैशन शो' का भी आयोजन किया

एफडीडीआई ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फुटवियर मेला 2022 (आईआईएफएफ) के 6 वें संस्करण में भाग लिया, जो 1 से 3 सितंबर 2022 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

आईआईएफएफ का आयोजन भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा किया गया था और भारतीय फुटवियर उद्योग परिसंघ (सीआईएफआई) द्वारा सह–आयोजित किया गया था।

आईआईएफएफ में फुटवियर एवं लेदर के उद्योगों से संबंधित उत्पादों की पूरी श्रृंखलाः फुटवियर, कच्चे माल, तैयार उत्पाद और सहायक उत्पाद जैसे सिंथेटिक सामग्री, फिनिशड लेदर, फुटवियर कंपोनेन्ट – अपर, सोल, ऊँची एड़ी, काउंटर, फर्मा तथा फुटवियर मशीनरी और उपकरण, प्रक्रिया प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर, रसायन और प्रकाशन का प्रदर्शन किया।

आकांक्षी विद्यार्थियों को शैक्षणिक कार्यक्रमों की जानकारी करते हुए

रैंप पर वॉक करते एफडीडीआई के छात्र

एफडीडीआई ने सीआईएफआई के सहयोग से 2 सितंबर 2022 को शाम 6:00 बजे प्रगति मैदान में 'फैशन शो' का आयोजन किया।

संस्थान के छात्रों ने अपने 9 उत्कृष्ट स्व–डिजाइन किए गए फैशन पोशाक, सामान और फुटवियर प्रस्तुत किए, जो 60 मिनट के स्लॉट में समकालीन विचारों के साथ रचनात्मकता को दर्शाते हैं।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में '3 डी प्रिंटिंग' पर कार्यशाला का आयोजन

मेकुवा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 2 सितंबर, 2022 को एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में '3 डी प्रिंटिंग' पर एक व्यापक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

मेकुवा टेक्नोलॉजीज एक प्रोटोटाइप कंपनी है जो पेशेवर 3 डी प्रिंटर के निर्माण में विशिष्ट है तथा 3 डी प्रिंटिंग सेवाएं, औद्योगिक डिजाइन और विभिन्न पारंपरिक विनिर्माण सेवाएं प्रदान करती है।

यह फाउंडेशन बैच के छात्रों के ज्ञान को अद्यतन करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जिसने उन्हें रचनात्मकता के साथ 3 डी प्रिंटिंग तकनीकों के अभिनव विचारों को प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।

श्री राजकुमार उक्कुतुरी, प्रबंध निदेशक, मेकुवा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति थे।

लाइव प्रदर्शन के दौरान, छात्रों ने तेजी से प्रोटोटाइप के लिए 3 डी प्रिंटिंग की मौलिक गतिशीलता और उनके डिजाइन मॉडल पर इसके आगे के अनुप्रयोग को सीखा, जो विनिर्माण सेट–अप में एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

कार्यशाला प्रगति पर

3 डी प्रिंटिंग और रैपिड प्रोटोटाइप का लाइव प्रदर्शन

डीपीआईआईटी, भारत सरकार के अपर सचिव ने एफडीडीआई, नोएडा परिसर का दौरा किया

भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अपर सचिव (एएस) श्री राजीव सिंह ठाकुर तथा उनके साथ डीपीआईआईटी उप सचिव श्री बिनोद कुमार और डीपीआईआईटी के अवर सचिव श्री सुमन कुमार ने 31 अगस्त, 2022 को एफडीडीआई, नोएडा परिसर का दौरा किया।

प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई, डीपीआईआईटी एएस, को लेदर के सामान और सहायक उपकरण डिजाइन के बारे में जानकारी देते हुए

एएस, डीपीआईआईटी लास्टिंग लैब में कौशल प्राप्त कर रहे छात्र को देखते हुए

अपने तीन घंटे के प्रवास के दौरान, एएस, डीपीआईआईटी ने स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी), स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) और स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) में स्थापित अत्याधुनिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे सहित संस्थान के परिसर का दौरा किया।

एएस, डीपीआईआईटी भौतिक प्रयोगशाला, आईटीसी में एक नमूना देखते हुए

एफडीडीआई के प्रबंधन, संकाय और कर्मचारियों के साथ बातचीत करते हुए

उन्होंने एफडीडीआई की अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) में भौतिक एवं रासायनिक प्रयोगशाला का दौरा किया और इसके द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न परीक्षण–सह–गुणवत्ता नियंत्रण सेवाओं को देखा।

एएस, डीपीआईआईटी ने संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों के साथ बातचीत की और संस्थान के सभी परिसरों में शिक्षण, अनुसंधान और सहयोग कार्यक्रमों के मानकों में सुधार के लिए मूल्यवान सुझाव दिए।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'गुजरात कढ़ाई' पर कार्यशाला का आयोजन

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 30 अगस्त 2022 को 'गुजरात कढ़ाई' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला का संचालन मास्टर शिल्पकार श्री जगदीश राय ने स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन में बी. डिजाइन के तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए किया, जिसमें सिद्धांत के साथ–साथ प्रदर्शन भी शामिल था।

कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों के मौजूदा कौशल को बढ़ाना और गुजरात में कढ़ाई के लिए विशेष सुइयों के उपयोग के बारे में गहन जानकारी प्रदान करना था।

सिद्धांत के साथ–साथ प्रदर्शन भी प्रगति पर है।

कार्यशाला के दौरान जगदीश राय ने विद्यार्थियों को विशेष सुइयों को संभालने और उनसे डिजाइन बनाने की विधि एवं तकनीक प्रदान की। छात्रों ने विभिन्न प्रकार के धागों का उपयोग करके एक कढ़ाई का नमूना भी बनाया।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में 'सिलाई और कढ़ाई धागे' पर तकनीकी संगोष्ठी आयोजित की गई

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के सभागार में 'सिलाई एवं कढ़ाई के धागे' पर एक तकनीकी संगोष्ठी 26 अगस्त 2022 को आयोजित की गई थी।

तकनीकी संगोष्ठी कार्यशील

सेमिनार में भाग लेते प्रतिभागी

इस संगोष्ठी का आयोजन छात्रों को सिलाई धागों के तकनीकी ज्ञान को बढाने के उद्देश्य से किया गया था, जो दुकान–फर्श की उत्पादकता और विशेष रूप से फुटवियर और संबद्ध उद्योग में उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्री प्रकाश राधाकृष्णन, प्रबंधक – तकनीकी सलाहकार सेवा और विपणन, अमन समूह संगोष्ठी के प्रमुख संसाधन व्यक्ति थे। अमन उच्च गुणवत्ता वाले सिलाई धागे, कढ़ाई धागे और स्मार्ट धागे के अग्रणी अंतरराष्ट्रीय निर्माताओं में से एक रहे है।

उन्होंने धागा सामग्री प्रसंस्करण और सिलाई धागे के गुणों, धागा निर्माण, धागे के प्रकार, आकार और सीम के उपयोग के बारे में जानकारी दी और कहा कि जिस तरह से धागे का उपयोग किया जाता है वह कार्यात्मक या सजावटी हो सकता है, लेकिन किसी भी मामले में सही धागे का उपयोग करना अंतिम परिणामों के लिए महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय जूट बोर्ड के सहयोग से एफडीडीआई, हैदराबाद में 'पर्यावरण–समाधान और जूट मार्क लोगो बैग प्रमोशन के रूप में जूट' पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

राष्ट्रीय जूट बोर्ड (एनजेबी), हैदराबाद शाखा के सहयोग से एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'इको–सॉल्यूशंस और जूट मार्क लोगो बैग प्रमोशन' पर एक व्यावहारिक जागरूकता कार्यक्रम 24 अगस्त, 2022 को आयोजित किया गया था।

श्री नरसिम्हा बिंदला ने पारिस्थितिक समाधान के रूप में जूट के बारे में जानकारी दी

तेलंगाना राज्य में एफडीडीआई हैदराबाद द्वारा जूट मार्क लोगो बैग लॉन्च किया गया

यह एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) द्वारा पर्यावरण के अनुकूल सामग्री के रूप में जूट के बारे में जागरूकता पैदा करने और जूट मार्क लोगो बैग प्रमोशन के उद्देश्य से आयोजित किया गया था और इस प्रकार, दुनिया के लिए बेहतर डिजाइन बनाने में मदद करना था।

भारत सरकार, के एनजेबी, में विपणन संवर्धन अधिकारी श्री नरसिम्हा बिंदला एक प्रमुख वक्ता थे जो एनजेबी से 1994 से जुड़े हुए हैं।

श्री नरसिम्हा ने जूट निर्माण के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं, गुणों और पारिस्थितिक समाधान के रूप में जूट के महत्व तथा एनजेबी द्वारा पेश की गई विभिन्न योजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि जुलाई 2022 में 'जूट मार्क इंडिया' लोगो के अनावरण के साथ, भारत सरकार ने भारत से जूट उत्पादों के घरेलू बाजार और निर्यात को बढ़ावा देने, संरक्षित करने के लिए जूट उत्पादों के लिए प्रामाणिकता का प्रमाणन शुरू किया है।

रेसोल्यूट ग्रुप ऑफ कंपनीज के सहयोग से एफडीडीआई, हैदराबाद में 'डीमिसिफाईंग आईपीआर विद ट्रस्ट ऑन डिजाइन' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'डीमिसिफाईंग आईपीआर विद ट्रस्ट ऑन डिजाइन पर 19 अगस्त, 2022 को एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

यह एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), हैदराबाद परिसर द्वारा पेटेंट, ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन, व्यापार रहस्य, भौगोलिक संकेत और कॉपीराइट से संबंधित बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के महत्व के बारे में जागरूकता लाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

रिसोल्यूट ग्रुप ऑफ कंपनीज के कानूनी एवं आईपीआर प्रमुख श्री शुभजीत साहा मुख्य वक्ता थे। उन्होंने आईपीआर, नीति वकालत और सभी क्षेत्रों में क्षमता निर्माण पर हैदराबाद में सीआईआई के निदेशक और प्रमुख के रूप में काम किया है। उन्हें भारत में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से जीआई पंजीकरण के लिए कई हस्तशिल्प और वस्त्र उत्पादों की रक्षा में एमएसएमई और कारीगरों के साथ काम करने का भी अनुभव है।

श्री शुभजीत साहा, प्रमुख– कानूनी और आईपीआर, रिजॉल्यूट ग्रुप ऑफ कंपनीज प्रस्तुति देते हुए

सेमिनार में शामिल छात्र

श्री शुभजीत ने फैशन और खेल फुटवियर उद्योग से संबंधित समकालीन बौद्धिक संपदा मुद्दों पर व्यापक जागरूकता प्रदान की। प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने आईपी की समझ, अमूर्त संपत्ति के मूल्य, हमें आईपी की आवश्यकता क्यों है, आईपी और औद्योगिक डिजाइन की श्रेणियां और कई आईपी वाले उत्पाद पर स्पष्टता दी।

श्री शुभजीत ने छात्रों को कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क और अन्य प्रकार के आईपी के बारे में समझाया। संगोष्ठी में छात्रों के लिए विभिन्न संवादात्मक गतिविधियां और चर्चाएं शामिल थीं।

एफडीडीआई ने 'मार्गदर्शक संस्थान' के रूप में 'डिजाइन हैकाथॉन' में भाग लिया

एफडीडीआई ने 13 और 14 अगस्त 2022 को आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम 'डिजाइन हैकाथॉन' में 'मार्गदर्शक संस्थानों' में से एक के रूप में भाग लिया।

यह शानदार कार्यक्रम भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और आईआईटीयन द्वारा संचालित एक प्रसिद्ध कोचिंग संस्थान डीक्यू लैब्स के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसमें 1400 से अधिक छात्रों ने भाग लिया था।

श्री अनूप राणा, एचओएस, एलजीएडी प्रस्तुति देते हुए

श्रीमती शम्पा नायक, सीनियर फैकल्टी, एफडी, नोएडा प्रस्तुति देती हुई

यह आयोजन 'इंडिया एट 100' थीम पर आधारित था, जिसने ग्यारह श्रेणियों के बीच उत्पाद विकास और फैशन श्रेणी में पंजीकृत छात्रों (ग्रेड 8–12) को सलाह देने के लिए एफडीडीआई को एक मंच प्रदान किया।

श्रीमती सारिका टंडन, वरिष्ठ प्रबंधक, प्रवेश और पदोन्नति ने इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया। इसमें कोलकाता के वरिष्ठ संकाय श्री प्रशांत कुमार नंदा, एसोसिएट फैकल्टी श्री रमन हलदर, एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) से सुश्री शालिनी, जूनियर फैकल्टी, फुर्सतगंज, सुश्री निवेदिता एएस, संकाय, चेन्नई, श्री सौरभ श्रीवास्तव, जूनियर फैकल्टी, नोएडा, डॉ अन्नुप्रिया सिंह, जूनियर फैकल्टी, हैदराबाद और श्री रिंस्टेन दोरजी योल्मो शामिल थे। कोलकाता के सीनियर फैकल्टी मोहम्मद गोफरान, सीनियर फैकल्टी हैदराबाद, प्रदीप श्रीवास्तव, सीनियर फैकल्टी हैदराबाद, राम बाबू, फैकल्टी हैदराबाद एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एसेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) और सुशांत यादव, सीनियर फैकल्टी, छिंदवाड़ा से एफडीडीआई स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) से हैं, जिन्होंने छात्रों को क्रॉस–लर्निंग अवसरों के माध्यम से डिजाइन योग्यता विकसित करने में मदद की।

एलजीएडी के स्कूल प्रमुख (एचओएस) अनूप राणा, एफडीडीआई एफडी, नोएडा की वरिष्ठ संकाय श्रीमती शम्पा नायक और एफडी, चेन्नई की वरिष्ठ संकाय डॉ नीति किशोर ने प्रस्तुतियां दीं और फैशन और संबद्ध उद्योगों में विचार प्रक्रिया और प्रचार के महत्व के बारे में बताया।

इससे प्रतिभागियों को डिजाइन थिंकिंग फ्रेमवर्क, अवधारणाओं, प्रक्रियाओं, उपकरणों और तकनीकों के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में मदद की।

डीक्यू लैब्स, सभी 1400 पंजीकृत छात्रों को भागीदारी का एफडीडीआई के लोगो वाले प्रमाण पत्र प्रदान करेगा।

एफडीडीआई नोएडा परिसर में 'आजादी का अमृत महोत्सव, राष्ट्र प्रथम सदैव प्रथम' विषय पर स्लोगन लेखन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई

एफडीडीआई, नोएडा ने' आजादी का अमृत महोत्सव' के तत्वावधान में, युवा पीढ़ियों के बीच स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से 8 अगस्त 2022 को स्लोगन लेखन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी

स्लोगन लिखा और छात्रों द्वारा बनाया गया पोस्टर

राष्ट्रवाद की भावना को आत्मसात करने के लिए, प्रतियोगिता का विषय 'आजादी का अमृत महोत्सव, राष्ट्र प्रथम सदैव प्रथम' था, जिसके दौरान छात्रों ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सरथ सिटी कैपिटल मॉल में एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों के लिए ऑपरेशनल एक्सपोजर

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के बी. डेस एफडीपी (2021–25) के छात्रों को 'समस्या समाधान पहलुओं के रूप में फुटवियर' पर उन्मुख करने के लिए, 08 अगस्त, 2022 को सारथ सिटी कैपिटल मॉल, कोंडापुर, हैदराबाद में परिचालन प्रदर्शन प्रदान किया गया था।

प्यूमा एसई के सीनियर स्पोर्ट्स लीड श्री मुबारक ने छात्रों को समझाया

प्यूमा एसई– कोंडापुर टीम के साथ छात्र और संकाय सदस्य

एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के छात्र, जो अपने डिजाइन संकाय के साथ थे, समस्या निवारण पहलुओं के रूप में फुटवियर के तर्क, फुटवियर डिजाइन की जटिलताओं और फुटवियर में विभिन्न नवीनतम तकनीकों से, फुटवियर से जुडे लोगों को उनकी महत्वाकांक्षाओं को प्राप्त करने में कैसे मदद मिलती है, से परिचित हुए।

सारथ सिटी कैपिटल मॉल जो 100 सबसे बड़े ब्रांड लेकर आया है, कुल रिटेल क्षेत्र के मामले में भारत के सबसे बड़े मॉलो में से एक है और इसमें चार मंजिलों में फैले 100 से अधिक आउटलेट हैं।

यूमा एसई के सीनियर स्पोर्ट्स लीड श्री मुबारक ने विभिन्न प्रकार के जूतों जैसे रनिंग शूज, स्पोर्ट्स शूज, लाइफस्टाइल शूज और वॉकिंग शूज के बारे में विस्तार से बताया। छात्रों ने विभिन्न प्रकार के तलों को देखा और प्रत्येक का प्रयोग तथा इसके बारे में सीखा। छात्रों को नाइट्रो सोल के साथ हल्के रनिंग शूज (147 ग्राम वजन) से परिचित तथा इसके विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया गया जिसे धावक के लिए सही विकल्प माना गया है।

इसके अलावा, छात्रों ने अपने डिजाइन प्रोजेक्ट के तुलनात्मक विश्लेषण के लिए नाइकी, एडिडास, रीबॉक, स्केचर्स, इंक 5, फिला आदि जैसे विभिन्न ब्रांडों का दौरा किया। इंक 5 स्टोर में कॉर्क फुट बेड के साथ बने बिरकेनस्टॉक जूते देखे, जिसने छात्रों को आश्चर्यचकित कर दिया।

एडिडास और नाइकी जैसे अन्य स्टोरों में, छात्रों को विभिन्न नवीन तकनीकों से अवगत कराया गया जो जूते का हिस्सा थे, जैसे कि 3 डी मुद्रित जाली सोल, तापमान अप्रभावी जूते, एयर मैक्स तकनीक और अल्ट्रा–बूस्ट तकनीक।

विश्व कढ़ाई दिवस एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में मनाया गया

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में 30 जुलाई 2022 को विश्व कढ़ाई दिवस मनाया गया।

यह दिवस धागा या धागा लगाने के लिए सुई का उपयोग करके कपड़े को सजाने के शिल्प को स्वीकार करने और बढ़ावा देने के लिए चिह्नित किया जाता है।

यह एफडीडीआई चेन्नई परिसर के छात्रों के लिए एक यादगार दिन था क्योंकि उन्होंने मोनोग्राम हैंड कढ़ाई प्रतियोगिता में भाग लिया जिसे एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) द्वारा आयोजित किया गया था।

सभी प्रतिभागियों ने सुई, कपड़े और धागे की कंपनी का आनंद लिया, जिससे मुक्त रचनात्मक विचार और सोच उजागर हुई।

मोनोग्राम हाथ कढ़ाई प्रतियोगिता का एक दृश्य

रचनात्मकता से भरी अपनी कढ़ाई के साथ प्रतिभागी

एफडीडीआई के संकाय, हैदराबाद परिसर का शोध अध्ययन एक पुस्तक में प्रकाशित हुआ

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय श्री रामबाबू मुप्पीदी का एक शोध अध्ययन 'मार्केटिंग एंड प्रमोशन ऑफ सर्विस इंडस्ट्री' नामक पुस्तक में प्रकाशित किया गया है।

शोध अध्ययन का शीर्षक जो अध्याय पांच के अंतर्गत शामिल है, 'पगती वेशालु का वर्तमान परिदृश्यः आंध्र प्रदेश क्षेत्र के तटीय क्षेत्र पर अध्ययन (पोशाक, मेकअप और रोल प्ले पर विशेष फोकस)' है।

श्री रामबाबू मुप्पीदी संकाय, एलजीएडी, हैदराबाद

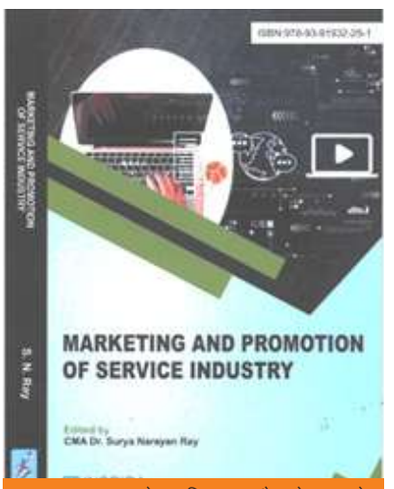

पुस्तक का कवर पेजः विपणन और सेवा उद्योग का प्रचार

श्री रामबाबू मुप्पीदी एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन(एलजीएडी), हैदराबाद में संकाय हैं। वह फैशन कम्युनिकेशन डिजाइन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी), मुंबई से अध्ययन किया हैं।

श्री रामबाबू ने पहले सहायक प्रोफेसर, एचओडी एवं अकादमिक सलाहकार, जूट बोर्ड एम्पैनल डिजाइनर, आर्ट एंड क्राफ्ट टीचर, सहायक कला निर्देशक, रिसर्च स्कॉलर, फैशन डिजाइनर, आर एंड डी डिजाइनर (चमड़े के सामान और सहायक उपकरण डिजाइन), नाथंज मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड महाराष्ट्र, ठाणे, मुंबई में आईडीसी सेक्टर के लिए तेलुगु फिल्में जैसी विभिन्न भूमिकाएं निभायी हैं।

शोध अध्ययन एक बहुत प्रसिद्ध थिएटर कला रूप पर आधारित है। पुस्तक को इंस्पिरा द्वारा प्रकाशित किया गया है, जिसका आईएसबीएन 978–93–91932–25–1 है।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर ने लेप्रा सोसाइटी के सहयोग से 'विकृत पैरों के लिए ऑर्थोसिस के साथ फुटवियर' पर तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर ने 26 जुलाई 2022 को, लेपरा सोसाइटी के सहयोग से 'विकृत पैरों के लिए ऑर्थोसिस के साथ फुटवियर' पर एक तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया।

एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के डिजाइन संकाय की देखरेख और मार्गदर्शन में, बी.डेस एफडीपी (2021–2025) के छात्रों को हैदराबाद के न्यू नल्लाकुंटा जोन में स्थित लेप्रा सोसाइटी में ले जाया गया।

लेप्रा सोसायटी एक गैर–सरकारी संगठन है जो गुणवत्ता स्वास्थ्य देखभाल, नए विकास और कार्यान्वयन को शुरू और बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य कुष्ठ रोग, लसीका फाइलेरिया एवं अन्य उपेक्षित जैसे रोगों की रोकथाम और नियंत्रण में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का समर्थन करना है।

इसका न्यू नल्लाकुंटा जोन 1988 से कुष्ठ रोग वाले लोगों, मधुमेह मेलेटस वाले लोगों आदि की मदद करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इसकी एक फुटवियर निर्माण इकाई भी है, जहां वे जरूरतमंद लोगों के लिए ऑर्थेस के साथ फुटवियर बना रहे हैं।

मुख्य वक्ताः श्री कामेश्वर राव, फिजियोथेरेपिस्ट और प्रोजेक्ट ऑफिसर, लेपरा सोसाइटी

सैद्धांतिक सत्र प्रगति पर

कार्यशाला के सुबह के सत्र का संचालन श्री कामेश्वर राव, फिजियोथेरेपिस्ट और परियोजना अधिकारी, लेपरा सोसाइटी द्वारा किया गया। उन्हें केंद्रीय कुष्ठ शिक्षण और अनुसंधान संस्थान (सीएलटीआरआई) से प्रशिक्षित किया गया है, जिन्हें लेपरा सोसाइटी में 33 वर्षों से अधिक का अनुभव है और उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में कई शोध पत्र भी प्रकाशित किए हैं।

श्री कामेश्वर राव ने मानव शरीर एवं पैरों के सामान्य शरीर विज्ञान, एनेस्थेटिक पैरों के साथ प्रभावित रोगियों, लक्षणों और उपचार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पैर के प्रकार, पैर की विकृति और विकृत पैर के लिए ऑर्थोसिस के साथ फुटवियर की प्रभावशीलता के बीच संबंधों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मानव पैर शरीर रचना विज्ञान, पैरों के कार्यों, विभिन्न बीमारियों के साथ प्रभावित पैरों के लिए चाल चक्र के महत्व और ऑर्थोसिस के साथ फुटवियर डिजाइन करने के लिए विचार किए जाने वाले मापदंडों का गहन ज्ञान दिया। इसके अलावा, उन्होंने शॉक अवशोषण, किनारे की कठोरता की क्षमता, उच्च दबाव बिंदु और पैर के अल्सर की रोकथाम के रूप में माइक्रो सेलूलोज रबर (एमसीआर) के लाभों के बारे में बताया।

दोपहर के सत्र का संचालन श्री कामेश्वर राव और श्री देवदास ने किया।

श्री देवदास एक कारीगर–सह–जूता तकनीशियन हैं जिनके पास 30 वर्षों से अधिक का अनुभव है। इस सत्र के दौरान, प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास प्राप्त हुआ जिससे उन्हें विकृत पैरों के लिए पैरों की माप प्रणाली, सुपाच्य, उभरे हुए पैरों के लिए ऑर्थोसिस पैड के समर्थन और हॉलक्स लिमिटस की अच्छी समझ हासिल करने में मदद मिली।

तकनीकी कार्यशाला का आयोजन सक्रिय शिक्षण अनुभव और पेशेवर प्रयासों में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक व्यावहारिक उपकरणों और कौशल से अवगत कराने के उद्देश्य से किया गया था।

एफडीडीआई ने आईएफकोमा के 'शूटेक वेल्लोर 2022'–क्रेता–विक्रेता बैठक सह–प्रदर्शनी में भाग लिया

एफडीडीआई ने 'शूटेक वेल्लोर 2022' – क्रेता–विक्रेता बैठक सह प्रदर्शनी में भाग लिया, जिसका आयोजन भारतीय जूता महासंघ (आईएसएफ) और भारतीय फुटवियर कंपोनेंट निर्माता संघ (आईएफसीओएमए) द्वारा चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के समर्थन से किया गया था।

यह 22 और 23 जुलाई 2022 को तमिलनाडु के वेल्लोर में रमानी शंकर मेहल में आयोजित किया गया था।

उद्घाटन सत्र में केएच ग्रुप के चेयरमैन मोहम्मद हाशिम और फरीदा ग्रुप के चेयरमैन रफीक अहमद, फ्लोरेंस कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन और एमडी पी अकील अहमद, आईएसएफ के उपाध्यक्ष यावर ढाला, आईएफकोमा के अध्यक्ष संजय गुप्ता और उद्योग जगत के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उद्घाटन सत्र का एक दृश्य

एफडीडीआई के स्टॉल का नजारा

एफडीडीआई ने अपने स्टॉल पर कई प्रकार की कृतियों का प्रदर्शन किया जिसमें महिलाओं और पुरुषों के जूते, आकस्मिक और औपचारिक फुटवियर एवं स्पोर्ट्स फुटवियर शामिल थे। एफडीडीआई के शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में भी आकांक्षी छात्रों और उद्योग के पेशेवरों को जानकारी प्रदान की गई।

ओब्लम शूज एण्ड स्माल लेदर गुड्स में एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों के लिए औद्योगिक दौरा

21 जुलाई 2022 को, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्रों को ओब्लम शूज एवं स्माल लेदर गुड्स के लिए औद्योगिक प्रदर्शन प्रदान किया गया था।

ओब्लम शूज एवं स्माल लेदर गुड्स में अपने संकाय सदस्यों के साथ छात्र

एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकाय की देखरेख और मार्गदर्शन में, छात्रों ने हैदराबाद के कावुरी हिल्स में स्थित एक हस्तनिर्मित फुटवियर ब्रांड ओब्लम शूज एंड स्मॉल लेदर गुड्स का दौरा किया।

छात्रों ने जूते बनाने वाले, श्री तरुण ओब्लम से मुलाकात की, जो हाथ के औजारों का उपयोग करके चमड़े के जूते बनाते हैं। श्री तरुण ने चमड़ा प्रौद्योगिकी, में मिलान से डिप्लोमा किया और लंदन स्कूल ऑफ फैशन से फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट में अध्ययन किया।

श्री तरुण द्वारा डिजाइन किए गए जूते में पेनी लोफर्स, ब्रॉग्स और लेस–अप, विभिन्न चमकदार पेटीना और विभिन्न त्वचा टोन शामिल हैं, जिन्हें ध्यान से तैयार किया गया है जो उच्च स्तर की सुंदरता का दावा करते है। छात्रों को हाथ से बने जूते (गुड ईयर वेल्टेड एंड ब्लेक) विनिर्माण एवं काम करने के तरीकों में शामिल चरणों का विश्लेषण करने का अवसर मिला। इसके अलावा, छात्रों ने बीस्पोक फुटवियर के लिए जूते के फर्मा बनाने के तरीके को भी देखा।

छात्रों को हस्तनिर्मित फुटवियर की अनुकूलित कला को समझने का अवसर मिला।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में उद्योग संवाद सत्र आयोजित किया गया

वास्तविक जीवन के अनुभव प्रदान करने एवं उद्योगों की कार्य संस्कृति की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से, 18 जुलाई 2022 को एफडीडीआई, नोएडा परिसर के छात्रों के लिए एक उद्योग संवाद सत्र का आयोजन किया गया।

यह एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) द्वारा आयोजित किया गया था, जिसके दौरान कंपनी के संस्थापक सदस्य श्री शौरभ, ABRNDmonkey-com संसाधन व्यक्ति थे।

कंपनी BRANDmonkey-com एक पूर्ण रूप से डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी है जो अद्भुत परिणाम लाने के लिए रचनात्मकता और प्रौद्योगिकी के संयोजन के सिद्धांत के साथ काम कर रही है।

श्री शौरभ ने कंपनी की विपणन रणनीतियों और जीवन चक्र को साझा किया।

सत्र ने उद्योग की नए युग की आवश्यकताओं के अनुरूप छात्रों के धारणा स्तर को बढ़ाया।

सत्र का एक दृश्य

एफडीडीआई के नोएडा परिसर में 'काउल एंड ट्विस्ट' पर एफडीपी आयोजित

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 9 जुलाई 2022 से 13 जुलाई 2022 तक 'काउल एंड ट्विस्ट (एडवांस्ड ड्रेपिंग टेक्नीक्स)' विषय पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया गया।

एफडीपी का आयोजन नोएडा परिसर के फैशन डिजाइन स्कूल द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य ज्ञान और कौशल के उन्नयन की सुविधा प्रदान करना और एफडीडीआई के विभिन्न परिसरों में कार्यरत आंतरिक संकाय की कार्यात्मक क्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ाना था।

सुश्री सोनिया गुप्ता एफडीपी का संचालन करने वाली संसाधन व्यक्ति थीं। उन्होंने पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय से फैशन प्रौद्योगिकी में परास्नातक किया है और उनके पास 30 से अधिक वर्षों का शिक्षण अनुभव है। वह निफ्ट, विगन एंड लेह, एनआईएफडी एण्ड जेडी जैसे अधिकांश संस्थानों से जुड़ी रही हैं। उनकी विशेषज्ञता पैटर्न मेकिंग, गारमेंट कंस्ट्रक्शन और एडवांस ड्रेपिंग तकनीक में है।

एफडीपी के दौरान, उन्होंने भारत में ड्रेपिंग, ड्रेपिंग के बुनियादी सिद्धांतों, तकनीकों, सिंगल पीस फैब्रिक ड्रेपिंग तकनीकों, विभिन्न प्रकार की साड़ी, धोती और भारत में हेडगियर ड्रेप के बारे में एक परिचय प्रदान किया।

सुश्री सोनिया गुप्ता द्वारा आयोजित एफडीपी का दृश्य

प्रदर्शन का मूल्यांकन करने वाले जूरी सदस्य

उन्होंने ड्रेपिंग के बुनियादी और अग्रिम स्तर– काउल, ट्विस्ट, कॉर्सेट, बहुक्रियाशील वस्त्र, सममित एवं विषम डिजाइन ड्रेप पर भी विस्तार से बताया।

एफडीपी के समापन के दिन, सभी प्रतिभागियों ने सुश्री सोनिया गुप्ता द्वारा सिखाई गई तकनीकों को शामिल करके अपनी स्वयं की कृतियों को सजाया और प्रदर्शित किया, जिसका मूल्यांकन जूरी सदस्यों द्वारा किया गया था।

यह एफडीपी संकाय सदस्यों को ड्रेपिंग तकनीकों से संबंधित शिक्षण में सुधार करने के अलावा अपने शोध और शैक्षणिक कौशल को अद्यतन करने में मदद करेगा।

एफडीडीआई द्वारा ऑनलाइन डिजाइन प्रतियोगिता 'आकृति' का आयोजन

युवाओं में विचारों और रचनात्मकता को विकसित करने के उद्देश्य से, एफडीडीआई द्वारा एक ऑनलाइन डिजाइन प्रतियोगिता 'आकृति' आयोजित की गई।

यह प्रतियोगिता अप्रैल 2022 के महीने में शुरू हुई, उन इच्छुक छात्रों के लिए थी, जो भारत के नागरिक हैं, जो वर्तमान में 10 वीं से 12 वीं कक्षा में पढ़ रहे हैं और फुटवियर से लेकर फैशन तक किसी भी श्रेणी का चयन कर सकते हैं।

प्रतिभागियों को चित्र बनाना और पेंट करना था, उसकी तस्वीर खींचकर तथा डिजाइन की अवधारणा के पीछे की विचार प्रक्रिया के साथ एफडीडीआई के किसी भी निकटतम परिसर नोएडा, फुर्सतगंज, चेन्नई, कोलकाता, रोहतक, छिंदवाड़ा, गुना, जोधपुर, अंकलेश्वर, बनूर, पटना और हैदराबाद परिसर को कैप्शन के साथ गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी प्रविष्टि जमा करनी थी।

विजेताओं का परिसर–वार विवरण				
क्र.सं.	छात्र का नाम	श्रेणी	रैंक	छात्र की कक्षा
एफडीडीआई, अंकलेश्वर				
1	ईशानी देवेंद्र वर्तक	परिधान	प्रथम	11वीं
एफडीडीआई, चंडीगढ़				
1	चिराग नैय्यर	फुटवियर	प्रथम	10वीं
2	मान्या शर्मा	फुटवियर	द्वितीय	10वीं
3	हिमानी सिंघानिया	फुटवियर	तृतीय	10वीं
4	हर्षितलुथरा	परिधान	प्रथम	12वीं
5	गोरिका	परिधान	द्वितीय	10वीं
6	सिया	परिधान	तृतीय	12वीं
एफडीडीआई, छिंदवाड़ा				
1	शुभम शाह	फुटवियर	प्रथम	10वीं
2	वेदांत सिंह चौहान	फुटवियर	द्वितीय	10वीं
3	विधि शाह	फुटवियर	तृतीय	12वीं
4	अस्थामौर्य	परिधान	प्रथम	12वीं
5	रुषभ कोठारी	परिधान	द्वितीय	10वीं
6	प्रकृति सिंह	परिधान	तृतीय	10वीं
एफडीडीआई, चेन्नई				
1	निवेदिता अरविंद	फुटवियर	प्रथम	10वीं
2	सुकृति सिंह	फुटवियर	द्वितीय	12वीं
3	देविका बी ए	फुटवियर	तृतीय	11वीं
4	एन मलिका ताज	परिधान	प्रथम	12वीं
5	संध्या पी	परिधान	द्वितीय	12वीं
6	मनासा	परिधान	तृतीय	10वीं

एफडीडीआई, फुसंतगंज				
1	सिद्धि गुप्ता	परिधान	प्रथम	12वीं
2	प्रकृति सिंह	परिधान	द्वितीय	12वीं
3	पंखुड़ी त्रिवेदी	परिधान	तृतीय	12वीं
एफडीडीआई, हैदराबाद				
1	ई. अबीनाश्री	फुटवियर	प्रथम	11वीं
2	अल्ताफ पीके	फुटवियर	द्वितीय	10वीं
3	डी.वी. कनिमोझी	फुटवियर	तृतीय	10वीं
4	गायत्री जोशी	परिधान	प्रथम	11वीं
5	मानुश्री	परिधान	द्वितीय	12वीं
6	महेश डी	परिधान	तृतीय	11वीं
एफडीडीआई, जोधपुर				
1	भावेश अलरिया	फुटवियर	प्रथम	11वीं
2	अंजलि बोहरा	फुटवियर	द्वितीय	12वों
3	पूर्ति सूर्या	फुटवियर	तृतीय	12वीं
4	विशाला चौहान	परिधान	प्रथम	12वीं
5	पंकज राठौर	परिधान	द्वितीय	10वीं
6	मुग्धा राजपूत	परिधान	तृतीय	12वीं
एफडीडीआई, कोलकाता				
1	खुशी कुमारी	परिधान	प्रथम	12वीं
एफडीडीआई, नोएडा				
1	भूमिका भूषण सोनवणे	फ्टवियर	प्रथम	10वीं
2	अनुष्का अग्निहोत्री	फुटवियर	द्वितीय	12वीं
3	विपिन कुमार	फुटवियर	तृतीय	12वीं
4	नकाशत्रा	परिधान	प्रथम	12वीं
5	मिष्टी मित्तल	परिधान	द्वितीय	12वीं
6	अनुशिका सरकार	परिधान	तृतीय	10वीं

एफडीडीआई, पटना				
1	श्रेया कुमारी	फुटवियर	प्रथम	11वीं
2	रितिका कुमारी	फुटवियर	द्वितीय	12वीं
3	प्रीति रंजन	फुटवियर	तृतीय	11वीं
4	कुमार वैभव	परिधान	प्रथम	10वीं
5	अंकिता रंजन	परिधान	द्वितीय	12वीं
6	जय कुमार सिंह	परिधान	तृतीय	10वीं
एफडीडीआई, रोहतक				
1	अमन	फुटवियर	प्रथम	12वीं
2	श्रुति कुशवाहा	फुटवियर	द्वितीय	12वीं
3	हर्ष वर्मा	फुटवियर	तृतीय	11वीं
4	श्रुति कुशवाहा	परिधान	प्रथम	12वीं
5	किंजल	परिधान	द्वितीय	12वीं
6	इशिता गुप्ता	परिधान	तृतीय	12वीं

फुटवियर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार विजेता

एफडीडीआई, नोएडा	एफडीडीआई, छिंदवाड़ा	एफडीडीआई, चंडीगढ़	एफडीडीआई, चेन्नई
भूमिका	शुभम शाह	चिराग नायर	निवेदिता अरविंद

फुटवियर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार विजेता

एफडीडीआई, हैदराबाद	एफडीडीआई, जोधपुर	एफडीडीआई, पटना	एफडीडीआई, रोहतक
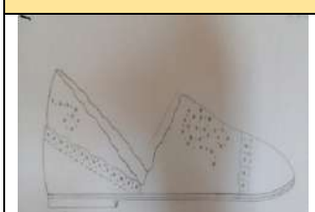	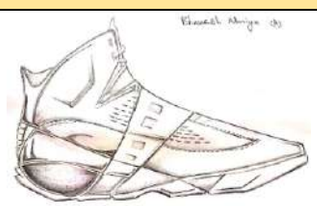		
भूमिका	शुभम शाह	चिराग नायर	निवेदिता अरविंद

प्रत्येक परिसर और प्रत्येक श्रेणी के लिए अलग–अलग पुरस्कार के अलावा, शीर्ष तीन स्कूलों के साथ–साथ प्रतिभागियों की अधिकतम संख्या वाले शीर्ष तीन कोचिंग सेंटरों को ट्रॉफी ने इस प्रतियोगिता को रोचक और अधिक आकर्षक बना दिया।

परिधान श्रेणी में प्रथम पुरस्कार विजेता			
एफडीडीआई, अंकलेश्वर	**एफडीडीआई, फुर्सतगंज**	**एफडीडीआई, रोहतक**	**एफडीडीआई, कोलकाता**
ईशानी देवेंद्र वर्तक	सिद्धि गुप्ता	श्रुति कुशवाहा	खुशी

यह प्रतिभाशाली छात्रों को परखने के लिए एक आदर्श मंच था, जिससे उन्हें अपने काम का प्रदर्शन करने और सर्वोत्तम डिजाइन, डिजाइन अवधारणाओं और डिजाइन उन्मुख उत्पादों को उजागर करने का अवसर मिला।

परिधान श्रेणी में प्रथम पुरस्कार विजेता			
एफडीडीआई, नोएडा	**एफडीडीआई, छिंदवाड़ा**	**एफडीडीआई, चंडीगढ़**	**एफडीडीआई, चेन्नई**
नकाशत्रा	अस्थामौर्य	हर्षिता लूथर्रा	एन मलिका तार्ज

परिधान श्रेणी में प्रथम पुरस्कार विजेता		
एफडीडीआई, हैदराबाद	**एफडीडीआई, जोधपुर**	**एफडीडीआई, पटना**
		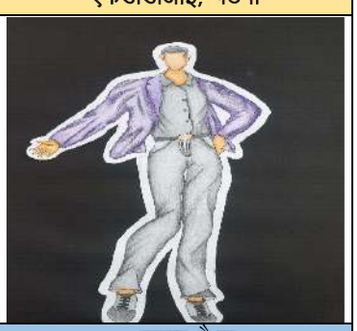
नकाशत्रा	विशाला चौहान	कुमार वैभव

विजेताओं का चयन मानदंड के आधार पर, एफडीडीआई के संबंधित परिसर स्तर पर गठित एक विशेषज्ञ चयन मंडल के माध्यम से किया गया था।

एफडीडीआई ने 'इंडियन फुटवियर कॉन्क्लेव 2022' में भाग लिया

एफडीडीआई ने 'इंडियन फुटवियर कॉन्क्लेव 2022' में भाग लिया, जो 9 जुलाई 2022 को होटल रेडिसन ब्लू, पश्चिम विहार, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

भारतीय फुटवियर उद्योग परिसंघ (सीआईएफआई) द्वारा 'फुटवियर उद्योग में लाभ मार्जिन कैसे बढ़ाया जाए' विषय पर यह अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसे ट्रेंडिंग बाजार की जरूरतों के आधार पर संकल्पित और डिजाइन किया गया था।

कॉन्क्लेव के दौरान, विशेषज्ञ वक्ता और प्रतिष्ठित उद्योग के समर्थकों ने प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय फुटवियर निर्माताओं के सामने आने वाली कुछ सबसे बड़ी समस्याओं और सवालों का समाधान किया और लाभ मार्जिन बढ़ाने के लिए उन्हें हल करने के तरीके से अवगत कराया।

क्र. सं.	विशेषज्ञ वक्ता और उद्योग के प्रतिष्ठित समर्थक	विचार–विषय
01	डॉ. मधुसूदन पाल, एफ एण्ड एडिशनल डायरेक्टर डीआईपीएएस, डीआरडीओ, दिल्ली	फुटवियर का डिजाइन एवं विकासः एर्गोनॉमिक्स और बायोमैकेनिक्स दृष्टिकोण
02	श्री शरद श्रीवास्तव, वरिष्ठ सलाहकार – एफडीडीआई	फुटवियर डिजाइन में हालिया विकास
03	श्री राहुल सिंघल, पैकेजिंग इंडिया के प्रबंध निदेशक	फुटवियर में लाभप्रदता में सुधार के उपाय
04	श्री चैतन्य राठी सह–संस्थापक बिजनिस और सचिन चौहान, सीईओ – बिजनिस	आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर व्यापार के अवसर

उन्होंने जूते में डिजाइन एवं सामग्री को अनुकूलित करने के तरीके के बारे में जानकारी दी, कैसे इन्वेंट्री किसी के व्यवसाय की लाभप्रदता को खत्म कर रही है, लागत को कम करने के नए तरीके क्या हैं और इससे मार्जिन में सुधार हो रहा है, उत्पादन के प्रबंधन के लिए मोबाइल आधारित ऐप का उपयोग और उत्पादन प्रगति पर टैप रखना आदि।

उद्घाटन सत्र का एक दृश्य

श्री शरद श्रीवास्तव, वरिष्ठ सलाहकार – एफडीडीआई प्रस्तुति करण

इस अवसर पर, पैकेजिंग इंडिया ने ई–कॉमर्स व्यवसाय के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए टेम्पर प्रूफ बॉक्स को भी लॉन्च किया।

इस अवसर पर रिलैक्सो ग्रुप के चेयरमैन श्री रमेश दुआ, कैंपस ग्रुप के चेयरमैन श्री एचके अग्रवाल, टुडे ग्रुप के चेयरमैन श्री सुभाष जग्गा, सीआईएफआई के अध्यक्ष श्री आरके जैन के अलावा फुटवियर, फुटवियर कंपोनेंट्स और पैकेजिंग उद्योगों के अन्य उद्यमी उपस्थित थे।

एफडीडीआई में 'हिंदी कार्यशाला' का आयोजन

अधिकारियों /कर्मचारियों को हिंदी में अपना आधिकारिक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, 29 जून 2022 को फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई), नोएडा परिसर में 'राजभाषा कार्यान्वयन' विषय पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल), नोएडा के उप प्रबंधक (राजभाषा) श्री कल्याण सिंह वर्मा ने कर्मचारियों को 'राजभाषा नीति' से परिचित कराया।

एक प्रस्तुति के माध्यम से, श्री वर्मा ने आधिकारिक भाषा अधिनियम, 1963, राजभाषा नीति पर संकल्प, राजभाषा नियम 1976 एवं आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी के उपयोग के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि आधिकारिक तौर पर संवाद के दौरान हिंदी में सरल शब्दों का उपयोग कैसे उपयोगी हो सकता है। उन्होंने भाषा नीति, परिपत्रों, कार्यालय ज्ञापनों, कार्यालय आदेश, शब्दावली और व्यावहारिक व्याकरण की समस्याओं की मुख्य विशेषताओं के साथ–साथ उनके समाधान के बारे में भी चर्चा की।

श्री कल्याण सिंह वर्मा, उप प्रबंधक, राजभाषा, एनएफएल का प्रस्तुतीकरण

प्रतिभागियों का एक दृश्य

हिंदी कार्यशाला' का आयोजन उन संवैधानिक प्रावधानों के बारे में प्रतिभागियों को बेहतर बनाने और शिक्षित करने के लिए किया गया जो कार्यालयों में हिंदी के उपयोग को अनिवार्य करते हैं। इसका उद्देश्य उन्हें मौखिक और लिखित दोनों तरह के संचार की अपनी पसंदीदा भाषा के रूप में हिंदी को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना भी था।

एफडीडीआई के अन्य सभी परिसरों के अधिकारियोंध्कर्मचारियों को भी ऑन–लाइन माध्यम से जोड़ा गया था।

प्रतिभागियों को खुशी हुई क्योंकि कार्यशाला ने हिंदी में आधिकारिक कार्य करने के लिए मूल्यवान जानकारी प्रदान की और साथ ही इससे उन्हें हिंदी भाषा के संबंध में कुछ दिलचस्प तथ्यों की भी जानकारी प्रदान की गई।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्र को, वोल्लो विश्वविद्यालय (केआईओटी) छात्र प्रौद्योगिकी और नवाचार क्लब, इथियोपिया द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता के दौरान 'सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता पुरस्कार प्रमाण पत्र मिला

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर की छात्रा सुश्री उप्पलुरी समीरा को 28 जून 2022 को वर्चुअल रूप से आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय स्तर के छात्र पेपर प्रस्तुति प्रतियोगिता' के दौरान 'सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता पुरस्कार प्रमाण पत्र' से सम्मानित किया गया है।

एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) हैदराबाद परिसर के बी. डेस की छात्रा सुश्री उप्पलुरी समीरा ने प्रतियोगिता के दौरान 'प्रोटेक्टिव फैब्रिक्स' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसे वोलो यूनिवर्सिटी (केआईओटी) स्टूडेंट टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन क्लब, इथियोपिया द्वारा आयोजित किया गया था।

एफडीडीआई के हैदराबाद परिसर के संकाय श्री के. हरीश कुमार और डॉ. अनुप्रिया सिंह के मार्गदर्शन में सुश्री उप्पलुरी, ने प्रतियोगिता के दौरान अपना पेपर प्रस्तुत किया, जिसमें विभिन्न देशों के छात्रों ने विभिन्न विषयों पर अपने पेपर भी प्रस्तुत किए।

सुश्री उप्पलुरी समीरा, बी.डेस, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर की छात्रा

'बेस्ट प्रेजेंटर अवॉर्ड सर्टिफिकेट'

वोलो विश्वविद्यालय इथियोपिया में दूसरी पीढ़ी के विश्वविद्यालयों के समूह के बीच निर्मित संघीय विश्वविद्यालयों में से एक है। अमहारा राज्य के दक्षिण वोलो क्षेत्र में स्थित होने के कारण, विश्वविद्यालय को देश की प्रशिक्षित जनशक्ति की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सीखने और अनुसंधान का केंद्र बनने के लिए डिजाइन किया गया है।

एफडीडीआई परिसरों में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया '8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'

एफडीडीआई के सभी परिसरों में 21 जून, 2022 को '8 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

इसके महत्व को चिह्नित करने एवं योग के कई लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, संयुक्त राष्ट्र ने दिसंबर 2014 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के उत्सव के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित विषय 'मानवता के लिए योग' था।

कोविड–19 महामारी के कारण उत्पन्न कठिन समय के दौरान, लाखों लोगों ने स्वस्थ रहने, अवसाद और मानसिक चिंता को दूर करने के लिए योग को अपने साथी के रूप में अपनाया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में आसन करते कर्मचारी

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में योग करते कर्मचारी

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में, सत्र का संचालन प्रसिद्ध योग गुरु श्री आदर्श तोमर, प्रवक्ता–योग विभाग, लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा किया गया। योग गुरु ने जीवन में योग के महत्व के बारे में बताया, सुक्षम वयम, योग क्रिया और वयम के बीच का अंतर और कार्यक्रम ध्यान और विश्राम सत्र के साथ समाप्त हुआ।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में आसन करते कर्मचारी

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में योग करते कर्मचारी

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में, डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर से योग स्ट्रीम के एक योग्य पेशेवर डॉ नूपुर और श्री जयंत सांखला ने लगभग 01 घंटे के योग सत्र का संचालन किया।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में आसन करते कर्मचारी

एफडीडीआई, बनूड़ परिसर में आसन करते कर्मचारी

एफडीडीआई, बनूड़ परिसर में, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के डॉ. अनुराग श्रीवास्तव (एनडीवाईडी) के कुशल मार्गदर्शन में योग सत्र आयोजित किया गया था। डॉ. श्रीवास्तव बिहार योग भारती से प्रशिक्षित हैं और योग और प्राकृतिक चिकित्सा में लगभग 15–18 वर्षों का अनुभव रखते हैं।

फुर्सतगंज परिसर में पतंजलि योग पीठ के योगाचार्य पीएन पथत्क ने योग सत्र का संचालन किया। उन्होंने कहा कि यदि लोग नियमित रूप से योग करें तो जीवन शैली की कई बीमारियों से बचा जा सकता है।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में योग करते कर्मचारी

एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर के कर्मचारी आसन करते हुए

उन्होंने बताया कि योग कोई धर्म नहीं है, यह जीने का तरीका है जिसका उद्देश्य स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन की ओर है। मनुष्य एक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक प्राणी हैय योग तीनों के बीच संतुलन विकसित करने में मदद करता है जैसा कि भारत में आयुर्वेद में कहा गया है।

विभिन्न परिसरों के लगभग 200–250 कर्मचारियों ने बड़े उत्साह और जोश के साथ योग सत्र में भाग लिया। सत्र विशेषज्ञ द्वारा स्वास्थ्य मुद्दों, चिंता और तनाव से संबंधित कर्मचारियों के कई प्रश्नों का भी उत्तर दिया गया। सत्र के बाद कर्मचारियों ने अपने दैनिक दिनचर्या में योग और ध्यान को शामिल करने के लिए अधिक आराम, शांत और प्रेरित महसूस किया।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर ने अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा ने कोयला खदान क्षेत्र के विस्थापित और बेरोजगार युवाओं के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एफडीडीआई की ओर से श्री प्रदीप मंडल, एचओडी–फैशन डिजाइन (एफडी) और सेंटर इंचार्ज, एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए, जबकि डब्ल्यूसीएल की ओर से श्री पीएस देशपांडे, महाप्रबंधक (एचआरडी), कोल एस्टेट, सिविल लाइंस, नागपुर ने 10 जून 2022 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

क्र. सं.	समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान उपस्थित अधिकारी	संगठन
01	श्री पी.एस. देशपांडे (महाप्रबंधक–प्रति–मानव संसाधन विकास)	डब्ल्यूसीएल–नागपुर
02	श्री नितिन सक्सेना (मुख्य प्रबंधक–मानव संसाधन विकास)	डब्ल्यूसीएल–नागपुर
03	श्री आर.एस.गुप्ता (प्रभारी–एसडीसी, मुख्य प्रबंधक–मानव संसाधन विकास)	डब्ल्यूसीएल–नागपुर
04	श्री प्रदीप मंडल (विभागाध्यक्ष–एफडी एवं केंद्र प्रभारी)	एफडीडीआई, छिंदवाड़ा
05	डॉ विनीत कुमार वर्मा संकाय (आरएफएम)	एफडीडीआई, छिंदवाड़ा
06	श्री आशीष वानखेड़े (एएम–एसए और ईए)	एफडीडीआई, छिंदवाड़ा

कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी 'मिनीरत्न कैट–1' डब्ल्यूसीएल ने अपनी घोषित सीएसआर नीति के संबंध में एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के माध्यम से डब्ल्यूसीएल के कमांड क्षेत्रों के 60 युवाओं को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए परियोजना शुरू की।

एमओयू के अनुसार, एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) तथा फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) में आवासीय अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक चार महीने की अवधि का होगा।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद डब्ल्यूसीएल और एफडीडीआई के अधिकारी

पदोन्नति पत्रक

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तौर–तरीके और शुल्क संरचना, चयन मानदंड, पोस्ट प्रशिक्षण सहायता, कार्य योजना, बौद्धिक संपदा अधिकार, प्रचार और दोनों संगठनों की भूमिका और जिम्मेदारियों को भी समझौता ज्ञापन में शामिल किया गया।

परियोजना के पूरा होने का निर्धारित समय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तारीख से बारह महीने का है।

अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के पहले बैच में आरएफएम में 30 छात्र और एफडीपी में 30 छात्र शामिल हैं।

एफडीडीआई के नोएडा परिसर में 'डिजाइन मैराथन 2.0' का आयोजन

डिजाइन मैराथन 2.0' 08 जून 2022 को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में आयोजित किया गया था, जिसे एफडीडीआई द्वारा 'फाउंडेशन बैच' के छात्रों के डिजाइन, नवाचार और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने एवं उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार तकनीकी–डिजाइनिंग क्षमताओं को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और डिजाइन में विद्वानों एवं वरिष्ठ विशेषज्ञों से युक्त जूरी के सामने अपने सेमेस्टर व्यावहारिक परियोजनाओं का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के लोग, संकाय सदस्य और कर्मचारी तथा मीडियाकर्मी भी शामिल हुए।

डिजाइन मैराथन 2.0' के दौरान, छात्रों ने अपने 'डिजाइन थिंकिंग और डिजाइन मेथड्स' सेमेस्टर परियोजनाओं का प्रदर्शन किया, जिसने छात्रों को 11 वास्तविक समय के सामाजिक कारणों पर अपने अभिनव समाधान और प्रोटोटाइप प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान किया। यह यह भी दर्शाता है कि किसी उत्पाद या सेवा के साथ इंटरैक्ट करते समय उपयोगकर्ता किस स्थिति से गुजरता है।

'डिजाइन थिंकिंग एंड डिजाइन मेथड्स' आधारित घरेलू पालतू जानवरों के लिए एक्सेसरी रेंज का अन्वेषण, ट्रकों में जानवरों को लंबी दूरी तक ले जाने के लिए मॉड्यूलर समाधान, पेशेवरों के लिए कहीं से भी काम करने के लिए समाधान, पैराप्लेजिक लोगों के लिए डिजाइन जो यात्रा करना पसंद करते हैं– एकल कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षा में सुधार के लिए समाधान, फेरीवालों के लिए अगली पीढ़ी की वेंडिंग गाड़ी, अंतिम यात्रा सार्वजनिक परिवहन के लिए इलेक्ट्रिक वाहन समाधान, महामारी के आलोक में धार्मिक स्थलों के लिए अद्यतन पारिस्थितिकी तंत्र, वरिष्ठ नागरिकों के लिए चिकित्सा प्रशासन समाधान, प्रीमियम फुटवियर खरीदारों– उपयोगकर्ताओं के भविष्य का अनुभव और अंधे लोगों के लिए दैनिक जरूरतों की सहायता करने के लिए समाधान पर 11 परियोजनाएं शामिल थीं।

प्रतिष्ठित जूरी सदस्यों में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर सुभाशीष माजी, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) के प्रतिष्ठित मानद प्रोफेसर एवं आईआईटी बॉम्बे के स्कूल ऑफ डिजाइन के प्रतिष्ठित विजिटिंग प्रोफेसर श्री ललित कुमार दास, एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के प्रमुख अनूप सिंह राणा, एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), जूनियर कंसल्टेंट, डॉ प्राची शर्मा, और एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) जूनियर फैकल्टी, डॉ सुशीला शामिल थे, जिन्होने प्रत्येक डिजाइन का अवलोकन किया।

जूरी सदस्य छात्रों द्वारा किए गए काम का बातचीत और विश्लेषण

पुरस्कार वितरण समारोह का एक दृश्य

'डिजाइन मैराथन 2.0' का आयोजन एफडीडीआई के संकाय द्वारा श्री अमित सभरवाल के महत्वपूर्ण योगदान के साथ किया गया था, जिन्हें विभिन्न उपभोक्ता केंद्रित डिजाइन डोमेन में विश्व स्तर पर रचनात्मक और रणनीतिक परियोजनाओं में व्यापक अनुभव है।

व्यापक भागीदारी और जागरूकता के लिए पूरे कार्यक्रम को यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीम किया गया। एफडीडीआई के सभी परिसरों के छात्रों और संकायों को उनके संबंधित परिसरों में डिजिटल कक्षा में ऑन–लाइन माध्यम से जोड़ा गया था।

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर, के संकाय का डिजाइन संरक्षण, भारतीय पेटेंट कार्यालय जर्नल में दायर एवं प्रकाशित

बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) अधिनियम का लाभ उठाने के लिए, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के एक डिजाइन संकाय ने भारतीय पेटेंट कार्यालय जर्नल में एक डिजाइन संरक्षण दायर और प्रकाशित किया है।

एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के डिजाइन फैकल्टी श्री अब्दुल रहुमन एम, जिन्हें शिक्षा और उद्योग में 10 से अधिक वर्षों का अनुभव है, ने कुरुक्कू वेट्टू डर्बी के अपने अभिनव डिजाइन को भारतीय पेटेंट कार्यालय, बौद्धिक संपदा भवन, कोलकाता को प्रस्तुत किया।

कुरुक्कू वेट्टू (ट्रांसवर्स–कट का तमिल नाम) डर्बी के डिजाइन को केवी डर्बी के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें विषमता डिजाइन में केवल दो कंपोनेंट होते हैं। इस डिजाइन की प्रेरणा हाथी की सूंड से ली गई है।

इस डिजाइन की अतिरिक्त सुविधा उपयोगकर्ता को बिना फीता बांधे जूता पहनने की अनुमति देती है। इस अभिनव डिजाइन को नवीनता के कथन के मानक रूप के साथ डिजाइन सुरक्षा के लिए लागू किया गया है, जो कि वर्ग संख्या 02–04 के अंतर्गत है।

श्री अब्दुल रहुमन एम,
जूनियर फैकल्टी,
एफडीडीआई हैदराबाद

The Patent Office Journal No. 21/2022 Dated 27/05/2022

DESIGN NUMBER	358034-001
CLASS	02-04
ABDUL RAHUMAN M FOOTWEAR DESIGN & DEVELOPMENT INSTITUTE, SY. NO. 6-8, LIDCAP NILEX CAMPUS, HS DARGA, RAIDURGAM, GACHIBOWLI RD, HYDERABAD, TELANGANA-500008, INDIA	
DATE OF REGISTRATION	07/02/2022
TITLE	DERBY SHOE
PRIORITY NA	

डिजाइन का स्क्रीनशॉट भारतीय पेटेंट कार्यालय जर्नल नंबर में दायर किया गया है।
दिनांक 21/2022 दिनांक 27/05/2022।

तकनीकी परीक्षण के बाद, डिजाइन संरक्षण आवेदन संख्या 358034–001 को भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा 25.05. 2022 को स्वीकार किया गया था। इसके अलावा, यह डिजाइन संरक्षण भारतीय पेटेंट कार्यालय जर्नल संख्या 21ध्2022 दिनांक 27 मई 2022, पृष्ठ संख्या 33225 में प्रकाशित किया गया था।

एफडीडीआई के फुर्सतगंज परिसर में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' पर शिक्षा सम्मेलन आयोजित

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' (एनईपी 2020) पर शिक्षा सम्मेलन 20 मई 2022 को एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर द्वारा आयोजित किया गया था।

विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्यों, अमेठी और रायबरेली जिलों के प्रतिष्ठित कोचिंग संगठनों के निदेशकों ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए।

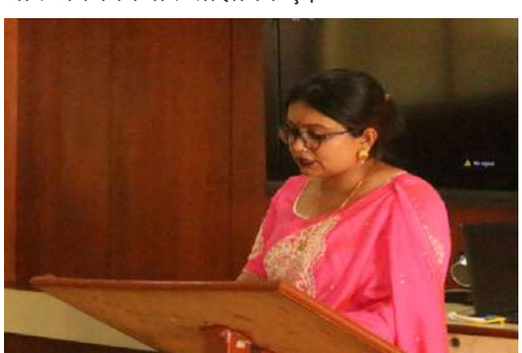

श्री हेमकुंड पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य सुश्री आस्था सिंह ने अपने विचार साझा किए।

सम्मेलन प्रगति पर

श्री हेमकुंड पब्लिक स्कूल के प्रबंध निदेशक पुष्पिंदर सिंह गांधी, श्री हेमकुंड पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य आस्था सिंह, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) स्कूल के प्रिंसिपल धीरज सिन्हा, रायबरेली कोचिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रम सिंह, रायबरेली के मोशन कोटा कोचिंग के निदेशक आलोक सिंह ने सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मेलन के दौरान, वक्ताओं ने एनईपी 2020 के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जो राष्ट्र के भविष्य के विकास के लिए तैयार है।

इस बात पर भी जोर दिया गया कि आज के शैक्षिक परिदृश्य को अपने तरीकों में रचनात्मक बनाने की आवश्यकता है ताकि तकनीकी और व्यावसायिक कौशल विकास कार्यक्रमों को अधिक लाभकारी और रोजगार उन्मुख बनाया जा सके और छात्रों को इस तरह से तैयार किया जा सके कि यह आर्थिक विकास और उत्पादकता को बढ़ावा दे।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज के छात्र ने सीआईआई यंग इंडियंस द्वारा आयोजित 'लोगो डिजाइन' प्रतियोगिता में बाजी मारी

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) यंग इंडियंस (वाईआई) द्वारा आयोजित लोगो डिजाइन प्रतियोगिता में एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर के छात्र श्री नमन अग्रवाल को विजेता घोषित किया गया।

श्री नमन अग्रवाल

Yi UTSAV
The Spirit of Young Indians

लोगो श्री नमन अग्रवाल द्वारा डिजाइन किया गया

श्री नमन अग्रवाल को दिया गया उपलब्धि प्रमाण पत्र

एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफएसएफडी एंड पी) 2019 बी. डेस बैच के छात्र द्वारा डिजाइन किए गए जीवंत और ऊर्जावान लोगो को उत्सव लोगो के लॉन्च के दौरान ग्रेटर नोएडा में आयोजित यी फर्स्ट गवर्निंग काउंसिल मीटिंग, 2022 में सीआईआई द्वारा लोगो प्रतियोगिता के विजेता के रूप में घोषित किया गया था।

लोगो ऊर्जा और उत्साह से भरे युवाओं का प्रतिनिधित्व करता है। डिजाइन में 75 नंबर का एक आधार स्तंभ है, जो इस तरह से जुड़ा हुआ है कि जिसका परिणाम अपनी 75 वीं वर्षगांठ पर युवा भारत की भावना और दृष्टि का प्रतिनिधित्व करता है। विभिन्न रंग एक भूमि में विभिन्न कौशल, परंपराओं, संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं जो आपस में विलय हो जाते हैं और अतुल्य भारत बनाते हैं।

भारत के युवा अपने कौशल एवं दृढता से दुनिया का नेतृत्व करेंगे। लोगो में तिरंगा एक युवा को राष्ट्रीय ध्वज पकड़े हुए ऊपर एवं अग्रसर होने का प्रतिनिधित्व करता है। सीआईआई, यंग इंडियन डिवीजन ने प्रगतिशील भारत के 75 वर्षों का जश्न मनाने तथा कार्यक्रमों की एक श्रृंखला की योजना बनाई। उन्होंने ''उत्सव भारत @75'' के लिए लोगो बनाने में छात्रों की भागीदारी को आमंत्रित किया है।

वर्ष 2022 के लिए विषयः ''यी उत्सव'' जो यी के 20 वें वर्ष और भारतीय स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष को चिह्नित करता है, जो परिवर्तन के लिए अग्रणी होने के माध्यम से उत्कृष्टता का जश्न मनाने के लिए समर्पित है, जो सहयोग की भावना को मजबूत करता है जो यी को महत्वपूर्ण संगठन बनने में अग्रणी बनाता है।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर द्वारा 'फैशन भव्यता–22' का आयोजन

एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर द्वारा 20 मई 2022 को, एक फैशन शो, 'फैशन भव्यता –22' का आयोजन किया गया था।

कार्यक्रम के दौरान, फैशन डिजाइन बैच 2018 के स्नातक छात्रों, फैशन डिजाइन बैच 2019 के छात्रों द्वारा चमड़े और ड्रेपिंग वस्त्रों के संग्रह का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही, फुटवियर डिजाइन बैच 2019 के छात्रों द्वारा फुटवियर डिजाइन संग्रह की एक श्रेणी भी प्रदर्शित की गई थी।

छात्रों ने प्रस्तुत किया अपना संग्रह

गणमान्य व्यक्तियों के साथ छात्र

इस अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के निदेशक कृष्णेंदु गुप्ता, राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय के प्रमुख अकादमिक डॉ. जीके चौकियाल, राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय के कुलपति के सलाहकार संजीव बहल, निफ्ट, रायबरेली के निदेशक डॉ. भरत शाह, आईटीआई लिमिटेड के महाप्रबंधक सुनील डोभाल जैसे गणमान्य व्यक्ति एवं उद्योग और मीडियाकर्मी। उपस्थित थे।

इस भव्य आयोजन के दौरान, छात्रों ने 'रिवायत–ए–लखनऊ', 'आउट ब्रेक लेसन', 'ग्रैफिटी', 'मोंटेज मोजेक' और 'राशि चक्र' जैसे विषयों पर 25 दृश्यों में अपना संग्रह प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के दौरान, फुटवियर डिजाइन बैच 2019 के छात्रों द्वारा डिजाइन किए गए एक फुटवियर संग्रह को भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें डिजाइन पेश करने के लिए छात्रों द्वारा बनाई गई पृष्ठभूमि और फिक्स्चर शामिल थे।

'फैशन भव्यता–22' ने सभी स्नातक छात्रों को अपने शानदार संग्रह एवं अपने तकनीकी कौशल को 'गेस्ट ऑफ ऑनर' तथा उद्योग के पेशेवरों के सामने प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया गया।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में 'उद्योग उन्मुखीकरण' पर संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में 20 मई 2022 को, 'उद्योग उन्मुखीकरण' पर एक संवाद सत्र आयोजित किया गया था।

सत्र का एक दृश्य

श्री सी. चंद्रशेखर और श्री वी. मोहम्मद थामीम को एफएसएफडी एंड पी के संकाय और कर्मचारियों द्वारा सम्मानित करते हुए

सत्र का आयोजन एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफएसएफडी एंड पी) द्वारा किया गया था और इसका संचालन श्री सी चंद्र सेकर, उपाध्यक्ष (वीपी) एवं श्री वी एमडी थामीम बाशा, केएच एक्सपोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फुटवियर डिवीजन के एचआर मैनेजर द्वारा किया गया था।

श्री सी चंद्रशेखर, केएच एक्सपोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के उपाध्यक्ष और सीएलआरआई से बीटेक लेदर टेक्नोलॉजिस्ट हैं और अन्ना विश्वविद्यालय से एम.टेक फुटवियर भी कर चुके हैं, उन्हें अधिकांश प्रमुख चमड़े के फुटवियर निर्माण कंपनियों के संचालन के प्रबंधन में 34 से अधिक वर्षों का अनुभव है। श्री वी एमडी थमीम 15 वर्षों के अनुभव के साथ फुटवियर उद्योग में एक मानव संसाधन पेशेवर हैं।

सत्र के दौरान, उन्होंने छात्रों को फुटवियर उद्योग के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी और संभावित उम्मीदवारों से उद्योग की वर्तमान अपेक्षाओं के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें कौशल सेट भी शामिल हैं, जिनकी उद्योग को फ्रेशर्स से आवश्यकता है।

एफडीडीआई, रोहतक के छात्रों ने जालंधर लेदर, फुटवियर एवं संबद्ध उद्योग और संस्थान का औद्योगिक दौरा

एफडीडीआई, रोहतक परिसर ने 09 और 10 मई 2022 को जालंधर लेदर, फुटवियर एवं संबद्ध उद्योगों में एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के अपने छात्रों को एक औद्योगिक दौरा आयोजित किया।

एफडीडीआई के संकाय की देखरेख एवं मार्गदर्शन में, छियालीस छात्रों के एक समूह ने निविया स्पोर्ट्स इंडस्ट्रीज, लैमसन इंडस्ट्रीज, केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई) और जे डी लेदर प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया।

इस यात्रा का उद्देश्य छात्रों को लेदर, फुटवियर एवं संबद्ध उद्योगों के पेशेवर कामकाजी माहौल से अवगत कराना और परिचित कराना था, इसके अलावा उन्हें नवीनतम तकनीकी विकास, घरेलू और निर्यात बाजार के लिए विनिर्माण प्रक्रिया से परिचित कराना और उन्हें भौतिक और रासायनिक परीक्षण की व्यावहारिकता को समझने का अवसर प्रदान करना था।

निविया स्पोर्ट्स इंडस्ट्रीज में अपने संकाय सदस्यों के साथ छात्र

निविया स्पोर्ट्स इंडस्ट्रीज में गैर–चमड़े के जूते (हवाई चप्पल) की विनिर्माण प्रक्रिया को देखते हुए छात्र

संबंधित औद्योगिक इकाई में, छात्रों को कारखाने के विशेषज्ञों द्वारा निर्देशित किया गया, जिन्होंने, उन्हें समझाया तथा संबंधित कारखानों में उत्पाद बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी और मशीनों की प्रासंगिकता पर भी प्रकाश डाला।

सीएलआरआई में भौतिक परीक्षण को देखते छात्र

जे डी लेदर प्राइवेट लिमिटेड में टेनरी में हो रही प्रक्रिया को देख रहे छात्र अपने संकाय सदस्यों के साथ।

इस यात्रा के माध्यम से, छात्रों को विभिन्न सामग्रियों के परीक्षण की प्रक्रिया को समझने के अलावा विनिर्माण, स्थायी संचालन के अनुक्रम, गुणवत्ता नियंत्रण, आपूर्ति श्रृंखला रसद, टैनिंग प्रक्रिया और विभिन्न प्रकार के लेदर की फिनिशिंग, रसायनों की विविधता, मशीनरी एवं तकनीक, फर्मा बनाने की प्रक्रिया, 3 डी डिजिटलीकरण तथा औद्योगिक इकाइयों के अन्य प्रमुख संचालन जैसे विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों के बारे में जानने का अवसर मिला।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर ने 'स्केचिंग प्रतियोगिता' पुरस्कार समारोह का आयोजन किया

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर ने 19 मई 2022 को, ईस्टर्न जर्नल कल्चरल सेंटर (ईजेडसीसी), साल्ट लेक, कोलकाता में 'स्केचिंग प्रतियोगिता' के विजेताओं के लिए एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया।

'स्केचिंग प्रतियोगिता' का आयोजन अजंता शूज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 20 दिसंबर 2021 से 20 जनवरी 2022 तक किया गया था। स्केचिंग क्षमताओं को प्रोत्साहित करने तथा बढ़ावा देने के लिए एफडीडीआई के सभी परिसरों में एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के माध्यम से फुटवियर कार्यक्रमों में शिक्षा पाने वाले छात्रों की रचनात्मकता को उजागर करने के लिए इसकी स्थापना की गई थी।

सुश्री निचिता पाल ने श्री मनीष शर्मा, पी.डी. – हेड से पुरस्कार प्राप्त किया

बाएं से: श्री साग्निक बानिक, एमडी और श्री जेसी चटर्जी, निदेशक विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए

'स्केचिंग प्रतियोगिता' के दौरान, पुरुष, महिला या बच्चों की श्रेणी के तहत, सैंडल, चप्पल या स्पोर्ट्स शूज थी, इन उप–श्रेणी पर बाजार अनुसंधान और विश्लेषण द्वारा समर्थित वर्तमान भारतीय रुझानों के आधार पर डिजाइन बनाया जाना था।

विजेताओं को अभिनव डिजाइन के आधार पर चुना गया था जो स्थिरता का समर्थन करता है, जिसमें जैव–अपघटन और पर्यावरण के अनुकूल सामग्री थी।

क्र.सं.	विजेता का नाम	एफडीडीआई परिसर	पुरस्कार
01	सुश्री निचिता पाल	कोलकाता	प्रथम (ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और 10,000 / – रुपये का नकद पुरस्कार)
02	श्री नमन अग्रवाल	फुर्सतगंज	द्वितीय (ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और 7,000 रुपये का नकद पुरस्कार)
03	सुश्री प्रज्ञा	कोलकाता	तृतीय (ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार)
04	श्री अश्वथी के. अजय	नोएडा	उपविजेता (प्रत्येक को 1,000 रुपये का प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार)
05	सुश्री अनिंदिता होरे	कोलकाता	
06	सुश्री साइमा मोदक	कोलकाता	
07	सुश्री सुप्रिया दत्ता	कोलकाता	

इस अवसर पर अजंता शूज के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री साग्निक बानिक, निदेशक श्री जेसी चटर्जी, पीडी हेड श्री मनीष शर्मा और महाप्रबंधक –मानव संसाधन, आईआर और एडमिन श्री बिबेक बनर्जी उपस्थित थे।

एफडीडीआई को सीएसआर 'शिक्षा में उत्कृष्टता' पुरस्कार मिला

एफडीडीआई को प्रतिष्ठित प्रतियोगिता सफलता समीक्षा (सीएसआर) 'शिक्षा में उत्कृष्टता' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सीएसआर ने विश्व स्तरीय कैरियर उन्मुख शिक्षा प्रदान करने में योगदान के लिए एफडीडीआई को शिक्षा उत्कृष्टता में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया।

सीएसआर 'मेरिट प्रमाण पत्र' और पुरस्कार एफडीडीआई को दिया गया

श्री संदीप भाटिया, डीजीएम, एसए एंड ईडी पुरस्कार प्राप्त करते हुए

सीएसआर भारत की प्रमुख करंट अफेयर्स एवं करियर पत्रिका है। यह अब प्रकाशन के अपने 60 वें वर्ष में है और एबीसी के अनुसार लगभग 4 दशकों से अग्रणी है। यह प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।

एफडीडीआई को सीएसआर द्वारा 15 मई 2022 को होटल ली मेरिडियन, विंडसर प्लेस, जनपथ, नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार समारोह के दौरान फुटवियर एवं लेदर के उत्पादों के डिजाइन और विकास से संबंधित सभी विषयों में शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण में गुणवत्ता और उत्कृष्टता के प्रचार और विकास के लिए तथा उससे संबंधित मामलों के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया है।

एफडीडीआई की ओर से छात्र कार्य एवं परीक्षा विभाग (एसएएंडईडी) के डीजीएम श्री संदीप भाटिया ने पुरस्कार प्राप्त किया।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्र को 'मोइट्री डिबोश' पर आयोजित (ऑनलाइन) राष्ट्रीय लोगो और पृष्ठभूमि प्रतियोगिता में प्रोत्साहन पुरस्कार मिला

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्र श्री आशीष राज को 'लोगो और पृष्ठभूमि' प्रतियोगिता के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसे भारत और एचसीआई, ढाका (भारतीय उच्चायोग, बांग्लादेश) द्वारा संयुक्त रूप से 6 दिसंबर को 'मोइट्री डिबोश' के रूप में मनाने के लिए आयोजित किया गया था।

6 दिसंबर 1971 को, भारत ने औपचारिक रूप से एक स्वतंत्र बांग्लादेश को मान्यता दी थी, जो उत्पीड़न से मुक्ति के लिए बंगाली लोगों के नौ महीने लंबे संघर्ष बाद हुआ था। इतिहास में इस ऐतिहासिक दिन को संजोने के लिए, भारत और बांग्लादेश की सरकारों ने इस दिन को 'मोइट्री दिबोश' के रूप में मनाने का फैसला किया।

इस दिन को भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी द्वारा मार्च 2021 में बांग्लादेश–भारत मैत्री दिवस (मोइट्री डिबोश) के रूप में नामित किया गया था।

श्री आशीष राज द्वारा बनाया गया एवं ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया लोगो, पृष्ठभूमि बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की भावना, बांग्लादेशी संघर्ष की विचारधारा, दृष्टि और भारत के लोगों द्वारा इस संघर्ष के लिए विस्तारित भाईचारे तथा एकजुटता की भावना का प्रतिनिधित्व करता है।

श्री आशीष राज पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्राप्त करते

श्री आशीष राज द्वारा डिजाइन की गई पृष्ठभूमि

भारत के विदेश सचिव श्री हर्षवर्धन श्रृंगला और भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त श्री मुहम्मद इमरान ने एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफएसएफडी) बैच –2019, सेमेस्टर –6 के छात्र श्री आशीष राज एवं अन्य विजेताओं को नवंबर 2021 के महीने में ऑनलाइन आयोजित 'मोइट्री डिबोश' लोगो और पृष्ठभूमि प्रतियोगिता के पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया।

विजेताओं को बांग्लादेश उच्चायोग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में 25 अप्रैल 2022 को सुबह 11.00 बजे आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया।

एफडीडीआई परिसरों में 'सिंगल यूज प्लास्टिक के उन्मूलन' पर जागरूकता अभियान आयोजित

प्लास्टिक का अव्यवस्थित निपटान पर्यावरण के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है और यह समय की मांग है कि एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के उन्मूलन के लिए एक व्यापक कार्य योजना का विकास हो।

इस संबंध में, एफडीडीआई के सभी परिसरों में 'एकल–उपयोग प्लास्टिक का उन्मूलन' पर एक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया था। जागरूकता अभियान के दौरान, 04 एवं 05 मई 2022 को निबंध और हैकाथॉन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

निबंध प्रतियोगिता में विभिन्न परिसरों के कुल 140 छात्रों ने भाग लिया, जिसके दौरान दस छात्रों ने प्रथम पुरस्कार, 1000 रुपये, इसी प्रकार, दस द्वितीय पुरस्कार, 750 रुपये और नौ तृतीय पुरस्कार 500 रुपये पुरस्कार के रूप में दिए गए।

निबंध प्रतियोगिता का एक दृश्य

हैकाथॉन प्रतियोगिता के दौरान प्रस्तुति देते छात्र

हैकाथॉन प्रतियोगिता के लिए, प्रतिभागियों को वैकल्पिक सामग्री, रीसाइक्लिंग, चक्रीय अर्थव्यवस्था आदि के क्षेत्रों में बढ़ावा देने के लिए अपने विचारों को पेश करना था। इस आयोजन के लिए प्रतिभागियों की कुल संख्या अट्ठावन थी जबकि एक टीम में – 5 छात्र थे। इस प्रतियोगिता के लिए विजेता टीमों की संख्या सात थी। प्रत्येक परिसर के छात्रों से सर्वश्रेष्ठ विचार के लिए पुरस्कार 2000 रुपये था।

एफडीडीआई में साइबर जागरूकता दिवस (सीजेडी) आयोजित

साइबर अपराधों को रोकने और जनता के बीच, विशेष रूप से कमजोर वर्गों और समूहों के बीच 'साइबर स्वच्छता' पर निरंतर जागरूकता पैदा करने के लिए, 'साइबर जागरूकता (जागरूकता) दिवस (सीजेडी) मनाने के लिए एफडीडीआई, नोएडा परिसर में एक साइबर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। एफडीडीआई के अन्य सभी 11 परिसर अपने संबंधित परिसरों में डिजिटल कक्षा से ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला में शामिल हुए।

श्री धर्मेंद्र जायसवाल, प्रबंधक, आईटीएससी, एफडीडीआई साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी देते

कार्यशाला के दौरान ऑनलाइन जुडें एफडीडीआई परिसरों का एक दृश्य

कार्यशाला सत्र का संचालन एफडीडीआई के सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र (आईटीएससी) के प्रबंधक धर्मेंद्र जायसवाल ने किया।

सत्र के दौरान, श्री धर्मेंद्र ने साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए, ऑनलाइन सुरक्षा सर्वोत्तम विधियों, साइबर सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सक्रिय कदम उठाने एवं विभिन्न विषयों पर भी जानकारी स्पष्ट की, जिसमें फिशिंग, स्पैमिंग, जानकारी साझा करना एवं धोखेबाजों द्वारा धन की हेराफेरी को रोकने के लिए चेतावनी संकेतों को पहचानना शामिल था।

सत्र के दौरान, श्री धर्मेंद्र ने साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए, ऑनलाइन सुरक्षा सर्वोत्तम विधियों, साइबर सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सक्रिय कदम उठाने एवं विभिन्न विषयों पर भी जानकारी स्पष्ट की, जिसमें फिशिंग, स्पैमिंग, जानकारी साझा करना एवं धोखेबाजों द्वारा धन की हेराफेरी को रोकने के लिए चेतावनी संकेतों को पहचानना शामिल था।

एफडीडीआई, नोएडा में 'बौद्धिक संपदा अधिकार–आवश्यकता, महत्व, फिलिंग एवं केस स्टडीज के साथ अधिग्रहण' पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गई

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 29 अप्रैल, 2022 को 'बौद्धिक संपदा अधिकार–आवश्यकता, महत्व, फिलिंग एवं केस स्टडीज के साथ अधिग्रहण' पर एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गई।

एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एसेसरीज डिजाइन (एफएसएलजीएडी) द्वारा आयोजित सत्र का संचालन एसोसिएटेड चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचौम) के श्री नाहिद आलम और श्री विजयकुमार शिवपुजे ने किया।

जबकि श्री नाहिद आलम एसोचौम के संयुक्त निदेशक एवं आईपीआर परिषद के प्रमुख हैं, जो विनिर्माण और पूंजीगत सामान, गुणवत्ता तथा उत्पादकता, लेदर एवं फुटवियर, खेल और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण नीतिगत क्षेत्रों के लिए जान जाते हैं, श्री विजयकुमार शिवपुजे आईपीआर लीड, आईपीएफसी, एसोचौम, मेंटर, स्टार्ट–अप इंडिया, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार में हैं।

सत्र ने इस बात पर उत्कृष्ट जानकारी दी कि कैसे बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) एक डिजाइनर के जीवन और व्यावसायिक विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

दोनों वक्ताओं ने आईपीआर से संबंधित विभिन्न कानूनों के बारे में ज्ञान दिया और पेटेंट से संबंधित कई मिथकों और गलत धारणाओं को दूर किया जो आने वाले भविष्य में एफडीडीआई छात्रों के लिए सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करेंगे।

कार्यशाला का दृश्य

यह सत्र एफडीडीआई के 12 परिसरों और अन्य संस्थानों में छात्रों, संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों को आईपीआर पर अधिक स्पष्टता लाने में सफल रहा।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 'डिजिटल मार्केटिंग में उपभोक्ता व्यवहार' पर वेबिनार आयोजित

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 27 अप्रैल 2022 को 'डिजिटल मार्केटिंग में उपभोक्ता व्यवहार' पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था।

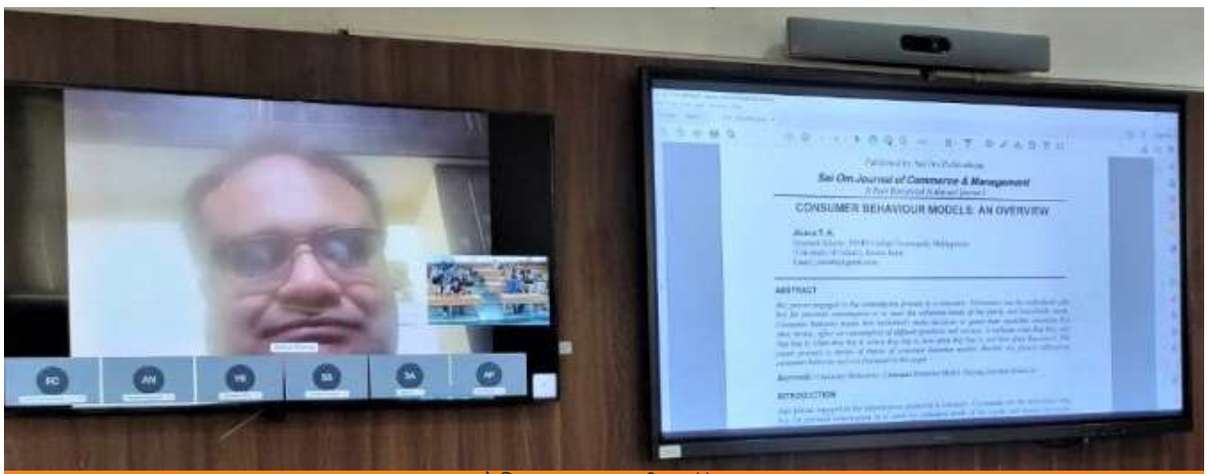

वेबिनार का स्क्रीनशॉट

यह एफडीडीआई स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) द्वारा आयोजित किया गया था, जिसके दौरान, डॉ आशीष शर्मा वक्ता के रूप मे थे।

डॉ. आशीष शर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट आरडी यूनिवर्सिटी, जबलपुर में वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर हैं। वह 3 पुस्तकों के लेखक एवं प्रबंधन के क्षेत्र में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

वेबिनार के दौरान, श्री शर्मा ने एक प्रस्तुति के माध्यम से बेहतर ऑनलाइन मार्केटिंग रणनीतियों के निर्माण के लिए उपभोक्ताओं के क्रय पैटर्न एवं निर्णय प्रक्रियाओं को समझने की आवश्यकता के बारे में जानकारी प्रदान की।

एफडीडीआई, अंकलेश्वर को दिव्य भास्कर का 'एमिनेंस अवार्ड्स 2022' मिला

एफडीडीआई, अंकलेश्वर को 12 अप्रैल 2022 को गुजरात के भरूच के होटल रंग लॉर्ड्स इन में आयोजित एक पुरस्कार समारोह में दिव्य भास्कर के 'एमिनेंस अवार्ड्स 2022' से सम्मानित किया गया है।

एफडीडीआई की ओर से श्री प्रमोद सालुंखे, वरिष्ठ संकाय – फुटवियर और श्री मानसिंह डेहरिया, सहायक प्रबंधक – आईटीएससी ने पुरस्कार प्राप्त किया।

एफडीडीआई अंकलेश्वर परिसर के छात्र–छात्राओं को मिला पुरस्कार

डी बी कॉर्प लिमिटेड के स्वामित्व वाला दिव्य भास्कर समाचार पत्र, एबीसी– ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन (इंडिया) के अनुसार गुजरात का सबसे बड़ा प्रसारित दैनिक समाचार पत्र है एवं गुजरात में सभी समाचार पत्रों के मुकाबले में इसके सबसे अधिक संस्करण है।

यह पुरस्कार शिक्षा, चिकित्सा, इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, रियल एस्टेट एवं आतिथ्य उद्योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान और समर्पण के लिए दिया गया।

एफडीडीआई को भरूच जिले के अंकलेश्वर में शैक्षणिक गतिविधियों के प्रदर्शन एवं समाज के लाभ हेतु महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पुरस्कार समारोह के दौरान, भरूच जिले के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों द्वारा नृत्य प्रदर्शन किया तथा एफडीडीआई अंकलेश्वर के छात्रों ने भी मनमोहक नृत्य प्रदर्शन प्रस्तुत किया एवं दर्शकों से खड़े होकर सराहना मिली तथा इसके लिए पुरस्कार भी मिला।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों ने अजंता शूज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता फैक्ट्री का दौरा

फुटवियर निर्माण के बारे में ज्ञान एकत्र करने, कारखाने में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम विधियों से परिचित होने एवं सीखने के लिए, एफडीडीआई, कोलकाता परिसर के 39 छात्रों के एक बैच को अजंता शू (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता में कारखाने का दौरा करने के लिए ले जाया गया।

एफडीडीआई के अत्यधिक अनुभवी संकाय के मार्गदर्शन में, एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के छात्रों को 12 एवं 13 अप्रैल 2022 को कारखाने के दौरे के लिए ले जाया गया।

अजंता शूज एक 65 साल पुरानी प्रमुख फुटवियर कंपनी है, जो उद्योग में अटूट विश्वास रखता है। कंपनी के पूरे भारत में लगभग 1000 डीलर एवं उप–डीलर हैं, तथा पूरे भारत में 20,000 रिटेल विक्रेता हैं। कंपनी की कोलकाता के आसपास तीन अत्याधुनिक उत्पादन इकाइयां हैं, जिनके नाम बोरालीघाट 1, बोरालीघाट 2 और जंगलपुर हैं, जहां यह सर्वश्रेष्ठ तकनीक का उपयोग करके फुटवियर बनाती है।

श्री अशरफुल, संचालन प्रमुख, श्री मनीष शर्मा और श्री अंजन चटर्जी, हेड प्रोडक्ट डेवलपमेंट (पीडी) और श्री प्रशांत, हेड स्पोर्ट शूज एंड स्टक–ऑन छात्रों को विभिन्न विभागों जैसे टेस्टिंग लैब, पीडी, कटिंग, क्लोजिंग, प्रिंटिंग, पीयू सेक्शन, पीवीसी सेक्शन, ईवीए सेक्शन, स्ट्रोबेल कंस्ट्रक्शन, अटक – निर्माण, कंपाउंडिंग, मार्केटिंग– मर्चेंडाइजिंग और पैकेजिंग कार्यक्षेत्र को दौरा के समय दिखाया गया।

कारखाने में एफडीडीआई के छात्र

अजंता शूज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड की तकनीकी टीम के साथ एफडीडीआई के छात्र।

इस यात्रा ने छात्रों को सिंथेटिक सामग्री, उत्पादों, रासायनिक रचनाओं, कंपाउंडिंग, मिश्रण, डिजाइनिंग, उत्पादन और विपणन के चयन तथा उपयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बनूर) परिसर में अंतर–कॉलेज प्रतियोगिता 'चंडीगढ़ डिजाइन प्रतियोगिता 2022' का आयोजन

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बनूर) परिसर में 12 अप्रैल 2022 को एक अंतर–कॉलेज प्रतियोगिता, 'चंडीगढ़ डिजाइन प्रतियोगिता 2022' आयोजित की गई।

इसका आयोजन एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), चंडीगढ़ द्वारा किया गया था, जिसके दौरान सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ एवं ग्लोबल गैलेक्सी ग्रुप, अंबाला के छात्रों ने भाग लिया और अपने संग्रह का प्रदर्शन किया।

रैंप पर अपने कलेक्शन का प्रदर्शन करती एक छात्रा

पुरस्कार वितरण का एक दृश्य

अभिनव एवं मनोरम विषयों पर आधारित, नवोदित डिजाइनरों द्वारा कुल 11 अनुक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें एफडीडीआई चंडीगढ़ के छात्रों द्वारा 6, सुभारती विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा 2 और ग्लोबल गैलेक्सी ग्रुप के छात्रों द्वारा 3 प्रस्तुत किए गए।

सर्वश्रेष्ठ संग्रह का पुरस्कार सुभारती विश्वविद्यालय को दिया गया, जबकि एफडीडीआई चंडीगढ़ 2018 बैच एवं एफडीडीआई चंडीगढ़ 2019 बैच को उनके संग्रह के लिए क्रमशः दूसरा और तीसरा पुरस्कार मिला।

इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य आगम को एक चुनौती के साथ जोड़ना था जो छात्रों को दर्शकों के सामने अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष मंच प्रदान करता है जो उन्हें फैशन उद्योग में उत्कृष्टता प्राप्त करेगा।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'एमएसएमई– उद्यमिता विकास ऋण एवं योजनाएं' पर वेबिनार आयोजित किया गया

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 5 अप्रैल, 2022 को 'एमएसएमई– उद्यमिता विकास ऋण एवं योजनाएं' पर एक व्यावहारिक वेबिनार आयोजित किया गया।

वक्ताः श्री सेंथिल कुमार आर,

वेबिनार का स्क्रीनशॉट

वेबिनार का आयोजन एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) द्वारा किया गया, जिसके दौरान सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) – विकास संस्थान के उप निदेशक (लेदर फुटवियर विशेषज्ञ) श्री सेंथिल कुमार आर वक्ता के रूप में थे।

वेबिनार के दौरान, श्री सेंथिल ने एमएसएमई मंत्रालय, नए उद्यमिता विकास में एमएसएमई की भूमिका एवं यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30: योगदान कैसे देता है, इसका संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी), उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी), प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) को स्पष्ट किया।

उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), बेरोजगार युवा रोजगार सृजन कार्यक्रम (यूवाईईजीपी), नए उद्यमी सह उद्यम विकास योजनाएं (नीड्स), सूक्ष्म लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट योजना (सीजीटीएमएसई), मुद्रा, स्टैंडअप इंडिया जैसी नई उद्यमी सब्सिडी /ऋण योजनाओं (क्रेडिट) के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

वेबिनार में एफडीडीआई के 12 परिसरों के छात्रों, संकाय और कर्मचारियों तथा अन्य संस्थानों एवं निर्माताओं के सदस्यों सहित 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे उद्यमिता के विकास के लिए ऋण और योजनाओं पर अधिक स्पष्टता और जागरूकता आई।

एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों ने 53 वें आईएचजीएफ दिल्ली मेला 2022 का दौरा किया

एफडीडीआई, नोएडा परिसर के छात्रों ने 1 अप्रैल 2022 को भारतीय हस्तशिल्प एवं उपहार (आईएचजीएफ) दिल्ली मेले के 53 वें संस्करण का दौरा किया, जो नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित किया गया था।

एफडीडीआई के संकाय की देखरेख एवं मार्गदर्शन में, सेमेस्टर 4, 6 और 8 के एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एफएसएलजीएडी) के छात्रों ने मेले का दौरा किया।

आईएचजीएफ – देश में सबसे बड़े हस्तशिल्प, फैशन, कपड़ा और फर्नीचर मेले के रूप में जाना जाता है, जिसने छात्रों को देश भर के 2,500 हस्तशिल्प निर्यातकों, जीवन शैली, फैशन, वस्त्र और फर्नीचर उत्पादों के व्यापक संग्रह से अध्ययन करने में मदद की।

यह यात्रा छात्रों के लिए एक समृद्ध अनुभव थी क्योंकि इसने सामग्री अन्वेषण, संसाधन क्षमताओं, पर्यावरण अध्ययन एवं हैंड क्राफ्टिंग कौशल पर उनके ज्ञान को बढ़ाया।

स्टॉल/मेले में जाने वाले छात्रों का एक दृश्य

एफडीडीआई के छात्रों को न केवल भारत के विभिन्न राज्यों के प्रसिद्ध उत्पादों को देखने का मौका मिला, बल्कि देश भर के शिल्पकारों ६ निर्माताओं के साथ बातचीत करके बाजार की वर्तमान आवश्यकता को समझने का अवसर भी मिला।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा 'चमड़े की सतह अलंकरण' पर कार्यशाला आयोजित

पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 01 अप्रैल 2022 को 'चमड़े की सतह अलंकरण' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

छात्रों द्वारा कलात्मक परिणाम और रचनात्मकता

सुश्री संगीता अल्लूरी, फेविक्रिल सर्टिफाइड प्रोफेशनल, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड की विशेषज्ञ शिक्षक ने 'फाउंडेशन बैच' के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया तथा लेदर की सतह अलंकरण करने के लिए मूल्यवान सुझाव प्रदान किए जो अपार सुंदरता बढाने के साथ एक उत्पाद के रूप को भी बढ़ाता है।

कार्यशाला प्रगति पर

कार्यशाला का आयोजन लेदर की सतह अलंकरण पर छात्रों के ज्ञान को अद्यतन करने के उद्देश्य से किया गया, जिसने उन्हें अभिनव विचारों, तकनीकों और विशेषज्ञ से वन–टू–वन सलाह प्राप्त करने का अवसर भी प्रदान किया।

उन्होंने लेदर की सतह की बनावट की खोज हेतु तकनीकों के बारे में जानकारी दी, जिसमें रंगाई, पेंटिंग, टूलिंग स्टैंपिंग, झुलसाध्जलना शामिल था तथा इन तकनीकों का उपयोग करके चमड़े की सतह के सौंदर्यवादी विचारों को बढ़ाने के तरीकों को समझाया।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'फैशन स्टाइलिंग एवं मेकअप' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 31 मार्च से 26 अप्रैल 2022 तक 'फैशन स्टाइलिंग और मेकअप' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

तीन बेहद अनुभवी पेशेवर प्रशिक्षकों, एक ब्यूटी पार्लर की मालिक सुश्री राशिदा सुल्ताना, टॉलीवुड मेकअप कलाकार सुश्री एमिली घोष चट्टोपाध्याय और मेकअप शिक्षक सुश्री मौसमी दास ने कार्यशाला का संचालन किया।

कार्यशाला का आयोजन एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के छात्रों और संकाय के लिए तकनीकी जानकारी प्रदान करने एवं उन्हें पेशेवर दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने तथा फैशन स्टाइलिस्ट के रूप में काम करने के लिए उचित फैशन एवं मेकअप की भावना विकसित करने में मदद करने के उद्देश्य से किया गया था।

कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागियों ने ग्राहक की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न अनुसंधान एवं अन्वेषण तकनीकों की मदद से एक निश्चित लुक की योजना बनाने की विस्तृत प्रक्रिया से गुजरना पड़ा।

कार्यशाला ने प्रतिभागियों को सौंदर्य, मेकअप, अनुप्रयोग एवं तकनीक के आवश्यक कौशल से सुसज्जित किया, जो उन्हें एक फ्रीलांसर के रूप में अपना करियर शुरू करने या किसी भी प्रीमियम सैलून या मीडिया हाउस में मेकअप कलाकार के रूप में कार्य करने में मदद करेगा।

सुश्री मौसमी दास ने हेयर कटिंग एवं बुनियादी हेयर स्टाइलिंग तकनीकों का प्रदर्शन।

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक की धारा 19(2) के तहत 31 मार्च 2023 तक फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) की संलग्न तुलन पत्र एवं उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खातों का लेखा परीक्षण किया है। सामान्य (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट, अधिनियम, 2017 की धारा 23(2) के साथ पढ़ा जाता है। पूरे भारत में एफडीडीआई के कुल 12 परिसर हैं। सभी 12 परिसरों (पटना, कोलकाता, जोधपुर, अंकलेश्वर, गुना, छिंदवाड़ा, नोएडा, फुरसतगंज, रोहतक, चंडीगढ़, हैदराबाद और चेन्नई) ने अपने स्वयं खुद वित्तीय विवरण तैयार करते हैं जिन्हें एफडीडीआई, नोएडा द्वारा समेकित किया जाता है। हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखा प्रथाओं, लेखा मानकों एवं प्रकटीकरण मानदंडों आदि के अनुरूप लेखांकन उपचार पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। कानून, नियमों और विनियमों (उपयुक्तता एवं नियमितता) तथा दक्षता के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखापरीक्षा टिप्पणी, यदि कोई हो, निरीक्षण रिपोर्ट सीएजी की लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के माध्यम से अलग से रिपोर्ट की जाती है।

3. हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किए जाने वाले लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना बनाएं तथा लेखापरीक्षा करें कि क्या वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरणों से मुक्त हैं या नहीं एक लेखापरीक्षा में परीक्षण के आधार पर, वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित राशि एवं प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले साक्ष्य की जांच करना शामिल है।लेखापरीक्षा में प्रबंधन द्वारा उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों एवं महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ–साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी शामिल है। हमारा मानना है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

(1) हमने सभी जानकारी एवं स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के लिए, हमारी लेखापरीक्षा के उद्देश्य हेतु आवश्यक थे।

(2) इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र तथा आय और व्यय खाता–प्राप्तियां एवं भुगतान खाता वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किया गया है।

(3) हमारे मतानुसार, एफडीडीआई, नोएडा द्वारा खातों की उचित बहियों अन्य प्रासंगिक अभिलेखों का रखरखाव किया गया है, ऐसा बहियों की हमारी परीक्षा से प्रदर्शित होता है।

(4) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि :

खातों पर टिप्पणियां

क. तुलन पत्र

क. 1 वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान (अनुसूची–7): 51.74 करोड़

उपरोक्त राशि में 31 मार्च 2023 तक आवंटित भूमि के लिए ब्याज सहित पट्टा किराये के लिए नोएडा प्राधिकरण की 11.14 करोड़ रुपये की बकाया मांग शामिल नहीं है।

एफडीडीआई ने (फरवरी 2022 एवं मई 2022) नोएडा प्राधिकरण से इस दलील पर ब्याज राशि माफ करने का अनुरोध किया कि उसके पास बकाया राशि का भुगतान करने के लिए अधिशेष निधि नहीं है। हालांकि, प्राधिकरण ने मार्च 2022 और जुलाई 2022 में एफडीडीआई के अनुरोध को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि पट्टा किराया तथा ब्याज पट्टा समझौते के नियमों एवं शर्तों के अनुसार एफडीडीआई द्वारा देय था और ब्याज की छूट का प्रावधान था। इसके बावजूद, 31 मार्च 2023 को लेखा बहियों में बकाया मांग का प्रावधान नहीं किया गया था, हालांकि इसे एक आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया गया था।

नोएडा प्राधिकरण की बकाया मांग का प्रावधान न किए जाने के परिणामस्वरूप चालू देयताओं, प्रावधानों एवं अन्य प्रशासनिक खर्चों की कम करके बताना, इसके परिणामस्वरूप आय की तुलना में व्यय (घाटे) की अधिकता को 1114 करोड़ रुपए दर्शाया गया।

क.2 निर्धारित एवं बंदोबस्ती निधि (अनुसूची–3): 559.45 करोड़ रुपये

पूंजी अनुदानः 534.36 करोड़ रुपये

(1) उपरोक्त, सरकार से एफडीडीआई द्वारा प्राप्त पूंजीगत अनुदान के समापन शेष को प्रदर्शित करता है, जिसमें से 532.88 करोड़ रुपये का उपयोग 31 मार्च 2023 तक परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए किया गया है, जिसमें 1.48 करोड़ रुपये (534.36 करोड़ रुपये से 532.88 करोड़ रुपये घटाकर) का असिंचित शेष है। हालांकि, 531.45 करोड़ रुपये की राशि को अचल संपत्तियों के शुद्ध ब्लॉक के रूप में दर्शाया गया है जो सरकारी अनुदानों (अनुसूची–8बी के माध्यम से) से सृजित किया गया था। इस प्रकार, सरकारी अनुदानों एवं पूंजीकृत सरकारी अनुदानों से सृजित संपत्तियां 31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार 1.43 करोड़ रुपये(532.88 करोड़ रुपये से 531.45 करोड़ रुपये घटाकर) का अंतर मौजूद था। पिछले वर्षों अर्थात 2018–19, 2019–20, 2020–21 और 2021–22 के दौरान दिए गए आश्वासनों के बावजूद, अंतर का समाधान अभी तक नहीं किया गया है।

(2) अनुसूची –3 के अनुसार, अचल संपत्तियों पर पूंजीगत व्यय के कारण पूंजीगत अनुदान से 70.15 करोड़ रुपये की राशि की कटौती की गई थी। अनुसूची–8बी के अनुसार, अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास को 69.32 करोड़ रुपये दिखाया गया था, जिसमें प्लेसमेंट लिंक्ड स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (पीएलएसडीपी) फंड के तहत 2.45 करोड़ रुपये के मूल्यह्रास की राशि भी शामिल थी। इस प्रकार, पूंजीगत अनुदानों के तहत समायोजित राशि को 70.15 करोड़ रुपये के बजाय 66.87 करोड़ रुपये (69.32 करोड़ रुपये से 2.45 करोड़ रुपये घटाकर) दर्शाया जाना चाहिए था और शेष 3.28 करोड़ रुपये की राशि को राजस्व व्यय शीर्ष के तहत दर्शाया जाना चाहिए था क्योंकि यह मशीनों पर आवर्ती व्यय, लाइसेंसों एवं सॉफ्टवेयर पर व्यय, प्रशिक्षण सहायता, व्यावसायिक शुल्क आदि (2.21 करोड़ रुपये) और सरकार को ब्याज लौटाया (भुगतान) (1.07 करोड़ रुपये) से संबंधित था।

(3) पूंजीगत अनुदान तथा पीएलएसडीपी अनुदान से सृजित की गई परिसंपत्तियों पर लगाए गए मूल्यह्रास को भी वित्तीय विवरणों की अनुसूची–8बी में अलग से दिखाया जाना चाहिए था। हालांकि, इसको अलग से नहीं दर्शाया गया।

क. 3 वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि (अनुसूची–11): 46.55 करोड़ रुपये
अन्य परिसंपत्तियां: छात्र शुल्क प्राप्तियां: 5.58 करोड़ रुपये

उपरोक्त में छिंदवाड़ा परिसर से संबंधित 3.26 करोड़ रुपये की प्राप्य छात्र शुल्क शामिल है, जिसमें से 42.50 लाख रुपये तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित था। इस राशि की वसूली की संभावना दूरस्थ थी क्योंकि छात्रों ने कुछ विवादों के कारण पाठ्यक्रम की अवधि के बीच पाठ्यक्रम छोड़ दिया था, जैसा कि प्रबंधन द्वारा सूचित किया गया था। हालाँकि, वर्ष 2021–22 के लेखापरीक्षा के दौरान छिंदवाड़ा परिसर प्रबंधन द्वारा आश्वासन देने के बावजूद, वर्ष 2022–23 के दौरान भी इस राशि का प्रावधान नहीं किया गया है।

इसके परिणामस्वरूप छात्र शुल्क प्राप्तियों को बढ़ा–चढ़ाकर बताया गया तथा संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान को कम करके बताया गया और संचित ऋण पूंजी निधि में किए गए घाटे को 42.50 लाख रुपए तक कम करके बताया गया।

ख. सहायता अनुदान

जैसा कि एफडीडीआई द्वारा प्रमाणित किया गया है, 1 अप्रैल 2022 तक उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) एवं कंप्यूटर नेटवर्किंग सेंटर (सीएनसी) परियोजनाओं के तहत इसके पास 78.09 करोड़ रुपये के पूंजीगत अनुदान का अप्रयुक्त शेष था। भारत सरकार ने वर्ष 2022–23 के दौरान एफडीडीआई को शून्य अनुदान दिया है। कुल अव्ययित शेष में से, एफडीडीआई ने 76.70 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया। इसके अलावा, एफडीडीआई ने वर्ष 2022–23 के दौरान अनुदान पर 1.15 करोड़ रुपये का ब्याज अर्जित किया और 1.07 करोड़ रुपये का ब्याज वापस किया। 31 मार्च 2023 को अनुदान का अंतिम शेष 1.60 करोड़ रुपये (सीएनसी अनुदान का) था। समर्पित बैंक खातों में रखे गए अनुदान का अंतिम शेष 4.72 करोड़ रुपये था (प्रतिधारण धन, ठेकेदारों से काटे गए परिसमाप्त नुकसान और एफडीडीआई स्वयं के फंड का दावा करने के कारण 3.12 करोड़ रुपये सहित)।

ग. प्रबंधन पत्र

इस अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई कमियों को उपचारात्मक एवं सुधारात्मक कार्रवाई हेतु अलग से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से संस्थान के प्रबंधन के संज्ञान में लाया गया है।

(5) पिछले पैराग्राफ में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा निपटाया गया तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाता, रसीद और भुगतान खाता, खातों की बहियों के अनुरूप है।

(6) हमारे मतानुसार और हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों एवं खातों पर टिप्पणियो के साथ पढ़े जाते हैं, और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और इस अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं:

(क) जहां तक यह 31 मार्च 2023 को एफडीडीआई के मामलों की स्थिति की तुलन पत्र से संबंधित है, तथा

(ख) जहां तक वह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए घाटे का, आय एवं व्यय खातों से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के पक्ष से।

(एस अह्लादिनी पांडा)

प्रधान लेखापरीक्षा निदेशक

उद्योग और कॉर्पोरेट मामले

स्थान: नई दिल्ली

तारीख: 31 JAN 2024

पृथक, लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

1.आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकृत चार्टर्ड एकाउंटेंट्स फर्म अर्थात् आरएसएम और एसोसिएट्स द्वारा किया जा रहा था और इसने सभी परिसरों के लिए वित्तीय वर्ष 2022–23 तक आंतरिक लेखा परीक्षा पूरा कर लिया गया था।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

जहां तक वित्तीय मामलों का सवाल है, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली अपर्याप्त थी और नीचे उल्लिखित कारणों से एफडीडीआई की गतिविधियों के आकार तथा प्रकृति के अनुरूप नहीं थीः

(क) 31.19 लाख रुपये के विविध लेनदार तथा 1.24 करोड़ रुपये के विविध देनदार तीन साल से अधिक समय से निपटान के लिए लंबित एवं बकाया थे। ग्राहकों , देनदारों की शेष राशि की पुष्टिकरण भी अभिलेखों में नहीं पाया गया।

(ख) वाउचर की जांच से पता चला कि प्राधिकृत हस्ताक्षर और निर्माण–जांच नियमों का पालन नहीं किया गया, वाउचर संख्या और टैली सॉफ्टवेयर में तारीख वाउचर की हार्ड कॉपी के साथ मेल नहीं खा रही थी।

(ग) उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) अनुदान के अलावा अन्य व्यय को 'सरकारी अनुदान सीओई' नामक समूह सारांश के तहत दर्ज किया गया था।

(घ) 31 मार्च, 2023 को बांड की शेष राशि की पुष्टि के लिए डीमैट खाता विवरण रिकॉर्ड में नहीं पाया गया था।

(ड) संस्थान द्वारा व्यय नियंत्रण रजिस्टर, अग्रिम रजिस्टर, टीए एवं एलटीसी बिल रजिस्टर, चिकित्सा दावा व्यय रजिस्टर, पुस्तकालय परिग्रहण /निर्गम रजिस्टर, स्टेशनरी रजिस्टर, निवेश रजिस्टर, संविदाओं का रजिस्टर, सहायता अनुदान रजिस्टर के साथ निर्धारित प्रपत्र में परिसंपत्तियों का रजिस्टर नहीं रखे थे।

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

सभी परिसरों के लिए प्रबंधन द्वारा अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन पूरा कर लिया गया था। हालांकि, प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत संपत्ति रजिस्टर में, गैर–कार्यशील परिसंपत्तियों का उल्लेख किया गया था, लेकिन प्रत्येक संपत्ति के मूल्य और गैर–कार्यशील परिसंपत्तियों के मूल्य का खुलासा नहीं किया गया था।

4. वस्तु सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

सभी परिसरों के लिए प्रबंधन द्वारा वस्तु सूची का भौतिक सत्यापन पूरा कर लिया गया था और कोई विसंगति नहीं मिली थी।

5. सांविधिक देय राशि के भुगतान में नियमितता

संस्थान वर्ष 2022–23 के दौरान सांविधिक देय राशि के भुगतान नियमित रूप से कर रहा था।

निदेशक (एएमजी–I)

वित्तीय रिपोर्ट

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
समकेतिक तुल–पत्र
31 मार्च, 2023 तक

(रकम रुपये में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2023 तक	31.03.2022 तक
कोष, पूँजीगत निधि एवं देनदारियां			
कोष एवं पूँजीगत निधि	1	399,458,099	533,139,911
आरक्षित और अधिशेष राशि	2	-	-
निर्धारित एवं अक्षयनिधि	3	5,594,486,512	6,307,958,456
प्रतिभूति ऋण एवं कर्ज	4	-	-
अप्रतिभूति ऋण एवं कर्ज	5	-	-
स्थगित ऋण देयदाएं	6	-	-
वर्तमान देयताएं और प्रावधान	7	517,360,694	519,637,148
कुल		**6,511,305,305**	**7,360,735,515**
संपत्ति			
अचल संपत्ति	8	5,680,241,295	5,558,916,663
निवेश–निर्धारित एवं अक्षयनिधि से	9	-	-
निवेश – अन्य	10	365,577,006	474,581,161
वर्तमान संपत्ति,ऋण ,अग्रिम आदि	11	465,487,003	1,327,237,690
विविध व्यय			
(उस सीमा तक बट्टे खाते में या समायोजित नही किया गया है)			
कुल		**6,511,305,305**	**7,360,735,515**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24
आकस्मिक देयताएं एवं खातों पर टिप्पणियां	25

द्वारा फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक

अविक पत्रनाबिश
वरि. प्रबंधक (लेखा एवं वित्त)

स्थानः नोएडा
दिनांकः 06–09–2023

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2023 के लिए समेकित आय एवं व्यय खाता

(रकम रुपये में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2023	31.03.2022
आय			
बिक्री एवं सेवा से आय	12	55,080,910	50,006,913
अनुदान एवं सब्सिडी	13	694,632,363	641,438,499
शुल्क एवं सदस्यता	14	491,703,003	472,293,181
निवेश से आय (निवेश पर आय निर्धारित,सहायतार्थ वं धनराशि, कोष में हस्तांतरित)	15	6,538,028	6,474,968
रॉयलटी एवं प्रकाशन आदि से आय	16	-	48,000
अर्जित ब्याज	17	33,491,544	36,393,352
अन्य आय	18	23,070,887	11,421,211
स्टॉक में वृद्धि या कमी	19	(1,481,335)	447,853
कुल (क)		**1,303,035,401**	**1,218,523,977**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	268,655,843	237,862,490
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	451,990,347	287,362,874
अनुदान एवं सब्सिडी आदि पर व्यय	22	693,629,120	641,224,958
ब्याज	23	-	-
अवमूल्यन	8	22,441,903	10,368,393
कुल (ख)		**1,436,717,213**	**1,176,818,715**
पूर्व अवधि के व्यय		-	**195,842**
शेष राशि आय से अधिक व्यय (क–ख)		(133,681,813)	41,509,419
विशेष आरक्षित स्थानांतरण (प्रत्येक को निर्दिष्ट करें)			
स्थानांतरण एव सामान्य आरक्षित से		-	-
अधिशेष एवं घाटा होने के कारण शेष, कोष एव पूँजीगत निधि से लिया जा रहा है		**-133,681,813**	**41,509,419**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24		
आकस्मिक देयताएं एवं खातों पर टिप्पणियां	25		

द्वारा फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक

अविक पत्रनाबिश
वरि. प्रबंधक (लेखा एवं वित्त)

स्थानः नोएडा
दिनांकः 06–09–2023

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट–

31 मार्च,2023 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियों एवं भुगतानों का समकेतिक विवरण

(रकम रुपये में)

प्राप्तियां	31.03.2023 तक	31.03.2022 तक	भुगतान	31.03.2023 तक	31.03.2022 तक
1) ओपनिंग बैलेंस			1) व्यय		
क) हाथ में नगद	93,527	157,727	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 के अनुसार)	172,074,222	141,913,245
ख) बैंक में राशि			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21 के अनुसार)	239,680,489	116,836,398
1) चालू खातों में	15,193,409	54,784,550	2) विभिन्न परियोजनाओं हेतु किए गए धनराशि का भुगतान		
2) बचत एवं जमा खातों में	1,049,564,070	784,869,818	क) पीएलएसडीपी		1,141,998
2) प्राप्त अनुदान एवं निधियां			ख) आईडीएलएस		698,469,742
क) भारत सरकार से			ग) अन्य	13,056,634	1,078,077
ख) पूँजी व्यय		456,365,018	3) निवेश एवं जमा किए गए		
ग) पीएलएसडीपी		1,141,998	क) निर्धारित एवं सहायतार्थ निधि के लिए		
घ) आईडीएलएस		698,469,798	ख) स्वयं की निधि से (अन्य–निवेश)	25,000	417,700,000
ङ) अन्य (प्राप्त ब्याज)	12,102,013	60,562,975	ग) ग्रेच्युटी निधि में निवेश	3,364,240	5,088,021
क) राज्य सरकार से			4) अचल संपत्तियाँ एवं पूँजी कार्य प्रगति पर व्यय		
ख) अन्य स्रोतो से (विवरण) (पूँजी और राजस्व व्यय के लिए अनुदान को अलग से दर्शाया गया है।)			क) अचल संपत्तियों की खरीद	28,945,157	6,123,595
3) निवेश से आय			ख) पूँजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		-
क) निर्धारित एवं सहायतार्थ निधि	491,987	-	5) अधिशेष धन एवं ऋण की वापसी		
ख) स्वयं की निधि (अन्य निवेश)		-	क) भारत सरकार को	10,716,216	29,624,114
4) प्राप्त ब्याज			ख) राज्य सरकार को		
क) बैंक जमा पर	12,990,414	12,414,200	ग) अन्य प्रदाताओ को		
ख) ऋण, अग्रिम आदि	944,186	6,210	6) वित्त प्रभार (ब्याज)	21,024	
5) अन्य आय (निर्दिष्ट)			7) अन्य भुगतान(निर्दिष्ट)		
क) छात्र शुल्क	362,735,424	379,755,233	क) शाखाओं के साथ लेन–देन	99,086,879	48,786,437
ख) प्रयोगशाला परीक्षण शुल्क	14,078,986	5,055,804	ख) अन्य भुगतान व्जीमत च्ंलउमदजे	1,261,880,550	626,840,500
			ग) कर्मचारियों को अग्रिम धनराशि	19,626,240	
			घ) छात्र शुल्क की वापसी	19,797,798	
ग) अन्य आय	17,338,998				
6) उधार राशि			8) क्लोजिंग बैलेंस		
7) कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)			क) पास में नगदी	150,231	93,527
क) वर्ष के दौरान परिपक्व निवेश	191,635,412	398,093,001	ख) बैंक में राशि		
ख) अन्य प्राप्तियां	249,823,810	257,903,162	प) चालू खातों में	22,159,180	33,197,397
ग) शाखा से लेन–देन	197,020,084	65,601,037	पप) जमा एवं बचत खातों में	235,560,387	1,049,564,071
क) छात्र जमा निधि	2,131,928	1,276,592			
कुल	2,126,144,247	3,176,457,122	कुल	2,126,144,247	3,176,457,122

द्वारा फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक

अविक पत्रनाबिश
वरि. प्रबंधक (लेखा एवं वित्त)

स्थान: नोएडा
दिनांक: 06.09.2023

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

31 मार्च, 2023 तक तुलन–पत्र का भाग तैयार करने वाली अनुसूचियां

(रकम रुपये में)

अनुसूची 1– संचित एवं पूँजीनिधि :	31.03.2023 तक		31.03.2022 तक	
वर्ष की शुरूआत में शेष धनराशि	533,139,912		491,630,492	
जोड : कोष एवं पूँजीनिधि में योगदान			-	
जोडः सामान्य आरक्षित से स्थानान्तरण			-	
जोड़ (कटौती): आय और व्यय खाते से हस्तांतरित शुद्ध आय (व्यय) का शेष	-133,681,813	399,458,099	41,509,419	533,139,911
वर्ष के अंत में शेष राशि		**399,458,099**	**-**	**533,139,912**

अनुसूची 2 – आरक्षित निधि एवं अधिशेष :	31.03.2023 तक		31.03.2022 तक	
1 .आरक्षित पूँजी :				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान वृद्धि				
कमी : वर्ष के दौरान कटौती	-	-		-
2. आरक्षित पुनर्मूल्यांकनः				
पिछले खाते के अनुसार	-			
वर्ष के दौरान वृद्धि	-			
कमी : वर्ष के दौरान कटौती	-	-		-
3. विशेष आरक्षित :				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान वृद्धि				
कमी : वर्ष के दौरान कटौती		-		-
4.सामान्य आरक्षित :				
पिछले खाते के अनुसार	-			
वर्ष के दौरान वृद्धि	-			
वृद्धि : सामान्य आरक्षित में हस्तांतरित			-	
कमी : कोष एवं पूँजी निधि में हस्तांतरित	-			
कमी : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
कुल		**-**		**-**

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वित्त वर्ष 2022–23

अनुसूची 3 – निर्धारित एवं बंदोबस्ती निधि	निधिवार ब्यौरा				कुल	
	पूँजी अनुदान	पीएलएसडीपी	आईडीएलएस	अन्य	31.03.2023 तक	31.03.2022 तक
क) निधि का प्रारंभिक शेष	6,033,466,112	274,492,187	157	0	6,307,958,456	6,475,709,816
जोडः बही समायोजन (बही के अनुसार)					930,372	
					6,308,888,828	
ख) निधि में वृद्धि:					-	
1) दान एवं अनुदान	-	-	-		-	1,199,994,760
2) निधियों के खाते में किए गए निवेश से आय	11,579,009	-	-	-	11,579,009	19,254,585
3) अन्य वृद्धि (प्रकृति निर्दिष्ट करें)					-	-
कुल (कख)	**6,045,045,121**	**274,492,187**	**157**	**-**	**6,320,467,837**	**7,694,959,161**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोगघ्व्यय						
1) पूंजीगत व्यय अचल संपतियां						
अचल संपत्ति	701,471,874	24,509,451	-		725,981,325	641,168,499
अन्य	-		-		-	
2) राजस्व व्यय					-	
– वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि और अन्य गैर पूँजी व्यय		-		-	-	13,792,932
किराया					-	`
कुल अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	-	732,039,274
कुल (ग)	**701,471,874**	**24,509,451**	**-**	**-**	**725,981,325**	**1,387,000,705**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क जोड ख – ग)	**5,343,573,247**	**249,982,736**	**157**	**-**	**5,594,486,512**	**6,307,958,456**

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण एवं उधार राशिः	31.03.2023 तक		31.03.2022 तक	
1. केन्द्र सरकार		-		-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		-		-
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण	-		-	
ख) अर्जित ब्याज एवं देय	-	-	-	-
4. बैंकः				
क) सावधि ऋण	-			
अर्जित ब्याज एवं देय	-		-	
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-			
अर्जित ब्याज एवं देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		-		-
6. ऋण पत्र एवं अनुबंध		-		-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)		-		-
कुल		-		-

अनुसूची 5 –असुरक्षित ऋण एवं उधार राशिः	31.03.2023 तक	31.03.2022 तक
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-
4. बैंकः	-	-
क) सावधि ऋण	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां	-	-
6. ऋण पत्र एवं अनुबंध	-	-
7. मियादी जमा	-	-
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 6 – स्थगित ऋण देनदारियां:	31.03.2023 तक	31.03.2022 तक
क) पूँजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के ह्रास द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियां	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 7 – वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान क) वर्तमान देनदारियां	31.03.2023 तक		31.03.2022 तक	
1. स्वीकृतियां	-			-
2. विविध लेनदारः				
क) सामग्री हेतु	87,979		18,986	
ख) अन्य	70,689,014	70,776,993	67,853,108	67,872,094
ग) कार्मिकों	55,536			
घ) शाखा	-	55,536	-	-
3. अग्रिम प्राप्तियां				
क) अग्रिम प्रशिक्षण शुल्क	70,295,909		96,789,020	
ख) देनदारों से अग्रिम	3,693,873	73,989,782	3,100,990	99,890,010
4. अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीः				
क) सुरक्षित ऋण एवं उधार	-		-	
ख) असुरक्षित ऋण एवं उधार	-	-	-	-
5. सांवधिक देयताएं				
क) अतिदेय	-		-	
ख) अन्य	5,167,758	5,167,758	8,397,102	8,397,102
6. अन्य वर्तमान देयताएं				
क) सुरक्षा जमा (छात्र)	51,654,218		48,774,281	
ख) सुरक्षा जमा (ईएमडी)	30,786,026		23,185,981	
ग) एचआरडी मिशन वृत्ति	-		-	
घ) बीमा दावा एवं छात्रवृत्ति	549,401		549,401	
ड़) छात्रों के लिए निधि	35,469,334		38,389,712	
च)अंतर्राष्ट्रीय सेडलरी तकनीकी एवं निर्यात प्रबंधन संस्थान	5,489,242		5,519,742	
छ) मृत्यू राहत कोष	314,000			
ज) प्राप्य छात्र शुल्क	3,639,039			
झ) छात्रावास एवं मेस प्रतिभूतियां	634,600			
ट) अतिरिक्त शुल्क वापसी योग्य	700,997			
ठ) अन्य	75,431,719	204,668,576	62,199,159	178,618,275
कुल (क)		**354,658,645**		**354,777,480**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु		68,587		-
2. ग्रेच्युटी		76,905,502		84,446,210
3.सेवानिवृत्त एवं पेंशन		-		-
4. संचित अवकाश नगदीकरण		58,143,082		65,589,671
5. ईपीएफओ के देर से भुगतान पर हर्जाना और ब्याज शुल्क		14,300,000		-
6. अन्य – व्यय के लिए प्रावधान		13,284,878		14,823,785
कुल (ख)		**162,702,049**		**164,859,666**
कुल (कख)		**517,360,694**		**519,637,148**

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वित्तीय वर्ष 2022-23

अनुसूची 8क – अचल संपत्तियां (स्वयं की निधि से)

विवरण	सकल संपत्तियां				अवमूल्यन				सकल संपत्तियां	
क– अचल संपत्तियां:	01.04.2022 तक लागत एवं मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौती पर	31.03.2023 तक लागत एवं मूल्यांकन	01.04.2022 तक	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती पर	31.03.2023 तक	31.03.2023 तक	31.03.2022 तक
1. भूमि										
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टेदारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2.भवन:	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	96,154,030	44,305,272	-	140,459,302	79,038,105	5,408,730	-	84,446,836	56,012,466	17,115,925
ख) पट्टेदारी भूमि पर	-	30,412,642	-	30,412,642	-	1,520,632	-	1,520,632	28,892,010	-
ग) स्वामित्व फ्लैटस एवं परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) संस्था से संबंधित न होने वाली भूमि पर अधिरचना	-	11,648,346	-	11,648,346	-	582,417	-	582,417	11,065,929	-
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	153,010,468	60,956,048	173,524	213,792,992	123,406,544	9,001,123	-	132,407,667	81,385,325	29,603,925
4. वाहन	253,712	-	-	253,712	100,464	76,623	-	177,087	76,625	153,248
5. फर्नीचर एवं फिक्स्चर	33,696,574	1,452,734	-	35,149,308	21,122,389	1,299,634	-	22,422,024	12,727,284	12,574,185
6. कार्यालय उपकरण	782,973	10,460	-	793,433	373,778	59,421	-	433,199	360,234	409,195
7. कंप्यूटर एवं वाह्य उपकरण	11,207,324	887,059	-	12,094,383	7,776,427	1,573,171	-	9,349,598	2,744,785	3,430,897
8. विद्युत संस्थापन	96,249	31,739,481	-	31,835,730	88,765	2,383,455	-	2,472,220	29,363,510	7,485
9. पुस्तकालय की पुस्तकें	1,698,707	447,073	-	2,145,780	1,244,338	325,006	-	1,569,344	576,436	454,369
10. ट्यूबवेल एवं वाटर सप्लाई	210,308	235,410	-	445,718	29,995	41,572	-	71,567	374,151	180,313
11.अन्य अचल संपत्तियां	78,000	-	-	78,000	11,700	9,945	-	21,645	56,355	66,300
अमूर्त संपत्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सॉफ्टवेयर	968,427	132,113	-	1,100,540	616,762	160,172	-	776,934	323,606	351,665
वर्तमान वर्ष का कुल	**298,156,772**	**182,226,638**	**173,524**	**480,209,886**	**233,809,267**	**22,441,902**	**-**	**256,251,169**	**223,958,742**	**64,347,532**
विगत वर्ष	**274,051,151**	**24,113,836**	**8,215**	**298,156,772**	**223,440,872**	**10,368,393**	**-**	**233,809,265**	**64,347,532**	**50,610,303**
क. पूंजीगत कार्य प्रगति	**39,480**	**-**	**39,480**	**39,480**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**39,480**
कुल									223,958,742	64,387,010

अनुसूची 8ख– अचल संपत्तियां (सरकारी अनुदान से)

क्र. सं.	अचल संपत्तियां	दर	सकल संपत्तियां					अवमूल्यन				सकल संपत्तियां	
			वर्ष के शुरूआत में लागत एवं मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्धन		वर्ष के दौरान विलोपन	वर्ष के अंत में लागत एवं	वर्ष के शुरूआत में	वर्ष के दौरान परिवर्धन पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	कुल वर्ष के अत तक	चालू वर्ष के अत में	विगत वर्ष के अत में
				180 दिनों से कम	180 दिनों से अधिक								
अमूर्त संपत्तियां													
1	भूमि												
	क) पूर्ण स्वामित्व		47,747,271	-	-	-	47,747,271	-	-	-	-	47,747,271	47,747,272
2	भवन		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	10	8,365,840,270	-	422,988,637	-	8,788,828,907	4,762,636,068	402,619,284	-	5,165,255,352	3,623,573,554	3,603,204,201
	ख) कुएं एवं नलकूप	10	32,344,961	-	-	-	32,344,961	20,039,914	1,230,505	-	21,270,419	11,074,542	12,305,047
3	फर्नीचर एवं फिटिंग्स		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	क) फर्नीचर एवं फिटिंग्स	10	494,184,162	49,065,227	-	-	543,249,389	290,127,001	22,859,006	-	312,986,007	230,263,383	204,057,431
	ख)विद्युत फिटिंग्स	10	458,384,784	-	35,549,946	-	493,934,730	262,911,885	24,879,782	-	287,791,666	206,143,064	195,472,899
4	संयंत्र एवं मशीनरी		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	क) संयंत्र एवं मशीनरी	15	3,083,059,139	359,468,056	121,838,141	-	3,564,365,336	2,190,762,248	179,080,359	-	2,369,842,607	1,194,522,917	891,366,506
	ख) संयंत्र एवं मशीनरी	40	559,603,706	2,317,935	71,142,053	-	633,063,694	499,039,935	59,669,888	-	558,709,823	74,353,871	60,563,771
	ग) कंप्यूटर	40	104,100,212	-	-	-	104,100,212	102,175,175	770,105	-	102,945,279	1,154,933	1,924,986
	घ) वाहन	15	34,801,975	-	-	-	34,801,975	25,932,066	1,330,486	-	27,262,553	7,539,422	8,869,909
	ड़) पुस्तकें	40	82,799,254	-	-	-	82,799,254	82,642,869	62,618	-	82,705,487	93,768	156,385
5	अमूर्त संपत्ति		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	क) सॉफ्टवेयर	25	9,081,045	5,411,869	-	-	14,492,915	8,850,239	734,185	-	9,584,425	4,908,490	230,818
			-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल		13,271,946,780	416,263,087	651,518,777	-	14,339,728,644	8,245,117,398	693,236,207	-	8,938,353,617	5,401,375,292	5,025,899,224
ख. पूँजीगत कार्य प्रगति			468,630,427	960,393,004	-	1,374,116,169	54,907,261	-	-	-	-	54,907,261	468,630,427
	कुल		**13,740,577,207**	**1,376,656,091**	**651,518,777**	**1,374,116,169**	**14,394,635,905**	**8,245,117,398**	**693,236,207**	**-**	**8,938,353,617**	**5,456,282,553**	**5,494,529,651**

अनुसूची 9 – निर्धारित एवं बंदोबस्ती निधियों से निवेश	31.03.2023 तक	31.03.2022तक
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋण पत्र एवं अनुबंध	-	-
5.सहायक एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 10 –निवेश–अन्य	31.03.2023 तक	31.03.2022तक
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2.अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋण पत्र एवं अनुबंध	-	-
5. सहायक एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (ग्रेच्युटी)	-	-
1) ग्रेच्युटी कोष	74,484,555	72,873,514
2) अन्य निवेश निधि	291,092,451	401,707,647
कुल	**365,577,006**	**474,581,161**

अनुसूची 11 –वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण एवं अग्रिम	31.03.2023 तक	31.03.2022 तक
क. वर्तमान परिसंपत्तियां:		
1. वस्तु सूची:		
क) भण्डार एवं पुर्जे	8,219,505	9,700,840
ख) अव्यवस्थित उपकरण	-	-
ग) व्यापार का माल भंडार	-	-
कार्य प्रगति के दौरान कच्चे सामग्री का तैयार माल	-	-
2. विविध देनदार:		-
क) छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	17,723,920	21,086,491
ख) देनदार का छह महीने से कम अवधि का बकाया	3,674,749	-
ग) अन्य	15,110,472	23,562,573
घ) शाखा	-	-
3.हाथ में नकद शेष (चेकड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)	150,231	93,527
4. बैंक में अधिशेष:		-
क) अनुसूचित बैंकों मे:		-
चालू खातों में	22,159,179	39,263,217
जमा खातों में (मार्जिन राशि सहित) बचत खातों में	227,330,815	1,043,493,727
ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के साथ: –चालू खातों मे –जमा खातों में –बचत खातों में	8,229,574	19,100,000
5. डाकघर –बचत खाता	-	-
कुल (क)	**302,598,444**	**1,156,300,375**
1. ऋण		
क) कार्मिकों	749,577	567,265
ख) संस्था के सामान गतिविधियों एवं उद्देश्यों में लगी अन्य संस्थाएं	-	-
ग) अन्य (निर्दिष्ट)	-	-
2. नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियाँ:		-
क) पूँजी खाते पर	-	-
ख) पूर्वभुगतान	6,414,240	4,217,172
ग) अन्य (टीजीएस प्राप्य)	22,191,966	9,823,473
घ) अन्य प्राप्य	5,417,039	-
3. अर्जित आय:		-
क) निर्धारितबंदोबस्ती निधि से निवेश पर	-	-
ख) अन्य – निवेश पर	1,221,810	697,393
ग) ऋण और अग्रिम पर	-	-
घ) अन्य	30,591,039	20,445,748
(अप्राप्त देय आय शामिल –रुपये)	-	-
4. प्राप्य दावे	-	-
5. अन्य परिसंपत्तियां		-
क) लेनदारों को अग्रिम	8,191,417	8,079,530
ख) सुरक्षा जमा	32,130,971	48,641,004
ग) मोबाइल अग्रिम	-	2,854,967
घ) भीतरी कर	29,557	320,561
ड) कार्मिक अग्रदाय	183,691	993,124
च) परियोजना (एचआरडी मिशन) एवं शाखा से प्राप्य	-	-
छ) छात्र शुल्क प्राप्य	55,767,251	58,601,547
ज) पीएफ से प्राप्य	-	
झ) सरकारी प्राधिकरण को अग्रिम	-	15,695,530
कुल (ख)	**162,888,559**	**170,937,314**
कुल (क जोड ख)	**465,487,003**	**1,327,237,690**

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(रकम रुपये में)

अनुसूची 12 – बिक्री एवं सेवाओं से आय	31.03.2023	31.03.2022
1) बिक्री से आय		
क) तैयार माल की बिक्री	4,862	3,146
ख) कच्चे माल की बिक्री	-	-
ग) रद्दी की बिक्री	3,560,700	-
2) सेवाओं से आय	-	-
क) श्रम एवं प्रसंस्करण शुल्क	-	3,089,710
ख) व्यवसायिक एवं परामर्श सेवाएं	455,907	-
ग) एजेंसी आयोग एवं दस्तूरी	5,023,890	-
घ) रखरखाव प्रेषक (उपकरण एवं संपत्ति)	-	404,158
ड़) अन्य (प्रयोगशाला सेवाएं)	46,035,551	46,509,899
कुल	**55,080,910**	**50,006,913**

अनुसूची 13 – अनुदान एवं अनुवृत्ति	31.03.2023	31.03.2022
(अपरिवर्तनीय अनुदान एवं अनुवृत्ति प्राप्ति)		
1) केन्द्र सरकार	693,236,207	641,168,499
2) राज्य सरकारें	-	-
3) सरकारी एजेंसियां	1,396,156	270,000
4) संस्थान एवं कल्याण निकाय	-	-
5) अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	-	-
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**694,632,363**	**641,438,499**

अनुसूची 14 – शुल्क एवं सदस्यता शुल्क	31.03.2023	31.03.2022
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक शुल्क एवं सदस्यता शुल्क	61,080	60,000
3) संगोष्ठी एवं कार्यक्रम शुल्क	4,880,000	-
4) परामर्श शुल्क	-	-
5) अन्य (छात्र शुल्क)	486,761,923	472,233,181
कुल	**491,703,003**	**472,293,181**

अनुसूची 15 – निवेश से आय	निर्धारित निधि से निवेश		अन्य –निवेश		कुल	
(नि र्धारित एवं बंदोबस्ती नि ि धा से हस्तांतरित को ष में निवे श से आ य)	**31.03.2023**	**31.03.2022**	**31.03.2023**	**31.03.2022**	**31.03.2023**	**31.03.2022**
1) ब्याज						
क) सरकारी प्रतिभूति यों पर	-	-	-	-	-	-
ख) अन्य अनुबंध एवं ऋण पत्रों पर	-	-	-	-	-	-
2) लाभां श:						
क) शेयर पर	-	-	-	-	-	-
ख) म्यूचल फंड एवं प्रतिभूति यों पर	-	-	-	-	-	-
3)किरा या	1,269,600	1,269,600	103,065	88,500	1,372,665	1,358,100
4) अन्य (ग्रेच्युटी फंड में निवे श)	5,165,363	5,116,868	-	-	5,165,363	5,116,868
कुल	**6,434,963**	**6,386,468**	**103,065**	**88,500**	**6,538,028**	**6,474,968**
निर्धारित एवं बदोबस्ती निधियों में हस्तांतरित						

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	31.03.2023	31.03.2022
1) रॉयल्टी से आय		48,000
2) प्रकाशन से आय	-	-
3) अन्य से (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**-**	**48,000**

अनुसूची 17 – अर्जित ब्याज	31.03.2023	31.03.2022
1) मीयादी जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंक के साथ	25,645,368	27,961,162
ख) गैर–अनुसूचित बैंक के साथ	-	-
ग) संस्थानों के साथ	683,802	60,105
घ) अन्य	-	994,109
2) बचत खातों पर:		
क) अनुसूचित बैंक के साथ	7,098,107	7,305,478
ख) गैर–अनुसूचित बैंक के साथ	-	-
ग) डाकघर बचत खाता	-	-
घ) अन्य	-	-
3) ऋण पर:		
क) कर्मचारी एवं कार्मिक	-	-
ख) अन्य	13,279	13,463
4) देनदारों पर ब्याज एवं अन्य प्राप्तियां	50,988	59,035
कुल	**33,491,544**	**36,393,352**

अनुसूची 18 – अन्य आय	31.03.2023	31.03.2022
1)परिसंपत्तियों की बिक्री एवं निपटान पर लाभ:		
क) स्वामित्व वाली संपत्तियां	-	-
ख) अनुदान से प्राप्त या मुफ्त में प्राप्त संपत्तियां	-	-
2) निर्यात प्रोत्साहन से साधित	-	-
3) विविध सेवाओं के लिए शुल्क (कैड)	8,087,991	3,192,709
4) विविध आय	14,982,896	8,228,502
कुल	**23,070,887**	**11,421,211**

अनुसूची 19 –कार्य प्रगति एवं तैयार माल के भंडार में वृद्धि या कमी	31.03.2023	31.03.2022
क्लोजिग भंडार		
तैयार माल	-	-
कार्य प्रगति	-	-
उपभोग्य	8,232,664	9,700,840
कमः औपनिंग भंडार		
तैयार माल	-	
कार्य प्रगति	-	-
उपभोग्य	9,713,999	9,252,988
कुल कमी . वृद्धि एफएबी	**-1,481,335**	**447,853**

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	31.03.2023	31.03.2022
क) वेतन और मजदूरी	220,007,738	204,079,767
ख) भत्ते और बोनस	8,271,177	2,320,619
ग) भविष्य निधि में योगदान	17,757,507	16,641,526
घ) अन्य निधि में योगदान (ईएसआई)	194,929	385,546
ड़)कर्मचारी कल्याण व्यय	16,653,418	6,756,706
च) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ पर व्यय	1,099,605	658,053
छ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	1,031,881	327,509
1) कर्मचारी बीमा	3,203,003	3,076,429
2) अर्जित अवकाश	436,585	3,616,335
कुल	**268,655,843**	**237,862,490**

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय	31.03.2023	31.03.2022
क) खरीदारी	-	-
ख) श्रम और प्रसंस्करण व्यय	5,532,041	4,288,453
ग) ढुलाई और गाडी के लिए	155,957	561,848
घ) बिजली और ऊर्जा	50,819,218	41,006,119
ड़) जल शुल्क	2,458,378	1,401,718
च) बीमा	1,046,725	1,186,324
छ) मरम्मत और रखरखाव	163,523,947	98,908,546
ज) विधिवत उत्पाद शुल्क	-	-
झ) किराया, दरें और कर	1,926,621	2,756,896
ट) वाहन चलाना और रखरखाव	4,665,398	3,505,792
ठ) डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार शुल्क	5,249,043	5,096,982
ड) मुद्रण और स्टेशनरी	4,492,034	4,037,517
ढ) यात्रा एवं आवागमन व्यय	11,116,089	3,775,235
ण) सेमिनारध्कार्यशालाओं पर व्यय	1,104,149	829,448
त) सदस्यता व्यय	1,519,234	576,987
थ) शुल्क पर खर्च	6,705,434	6,915,469
द) लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक	2,265,163	1,459,505
ध) आतिथ्य व्यय	882,304	392,026
न) व्यावसायिक शुल्क	7,904,425	2,412,796
प) खराब और संदिग्ध ऋणध्अग्रिम के लिए प्रावधान	-	-
फ) अपरिवर्तनीय शेष बट्टे खाते में डाला हुआ	10,564,264	2,223,700
ब) पैकिंग शुल्क	-	-
भ) माल ढुलाई और अग्रेषण व्यय	46,642	-
म) वितरण व्यय (इथियोपिया परियोजना व्यय)	711,028	2,038,047
य) विज्ञापन और प्रचार	13,132,239	8,761,044
र) अन्य	-	-
1) हाउसकिपिंग व्यय	33,752,525	19,086,523
2) सुरक्षा व्यय	38,741,784	27,279,882
3) पुस्तकें एवं पत्रिकाएं	138,294	186,582
4) कार्यालय व्यय	10,388,522	11,461,968
5) उपभोग्य	2,912,904	2,786,578
6) प्रशिक्षण व्यय	24,590,022	10,993,454
7) मेस व्यय	24,987,009	17,331,145
8) इलैक्ट्रोनिक उपकरणों पर व्यय	-	3,564
9) छात्र कल्याण पर व्यय	142,338	751,370
10) सॉफ्टवेयर पर व्यय	59,993	55,006
11) कार्यालय व्यय	-	-
12) अचल संपत्ति बट्टे खाते में डाला हुआ	-	-
13) बैक शुल्क	49,665	3,849
14)टीडीएस एवं जीएसटी पर ब्याज	-	3,559
15) अग्नि सुरक्षा अनापत्ति शुल्क	150,336	150,336
16) घरेलू स्थानांतरण व्यय	-	-
17) इंटरलैब परीक्षण शुल्क	1,401,787	2,517,330
18) नगद गबन	-	50,000
19)विदेशी मुद्रा की हानि	28,891	-
20) दवाईयों पर व्यय	198,121	-
21) वार्षिक पट्टा किराया	632,819	-
22) ईपीएफओ को विलंब शुल्क हानि एवं ब्याज शुल्क	14,300,000	-
22) ओटीसी व्यय	3,695,004	2,567,276
कुल	**451,990,347**	**287,362,874**

अनुसूची 22 –अनुदान, अनुवृत्ति आदि पर व्यय	31.03.2023	31.03.2022
क) संस्थानो एवं संगठनों को दिया गया अनुदान	-	641,224,958
ख) वर्ष के दौरान उपयोग किया गया अनुदान (अनुदान के बदले बट्टे खाते में डाली गई अचल संपत्ति सहित)	693,629,120	-
ग) संस्थानो एवं संगठनों को दी गई अनुवृत्ति	-	-
कुल	**693,629,120**	**641,224,958**
नोट – संस्थाओं के नाम, अनुदान एवं अनुवृत्ति की राशि के साथ उनके क्रियाकलापों का खुलासा किया जाना है।		

अनुसूची 23 – ब्याज	31.03.2022	31.03.2021
क) अचल ऋण पर	-	-
ख) अन्य ऋण पर (बैक शुल्क सहित)	-	-
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**-**	**-**

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अनुसूची–24: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. वित्तीय विवरणों को तैयार करने का आधार:

(क) प्रस्तुत वित्तीय विवरणों को पारम्परागत लागत परिपाटी के आधार पर तैयार किया गया है।
(ख) लेखांकन नीतियां जिन्हें विशेष रूप से अन्यथा संदर्भित नहीं किया गया है, प्रायः इस संस्थान द्वारा अपनाए जाने वाले स्वीकृति लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप हैं।
(ग) आय एवं व्यय मदों को वास्तविकता के आधार पर स्वीकृत किया गया है।

2. अचल संपत्तियां:

(क) खरीदी / सृजित अचल संपत्तियों को अधिग्रहण की ला गत घटाकर संचित मूल्यह्रास पर उल्लेखित है। अधिग्रहण की लागत में माल ढुलाई, शुल्क, कर एवं अन्य आवश्यक खर्च शामिल हैं।
(ख) निम्नलिखित भूमि संबंधित राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क आवंटित की गई है। और इसे खाता बहिंयों में 1– रुपये के मामूली मूल्य पर दर्शाया गया है।

- चेन्नई, तमिलनाडु में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- कोलकाता, पश्चिम बंगाल में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- रोहतक, हरियाणा में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- जोधपुर, राजस्थान में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- हैदराबाद में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- पटना, बिहार में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- बनूर, पंजाब में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि

3. अवमूल्यन:

चालू वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान सरकार से खरीदी एवं सृजित की गई सभी संपत्तियों पर मूल्यह्रास लगाया गया है। चालू वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों पर लगाया गया कुल मूल्यह्रास रु. 69,32,36,207– था और अनुदान को उसी मूल्य के विरुद्ध समायोजित किया गया था। इसके अलावा स्वयं की संचित निधि से खरीदी गई संपत्ति पर रु. 2,24,41,903– का मूल्यह्रास लगाया गया है जो आय और व्यय खाते में दिखाया गया है। नीति के अनुसार, वर्ष 2022–23 के दौरान प्रगति में चल रहे पूंजीगत कार्य से संबंधित पूंजीगत व्यय पर कोई मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि उन्हें तुलन पत्र की तारीख तक पूंजी कृत नहीं किया गया था।

4. निवेश:

दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों निवेशों का मूल्यांकन तुलन पत्र की तारीख के अनुसार लागत पर किया गया है।

5. वस्तु सूची :

जैसा कि विभाग प्रमुखों द्वारा प्रमाणित किया गया है कि वस्तु सूची का मूल्यांकन लागत पर किया जाता है।

6. **राजस्व मान्यताः**

अनुदान सब्सिडी को छोड़कर सभी आय का लेखा संचय के आधार पर किया गया है, जिसे सरकारी अनुदान से खरीदी गई संपत्तियों पर लगाए गए मूल्यह्रास की सीमा तक आय के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है।

7. **व्ययः**

सभी व्यय संचय के आधार पर निर्धारित किए गए हैं। वर्ष 2022–2023 के दौरान, 14,90,230/रुपये के अवकाश नकदीकरण के प्रावधान के कारण व्यय दर्ज किया गया। 31.03.2023 को अवकाश नगदीकरण के लिए कुल प्रावधान 5,81,43,082/ रुपये तथा ग्रेच्युटी का प्रावधान 7,69,05,502/ रुपये है, जिसमें से 7,44,84,555/ रुपये की धनराशि एलआईसी ग्रुप ग्रेच्युटी स्कीम में निवेश की गई है।

8. **कार्य प्रगति पर पूँजीकरणः**

वर्ष के दौरान रु. 5,49,07,261/ (आईडीएलएस रु .4,74,929/, सीएनसी रु.14,89,585/ एवं सीओई रु . 5,29,42,747/) को पूंजीगत कार्य प्रगति के रूप में दर्शाया गया है। पटना, जोधपुर, कोलकाता, रोहतक, चेन्नई एवं हैदराबाद एफडीडीआई की शाखाओं में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना के लिए तथा सीएनसी और आईडीएलएस–नोएडा में व्यय किया गया है।

9. **व्यय की तुलना में आय की अधिकता कमीः**

संगठन की नीति के अनुसार, एफडीडीआई ने आय से अधिक व्यय रुपये 13,36,81,813/ को पूंजी एवं संग्रहण निधि में स्थानांतरित कर दिया गया है।

10. **अनुदान सहायताः**

चालू वर्ष के दौरान एफडीडीआई ने शून्य– रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ और इस अनुदान से 1,15,79,009/ रुपये की आय अर्जित की गई। अनुदान से खरीदी गई परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास के विरूद्ध 69,32,36,207/ रुपये तथा अन्य आवर्ती प्रशासनिक व्यय शून्य– रुपये के साथ अनुदान का उपयोग समायोजन किया गया।

11. 1) स्टॉक एवं नकदी की शेष राशि विभागाध्यक्षों द्वारा प्रमाणित और उनके द्वारा 31.03.2023 को भौतिक रूप से सत्यापित की गई है।

2) विविध देनदारों, लेनदारों, प्राप्य, ऋण, अग्रिम और अन्य देनदारियों का शेष चाहे नामे या जमा में हो, पुष्टि और सामंजस्य के अधीन हैं।

3) संस्थान ने सभी परिसरों एवं मुख्यालय के लिए नियमित रूप से आंतरिक लेखा परीक्षा करने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट की फर्मों को नियुक्त किया है। हमने सभी परिसरों के खातों की बहियों को आंतरिक लेखा परीक्षक द्वारा परिक्षित कराया है।

4) वित्तीय विवरणों को पूरा करते समय सभी वित्तीय आंकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

5) पिछले वर्ष के आंकड़ों को यथावश्यक पुनः समूहित एवं पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

6)सभी परिसरों की अचल परिसंपत्तियां (परियोजना से संबंधित) का रख–रखाव मुख्यालय में रखा गया है।

अनुसूची: 25 आकस्मिक देयताएं

1) आकस्मिक देयताएँ: नोएडा प्राधिकरण ने दिनांक 12 .05.2023 को एक पत्र जारी किया है जिसमें नोएडा परिसर के लिए भूमि के पट्टे के किराए एवं उस पर ब्याज के रूप में 1113 करोड़ रुपये की मांग की गई है। इस संबंध में यह प्रस्तुत किया जाता है कि पट्टा किराया का भुगतान तारीख तक कर दिया गया है, लेकिन पट्टा किराये का विलंब भुगतान पर ब्याज देय है। ब्याज माफ करने के लिए नोएडा के साथ पत्राचार किया जा रहा है, हालांकि प्राधिकरण ने जुर्माना माफ करने के लिए सहमति व्यक्त की है और 17% के बजाय बचत ब्याज दर पर भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है तथा प्राधिकरण से पुष्टिकरण पत्र अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

द्वारा फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक

वरिष्ठ प्रबंधक (लेखा एवं वित्त)

स्थान: नोएडा
दिनांक: 06.09.2023

FDDI

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार
एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक
राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

विशेषज्ञता क्षेत्रः

- फुटवियर डिज़ाइन एण्ड प्रोडक्शन
- लेदर लाइफस्टाइल एंड प्रोडक्ट डिजाइन
- रिटेल एण्ड फैशन मर्चेनडाइज़
- फैशन डिज़ाइन

अधिक जानकारी के लिएः

सम्पर्क करें
दूरभाषः 0120–4500100
WWW.FDDIINDIA.COM
fddiofficial fddi

एम. डेस. और बी. डेस. पाठ्यक्रम उपलब्ध